अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर

२०२३ – २४

वार्षिक विवरण

CIRCULAR RING signifies the Continuity, Consistency and Community Involvement. The Maroon colour represents Ambition & Passion of the members of the Institute.

The **RISING SUN** symbolizes bright future and vital energy as a new era dawns for Medical Innovation through research in all spheres of life and also portrays preservation and nurturing of health.
The **12 RAYS OF SUN** are representation of 12 districts of Himachal Pradesh which this institute would serve.

STAFF OF CADUCEUS, the traditional symbol of Medical Profession
Wings of staff of Caduceus symbolizes freedom of innovation in Medical Education and Research to its faculty and students

MOTIF is a unique local social & cultural identity of the Himachal Pradesh, usually seen being used in Himachali Handlooms like Shawls, Caps etc. The intense colours of these portray enthusiasm for life

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

RIBBON signifies Hope and Strength and the Golden Yellow colour potrays optimism.
The Sanskrit saying translates into
"LET ALL BE FREE FROM ILLNESS"

Visuals of Himachal Pradesh are incomplete without **SNOWCLAD MOUNTAINS**, which have become the identity of the State and is reflected in the name too..
The peaks of mountains represents the height of academic and medical care the institute determines to provide.

The **BOOK** is representation of Learning and Knowledge imparted through this Institute

The local geographical identity of the District Bilaspur is the famous **BHAKRA DAM**, often termed as "Temple of Resurgent India" and huge **GOBIND SAGAR LAKE**. The Dam symbolizes the institute as storehouse of knowledge with ability to harness the potential of intelligence (water) and channelizing the energy of the youth for benefit of the society. The huge Gobind Sagar lake is representation of the vastness of the Medical Knowledge.

सत्यमेव जयते

श्री जगत प्रकाश नड्डा
SHRI JAGAT PRAKASH NADDA
माननीय केंद्रीय मंत्री
Hon'ble Union Minister
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Health & Family Welfare and Chemicals & Fertilizers, Government of India

श्री प्रतापराव जाधव
Shri Prataprao Jadhav
माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
आयुष मंत्रालय
Hon'ble Minister of State (Independent Charge)
Ministry of Ayush
व
and
माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
Hon'ble Minister of State
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India

श्रीमती अनुप्रिया पटेल
Smt. Anupriya Patel
माननीय राज्य मंत्री
Hon'ble Minister of State
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Health & Family Welfare and
Chemicals & Fertilizers, Government of India

प्रस्तावना

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर, एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, जिसकी स्थापना, महत्वाकांक्षी 'प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना' (पाँचवा चरण) के अंतर्गत की गई है, जिसका उद्देश्य सामान्य तौर पर, देश में किफायती/विश्वसनीय तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में व्याप्त असंतुलन में सुधार करना और वंचित राज्यों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा हेतु सुविधाओं में वृद्धि करना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने, 3 जनवरी 2018 को, 3 चरणों में विकसित की जाने वाली इस परियोजना को मंजूरी दी थी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के प्रथम चरण का निर्माण, हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के ग्राम कोठीपुरा में राष्ट्रीय राजमार्ग- 205 (शिमला-कांगड़ा/शिमला घुमारवीं सड़क) पर लगभग 247 एकड़ भूमि पर किया गया है। अस्पताल के भवन का निर्माण, 750 बिस्तरों की क्षमता, एवं सभी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ किया गया है।

एम्स बिलासपुर का शिलान्यास, 03 अक्टूबर 2018 को, भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किया गया था और उसके पश्चात, 21 जनवरी 2019 को तत्कालीन, माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, श्री जे पी नड्डा जी और हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन, माननीय मुख्यमंत्री, श्री जय राम ठाकुर जी ने भूमि पूजन किया था।

इस संस्थान को भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा, दिनांक 05 अक्टूबर 2022 के दिन, राष्ट्र को समर्पित किया गया था एवं तब से यह संस्थान, स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में शोभायमान है, और विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने हेतु, भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। एम्स बिलासपुर तीव्र गति से एक अग्रणी संस्थान के रूप में विकसित हुआ है, जो केवल व्यापक चिकित्सा देखभाल के केंद्र के रूप में सेवा नहीं देता है, बल्कि अत्याधुनिक अनुसंधान, नवाचार और स्वास्थ्य पेशेवरों की अगली पीढ़ी के प्रशिक्षण को भी बढ़ावा देता है।

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में सुरम्य परिदृश्यों के बीच बसा एम्स बिलासपुर, एक स्वस्थ और अधिक समृद्ध भारत के सपने को साकार करता है। स्थापना के आरंभ से ही यह संस्थान, उच्चतम मानकों वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने, चिकित्सा अनुसंधान में अपनी क्षमताओं का विस्तार करने, शैक्षणिक रूप से दक्ष एवं करुणामय और समर्पित स्वास्थ्य पेशेवरों को निर्मित करने, हेतु समर्पित है।

एम्स बिलासपुर, लोगों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने, चिकित्सा विज्ञान में प्रगति तथा अधिक स्वस्थ एवं समृद्ध भारत के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

अध्यक्ष का संदेश

हमारे प्रतिष्ठित संस्थान की वर्ष 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए, मुझे अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। इस वर्ष, रोगी देखभाल, शिक्षा, अनुसंधान और सामुदायिक सहभागिता में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं।

पिछले एक वर्ष के दौरान, नए विभागों और सुविधाओं की स्थापना के हम सभी साक्षी हैं, जिसके फलस्वरूप, हम अपने रोगियों को व्यापक और उन्नत चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम हुए हैं। हमारे चिकित्सकों, नर्सों और चिकित्सा कर्मचारियों की समर्पित टीम ने, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी सर्वोत्तम देखभाल प्रदान करने के लिए अथक परिश्रम किया है, जो प्रतिबद्धता, करुणा और व्यावसायिकता के उस चरित्र पर खरा उतरता है, जो 'एम्स' को परिभाषित करता है। इस विस्तार से मरीजों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है, जो समुदाय के हम पर भरोसे को दर्शाता है। एम्स बिलासपुर ने एक ही छत के नीचे मरीजों को व्यापक तृतीयक स्तर की सेवाएँ प्रदान करने हेतु, रोगी देखभाल सेवाओं के दायरे को बढ़ाने की योजना बनाई है।

इस वर्ष, हमने नए स्नातकोत्तर और सुपरस्पेशलिटी पाठ्यक्रमों की शुरुआत करके अपनी शैक्षणिक सेवाओं का विस्तार किया है। ये कार्यक्रम हमारे शैक्षणिक ढांचे की प्रगति और हमारे स्नातकों को, चिकित्सा क्षेत्र की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार करने हेतु बनाए गए हैं। रोगी देखभाल में सुधार करने के हमारे मिशन के अनुरूप, हमने कई नवाचार शोध परियोजनाएँ शुरू की हैं। स्वास्थ्य सेवा में किफायती तकनीक, अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण केंद्र बिंदु है। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के सहयोग से, हमारा लक्ष्य, लागत प्रभावी समाधान विकसित करना है, जो स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण सुधार प्रदान कर सकते हैं। सामुदायिक भागीदारी में हमारी प्रतिबद्धता भी इस वर्ष, हमारी गतिविधियों की आधारशिला रही है। हमने दूर-दराज के क्षेत्रों में, कई चिकित्सा शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है, जिसके फलस्वरूप, जिन समुदायों की हम सेवा करते हैं, उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूती मिलती है। ये पहल, न केवल आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करती है, बल्कि निवारक स्वास्थ्य उपायों के बारे में जागरूकता भी बढ़ाती है।

मैं अपने संस्थान के, कार्यकारी निदेशक, डॉ. वीर सिंह नेगी का हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। इन उपलब्धियों को संभव बनाने में, उनके दूरदर्शी नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हमारे मिशन के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने, हमारी टीम को नई ऊँचाइयों तक पहुँचने के लिए प्रेरित किया है। एकसाथ ये प्रयास, शिक्षा, अनुसंधान और सामुदायिक सेवा में उत्कृष्टता हेतु, हमारे निरंतर समर्पण को दर्शाते हैं। हम आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवा एवं शिक्षा की प्रगति के अपने मिशन को जारी रखने हेतु तत्पर हैं।

प्रो. (डॉ.) रणदीप गुलेरिया
अध्यक्ष, एम्स बिलासपुर (हि.प्र.)

निदेशक समीक्षा

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त कार्यप्रणाली वाला एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, जिसकी परिकल्पना देश में किफायती/विश्वसनीय तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में असंतुलन को ठीक करने के लिए 'प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के चरण पांचवे के तहत की गई थी।

परियोजना विवरण

- एम्स बिलासपुर की स्थापना की परियोजना को 3 जनवरी, 2018 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया।
- 247 एकड़ भूमि के विकास के लिए 1378.04 करोड़ रुपये की संशोधित परियोजना लागत को मंजूरी दी गई।
- मेसर्स एनबीसीसी (आई) लिमिटेड को परियोजना के कार्यान्वयन की देखरेख सौंपी गई। ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) अनुबंध मेसर्स एनसीसी लिमिटेड को दिया गया।
- 161 करोड़ के बजट साथ 750 चिकित्सा उपकरणों की खरीद हाइटस (HITES) के द्वारा की जा रही है।
- इस संस्थान की आधारशिला भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 03 अक्टूबर, 2017 को रखी थी।
- इसके बाद 21 जनवरी, 2019 को माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, श्री जगत प्रकाश नड्डा जी और हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर ने भूमि पूजन कर संस्थान के निर्माण की शुरूआत की। अनुबंध संबंधी कार्य, 24 जनवरी, 2019 को शुरू हुआ, तथा निर्माण कार्य जून 2019 में शुरू हुआ।
- परियोजना को 3 चरणों में विकसित करने का प्रस्ताव है और परियोजना के पहले चरण में 750 बिस्तर और 41 स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी विभाग होंगे।
- यह परियोजना 5 अक्टूबर 2022 को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा राष्ट्र को समर्पित की गई।
- माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा 4 फरवरी 2024 को संस्थान में कार्डियक कैथ लैब, सीएसएसडी और लॉन्ड्री सेवाओं का उद्‌घाटन किया गया।
- माननीय श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 24 फरवरी 2024 को आपातकालीन सेवाओं के लिए रेडियोथेरेपी सेवाओं, लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट और सीटी स्कैन मशीन का उद्‌घाटन किया।
- इस संपूर्ण परियोजना को 28 फरवरी 2024 को कार्यकारी एजेंसी एनबीसीसी से अधिग्रहित किया गया।

संस्थान की गतिविधियाँ

रोगी देखभाल

डॉक्टरों, नर्सों और सहायक कर्मचारियों की हमारी समर्पित टीम ने रोगी देखभाल और संतुष्टि के उच्च मानक प्रदान करने के लिए अथक परिश्रम किया है और पिछले वर्ष में विभिन्न ओपीडी में लगभग दो लाख रोगियों की सेवा की है। संस्थान में पिछले वर्ष की तुलना में रोगियों की संख्या में 50% से अधिक की वृद्धि देखी गई है, जो सुलभ और व्यापक देखभाल के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 'जेरिएट्रिक' क्लिनिक और 'गैर-संचारी रोग और मधुमेह

क्लिनिक' सितंबर 2023 में शुरू किए गए थे, जो बृद्ध रोगियों और मधुमेह जैसी पुरानी बीमारियों वाले लोगों के लिए उचित देखभाल प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, 'स्क्रीनिंग ओपीडी' नवंबर 2023 में शुरू हुई, जो आवश्यक निवारक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करती है। न्यूक्लियर मेडिसिन ओपीडी फरवरी 2024 में शुरू की गई है और स्पैक्ट (SPECT) और पैट सीटी (PET CT) आगामी वर्ष में कार्यान्वित होने की उम्मीद है।

'क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी और रुमेटोलॉजी' में सुपरस्पेशलिटी विभाग की स्थापना अक्टूबर 2023 में की गयी थी और अब यह पूरी तरह कार्यात्मक है, जिसमें तीन संकाय हैं जो इम्यूनोलॉजिकल और रूमेटिक विकारों से पीड़ित रोगियों को नैदानिक और चिकित्सीय सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

वर्तमान में, एम्स बिलासपुर में 38 कार्यात्मक क्लिनिकल विभाग हैं, जिनमें 17 ब्रॉड स्पेशिऐलिटी और 13 सुपर-स्पेशलिटी क्लिनिकल विभाग रोगी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

विशेषज्ञ केंद्र (Telehub) के रूप में टेलीमेडिसिन परामर्श, हिमाचल प्रदेश के 10 जिलों को प्रदान किया जा रहा है, जिससे 15,000 से अधिक रोगियों को लाभ मिला है।

एम्स बिलासपुर में प्रतिदिन 6 ऑपरेशन थियेटर काम कर रहे हैं और 2,000 से अधिक रोगियों की बड़ी सर्जरी की जा चुकी है। संस्थान में मेडिसिन वार्ड के भीतर मेडिकल आईसीयू की सुविधा को 6 दिसंबर 2023 को ई-ब्लॉक की 5वीं मंजिल में अपने नियत स्थायी स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है।

संस्थान की आपातकालीन और ट्रॉमा सेवाएं पूरी तरह से कार्यात्मक हैं और पिछले वर्ष 11000 से अधिक रोगियों को सेवा प्रदान की गई है। संस्थान गंभीर रूप से बीमार रोगियों की भारी भीड़ को देखते हुए एक समर्पित आपातकालीन और ट्रॉमा केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है। पिछले वित्तीय वर्ष में शुरू की गई डायलिसिस सेवाएं पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और इस वर्ष 1873 डायलिसिस सत्र आयोजित किए गए । एम्स बिलासपुर में आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। इन प्रयोगशालाओं तथा HIND लैब द्वारा आईपीडी और ओपीडी रोगियों के लिए 24x7 जांच सेवाएं उपलब्ध रहती हैं।

एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन और एमआरआई सेवाओं के साथ मरीजों को रेडियोलॉजी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं और इन सेवाओं से 65,000 से अधिक मरीज लाभान्वित हुए हैं। सीएसआर योजना के तहत आपत्कालीन सेवा हेतु पावरग्रिड द्वारा प्रदान की गई नई सीटी स्कैन मशीन चालू हो गई है।

एम्स बिलासपुर ने संस्थान में प्रदान की जा रही सेवाओं के दायरे में कार्डियक कैथ लैब सेवाओं को जोड़ा है। हृदय संबंधी मामलों के अलावा, कैथ लैब में इंटरवेंशन रेडियोलॉजी सेवाएं भी शुरू की गई हैं। फरवरी 2024 में रेडियोथेरेपी सेवाओं का उद्घाटन किया गया था और एम्स बिलासपुर अब मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी सेवाओं के साथ एक ही छत के नीचे संपूर्ण कैंसर देखभाल सेवाएं प्रदान करता है।

पेंशनधारी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और पूर्व सैनिकों को मुफ्त सेवाएं प्रदान करने के लिए सीजीएचएस और ईसीएचएस के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने की प्रक्रिया चल रही है।

वर्तमान में, एम्स बिलासपुर में प्रतिदिन लगभग 1000 से अधिक रोगियों द्वारा ओपीडी सेवाओं का लाभ लिया जाता है। अस्पताल में उपलब्ध 452 कार्यात्मक बिस्तरों के साथ विभिन्न स्पेशियलिटी और सुपर स्पेशियलिटी विभागों में ओपीडी, आईपीडी, डेकेयर, 24X7 आपातकालीन सेवाएँ, डायलिसिस, प्रसव और ओटी (लैप्रोस्कोपिक सर्जरी सहित) सेवाएँ

उपलब्ध हैं। हिमकेयर और आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा योजनाएँ क्रियाशील हैं, जो गरीबों को मुफ़्त गुणवत्तापूर्ण देखभाल प्रदान करती हैं, और इन सरकारी वित्तपोषित स्वास्थ्य योजनाओं के तहत 14,724 से अधिक मरीज़ लाभान्वित हुए हैं।

सहायक सेवाएँ:

- 20,000 लीटर क्षमता वाले 2 टैंकों वाला लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया गया है और यह मरीजों को ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कार्यात्मक हो गया है।
- संस्थान में लांड्री (Laundry) सेवाएँ चालू कर दी गई हैं, जो अस्पताल के ओपीडी, आईपीडी, ओटी और अन्य क्षेत्रों के कार्यान्वयन में प्रभावी सहायता प्रदान करती हैं।
- एम्स बिलासपुर दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को सुविधाएँ प्रदान करने के लिए पावरग्रिड कॉर्प की सीएसआर योजना के तहत 250 बिस्तरों वाले विश्राम सदन का निर्माण आरंभ करने की प्रक्रिया में है।
- जून 2023 में शुरू की गई सीएसएसडी (CSSD) सेवाएँ पूरी तरह से चालू हैं।
- संस्थान में मरीजों के परिवहन के लिए दो एसीएलएस और बीएलएस सुविधाओं से सुसज्जित एम्बुलेंस उपलब्ध हैं।
- एम्स बिलासपुर अपने परिसर के भीतर मरीजों और उनके परिजनों को परिवहन के लिए निःशुल्क इलेक्ट्रिक-कार्ट सेवाएँ प्रदान करता है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

एमबीबीएस कार्यक्रम: एमबीबीएस कार्यक्रम का चौथा शैक्षणिक सत्र सितंबर 2023 में 100 छात्रों के प्रवेश के साथ शुरू हुआ।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम: जनवरी 2023 में, तीन पैराक्लिनिकल विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किए गए। इसके बाद जुलाई 2023 में नौ क्लिनिकल विभागों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू किए गए, जिसमें विभिन्न विशेषज्ञताओं में 17 छात्रों का प्रवेश हुआ। 21 पैराक्लिनिकल और क्लिनिकल विभागों में अतिरिक्त स्नातकोत्तर सीटें स्वीकृत की गईं है। जनवरी 2024 में, 25 स्नातकोत्तर छात्रों का तीसरा बैच संस्थान में शामिल हुआ।

सुपर स्पेशियलिटी प्रोग्राम: जनवरी 2024 में नेफ्रोलॉजी, क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी और रुमेटोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, नियोनेटोलॉजी और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी सहित पांच विषयों में सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम (डीएम/एमसीएच) भी शुरू किए गए।

नर्सिंग और पैरामेडिकल कार्यक्रम: बीएससी नर्सिंग (ऑनर्स) छात्रों का दूसरा बैच, जिसमें 39 नामांकित छात्र शामिल हैं, ने 2023 में अपनी पढ़ाई शुरू की। इसके अलावा, मेडिकल टेक्नोलॉजी डायलिसिस थेरेपी (एमडीटीटी), मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (एमएलटी), और मेडिकल रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी (एमआरआईटी) में नए बीएससी पैरामेडिकल पाठ्यक्रम शुरू किए गए है।

स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए क्लीनिकल कौशल एवं सिमुलेशन प्रशिक्षण केंद्र (कौशल प्रयोगशाला) जल्द ही क्रियाशील होने वाला है। एम्स बिलासपुर स्नातकोत्तर शिक्षण एवं कौशल संवर्धन के लिए एक उन्नत सिमुलेशन प्रयोगशाला स्थापित करने की प्रक्रिया में है, जिसमें रोबोटिक सर्जरी सिमुलेशन प्रयोगशाला भी शामिल होगी ।

अनुसंधान

संस्थान के संकाय स्थानीय स्तर पर प्रचलित स्वास्थ्य मुद्दों पर अनुसंधान करने और समुदाय के लाभ के लिए इसके अनुप्रयोगों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। पिछले साल संकाय ने विभिन्न प्रतिष्ठित पत्रिकाओं (Journals) और पुस्तकों में 142 शोध पत्र और 22 पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए। संस्थान में 50 से अधिक शोध परियोजनाएं चल रही हैं और लगभग 20 शोध परियोजनाओं को प्रतिष्ठित एजेंसियों से बाह्य अनुदान प्राप्त हुआ है। बाह्य और आंतरिक वित्तपोषण के

लिए वैज्ञानिक रूप से ठोस प्रस्ताव तैयार करने में मदद करने के लिए संस्थान वैज्ञानिक सलाहकार समिति (IScAC) की स्थापना की गई है । संस्थागत नैतिकता समिति (Ethics Committee) प्रतिभागियों की सुरक्षा और अनुसंधान के नैतिक आचरण को सुनिश्चित करने हेतु नैतिक समीक्षा के लिए प्रस्तुत शोध परियोजनाओं की देखरेख में सक्रिय रूप से शामिल है। संस्थान, गुणवत्तापूर्ण शोध की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है और नियमित रूप से शोध में संकाय की क्षमता निर्माण के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

एम्स बिलासपुर में केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सीआरएफ) की स्थापना की जा रही है, जिससे छात्रों और शिक्षण कर्मचारियों को अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक उपकरणों और संसाधनों की केंद्रीकृत और लागत प्रभावी पहुंच प्रदान की जा सके।

एम्स बिलासपुर में एक क्षेत्रीय वायरस अनुसंधान और निदान प्रयोगशाला (वीआरडीएल) स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जो संक्रामक रोगों, विशेष रूप से वायरल बीमारियों की बदलती महामारी के निदान एवं अनुसंधान की जरूरतों को पूरा करने के लिए जैव सुरक्षा स्तर 3 मानकों वाली प्रयोगशाला, अनुक्रमण, उन्नत निदान और अनुसंधान सुविधाओं से सुसज्जित होगी।

एम्स बिलासपुर में नवाचार, इनक्यूबेशन और उद्यमिता प्रकोष्ठ (आईआईईसी) की स्थापना की गई है, जिससे नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा सके।

सामुदायिक पहुंच (Community Outreach)

एम्स बिलासपुर सामुदायिक आउटरीच गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध है एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानता है। संस्थान ने आउटरीच गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए एक सामुदायिक आउटरीच सेल की स्थापना की है। संस्थान दूरदराज के आदिवासी और ऊंचाई वाले गांवों में स्वास्थ्य शिविरों से लेकर, स्कूलों में शैक्षिक कार्यक्रमों तक, संस्थान निवारक स्वास्थ्य देखभाल उपायों, रोग प्रबंधन और स्वास्थ्य संवर्धन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्थानीय समुदायों के साथ सक्रिय रूप से हिस्सा लेता है ।
एम्स बिलासपुर ने बिलासपुर जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लिया और चार ब्लॉकों में 21 से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया, जिनमें गैर-संचारी रोगों के लिए 450 से अधिक रोगियों की जांच की। कमजोर और जरूरतमंद आबादी के लिए कांगड़ा जिले के दूरदराज के इलाकों में मल्टी-स्पेशियलिटी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। संस्थान ने सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों जैसे एचआईवी-एड्स, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर, तपेदिक, कुष्ठ रोग, मानसिक स्वास्थ्य, अंगदान, फार्माकोविजिलेंस, रक्तदान आदि पर सामाजिक जागरूकता व्याख्यान आयोजित किए। सहायक नर्स दाइयों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं के लिए स्तनपान, अनाज को मुख्यधारा में लाना, सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण और आघात रोगियों के प्रबंधन समेत कई अन्य विषयों पर स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित किए गए। स्कूली छात्रों के लिए आकर्षक स्वास्थ्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं जिसमें उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता, मोटापे की रोकथाम, स्वस्थ आहार, सुरक्षित दिवाली अभियान आदि जैसे प्रासंगिक मुद्दों के बारे में शिक्षित किया गया। पिछले साल कुल मिलाकर लगभग 70 सामुदायिक आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

भविष्य की योजनाएँ

क्लीनिकल सेवाएँ

- निकट भविष्य में, एम्स बिलासपुर अपनी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक श्रृंखला का विस्तार करने की योजना बना रहा है। जल्द ही, सभी 750 बेड 16 अत्याधुनिक ऑपरेटिंग थिएटर (ओटी) और 64 गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) बेड काम करने लगेंगे। इसके अतिरिक्त, एम्स बिलासपुर में लेवल 3 पीडियाट्रिक आईसीयू, एक आईवीएफ (IVF) सेंटर और कार्डियक वैस्कुलर और थोरेसिक सर्जरी (CTVS) सुविधाएँ उपलब्ध कराने की योजना है।
- भविष्य में संस्थान में मल्टीऑर्गन ट्रांसप्लांट सुविधाएँ उपलब्ध कराने की योजना है। रीनल ट्रांसप्लांट सेवाएँ, स्टेम सेल और कॉर्निया ट्रांसप्लांट सेवाएँ जल्द ही शुरू की जाएंगी। संस्थान में बोन बैंक बनाने की भी योजना है।

- पहाड़ी प्रदेश में स्थापित एम्स बिलासपुर में, क्षेत्र की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, एक हाई-एल्टीट्यूड मेडिसिन सेंटर स्थापित करने की योजना है।
- संस्थान में एचएलए (HLA) टाइपिंग और मॉलिक्यूलर कैंसर टाइपिंग जैसी उन्नत डायग्नोस्टिक सेवाएँ प्रदान करने की दिशा में भी काम चल रहा है ।

शिक्षण एवं प्रशिक्षण

भविष्य में एम्स बिलासपुर अपनी शैक्षणिक कार्यक्रमों के विस्तार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए तैयार है।

- एमबीबीएस छात्रों की संख्या बढ़ाकर 125 की जाएगी तथा शेष विभागों में स्नातकोतर (एमडी/एमएस) और सुपर स्पेशलिटी (डीएम/एमसीएच) पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।
- पीएचडी पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य नर्सिंग और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान में नवीन एवं उन्नत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।
- एम्स बिलासपुर संस्थान के शैक्षणिक वातावरण को बढ़ाने के लिए एक ई-लाइब्रेरी स्थापित की जाएगी।

अनुसंधान

एम्स बिलासपुर रोगी केंद्रित अनुवादात्मक अनुसंधान (Patient Critical Translational Research) के लिए प्रतिबद्ध है और इसे चिकित्सा उन्नति और नवाचार की आधारशिला के रूप में देखता है। क्षेत्र के लोगों की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए,

- एम्स बिलासपुर किफायती कम लागत वाली तकनीकों और चिकित्सा विज्ञान के विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- ऑन्कोजीन स्क्रीनिंग, कैंसर सेल एपिजेनोमिक्स और अस्पताल में होने वाले संक्रमणों पर नियंत्रण, अनुसंधान के मुख्य विषय हैं। उच्च तुंगता वाली बीमारियों की चिकित्सा, स्वास्थ्य सेवा में डिजिटल स्वास्थ्य और एआई, कुछ मुख्य अन्य क्षेत्र हैं जिन पर संस्थान भविष्य के अनुसंधान के लिए ध्यान केंद्रित करेगा।

सामुदायिक पहुंच (Community Outreach)

- भविष्य में, एम्स बिलासपुर का लक्ष्य सामुदायिक आउटरीच शिविरों में प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना है और ग्रामीण और पर्यावरणीय स्वास्थ्य केंद्र (किसान स्वास्थ्य केंद्र) स्थापित करना है।
- संस्थान राज्य के दूरदराज और कठिन क्षेत्रों में सैटेलाइट केंद्र स्थापित करने की भी योजना बना रहा है ताकि प्रदेश की सारी आबादी के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा सुलभ हो सके और निकट भविष्य में उनका उपयोग चिकित्सा मूल्य पर्यटन (Medical Value Tourism) के लिए किया जा सके।

एम्स बिलासपुर हिमाचल प्रदेश और आसपास के राज्यों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण तृतीयक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले वर्ष में, संस्थान ने अपनी स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हमारे स्वास्थ्य कर्मियों ने विशेष स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने और नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए लगन से काम किया है, जिससे गुणवत्तापूर्ण देखभाल सभी के लिए सुलभ हो सके। संस्थान अपने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, और आम नागरिक के जीवन को स्वस्थ और बेहतर बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य अनुसंधान में संलग्न है।

स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अनुसंधान के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता अटल रहेगी। संस्थान अपनी प्रगति द्वारा हर संभव तरीके से स्वास्थ्य, शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में राष्ट्र की सेवा करता रहेगा।

सर्वे सन्तु निरामया।

प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी
कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ
एम्स, बिलासपुर

विषय सूचि

क्र. संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
I	**संस्थान एवं समितियां**	XV
II	**भर्ती अनुभाग**	01
III	**क़ानूनी अनुभाग**	04
IV	**अभियांत्रिकी अनुभाग**	06
V	**दिव्यांगजनों के लिए पहल**	12
VI	**चिकित्सा सेवाएं**	13
1.	बाह्यरोगी विभाग	13
2.	आंतरिक रोगी विभाग	14
3.	शल्यक्रिया सेवाएं	15
4.	गहन चिकित्सा कक्ष सेवाएं	17
5.	अभिघात एवं आपातकाल चिकित्सा सेवाएं	17
6.	वृकरोग एवं अपोहन सेवाएं	19
7.	हृदयरोग सेवाएं	20
8.	रक्तकोष सेवाएं	20
9.	प्रसूति सेवाएं	21
10.	टीकाकरण सेवाएं	21
11.	नैदानिक सेवाएं	24
12.	विकिरण चिकित्सा सेवाएं	28
13.	हिमकेर एवं आयुष्मान भारत बीमा योजनाएं	29
14.	उपचर्या सेवाएं	29
15.	सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थ	31
16.	सुरक्षा उपाय	31
VII	**शैक्षणिक कार्यक्रम**	33
1.	पूर्वस्नातक कार्यक्रम	33
2.	स्नातकोत्तर कार्यक्रम	34
3.	चिकित्सा शिक्षा इकाई	38
4.	प्रतिपालक कार्यक्रम	39
5.	परीक्षा अनुभाग	40
6.	छात्रावास अनुभाग	42
VIII	**अनुसंधान**	45
1.	संस्थागत आचारनीति समिति (Ethics Committee)	46
2.	स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार	48
IX	**विभागीय वार्षिक रिपोर्ट**	
1	सवेंदनाहरण विज्ञान एवं विकट देखभाल विभाग	49
2.	शरीर रचना विज्ञान विभाग	52
3.	जीव रसायन विज्ञान विभाग	56

4.	बर्न एवं प्लास्टिक शल्य चिकित्सा विभाग	61
5.	हृदयरोग चिकित्सा विभाग	62
6.	हृदय वक्ष संवहिनी शल्य चिकित्सा विभाग	64
7.	सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग	65
8.	नैदानिक प्रतिरक्षाविज्ञान एवं संधिवातीयशास्त्र	75
9.	दन्तरोग विज्ञान विभाग	78
10.	त्वचाविज्ञान, रतिजरोग और कुष्ठरोग विभाग	81
11.	अंतस्रावी, मधुमेह, उपापचय विज्ञान विभाग	85
12.	कर्णनासाकंठ विज्ञान एवं हेड-नेक सर्जरी विभाग	86
13.	फोरेंसिक एवं विष विज्ञान विभाग	88
14.	सामान्य चिकित्सा विभाग	90
15.	सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग	93
16.	अस्पताल प्रशासन विभाग	96
17.	चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग	97
18.	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग	99
19.	नवजात शिशुरोग विज्ञान विभाग	102
20.	वृक्क रोग विज्ञान विभाग	104
21.	तंत्रिका विज्ञान	107
22.	स्नायुशल्यचिकित्सा विभाग	111
23.	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग	112
24.	नेत्ररोग विज्ञान विभाग	121
25.	अस्थिरोग विभाग	124
26.	विकृति विज्ञान विभाग	126
27.	बालरोग विज्ञान विभाग	130
28.	बालरोग शल्य चिकित्सा विभाग	132
29.	भेषजगुण विज्ञान विभाग	134
30.	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	138
31.	मनोचिकित्सा विभाग	142
32.	विकिरण निदान विभाग	145
33.	विकिरण चिकित्सा विभाग	148
34.	शल्य अर्बुदविज्ञान विभाग	150
35.	रक्तआधान औषधि एवं रक्त कोष विभाग	152
36.	मूत्रविज्ञान विभाग	153
37.	उपचर्या शिक्षा महाविद्यालय	154
X	**सामुदायिक गतिविधियां**	159
XI	**एम्स बिलासपुर सुर्खियों में**	172
XII	**२०२३-२४ वित्तीय वर्ष वार्षिक लेखा रिपोर्ट**	175

संस्थान निकाय

संख्या	सदस्यों के नाम		पद
1.	**प्रो. (डॉ) रणदीप गुलेरिया** अध्यक्ष, सामान्य चिकित्सा, श्वसन एवं निद्रारोग चिकित्सा संस्थान, मेदांता, द मेडिसिटी, गुरुग्राम		अध्यक्ष
2.	**श्री अनिल बलूनी** संसद सदस्य - राज्य सभा		सदस्य
3.	**श्री सुरेश कश्यप** संसद सदस्य - लोक सभा		सदस्य
4.	**श्री रतन लाल कटारिया** संसद सदस्य - लोक सभा	18/05/2023 तक	सदस्य
	श्री किशन कपूर संसद सदस्य - लोक सभा	04/09/2023 उपरांत	
5.	**श्री राजेश भूषण** आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	31/07/2023 तक	सदस्य
	श्री सुदांश पंत आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	01/08/2023 उपरांत 01/01/2024 तक	
	श्री अपूर्व चंन्द्रा आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	02/01/2024 उपरांत	
6.	**डॉ अतुल गोयल** स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार		सदस्य
7.	**श्री जयदीप कुमार मिश्रा** आईएएस, अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार		सदस्य
8.	**श्री प्रबोध सक्सेना** आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार		सदस्य
9.	**प्रो. एस.पी. बंसल** कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर		सदस्य
10.	**प्रो. गंगाधर** महा सचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ		सदस्य
11.	रिक्त		सदस्य
12.	**डॉ. अजय दुसेजा** प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़		सदस्य
13.	**डॉ. आदर्श चौधरी** अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, मेदांता इंस्टिट्यूट ऑफ़ डाइजेस्टिव एंड हेपटोबिलियरी सांईसेज, गुरुग्राम, हरियाणा		सदस्य
14.	**डॉ. अक्षय चंद्र धारीवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली		सदस्य
15.	**प्रो. पीयूष साहनी** प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली		सदस्य
16.	**प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा** निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी		सदस्य
17.	**प्रो (डॉ) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर		सदस्य सचिव

शासी निकाय

संख्या	सदस्यों के नाम		पद
1.	**प्रो. (डॉ) रणदीप गुलेरिया** अध्यक्ष, सामान्य चिकित्सा, श्वसन एवं निद्रारोग चिकित्सा संस्थान, मेदांता, द मेडिसिटी, गुरुग्राम		अध्यक्ष
2.	**श्री सुरेश कश्यप** संसद सदस्य - लोक सभा		सदस्य
3.	**श्री राजेश भूषण** आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	31/07/2023 तक	सदस्य
	श्री सुदांश पंत आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	01/08/2023 उपरांत 01/01/2024 तक	
	श्री अपूर्व चंन्द्रा आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	02/01/2024 उपरांत	
4.	**डॉ अतुल गोयल** स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार		सदस्य
5.	**श्री जयदीप कुमार मिश्रा** आईएएस, अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार		सदस्य
6.	**श्री प्रबोध सक्सेना** आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार		सदस्य
7.	रिक्त		सदस्य
8.	**प्रो. पीयूष साहनी** प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली		सदस्य
9.	**डॉ. आदर्श चौधरी** अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, मेदांता इंस्टिट्यूट ऑफ़ डाइजेस्टिव एंड हेपटोबिलियरी सांईसेज, गुरुग्राम, हरियाणा		सदस्य
10.	**डॉ. अजय दुसेजा** प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़		सदस्य
11.	**प्रो (डॉ) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर		सदस्य सचिव

स्थायी वित्त समिति

संख्या	सदस्यों के नाम		पद
1.	**श्री राजेश भूषण** आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	31/07/2023 तक	अध्यक्ष
	श्री सुदांश पंत आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	01/08/2023 उपरांत 01/01/2024 तक	
	श्री अपूर्व चंन्द्रा आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	02/01/2024 उपरांत	
2.	संसद सदस्य		उपाध्यक्ष (रिक्त)
3.	**डॉ अतुल गोयल** स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार		सदस्य
4.	**श्री जयदीप कुमार मिश्रा** आईएएस, अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार		सदस्य
5.	**प्रो. पीयूष साहनी** प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली		सदस्य
6.	**डॉ. एस.पी. बंसल** कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर		सदस्य
7.	रिक्त		सदस्य
8.	**डॉ. अक्षय चंद्र धारीवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली		सदस्य
9.	**प्रो. (डॉ) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर		सदस्य सचिव

स्थायी चयन समिति

संख्या	सदस्यों के नाम	पद
1.	**प्रो. पीयूष साहनी** प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	रिक्त	उपाध्यक्ष
3.	**डॉ अतुल गोयल** स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
4.	**डॉ. आदर्श चौधरी** अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, मेदांता इंस्टिट्यूट ऑफ़ डाइजेस्टिव एंड हेपटोबिलियरी सांईसेज, गुरुग्राम, हरियाणा	सदस्य
5.	**डॉ. एस.पी. बंसल** कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर	सदस्य
6.	**प्रो. गंगाधर** महा सचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ	सदस्य
7.	**डॉ. अजय दुसेजा** प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य
8.	**डॉ. अक्षय चंद्र धारीवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली	सदस्य
9.	**प्रो. (डॉ) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	सदस्य सचिव

स्थायी शैक्षणिक समिति

संख्या	सदस्यों के नाम	पद
1.	रिक्त	अध्यक्ष
2.	**प्रो. पीयूष साहनी** प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली	उपाध्यक्ष
3.	**श्री अनिल बलूनी** संसद सदस्य - राज्य सभा	सदस्य
4.	**डॉ अतुल गोयल** स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
5.	**डॉ. एस.पी. बंसल** कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर	सदस्य
6.	**डॉ. अजय दुसेजा** प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य
7.	**डॉ. अक्षय चंद्र धारीवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली	सदस्य
8.	**प्रो. गंगाधर** महा सचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ	सदस्य
9.	**प्रो. (डॉ) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	सदस्य सचिव

स्थायी संपदा समिति

संख्या	सदस्यों के नाम	पद
1.	**श्री सुरेश कश्यप** संसद सदस्य - लोक सभा	अध्यक्ष
2.	**श्री जयदीप कुमार मिश्रा** आईएएस, अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	उपाध्यक्ष
3.	**श्री प्रबोध सक्सेना** आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार	सदस्य
4.	**डॉ. अक्षय चंद्र धारीवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली	सदस्य
5.	रिक्त	सदस्य
6.	**डॉ. एस.पी. बंसल** कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर	सदस्य
7.	**डॉ. अजय दुसेजा** प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य
8.	**प्रो. पीयूष साहनी** प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली	सदस्य
9.	**प्रो. (डॉ) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	सदस्य सचिव

मानव संसाधन उप-समिति

संख्या	सदस्यों के नाम		पद
1.	**डॉ. अजय दुसेजा** प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़		अध्यक्ष
2.	**प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा** निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी		उपाध्यक्ष
3.	**श्री राजेश भूषण** आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	31/07/2023 तक	सदस्य
	श्री सुदांश पंत आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	01/08/2023 उपरांत 01/01/2024 तक	
	श्री अपूर्व चंन्द्रा आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	02/01/2024 उपरांत	
4.	**श्री प्रबोध सक्सेना** आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार		सदस्य
5.	**प्रो (डॉ) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर		सदस्य सचिव

प्रशासन

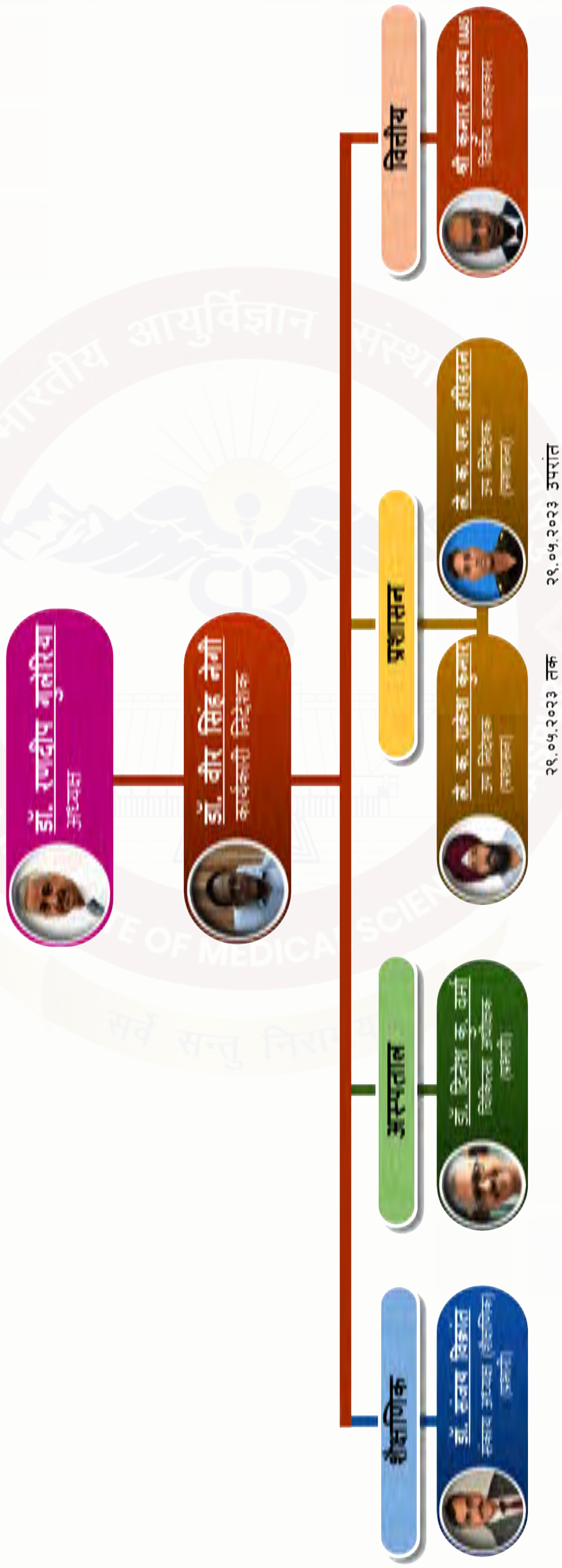
डॉ. रणदीप गुलेरिया
अध्यक्ष
डॉ. वीर सिंह नेगी
कार्यकारी निदेशक
शैक्षणिक
डॉ. संजय विक्रांत
संकाय अध्यक्ष (शैक्षणिक)
(प्रभारी)
अस्पताल
डॉ. दिनेश कु. वर्मा
चिकित्सा अधीक्षक
(प्रभारी)
प्रशासन
ले. क. राकेश कुमार
उप निदेशक
(प्रशासन)
२९.०५.२०२३ तक
ले. क. एन. हरिहरन
उप निदेशक
(प्रशासन)
२९.०५.२०२३ उपरांत
वित्तीय
श्री कुमार अभय IAS
वित्तीय सलाहकार

भर्ती अनुभाग

एम्स बिलासपुर में भर्ती प्रक्रिया में सक्षम प्राधिकारी की सहायता हेतु, 4 सितंबर 2021 को भर्ती प्रकोष्ठ का गठन किया गया था। बड़ी संख्या में लंबित भर्तियों और कम स्टाफ वाले प्रशासनिक ढांचे को देखते हुए, एम्स बिलासपुर में भर्ती (नियमित/अनुबंध/प्रति नियुक्ति) और पदोन्नति प्रक्रिया में मदद करने के लिए संकाय सदस्यों को नामित किया गया था।

क्र.	नाम	सौंपी गई जिम्मेदारी
1.	डॉ. अशोक कुमार दुबे	प्रोजेक्ट सेल पद
2.	डॉ. अशोक कुमार दुबे	संकाय प्रभारी-भर्ती/पदोन्नति
3.	डॉ. प्रीयंदर सिंह ठाकुर	गैर-चिकित्सा गैर-नर्सिंग भर्ती/पदोन्नति
4.	डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता	सलाहकार भर्ती
5.	डॉ लोकेश राणा	जूनियर रेजिडेंट/सीनियर रेजिडेंट भर्ती
6.	डॉ. लक्ष्मी कुमारी सांख्यान	नर्सिंग भर्ती/पदोन्नति
7.	डॉ. नवनीत शर्मा	प्रति नियुक्ति भर्ती
8.	श्रीमती किरण मिश्रा	नर्सिंग भर्ती/पदोन्नति

जनशक्ति

क्र.	पद	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	टिप्पणियाँ
1.	**परियोजना प्रकोष्ठ पद (प्रति नियुक्ति)**	08	06	02	कई विज्ञापनों के बावजूद एफए और एमएस के पद रिक्त।
2.	**मेडिकल संकाय**	188	104	84	प्रवाही विज्ञापन
3.	**नर्सिंग संकाय**	23	11	12	एम्स सीआरई 2024 के लिए एम्स, नई दिल्ली को 12 ट्यूटर पदों के लिए मांग की गई है।
4.	**नर्सिंग अधिकारी**	833	552	281	174 एसएनओ पदोन्नति पद। 57 पदों पर कैट द्वारा चयन स्थगन। एम्स, नई दिल्ली द्वारा 07 नर्सिंग अधिकारियों की भर्ती नॉर्सेट के माध्यम से।
5.	**सीनियर रेजिडेंट (एसआर)**	200	54	146	-
6.	**जूनियर रेजिडेंट (जेआर)**	200	144	56	-
	अन्य गैर-संकाय कर्मचारी				
7.	**समूह- ए**	11	05	04	विज्ञापन प्रक्रियाधीन
8.	**समूह- बी**	48	12	36	एम्स सीआरई 2024 के लिए एम्स नई दिल्ली को मांग दे दी गई है
9.	**समूह- सी**	90	61	29	एम्स सीआरई 2024 के लिए एम्स नई दिल्ली को मांग दे दी गई है
	कुल	**1601**	**1035**	**566**	-

मेडिकल संकाय, नर्सिंग संकाय, सीनियर रेजिडेंट, जूनियर रेजिडेंट, प्रति नियुक्ति पद, सुरक्षा एवं स्वच्छता सेवाएं, सामान्य एवं तकनीकी जनशक्ति के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

भर्ती योजना

क्र.	पद का नाम	विज्ञापन तिथि	आवेदन की अंतिम तिथि	आवेदन जांच	परीक्षा	साक्षात्कार/ दस्तावेज सत्यापन	परिणाम घोषणा	कार्य ग्रहण
संकाय पद								
1.	समूह (ए) संकाय	14.11.2023	24.08.2023	29.08.2023	-	10.10.2023 और 11.10.2023	13.10.2023	अक्टूबर
		06.11.2023	30.11.2023	01.12.2023	-	17.12.2023 से 19.12.2023	22.12.2023	दिसंबर
		16.11.2023	07.12.2023	03.01.2024 से 12.01.2024	-	26.02.2024	09.03.2024	मार्च
		27.11.2024 (अनुबंध)	22.02.2024	04.03.2024	-	05.03.2024	09.03.2024	मार्च
		02.02.2024	30.05.2024	25.04.2024	-	23.07.2024 से 24.07.2024	03.08.2024	अगस्त
गैर-संकाय पद								
1.	ग्रुप (ए) गैर-संकाय	29.09.2023	10.11.2023	16.11.2023 से 17.11.2023	-	30.11.2023	23.12.2023	दिसंबर
		17.02.2024 (अनुबंध)	02.03.2024	04.03.2024	-	05.03.2024	09.03.2024	मार्च
2.	सीनियर रेजिडेंट	06.04.2023	20.04.2023	-	-	24.04.2023	26.04.2023	अप्रैल और मई
		12.06.2023	30.06.2023	-	-	04.07.2023	08.07.2023	जुलाई
		26.07.2023	18.08.2023	-	-	23.08.2023	24.08.2023	अगस्त
		09.09.2023	22.09.2023	-	-	27.09.2023	30.09.2023	सितम्बर
		26.10.2023	14.11.2023	-	-	16.11.2023	21.11.2023	नवंबर
		28.11.2023	08.12.2023	-	-	12.12.2023	13.12.2023	दिसंबर
		09.12.2023	20.12.2023	-	-	22.12.2023	22.12.2023	दिसंबर
		03.01.2024	18.01.2024	-	-	22.01.2024	02.02.2024	फ़रवरी
		25.01.2024	10.02.2024	-	-	13.02.2024	13.02.2024	फ़रवरी
		04.03.2024	10.03.2024	-	-	11.03.2024	12.03.2024	मार्च
3.	जूनियर रेजिडेंट (जेआर)	12.06.2023	12.07.2023	-	-	20.07.2023	25.07.2023	जुलाई
		16.10.2023	27.10.2023	-	-	31.10.2023	02.11.2023	नवंबर
		16.11.2023	25.11.2023	-	-	28.11.2023	29.11.2023	नवंबर
		12.12.2023	21.12.2023	-	-	23.12.2023	23.12.2023	दिसंबर
		06.11.2024	22.01.2024	-	-	24.01.2024	29.01.2024	फ़रवरी
		06.03.2024	12.03.2024	-	-	13.03.2024	13.03.2024	मार्च

क्र.	पद का नाम	विज्ञापन तिथि	आवेदन की अंतिम तिथि	आवेदन जांच	परीक्षा	साक्षात्कार/ दस्तावेज सत्यापन	परिणाम घोषणा	कार्य ग्रहण
4.	एम्स नई दिल्ली द्वारा विज्ञापित नियमित पद (ग्रुप-बी और सी)	17.11.2023	01.12.2023	-	18.12.2023 से 20.12.2023	-	23.12.2023 से 04.01.2024	जनवरी
5.	एम्स नई दिल्ली द्वारा नॉर्सेट (नर्सिंग ऑफिसर) के लिए विज्ञापन	05.08.2023	25.08.2023	-	17.09.2023 (प्रथम चरण), 07.10.2023 (दूसरा चरण)	-	16.10.2023	अक्टूबर
		26.02.2024	17.03.2024	-	14.04.2024 (प्रथम चरण), 05.05.2024 (दूसरा चरण)	-	06.06.2024	जून
6.	प्रतिनियुक्ति	12.06.2023	08.09.2023	11.09.2023	-	11.10.2023, 17.11.2023 और 18.11.2023	02.11.2023 और 25.11.2023	लागू नहीं, दिसंबर
		13.11.2024	13.02.2024	17.02.2024		27.02.2024, 05.03.2024	09.03.2024	मार्च

कानूनी अनुभाग

सलाहकार (कानूनी):- श्री. अरविन्द कुमार नड्डा

1. **एंटी रैगिंग समिति**

एम्स बिलासपुर की एंटी-रैगिंग कमेटी का गठन 23 अक्टूबर, 2021 को वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार किया गया।

क्र. सं.	नाम	पदनाम/विभाग	नियुक्ति
1.	प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी	कार्यकारी निदेशक	संरक्षक
2.	प्रो. (डॉ.) संजय विक्रांत	अधिष्ठाता (शैक्षणिक)	अध्यक्ष
3.	प्रो. (डॉ.) रूपाली पार्लेवार	आचार्य, फिजियोलॉजी विभाग	कार्यवाहक सदस्य सचिव
4.	प्रो. (डॉ.) नरवीर सिंह चौहान	आचार्य, रेडियोलॉजी विभाग	सदस्य
5.	डॉ. सुदेश कुमार	अतिरिक्त आचार्य, ईएनटी विभाग	सदस्य
6.	डॉ. सुमिता शर्मा	सह-आचार्य, बायोकेमिस्ट्री विभाग	सदस्य
7.	डॉ. मनु प्रिया	सह-आचार्य, पैथोलॉजी विभाग	सदस्य
8.	डॉ. सौरभ	सह-आचार्य, ऑर्थोपेडिक्स विभाग	सदस्य
9.	प्रो. (डॉ.) आदित्य शर्मा	प्रधानाचार्य, नर्सिंग महाविद्यालय	सदस्य
10.	डॉ. इंदु बाला/डॉ. मोनिका शर्मा	सह-आचार्य/सहायक आचार्य (नर्सिंग महाविद्यालय)	सदस्य
11.	परीक्षित कुमार लिखी	छात्र प्रतिनिधि (एमबीबीएस 2022 बैच)	सदस्य
12.	गौरी शर्मा	छात्र प्रतिनिधि (एमबीबीएस 2022 बैच)	सदस्य
13.	सारिका	छात्र प्रतिनिधि (एमबीबीएस 2023 बैच)	सदस्य
14.	सक्षम गुप्ता	छात्र प्रतिनिधि (एमबीबीएस 2023 बैच)	सदस्य
15.	उपायुक्त बिलासपुर या उनके प्रतिनिधि	-	सदस्य
16.	पुलिस अधीक्षक या उनके प्रतिनिधि	-	सदस्य
17.	श्री विशाल सिंह ठाकुर	मीडिया प्रतिनिधि	सदस्य
18.	श्री कश्मीर सिंह	स्थानीय एनजीओ प्रतिनिधि	सदस्य
19.	श्री मनोज कुमार, गाँव मटवाना, डाक-घर - लुहारविन,	अभिभावक प्रतिनिधि	सदस्य

	घुमारवीं, जिला बिलासपुर, हि.प्र.- 174021		
20.	श्री राजिंदर कुमार, क्वार्टर नंबर - 6, संचार कॉलोनी, डी-ब्लॉक, बीआरएस नगर, लुधियाना, पंजाब- 141012	अभिभावक प्रतिनिधि	सदस्य

इस समिति को अब तक कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

2. **महिलाओं के लिए आंतरिक शिकायत समिति (ICCW)**

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पोश अधिनियम) की धारा 4 के अंतर्गत, संस्थान ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों से निपटने के लिए आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया।

क्र.	नाम	नियुक्ति	मोबाइल नं. और ईमेल आईडी
1.	डॉ. रूपाली पार्लेवर	अध्यक्ष	81084499919 dr.rupali.physio@aiimsbilaspur.edu.in
2.	डॉ. संजय विक्रांत	सदस्य	9418072808 dr.sanjay.nephro@aiimsbilaspur.edu.in
3.	डॉ. मीनल एम. ठाकरे	सदस्य सचिव	8146665598 dr.meenal.cfm@aiimsbilaspur.edu.in
4.	श्री अरविन्द कुमार नड्डा	सदस्य	9418125101 8arvindnadda@gmail.com
5.	डॉ. सुमिता शर्मा	सदस्य	9557534348 dr.sumita.biochem@aiimsbilaspur.edu.in
6.	डॉ. सुश्रुति कौशल	सदस्य	8544788237 dr.sushruti.obg@aiimsbilaspur.edu.in
7.	डॉ. मुनीन्द्र कुमार	सदस्य	9418466366 dr.muninder.radiotherapy@aiimsbilaspur.edu.in
8.	श्रीमती सूर्या नेगी	सदस्य	7018225609 drsuryanegi13@gmail.com

इस समिति को 2023-24 में 3 शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

सभी 3 शिकायतों का निपटारा कर दिया गया है।

3. **सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम:-**
केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी

लेखा	भंडार और खरीद	प्रशासन, अस्पताल और शैक्षणिक
श्री अजय कुमार	**डॉ. सचिन सोनी**	**श्री पुनीत कुमार**

दायर की गई आरटीआई की कुल संख्या: - 153

निपटाई गई आरटीआई की कुल संख्या: - 153

अभियांत्रिकी अनुभाग

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि
1.	श्री विवेक शिवाजी मोरे	अधीक्षण अभियंता (सिविल)	30.07.2022
2.	श्री आशीष पटियाल	कार्यकारी अभियंता (सिविल)	26.10.2022
3.	श्री सिकंदर सिंह	कार्यकारी अभियंता (विद्युत)	30.12.2023

रिपोर्ट को छह प्रमुख शीर्षकों में विभाजित किया गया है, अर्थात् सिविल, एचवीएसी, इलेक्ट्रिकल, अनुमोदन, बागवानी और भू निर्माण कार्य तथा सामान्य एवं इसमें मुख्य रूप से उक्त अवधि के दौरान इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किए गए कार्यों/गतिविधियों का विवरण शामिल है।

i. सिविल

1. टाइप- III क्वार्टर (12 संख्या), टाइप- IV क्वार्टर (30 संख्या), टाइप-V क्वार्टर, 334 बिस्तरों वाले यूजी गर्ल्स हॉस्टल, 204 बिस्तरों वाले यूजी बॉयज हॉस्टल, नर्सिंग कॉलेज के लिए लेक्चर हॉल (जी+3), 538 किलोवाट रूफटॉप सोलर फोटो वोल्टेइक पावर जनरेशन सिस्टम, 354 बिस्तरों का नाइट शेल्टर और 652 की क्षमता के मल्टीलेवल कार पार्किंग सिस्टम के निर्माण के लिए प्रारंभिक अनुमान और डीआईबी प्रारूप प्रस्तुत किए गए।
2. अस्पताल के लिए 23 वाटर कूलर और छात्रावासों के लिए 50 वाटर कूलर सह शुद्धिकरण प्रणाली की खरीद।
3. जीईएम के माध्यम से एमजीपीएस प्रणाली के संचालन के लिए हाई-स्पीड डीजल (109 किलोलीटर) और सेवाओं की खरीद।
4. शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, फूड प्लाजा क्षेत्र और शैक्षणिक कैफेटेरिया की नीलामी पूरी हो गई।
5. लिफ्ट एनओसी नवीनीकरण पूरा हुआ।
6. एलएमओ से आयुष ब्लॉक तक एमजीपीएस विस्तार कार्य के लिए एमएस ब्रिज को एसीपी से कवर करने का काम पूरा हो गया है।
7. आयुष प्रथम तल में एमआरआई मशीन रखने के लिए पानी की टंकियों को स्थानांतरित करने के लिए आयुष ब्लॉक की छत पर गर्डर संरचनाओं को स्थानांतरित करने का कार्य पूरा हो गया है।
8. उन भवनों के लिए जिनकी अंतिम तिथि समाप्त हो चुकी थी हेतु फायर एनओसी के लिए आवेदन किया गया है।
9. इन्वेंटरी की जांच करना और एनबीसीसी की संविदात्मक दायित्वों को सुनिश्चित करना जैसे कि डीजल की पहली भराई, आउटडोर खेल सुविधा का निर्माण, सौर पैनलों का प्रतिष्ठापन, आदि।
10. जीएलआईएस पोर्टल पर एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश के भवनों और सीमा का मानचित्रण/लेआउट चिह्नित करने का कार्य पूरा कर लिया गया है।
11. हिमाचल प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से वायु एवं जल अधिनियम के तहत 5 वर्ष के लिए नवीकरण हेतु सहमति प्राप्त की गई।
12. एसटीपी और ईटीपी के नमूना शुल्क के लिए एचपीपीसीबी को भुगतान हेतु समय पर बिल प्रस्तुत किए गए।
13. हिमाचल प्रदेश राज्य पर्यावरण कार्यालय को 6 महीने की पर्यावरण अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।
14. अंतिम उपयोगकर्ता के परामर्श से वीआरडीएल 3 के लिए ड्राइंग प्राप्त करना सुनिश्चित किया गया।

ii. एचवीएसी

1. दोष देयता अवधि की समाप्ति के उपरांत, आवश्यक संचालन और रखरखाव, जनशक्ति विवरण के साथ एचवीएसी उपकरणों की सूची तैयार की गई।

क्र.	उपकरण विवरण	मात्रा
1.	एएचयू	181 नग
2.	एफसीयू	464 नग
3.	प्राइमरी पंप	05 नग
4.	सेकेंडरी पंप	05 नग

5.	कंडेनसर पंप	05 नग
6.	कूलिंग टावर्स	05 सेट
7.	स्प्लिट एसी	29 नग
8.	वीआरवी	13 नग

2. वर्ष 2024-2025 के लिए निवारक रखरखाव (पीएमआई) कैलेंडर तैयार किया गया और अनुसूची के अनुसार उपकरणों के निवारक रखरखाव के लिए अनुवर्ती कार्रवाई की गई।
3. संबंधित आवंटित क्षेत्रों में निर्धारित समय सारणी अनुसार, साइट का दैनिक दौरा किया गया तथा उपकरणों के संचालन एवं निवारक रखरखाव की जांच की गई, ताकि उपकरणों का अधिकतम दक्षता से संचालन सुनिश्चित किया जा सके।
4. ऑपरेटर और तकनीशियन को ओ. ई. एम. मैनुअल/दिशानिर्देशों के अनुसार संबंधित उपकरणों के संचालन एवं निवारक रखरखाव करने के निर्देश दिए।
5. एचवीएसी से संबंधित लॉग बुक, चेकलिस्ट और शिकायत रजिस्टर की स्थिति की दैनिक जांच और सत्यापन किया गया तथा संबंधित रजिस्टरों में रिकॉर्ड बनाए गए।
6. मेसर्स एएनके सर्विसेज के माध्यम से एमजीपीएस संचालन और स्टॉक रखरखाव किया गया, जिसमें मुख्य रूप से एमजीपीएस प्लांट रूम उपकरणों की कार्यप्रणाली की दैनिक जांच और सत्यापन, मेडिकल गैसों से संबंधित वार्डों में लगे मेडिकल गैसों के आउटलेट, मेडिकल गैसों की आपूर्ति अलार्म, एमजीपीएस मैनिफोल्ड रूम में स्थापित बैंकों के माध्यम से अस्पताल क्षेत्र में मेडिकल गैसों की आपूर्ति का संचालन, अस्पताल क्षेत्र में आवश्यकता के अनुसार मेडिकल गैसों की आपूर्ति के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए मेडिकल गैस सिलेंडर (मेडिकल ऑक्सीजन, नाइट्रस ऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड) के संदर्भ में मेडिकल गैसों के पर्याप्त स्टॉक का रखरखाव और संबंधित रजिस्टरों में रिकॉर्ड का रखरखाव किया गया।
7. एचवीएसी, एमजीपीएस और अग्निशमन कार्यों से संबंधित, उपयोगकर्ता विभागों से प्राप्त मांग के अनुसार आकलन कार्य किया गया।

iii. विद्युतीय

1. एचपीएसईबीएल के मासिक बिजली बिलों को लेखा अनुभाग में अग्रेषित करने के लिए अंतर-कार्यालय कार्य।
2. लॉग बुक, शिकायत रजिस्टर की स्थिति की दैनिक जांच और सत्यापन।
3. डीबीआर के अनुसार निवारक रखरखाव दस्तावेजों का दैनिक सत्यापन और जांच।
4. विद्युत कार्यों से संबंधित उपयोगकर्ता विभाग से प्राप्त मांग अनुसार, आकलन कार्य किया गया।
5. नवीकरण हेतु लंबित लिफ्ट लाइसेंसों के नवीकरण का कार्य किया गया।
6. आवासीय क्वार्टर, विभिन्न विक्रेताओं [नामतः टीसीआईएल, अमृत फार्मेसी और एसबीआई] और कार्यालय कार्य से संबंधित मीटर रीडिंग रिकॉर्ड करना (मीटर रीडिंग के आधार पर बिजली बिल तैयार करना, मासिक खपत पैटर्न में किसी भी असामान्य परिवर्तन का विश्लेषण करना, यदि कोई हो तो, बिलों को लेखा अनुभाग को अग्रेषित करने के लिए आईओएम तैयार करना, आदि)।
7. एनबीसीसी और एनसीसी तथा इन-हाउस इलेक्ट्रीशियन के समन्वय से विभिन्न उपयोगकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत विद्युत संबंधी शिकायतों का समाधान किया गया।
8. अतिरिक्त कार्यों के लिए उपयोगकर्ता विभागों, विक्रेताओं, ठेकेदारों और अन्य एजेंसियों के साथ साइट का दौरा किया।

iv. वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान शुरू की गई स्वीकृतियां

1. एम्स बिलासपुर एच.पी. की अनुबंध मांग में परिवर्तन, परिसंपत्ति हस्तांतरण।
2. पीजी मैरिड-ए छात्रावास में आवंटन (डॉ. सोबिया फातिमा, सुश्री इंदु बाला, डॉ. नेहा सिंह, डॉ. शिवकुमार चोपाने (एसआर), डॉ. मोनिका, डॉ. शिवानी चंदेल, डॉ. अशोक कुमार दुबे, डॉ. नरवीर सिंह चौहान, डॉ. रणजीत चौधरी)।

3. एम्स बिलासपुर एच.पी. में, रात्रि आश्रय (350 की क्षमता), नर्सिंग कॉलेज के लिए लेक्चर हॉल (जी+3), 206 बिस्तरों वाला यूजी बॉयज हॉस्टल (जी+6), 334 बिस्तरों वाला यूजी गर्ल्स हॉस्टल एक ब्लॉक (जी+5) + एक ब्लॉक (जी+6), शवाधान भूमि और हेलीपैड के पास पहुंच मार्ग का निर्माण।
4. दिनांक 03-06-2023,23-08-2023, 18-10-2023, 11-12-2023 एवं 08-01-2024 की बैठकों के कार्य वृत्त के अनुरूप उपलब्ध स्थानों/क्षेत्रों, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की नीलामी।
5. क्लब और गेस्ट हाउस के लिए विभिन्न विद्युत वस्तुओं की खरीद, अभियांत्रिकी विभाग में प्रिंटर और डेस्कटॉप, 1.5-वोल्ट एए बैटरी सेल, सीएसएसडी में यूपीएस की खरीद, एवं विभिन्न आरओ की सर्विसिंग।
6. हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की मूल्य बोली खोलने की अंतिम तिथि का विस्तार।
7. मेसर्स एनसीसी के विभिन्न उप-ठेकेदारों से प्राप्त शिकायतें।
8. जेएमएलटी के लिए पीजी-गर्ल्स छात्रावास में कमरों का आवंटन।
9. 6 ओटी और ऑडिटोरियम (एलटी) के लिए द्विदिश संचार एवी एकीकरण के लिए एओएन और ए/ए।
10. आटोक्लेव के प्रतिष्ठापन हेतु विद्युत कार्य की आवश्यकता।
11. इंजीनियरिंग विभाग के लिए मल्टी-फंक्शन मशीन की खरीद, स्टोर और क्रय विभाग कार्यालय, ग्राउंड फ्लोर, एडमिन ब्लॉक में चुंबकीय द्वार प्रवेश हेतु कैट 6 केबल और प्रो-3000 नियंत्रक की आवश्यकता।
12. 25 से 27 सितंबर 2023 को दिल्ली में अग्नि सुरक्षा प्रणाली के डिजाइन पर प्रशिक्षण के लिए अस्थायी ड्यूटी (ई. ई. -सिविल-आशीष पटियाल और जे. ई. एसी एंड आर, पंकज चालरिया)।
13. छात्रावास आवास के लिए लाइसेंस शुल्क।
14. इंजीनियरिंग अनुभाग के लिए द्वितीयक उपयोगकर्ता के रूप में GeM आईडी खोलना।
15. पी.ई.टी. एवं एस.पी.ई.सी. टी. (न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग) में अतिरिक्त कार्य की आवश्यकता।
16. क्रय अनुभाग में द्वार का प्रतिष्ठापन।
17. विभिन्न विभागों से अतिरिक्त उपकरणों की पूर्ति हेतु विद्युत सहायक उपकरणों की खरीद।
18. विभिन्न अल्फा और बीटा थेरेपी के लिए हाई डोज थेराप्यूटिक न्यूक्लियर मेडिसिन वार्ड बनाने का प्रस्ताव।
19. एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में अस्थि मज्जा/स्टेम सेल प्रत्यारोपण इकाई/सुविधा की स्थापना।
20. परमाणु चिकित्सा विभाग से जल निकासी / सीवेज का मुद्दा (गैर-अनुपालन और एईआरबी अनुमोदन दस्तावेजों के संबंध में)
21. एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में किरायेदारी परिवर्तन के लिए मरम्मत कार्य सहित आवासीय और गैर-आवासीय भवन के लिए अतिरिक्त आवश्यक कार्य, जिसमें आंतरिक विद्युत प्रतिष्ठापन आदि शामिल है।
22. एम्स बिलासपुर हिमाचल प्रदेश में प्लाईवुड सहित सीढ़ियों की खरीद।
23. एमजीपीएस के लिए वस्तुओं की आवश्यकता, एचपीपीसीबी को नमूना परीक्षण शुल्क का बिल।
24. हाई-स्पीड-डीजल (एचएसडी) की खरीद हेतु जीईएम निविदा बोली के संबंध में तकनीकी-व्यावसायिक रूप से योग्य एल 1-विक्रेता (अर्थात सीपीएसयू-ओएमसी-एचपीसीएल) पर पीबीजी जमा करने और ऑर्डर देने के लिए छूट प्रदान करना।
25. एडमिन ब्लॉक और नर्सिंग कॉलेज में ओवरहेड स्टोरेज कैबिनेट का कार्य।
26. एलएमओ से आयुष ब्लॉक तक एमजीपीएस विस्तार कार्य के लिए एमएस ब्रिज को एसीपी से कवर करना।
27. लिखित उत्कीर्ण ग्रेनाइट पत्थर उपलब्ध कराना एवं लगाना।
28. एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में कटाव, बाढ़ और भूस्खलन को रोकने के लिए ढलान स्थिरीकरण और वर्षा जल प्रवाह चैनलों के निर्माण/मोड़/सुदृढ़ीकरण के लिए तकनीकी समाधान।
29. लघु-ओटी प्रवेश द्वार को अन्य सुविधाजनक स्थान पर स्थानांतरित करना।
30. रीनल ट्रांसप्लांट आईसीयू के लिए सिविल कार्य की आवश्यकता।

v. बागवानी और भूनिर्माण कार्य

1. एम्स बिलासपुर परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत नर्सिंग हॉस्टल, पीजी मैरिड-हॉस्टल बी, पीजी बॉयज-हॉस्टल बी, टाइप II-ब्लॉक 2, गेट नंबर-3 के पहुंच मार्ग से संबंधित, लंबित भूनिर्माण और बागवानी कार्य को पूरा करना सुनिश्चित किया गया।
2. एनबीसीसी/एनसीसी दोनों के प्रतिनिधियों के साथ पूर्ण किए गए कार्यों का जोन-वार (जोन-1 से 9) मापन और भूनिर्माण एवं बागवानी कार्यों का प्रमाणीकरण किया गया तथा एम्स बिलासपुर परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत बागवानी और भूनिर्माण कार्यों के पूरा होने के तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।
3. हिमाचल प्रदेश राज्य के वन विभाग की विभिन्न पौधशालाओं से 5000 पौधों का चयन, खरीद और परिवहन, उनका रोपण और उसके बाद रखरखाव का कार्य किया गया।
4. एनसीसी/एम.जे. सोलंकी के माध्यम से निर्मित बागवानी और भूनिर्माण कार्य के रखरखाव का पर्यवेक्षण किया, जिसमें अंतर-संस्कृति संचालन, खरपतवार, कंकड़ और पत्थरों को हटाना, प्रशिक्षण और छंटाई, पौधों के बेसिन की तैयारी और पौधों को सहारा देना आदि शामिल थे।
5. एम्स बिलासपुर हि. प्र. के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न प्रजातियों के नए पौधे लगाकर मृत पौधों की भरपाई की गई।
6. एनसीसी के माध्यम से विभिन्न घास के मैदानों (सेंट्रल प्लाजा क्षेत्र, सेरेमोनियल गार्डन क्षेत्र, आयुष क्षेत्र, विभिन्न छात्रावास क्षेत्र, टाइप II, टाइप-III, टाइप-IV और टाइप-V के आवासीय क्षेत्र) की निगरानी/पर्यवेक्षण किया गया।
7. उपरोक्त क्षेत्रों में उतार-चढ़ाव को हटाना और घास की अच्छी कटाई और भविष्य में इसकी उचित वृद्धि सुनिश्चित की गई।
8. 2023 की शीत ऋतु के दौरान इसे और अधिक सुन्दर बनाने के लिए वार्षिक फूलों के पौधे खरीदे गए तथा एम्स के विभिन्न क्षेत्रों में इनका रोपण किया गया।
9. एम्स बिलासपुर हिमाचल प्रदेश में आयोजित विभिन्न उद्घाटनों के दौरान गमलों में लगाए गए पौधों का प्रदर्शन किया गया।
10. प्रशासनिक भवन, अस्पताल भवन, आयुष भवन में गमलों में लगे पौधों का रखरखाव सुनिश्चित किया गया।
11. प्रशासनिक भवन में ऊर्ध्वाधर उद्यान का रखरखाव सुनिश्चित किया गया।
12. एम्स बिलासपुर हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में नियोजित कर्तन कार्य हेतु बाजार सर्वेक्षण किया और स्थानीय क्रय समिति के कार्यों में भागीदारी।
13. एम.जे. सोलंकी के माध्यम से तैनात कर्मचारियों, जिन्हें विभागीय तौर पर भूनिर्माण और बागवानी के कार्य सौंपे गए थे, उनके कर्तव्यों और पर्यवेक्षण का कार्य किया ।
14. आवश्यकता पड़ने पर भूनिर्माण और बागवानी कार्यों के लिए एनबीसीसी, एनसीसी, आंतरिक विभाग के साथ घनिष्ठ समन्वय सुनिश्चित किया।

vi. सामान्य

1. केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण, चंडीगढ़ बेंच में दायर डॉ. जी. कौर बनाम एम्स बिलासपुर एच.पी. के मामले में एम्स बिलासपुर एच.पी. की ओर से दलील देने के लिए विश्लेषण किया और जवाब प्रस्तुत किया एवं अपेक्षित इनपुट प्रदान किए गए।
2. कार्डबोर्ड, लकड़ी और प्लास्टिक स्क्रैप की नीलामी हेतु, उचित कार्यप्रणाली प्रस्तुत की गई, स्क्रैप नीलामी बोली दस्तावेज तैयार किए, एनआईक्यू, तत्पश्चात सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की, प्राप्त बोलियों/खुली नीलामी का तकनीकी-व्यावसायिक मूल्यांकन किया और एच1-विक्रेता को आदेश देने के लिए अनुशंसा प्रस्तुत की गई।
3. एम्स बिलासपुर परियोजना के दूसरे चरण के संबंध में दिशानिर्देशों (जीएफआर, कार्यों की खरीद के लिए मैनुअल, आदि) के अनुसार कार्यकारी एजेंसी के चयन के लिए अनुशंसा प्रस्तुत की गई और इस प्रकार परामर्श शुल्क में परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत के न्यूनतम 4% की बचत की गई।
4. मंत्रालय, सीपीडब्ल्यूडी, आईआईटी/सीबीआरआई-रुड़की, एनआईटी हमीरपुर, आदि के साथ समन्वय करके भूस्खलन की देखभाल, ढलान स्थिरीकरण, जलभराव/बाढ़ से बचने के लिए मौजूदा जल निकासी प्रणाली में

सुधार और पूरे परिसर के लिए प्रभावी जल निकासी प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक उपाय सुझाने के लिए एक विशेषज्ञ की नियुक्ति के कार्य के साथ एक तकनीकी समिति का कार्य निष्पादित किया।

5. नाइट शेल्टर, सोलर पार्क कार्य के संबंध में सी. एस. आर. निधि प्राप्त करने के लिए संबंधित वित्तपोषण संगठनों (ओ. एन. जी. सी. और पावर ग्रिड) के लागू दिशा-निर्देशों/प्रारूप के अनुसार तकनीकी प्रस्ताव तैयार किए गए तथा संकल्पना, साइट दौरे, बैठकों, प्रारूप के अनुसार सम्बंधित दस्तावेजों की प्रस्तुति, तत्पश्चात ओर आगे की प्रस्तुति, अनुवर्ती कार्रवाई आदि की प्रक्रिया में आरंभ से ही भागीदारी सुनिश्चित की गई।
6. मंत्रालय (एम. ओ. एच. एफ. डब्ल्यू) द्वारा भेजे गए डीआईबी/पीआईबी प्रारूप में एसएफसी से प्रशासनिक अनुमोदन और व्यय विभाग (एमओएफ-डीओई) से व्यय की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए प्रस्ताव तैयार किए गए।
7. एम्स बिलासपुर परियोजना के प्रथम चरण से संबंधित संविदात्मक दस्तावेजों का अध्ययन, ईपीसी ठेकेदार (अर्थात एनसीसी) द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन, परियोजना को संपूर्ण रूप से पूरा करने के संबंध में कार्यकारी एजेंसी (एनबीसीसी) द्वारा की गई अनुशंसा, दोष दायित्व अवधि (डीएलपी) का प्रारंभ, डीएलपी के प्रारंभ से पूर्व ईए/ईपीसी (अर्थात एनबीसीसी/एनसीसी), दोनों के संविदात्मक दायित्वों का विश्लेषण, विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए विस्तृत प्रस्तुति/नोट तैयार किया और डीएलपी के प्रारंभ के लिए उन पर विचार/अनुशंसा प्रस्तुत की और उसके बाद डीएलपी के संबंध में एनबीसीसी/एनसीसी द्वारा संविदात्मक दायित्वों को पूरा करने के लिए सभी प्रमुख हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित किया।
8. एम्स बिलासपुर हिमाचल प्रदेश से संबंधित सभी तकनीकी मामलों के निपटारे के लिए सभी केंद्रीय (जैसे एनएचएआई, सीपीडब्ल्यूडी, एमओईएफ, एईआरबी, सीसीओई, विभिन्न मंत्रालयों, जैसे कि, एमओएच एंड एफडब्ल्यू, व्यय विभाग, एमएनआरई, पेट्रोलियम मंत्रालय, आदि) और राज्य सरकार के प्राधिकरणों/एजेंसियों (एचपी राज्य सरकार, एचपीपीडब्ल्यूडी, एचपीएसईबीएल, एचपीएसपीसीबी, जिला राजस्व/प्रशासन/नगर नियोजन/पुलिस विभाग, सिंचाई और सार्वजनिक स्वास्थ्य, अग्निशमन, बागवानी, आदि) के साथ संपर्क करना।
9. प्रचालन एवं रखरखाव एजेंसियों के माध्यम से निर्मित बुनियादी ढांचे का रखरखाव सुनिश्चित करना, उचित समन्वय और तंत्र के माध्यम से, पूर्ण हो चुके भवनों की रखरखाव शिकायतों का समाधान करना।
10. विभिन्न अंतिम उपयोगकर्ताओं की बुनियादी ढांचा संबंधी आवश्यकताओं (या तो निर्मित बुनियादी ढांचा अथवा नई आवश्यकताएं) को समझा, तकनीकी टीम को नियुक्त करके विभिन्न अंतिम उपयोगकर्ताओं के साथ समन्वय किया, उपयुक्तता/सुविधा के अनुसार कार्यकारी एजेंसियों या विभागीय तौर पे, अपेक्षित लेआउट/अनुमान प्रस्तुत किए, विभागीय रूप से कराये जा रहे इंजीनियरिंग कार्यों के लिए प्रशासनिक और वित्तीय अनुमोदन की अनुमति एवं तत्पश्चात निष्पादन, हैंडओवर और समापन आदि किया।
11. विभिन्न विक्रेताओं, निवासियों के बिजली और पानी के बिलों को तैयार किया और लेखा अनुभाग को प्रस्तुत किया।
12. समय-समय पर विभिन्न सुविधाओं (सम्मेलन कक्ष, छात्रावास, सभागार, अतिथि गृह, बैंक, डाकघर, विभिन्न विक्रेताओं को आवंटित क्षेत्र, आदि) के लाइसेंस शुल्क के निर्धारण हेतु आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान की।
13. एम्स रेवाड़ी (हरियाणा) के मास्टर प्लान को अंतिम रूप देने के लिए आवश्यक इनपुट प्रदान किए गए और निविदा आदि के अन्य पहलू के संबंध में टिप्पणियां/सिफारिशें प्रस्तुत की गईं (निविदा को अंतिम रूप दिए जाने तक)।
14. एम्स रेवाड़ी (हरियाणा) के मास्टर प्लान को निर्धारित करने हेतु आवश्यक इनपुट प्रदान किए गए और निविदा आदि के अन्य पहलू के संबंध में टिप्पणियां/अनुशंसा प्रस्तुत की गई (निविदा को अंतिम रूप दिए जाने तक)।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

1. ठंड के मौसम में विभिन्न आयोजनों के दौरान पीजी मैरिड हॉस्टल में गेस्ट हाउस उपलब्ध कराए गए, जिससे संस्थान को होटल बुकिंग पर होने वाले खर्च में लाखों रुपए की बचत हुई।
2. संविदा दस्तावेज का अध्ययन किया और एनबीसीसी/एनसीसी को लगभग 52000 लीटर डीजल पहली बार भरने पर जोर देकर डीजल भरवाया, जिसके परिणामस्वरूप संस्थान के खाते में लगभग 52 लाख रुपये की शुद्ध बचत हुई।

3. एम्स बिलासपुर परियोजना के पहले चरण के तहत संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) की संविदात्मक देयता, इसके विश्लेषण, टिप्पणियों, अनुशंसा का गहन अध्ययन करके और ईपीसी ठेकेदार (एनसीसी) से इस देयता पर स्पष्ट रूप से जोर देकर और उसे निष्पादित करके 01 जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2025 तक की अवधि के लिए एनबीसीसी सर्विसेज लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत ओ एंड एम प्रस्ताव के लिए पीएमसी शुल्क के मुकाबले 2.0 करोड़ रुपये (0.47+0.74+0.8) की बचत की गई।
4. संस्थान की बिजली मांग के उपभोग पैटर्न, विभिन्न महीनों में इसका दर्ज उपयोग, अनुबंध मांग, एचपीएसईबीएल द्वारा लगाए जा रहे/संस्थान द्वारा जुलाई 2022 से अप्रैल 2023 तक प्रति माह 15 लाख रुपये का भुगतान किए जा रहे निश्चित मासिक शुल्क और वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं पर विचार करते हुए अनुबंध मांग में बदलाव शुरू करना और सुझाना, संशोधित अनुबंध मांग की स्वीकृति और मंजूरी प्राप्त करना, आदि का विश्लेषण, 01 सितंबर 2023 से 6 महीने की अस्थायी अवधि तक संस्थान खाते में लगभग 9 लाख रुपये प्रति माह की शुद्ध बचत में मदद कर रहा है।
5. एचपीएसपीसीबी से 5 वर्ष की अवधि के लिए स्थापना हेतु सहमति संबंधी प्रमाण पत्र लिया गया और परामर्श शुल्क आदि के रूप में संस्थान के खाते में लगभग 4.5 लाख रुपये की बचत हुई।

सामुदायिक सेवा

1. वित्त वर्ष 2023-2024 में गैर सरकारी संगठन, सेवा भारती की सहायता और संस्थान के कर्मचारियों को शामिल करके वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

दिव्यांगजनों के लिए पहल

दिव्यांगजन भी देश के लिए एक मूल्यवान मानव संसाधन हैं, और अगर समान अवसर और पुनर्वास उपायों तक प्रभावी पहुंच मिले, तो ऐसे अधिकांश व्यक्ति बेहतर जीवन जी सकते हैं। इस संबंध में सरकार ने राष्ट्रीय विकलांगजन नीति तैयार की और 10 फरवरी, 2006 को उसे लागू किया, जिसका उद्देश्य, विकलांग व्यक्तियों के लिए समाज में पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु समान अवसर प्रदान करने वाला वातावरण तैयार करना था ।

विकलांगता की रोकथाम और पुनर्वास उपायों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, राष्ट्रीय नीति-2006 में मुख्य रूप से निम्नलिखित प्रावधान किए गए: रोकथाम, शीघ्र पहचान और हस्तक्षेप; पुनर्वास कार्यक्रम; मानव संसाधन विकास; विकलांग व्यक्तियों की शिक्षा; रोजगार; बाधा मुक्त वातावरण; सामाजिक संरक्षण; अनुसंधान; खेल, मनोरंजन और सांस्कृतिक गतिविधियाँ।

एम्स बिलासपुर ने विकलांगजन नीति को अमल में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे, दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने हेतु सकारात्मक कार्रवाई की प्रतिबद्धता को मजबूती प्रदान मिली है। इसके लिए संस्थान ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

1. **विशेषज्ञ समिति का गठन**: सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिनांक 12.12.2018 के कार्यालय ज्ञापन 34-16/02/18-डीडी.111 और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के दिनांक 10.01.2019 के कार्यालय ज्ञापन सी.30016/01/2017-एससी के अनुसरण में, संस्थान ने आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम, 2016 की धारा 34(1) के तहत सूचित सभी विकलांगताओं के लिए उपयुक्त पदों की पहचान के उद्देश्य से एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है।
2. **अनुशंसाओं का कार्यान्वयन:** आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए एम्स बिलासपुर में सभी भर्ती प्रक्रियाओं में समिति की अनुशंसाओं को सक्रिय रूप से लागू किया जा रहा है।
3. **संपर्क अधिकारी की नियुक्ति:** कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के दिनांक 4.1.2013 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 43011/153/2010-Estt.(Res.) के अनुसार, संस्थान ने नियोनेटोलॉजी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. नलिनी ए. को विकलांग व्यक्तियों के प्रतिनिधित्व से संबंधित मुद्दों के लिए संपर्क अधिकारी नियुक्त किया है।
4. एम्स बिलासपुर रोजगार में समान अवसर प्रदान करने और एक समावेशी कार्यस्थल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें सभी कर्मचारियों के साथ सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाता है। संस्थान विभिन्न स्तरों पर यह सुनिश्चित करता है कि विकलांग व्यक्ति सम्मान के साथ समानता और जीवन के अपने अधिकार का आनंद ले सके।
5. अस्पताल में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आसान आवागमन और परिवहन हेतु प्रत्येक ब्लॉक में ढलान मार्ग की व्यवस्था है।
6. जन सुविधा केंद्र का निर्माण, भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा घोषित और प्रोत्साहित, महत्वाकांक्षी "स्वच्छ भारत अभियान" के तहत किया गया था। शौचालय और विश्राम कक्ष के प्रावधान के अलावा, यह भूतल पर विकलांग व्यक्तियों (पुरुष और महिला के लिए एक-एक) के लिए अलग-अलग शौचालय की सुविधा भी प्रदान करता है।

अस्पताल सेवाएँ

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

अस्पताल अनुभाग

अस्पताल प्रशासन

पद	प्रभारी संकाय
चिकित्सा अधीक्षक	डॉ. दिनेश वर्मा
अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक (I)	डॉ. पूजन डोगरा
अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक (II)	डॉ. मुनीन्द्र कुमार
उप चिकित्सा अधीक्षक (I)	डॉ. तरूण शर्मा
उप चिकित्सा अधीक्षक (II)	डॉ. विक्रांत कंवर
उप चिकित्सा अधीक्षक (III)	डॉ. सौरभ
उप चिकित्सा अधीक्षक (IV)	डॉ. चित्रेश कुमार

ओपीडी सेवाएँ

संस्थान ने समुदाय की सेवा के लिए स्पेशियलिटी और सुपर-स्पेशियलिटी आउटपेशेंट डिपार्टमेंट (ओपीडी) सेवाओं की एक पूरी श्रृंखला शुरू की है। डॉक्टरों, नर्सों और सहायक कर्मचारियों की हमारी समर्पित टीम ने रोगी देखभाल और संतुष्टि के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए अथक परिश्रम किया है एवं पिछले वर्ष, विभिन्न ओपीडी में लगभग 200,000 रोगियों की सेवा की है। संस्थान में पिछले वर्ष की तुलना में रोगियों की संख्या में 50% से अधिक की वृद्धि देखी गई है, जो मरीजों की सुलभ और समग्र देखभाल के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के निरंतर प्रयास में, संस्थान ने विशिष्ट चिकित्सा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कई नए विशेष क्लीनिक शुरू किए। सितंबर 2023 में 'वृद्ध जन क्लिनिक' और 'गैर-संचारी रोग और मधुमेह क्लिनिक' शुरू किए गए, जो बुजुर्ग रोगियों और मधुमेह जैसी पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों हेतु लक्षित देखभाल प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, नवंबर 2023 में 'स्क्रीनिंग ओपीडी' शुरू हुई, जो आवश्यक निवारक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करती है। इन क्लिनिकों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया और मजबूत सामुदायिक समर्थन प्राप्त किया है, जो रोगियों की ज़रूरतों को पूरा करने में उनकी सफलता और समग्र स्वास्थ्य सेवा पहुँच में हुए सुधार को दर्शाता है।

इस गति को जारी रखते हुए, संस्थान ने फरवरी 2024 में न्यूक्लियर मेडिसिन ओपीडी के शुभारंभ के साथ अपनी सेवाओं का और विस्तार किया। भविष्य को देखते हुए, हम अपनी सेवाओं का और विस्तार करने एवं अपने कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण में निवेश करने की योजना बना रहे हैं, ताकि मरीजों की बढ़ती जरूरतों की प्रभावी ढंग से पूर्ति करना सुनिश्चित किया जा सके।

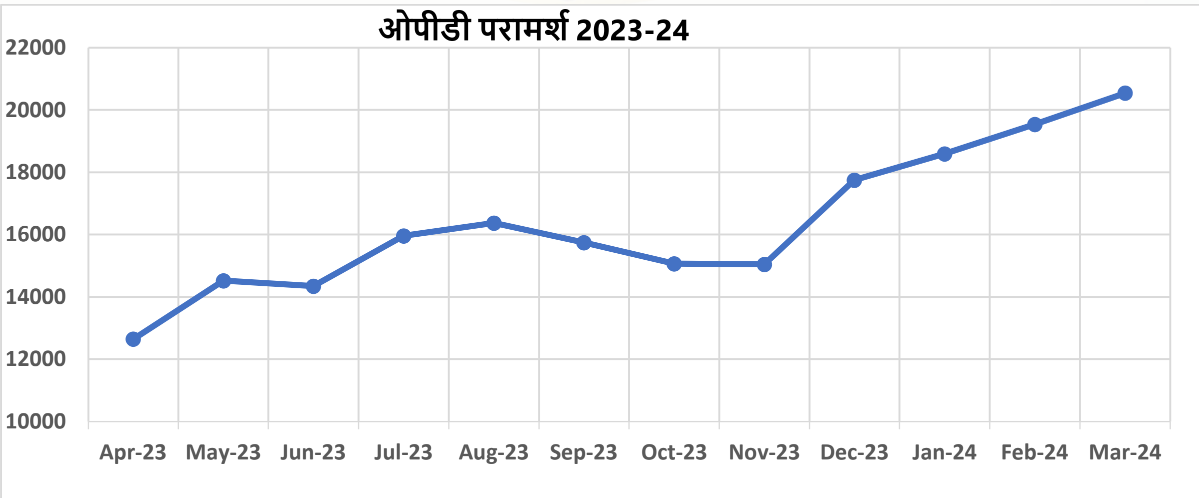

क्र. सं.	माह	कुल ओपीडी	कुल आईपीडी
1.	अप्रैल 2023	12650	614
2.	मई 2023	14521	687
3.	जून 2023	14350	672
4.	जुलाई 2023	15963	731
5.	अगस्त 2023	16373	864
6.	सितंबर 2023	15748	873
7.	अक्टूबर 2023	15067	846
8.	नवंबर 2023	15052	757
9.	दिसंबर 2023	17756	927
10.	जनवरी 2024	18595	1049
11.	फरवरी 2024	19542	1041
12.	मार्च 2024	20546	1045
	कुल	**1,96,163**	**10,106**

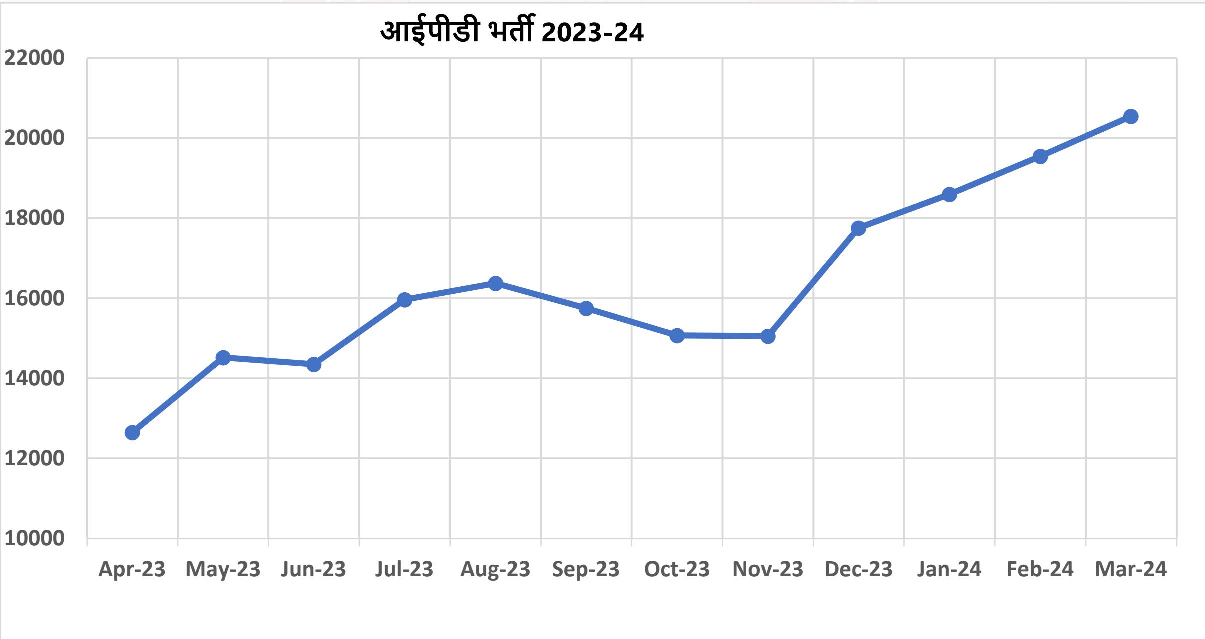

आईपीडी सेवाएँ

अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अग्रणी यह संस्थान, रोगियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निर्मित एक मजबूत बुनियादी ढाँचे के साथ गर्वित महसूस करता है। वर्तमान में 650 से अधिक बिस्तरों के साथ, यह संस्थान स्पैशलिटी से लेकर सुपर-स्पैशलिटी देखभाल सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। प्रत्येक वार्ड, वेंटिलेटर, मॉनिटर, डिफिब्रिलेटर, नेबुलाइज़र और केंद्रीकृत ऑक्सीजन और सक्शन आपूर्ति सहित, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों से पूर्णतः सुसज्जित है। ये उन्नत संसाधन सुनिश्चित करते हैं कि रोगियों को उच्चतम स्तर की देखभाल मिले, जो कि सबसे जटिल चिकित्सा आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु तैयार किए गए हैं ।

भर्ती की बढ़ती संख्या इनपेशेंट डिपार्टमेंट (IPD) की तीव्र वृद्धि और सफलता को दर्शाती है। हालाँकि, सच्ची सफलता

केवल आँकड़ों से नहीं, बल्कि सकारात्मक स्वास्थ्य परिणामों और रोगी अनुभवों से मापी जाती है। बेहतर, रोगी-केंद्रित देखभाल प्रदान करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता, नए मानक स्थापित कर रही है।

आगे बढ़ते हुए, हमारा ध्यान रोगी सुरक्षा को और बढ़ाने, पुनः भर्ती दरों को कम करने और हमारे रोगियों की बढ़ती संख्या की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कर्मचारियों के प्रशिक्षण और सुविधा सुधारों में निवेश जारी रखने पर होगा।

बिस्तर वितरण

क्र.	विभाग	कुल बेड
1.	डायलिसिस + नेफ्रोलॉजी	14+15
2.	ऑर्थोपेडिक्स	30
3.	दंत चिकित्सा	10
4.	डर्मेटोलॉजी	15
5.	सीटीवीएस	15
6.	प्लास्टिक सर्जरी	15
7.	जनरल सर्जरी	34
8.	ऑप्थैल्मोलॉजी	15
9.	सर्जिकल ऑन्कोलॉजी	15
10.	ईएनटी	15
11.	एसआईसीयू	04
12.	मेडिसिन	53
13.	नेफ्रोलॉजी	03
14.	एंडोक्रिनोलॉजी	15
15.	कार्डियोलॉजी	03
16.	क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी	15
17.	पीडियाट्रिक्स	12
18.	पीडियाट्रिक्स सर्जरी	03
19.	मेडिकल ऑन्कोलॉजी	10
20.	यूरोलॉजी	20
21.	न्यूरोलॉजी	15
22.	न्यूरोसर्जरी	15
23.	स्त्री एवं प्रसूति रोग	15+45
24.	कोविड वार्ड	46

ओटी सेवाएं

पिछले वर्ष में, हमारे अस्पताल ने छह पूर्ण रूप से कार्यात्मक ऑपरेशन थिएटरों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया है: जिनमें तीन वैकल्पिक सर्जरी के लिए, एक आपातकालीन प्रक्रियाओं के लिए, और दो अन्डर लोकल अनेस्थेसीआ सर्जरी

के लिए। ये ओटी सामान्य सर्जरी, ईएनटी, प्लास्टिक सर्जरी, यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, आर्थोपेडिक्स, बाल चिकित्सा सर्जरी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और दंत चिकित्सा सहित विशेष सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला हेतु सहायक हैं। एम्स बिलासपुर की ओटी सेवाओं से 2,000 से अधिक रोगियों को लाभ हुआ है।

उन्नत शल्य चिकित्सा तकनीकों और उपकरणों के एकीकरण ने शल्य चिकित्सा टीम की जटिल प्रक्रियाओं को अधिक सटीकता और सुरक्षा के साथ पूर्ण करने की क्षमता को बढ़ाया है। शल्य चिकित्सक, निश्चेतना विशेषज्ञ और नर्सिंग स्टाफ की हमारी समर्पित टीम ने सफल शल्य चिकित्सा परिणामों और रोगी संतुष्टि की उच्च दर प्राप्त करने में योगदान दिया है। भविष्य के लिए, हम अपनी सर्जिकल सेवाओं की सीमा का विस्तार करने और रोगियों को सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक में निवेश जारी रखने की योजना बना रहे हैं।

ओटी सांख्यिकी

क्र. सं.	माह	कुल केस	मेजर केस	माइनर केस
1.	अप्रैल 2023	123	120	3
2.	मई 2023	157	156	1
3.	जून 2023	132	130	2
4.	जुलाई 2023	106	92	14
5.	अगस्त 2023	204	157	47
6.	सितंबर 2023	219	163	56
7.	अक्टूबर 2023	220	170	50
8.	नवंबर 2023	158	98	60
9.	दिसंबर 2023	225	158	67
10.	जनवरी 2024	235	174	61
11.	फरवरी 2024	277	213	64
12.	मार्च 2024	282	208	74
	कुल	**2338**	**1839**	**499**

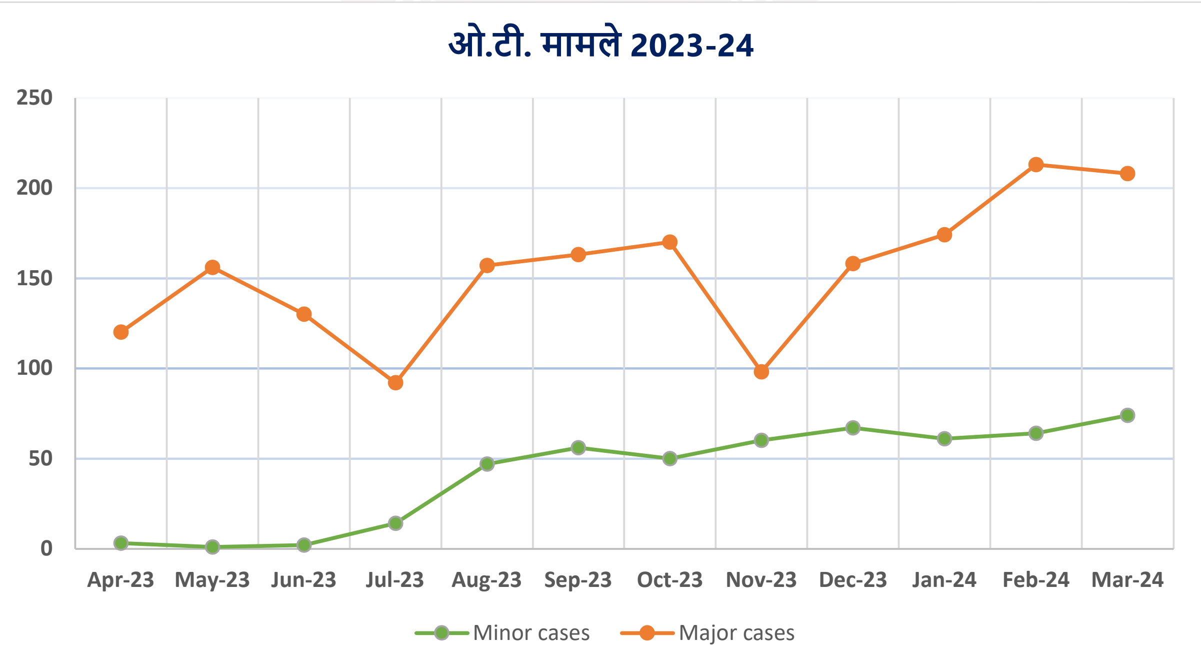

मेडिकल आईसीयू (MICU)

अक्टूबर 2022 में आईपीडी, तीसरी मंजिल, ए-ब्लॉक में 4 बिस्तरों की क्षमता के साथ एमआईसीयू अस्तित्व में आया था। 6 दिसंबर, 2023 को एमआईसीयू को 07 बिस्तरों की क्षमता के साथ ई-ब्लॉक पाँचवीं मंजिल पर स्थानांतरित कर दिया गया। यह आईसीयू सभी जीवन रक्षक उपकरणों और उपकरणों से सुसज्जित है, जैसे कि:

1. मल्टी पैरा मॉनिटर
2. हाई एंड वेंटिलेटर
3. डिफिब्रिलेटर
4. एबीजी एनालाइजर
5. पोर्टेबल एक्स-रे
6. पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड

एमआईसीयू डेटा

क्र. सं.	माह	नई भर्ती	वार्डों से आए	कुल	वार्डों को भेजे	डिस्चार्ज	एल. ए. एम. ए.	मृत्यु	रेफ़र किए
1.	अप्रैल 2023	15	07	**22**	15	-	-	06	01
2.	मई 2023	09	07	**16**	08	-	-	06	01
3.	जून 2023	12	10	**22**	13	-	01	07	01
4.	जुलाई 2023	14	09	**23**	09	-	01	10	-
5.	अगस्त 2023	07	08	**15**	08	-	01	05	01
6.	सितंबर 2023	08	09	**17**	07	-	-	10	-
7.	अक्तूबर 2023	20	06	**26**	14	-	01	09	02
8.	नवंबर 2023	08	08	**16**	06	-	-	10	-
9.	दिसंबर 2023	10	07	**17**	05	-	-	09	-
10.	जनवरी 2024	15	10	**25**	11	-	01	12	01
11.	फरवरी 2024	12	03	**15**	08	01	-	06	-
12.	मार्च 2024	18	15	**33**	20	01	01	12	-
	कुल योग	**148**	**99**	**247**	**124**	**06**	**06**	**102**	**07**

ट्रॉमा और आपातकालीन विभाग

1. आपातकालीन सेवाओं में शामिल मरीजों की संख्या
   कुल नए मरीज (अप्रैल 2023-मार्च 2024)- **9761**
2. मेडिको-लीगल मामले (अप्रैल 2023-मार्च 2024)- **1164**

ट्रॉमा और आपातकालीन प्रवेश (2023-24) – वयस्क

क्र. सं.	माह	आघात	जलना	सर्प दंश	तीव्र हृदय संबंधी आपातकालीन	स्ट्रोक	अन्य मामले	मृत लाया गया	मृत्यु	कुल
1.	अप्रैल 2023	107	0	1	31	5	557	2	7	710
2.	मई 2023	108	0	4	28	3	622	2	5	772
3.	जून 2023	132	0	5	26	3	558	1	5	730
4.	जुलाई 2023	154	0	6	28	6	557	1	4	756
5.	अगस्त 2023	173	2	7	10	8	715	5	8	928
6.	सितंबर 2023	186	2	17	24	3	636	2	6	876
7.	अक्टूबर 2023	182	1	3	24	4	644	2	11	871
8.	नवंबर 2023	162	1	0	40	8	578	2	2	793
9.	दिसंबर 2023	164	1	0	56	6	637	3	23	890
10.	जनवरी 2024	163	4	0	55	0	652	1	23	898
11.	फरवरी 2024	158	2	0	96	11	642	4	18	931
12.	मार्च 2024	152	8	1	96	19	808	1	26	1111
	कुल	**1841**	**21**	**44**	**514**	**75**	**7606**	**26**	**138**	**10,266**

आघात और आपातकालीन प्रवेश (2023-24)- बाल रोग

क्र. सं.	माह	आघात	जलना	सर्प दंश	तीव्र हृदय संबंधी आपातकालीन	स्ट्रोक	अन्य मामले	मृत लाया गया	मृत्यु	कुल
1.	अप्रैल 2023	13	1	1	0	0	57	0	0	72
2.	मई 2023	23	0	1	0	0	73	0	0	97
3.	जून 2023	21	1	0	0	0	56	0	1	79
4.	जुलाई 2023	36	0	2	0	0	62	0	0	100
5.	अगस्त 2023	29	0	2	0	0	100	2	0	133
6.	सितंबर 2023	30	1	1	0	0	78	1	0	111
7.	अक्टूबर 2023	16	1	0	0	0	79	0	0	96
8.	नवंबर 2023	21	2	0	0	0	61	1	0	85
9.	दिसंबर 2023	12	1	0	0	0	69	0	0	82
10.	जनवरी 2024	20	2	0	0	0	67	0	0	89
11.	फरवरी 2024	20	1	0	0	0	77	0	0	98
12.	मार्च 2024	28	1	0	0	0	74	1	0	104
	Total	**269**	**11**	**07**	**0**	**0**	**853**	**05**	**01**	**1,146**

नेफ्रोलॉजी और डायलिसिस सेवाएं

क्र. सं.	माह	डायलिसिस	लाइन इन्सर्शन	टनेल	प्लाज्मा-फेरेसिस	सीआरआरटी	गुर्दे की बायोप्सी	कुल प्रक्रियाएं
1	अप्रैल 2023	90	23	4	0	0	6	123
2	मई 2023	128	25	8	0	0	10	171
3	जून 2023	79	19	3	0	0	4	105
4	जुलाई 2023	135	33	1	0	0	3	172
5	अगस्त 2023	125	32	7	0	0	13	177
6	सितंबर 2023	131	36	5	1	0	12	185
7	अक्टूबर 2023	173	35	2	2	0	6	218
8	नवंबर 2023	171	29	8	7	0	4	219
9	दिसंबर 2023	183	44	5	0	0	10	242
10	जनवरी 2024	255	63	12	7	0	13	350
11	फरवरी 2024	199	31	12	3	0	15	260
12	मार्च 2024	204	47	10	2	2	12	277
कुल प्रक्रिया		**1873**	**417**	**77**	**22**	**2**	**108**	**2499**

मृत्यु दर आँकड़े

क्र. सं.	माह	मृत्यु की संख्या
1.	अप्रैल 2023	23
2.	मई 2023	26
3.	जून 2023	28
4.	जुलाई 2023	34
5.	अगस्त 2023	39
6.	सितंबर 2023	34
7.	अक्टूबर 2023	33
8.	नवंबर 2023	29
9.	दिसंबर 2023	56
10.	जनवरी 2024	58
11.	फरवरी 2024	43
12.	मार्च 2024	55
	कुल	**458**

हृदय रोग सेवाएं

कार्डियक कैथेटराइजेशन प्रयोगशाला (कैथ लैब) की शुरुआत, 09/02/2024 से की गई थी और यहाँ हर महीने 60 से 65 प्रक्रियाएं की जाती हैं। यह विभाग जरूरतमंद मरीजों के लिए, एंजियोग्राफी, कोरोनरी एंजियोप्लास्टी/स्टेंटिंग, अस्थायी और स्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपण, इंट्रा-कैरोटिड स्टेंटिंग, पेरिफेरल वासक्यूलर स्टेंटिंग, पेरीकार्डियोसेंटेसिस, फ्रैक्शनल फ्लो रिजर्व (एफएफआर), कार्डियक रीसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी (सीआरटी), इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफाइब्रिलेटर (आईसीडी), आदि जैसी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

ब्लड बैंक सेवाएं

ब्लड बैंक ने अपनी स्थापना के बाद से महत्वपूर्ण प्रगति की है। **19 अक्टूबर, 2023** को लाइसेंस प्राप्त करके और **17 नवंबर, 2023** को परिचालन शुरू करने वाले इस केंद्र ने हमारे समुदाय की रक्त आपूर्ति की ज़रूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुख्य बिन्दु:

1. **कुल रक्तदान:** 31 मार्च, 2024 तक, इस केंद्र ने **12 संगठित रक्तदान शिविरों** के आयोजनों के माध्यम से सफलतापूर्वक **1,334 रक्तदान** सुनिश्चित किए हैं।
2. **जारी की गई कुल रक्त इकाइयाँ:** इस केंद्र ने अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक कुल **2312 रक्त इकाइयाँ** जारी की हैं।

मासिक रक्त इकाई जारी करने संबंधी सांख्यिकी:

1. **जारी की गई कुल रक्त इकाइयाँ:** केंद्र ने अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक कुल **2312 रक्त इकाइयाँ** जारी की हैं।
2. जारी किए गए रक्त इकाइयों का मासिक वितरण, केंद्र में बढ़ती मांग और कुशल संचालन को दर्शाता है। **अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक** जारी किए गए रक्त इकाइयों का सारांश निम्नलिखित है।

क्र. सं.	माह	जारी किया गया रक्त
1.	अप्रैल 2023	94
2.	मई 2023	166
3.	जून 2023	115
4.	जुलाई 2023	149
5.	अगस्त 2023	165
6.	सितंबर 2023	208
7.	अक्टूबर 2023	186
8.	नवंबर 2023	151
9.	दिसंबर 2023	261
10.	जनवरी 2024	303
11.	फरवरी 2024	260
12.	मार्च 2024	254
कुल		**2312**

प्रसूति सेवाएं

कुल डिलीवरी

क्र. सं.	माह	सामान्य	सिजेरियन	कुल
1.	अप्रैल 2023	30	13	43
2.	मई 2023	20	9	29
3.	जून 2023	20	14	34
4.	जुलाई 2023	27	11	38
5.	अगस्त 2023	31	25	56
6.	सितंबर 2023	33	22	55
7.	अक्टूबर 2023	19	22	41
8.	नवंबर 2023	26	16	42
9.	दिसंबर 2023	28	16	44
10.	जनवरी 2024	24	15	39
11.	फरवरी 2024	25	15	40
12.	मार्च 2024	16	14	30
कुल		**299**	**192**	**491**

टीकाकरण क्लिनिक

हमारे संस्थान में टीकाकरण क्लिनिक का उद्घाटन 17 अगस्त 2022 को किया गया था। यह वर्तमान में नियमित टीकाकरण और वयस्क टीकाकरण सेवाएँ प्रदान करता है। नियमित टीकाकरण सेवाओं के लाभार्थियों में शिशु, बच्चे और गर्भवती महिलाएँ शामिल हैं, जबकि वयस्क टीकाकरण सेवाएँ, स्वस्थ वयस्कों, रोगियों और स्वास्थ्य सेवा कर्मियों को प्रदान की जाती हैं। कोविड टीकाकरण केंद्र को टीकाकरण क्लिनिक में ही शामिल कर दिया गया है।

नियमित टीकाकरण

अस्पताल में प्रतिदिन, नियमित टीकाकरण सत्र आयोजित किया जाता है। लाभार्थियों को राष्ट्रीय टीकाकरण अनुसूची के तहत उपलब्ध टीके दिए जाते हैं: बीसीजी, ओपीवी, हेपेटाइटिस-बी, एफ-आईपीवी, पीसीवी, रोटावायरस वैक्सीन, पेंटावेलेंट वैक्सीन, मीजल्स-रूबेला (एमआर), डीपीटी, टीडी और विटामिन ए। टीके हर महीने के पहले और तीसरे सप्ताह के दौरान लगाए जाते हैं। पिछले साल बच्चों और गर्भवती महिलाओं को लगभग 2076 टीके लगाए गए।

वयस्कों के लिए टीकाकरण सेवाएँ प्रतिदिन उपलब्ध हैं। पिछले साल लगभग 192 कर्मचारियों और छात्रों को हेपेटाइटिस बी का टीका लगाया गया था।

क्र.	शिशु एवं बच्चे	कुल	प्रसवपूर्व महिलाएं	कुल	वयस्क	कुल
1.	बीसीजी	482	टीडी-1	36	हेपेटाइटिस - बी	432
2.	ओपीवी-0	482	टीडी-2	40	नयूमोवेक	43
3.	हेपेटाइटिस-बी	482	टीडी बूस्टर	1	टीटी	5
4.	ओपीवी-1	39	-	-	एचपीवी	39
5.	ओपीवी-2	24	-	-	इन्फ्लूएंजा	38
6.	ओपीवी-3	26	-	-	एमएमआर	2
7.	ओपीवी बूस्टर	10	-	-	मेनिंगोकोकल	5
8.	आरवीवी-1	39	-	-	हेपेटाइटिस - ए	2
9.	आरवीवी-2	24	-	-	वैरिसेला	4
10.	आरवीवी-3	26	-	-	एंटी-डी इम्युनोग्लोबुलिन	0
11.	एफआईपीवी-1	39	-	-	टाइफाइड	2
12.	एफआईपीवी-2	26	-	-	एआरवी	1
13.	एफआईपीवी-3	27	-	-	रूबेला	1
14.	पीसीवी-1	39	-	-	डीपीटी	1
15.	पीसीवी-2	26	-	-	-	-
16.	पीसीवी बूस्टर	28	-	-	-	-
17.	पेंटावेलेंट वैक्सीन-1	39	-	-	-	-
18.	पेंटावेलेंट वैक्सीन-2	24	-	-	-	-
19.	पेंटावेलेंट वैक्सीन-3	26	-	-	-	-
20.	डीपीटी बूस्टर -1	9	-	-	-	-
21.	डीपीटी बूस्टर -2	8	-	-	-	-
22.	मीजल्स रूबेला-1	22	-	-	-	-
23.	मीजल्स रूबेला-2	6	-	-	-	-
24.	विटामिन ए	43	-	-	-	-
25.	टीडी (10 और 16 वर्ष)	3	-	-	-	-
	कुल	**1999**	**कुल**	**77**	**कुल**	**575**

पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान

एम्स अस्पताल में पहली बार पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान, 3 से 5 मार्च 2024 तक आयोजित किया गया था। संस्थान ने इस अभियान में जागरूकता पैदा करने और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने की पूरी कोशिश की है। पीपीआई बूथ पर पांच साल से कम उम्र के लगभग 55 बच्चों को ओरल पोलियो वैक्सीन दी गई।

क्र.	लाभार्थी	संख्या
1.	कुल लाभार्थियों को टीका लगाया गया	55
2.	कुल सत्र आयोजित किए गए	3
3.	टीकाकरण के बाद प्रतिकूल घटनाएँ (AEFI) रिपोर्ट की गईं	शून्य
4.	उपयोग की गई कुल शीशियों की संख्या	3
5.	प्रति सत्र प्रति शीशी खुराक	20
6.	टीका बर्बादी	शून्य

वैक्सीन से रोकथाम योग्य रोग निगरानी

पोलियो, मैकुलोपापुलर रैश के साथ बुखार, डिप्थीरिया, पर्टुसिस और नवजात टिटेनस के संदिग्ध रोगियों के लिए साप्ताहिक एएफपी (एक्यूट फ्लेसीड पैरालिसिस) और वीपीडी निगरानी आयोजित की जाती है। कुल 9 नमूने एकत्र किए गए और परीक्षण के लिए भेजे गए (4 रैश के साथ बुखार और 4 एक्यूट फ्लेसीड पैरालिसिस के लिए, एक डिप्थीरिया के लिए)। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सर्विलांस चिकित्सा अधिकारी के समन्वय में वीपीडी निगरानी के बारे में डॉक्टरों और रेजिडेंट चिकित्सकों को प्रशिक्षित करने के लिए नियमित रूप से संवेदीकरण बैठकें आयोजित की जाती हैं।

प्रयोगशाला सेवाएँ

एम्स बिलासपुर ने 05.12.2021 से हिंद लैब्स के सहयोग से प्रयोगशाला सेवाएँ शुरू कीं। यह प्रयोगशाला, नवीनतम नैदानिक उपकरणों और प्रौद्योगिकी से सुसज्जित है, जो पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, हेमेटोलॉजी और अन्य सहित विभिन्न चिकित्सा परीक्षणों के लिए सटीक और समय पर परिणाम सुनिश्चित करती है। प्रयोगशाला अंतर्राष्ट्रीय मानकों और सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करते हुए सभी परीक्षण परिणामों की सटीकता और विश्वसनीयता की गारंटी देने के लिए कठोर गुणवत्ता नियंत्रण उपायों को बनाए रखती है।

पैथोलॉजी प्रयोगशाला

जैव रसायन प्रयोगशाला

माइक्रो बायोलॉजी प्रयोगशाला

पैथोलॉजी विभाग

पैथोलॉजी विभाग 1 दिसंबर, 2022 से प्रयोगशाला सेवाएँ प्रदान कर रहा है। इन-हाउस डायग्नोस्टिक क्षमताओं में हेमटोलॉजी, साइटोपैथोलॉजी और हिस्टोपैथोलॉजी शामिल हैं। नियमित मूत्र परीक्षण और गर्भावस्था परीक्षण, नैदानिक पैथोलॉजी प्रक्रियाओं में शामिल हैं। हेमटोलॉजी विभाग सेवाओं की एक पूरी श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें पूर्ण हीमोग्राम, पेरिफेरल ब्लड स्मीयर, ईएसआर, कोअगुलेशन प्रोफाइल, अस्थि मज्जा जांच और रक्त समूह जांच शामिल हैं। साइटोपैथोलॉजी शाखा प्रत्यक्ष और यूएसजी-निर्देशित एफएनएसी, शारीरिक द्रव विश्लेषण (कोशिका गणना और घातक कोशिका कोशिका विज्ञान सहित), और शुक्राणु विश्लेषण जैसी कई सेवाएँ प्रदान करती है। अक्टूबर 2023 में, सर्वाइकल स्क्रीनिंग निदान के लिए नवीनतम तकनीक, लिक्विड बेस साइटोलॉजी पेश की गई थी। अंत में, हिस्टोपैथोलॉजी विभाग छोटे और बड़े दोनों नमूनों के लिए, फ्रोजेन सेक्शन सहित नैदानिक सेवाएँ प्रदान करता है। जुलाई 2023 से पैथोलॉजिकल ऑटोप्सी परीक्षण भी शुरू कर दिया गया है। अब तक, लगभग 2,18,223 जाँचें की जा चुकी हैं।

अनुभाग	जांच	औसत कार्यभार
हेमेटोलॉजी	पूर्ण रक्त गणना	41062
	अस्थि मज्जा	68
	पीटी, ए पी टी टी आई एन आर	10663
	ईएसआर	12933
साइटालजी	एफएनएसी	589
	टीएलसी/डीएलसी के लिए विभिन्न बॉडी फ्लूइड्स	432
	मेलिग्नेन्ट साईटोलोजी के लिए विभिन्न बॉडी फ्लूइड्स	540
	सेरिब्रो स्पाइनल फ्लूइड	90
	वीर्य विश्लेषण	93
	मूत्र विश्लेषण	13731
	लिक्विड बेस्ड साईटोलोजी	508
हिस्तोपैथोलोजी	बड़े और छोटे नमूने	1846
	फ्रोजन सेक्शन	37
	पोस्टमार्टम ऑटोप्सी	02

जैव रसायन विभाग

विभाग हिंद लैब्स और अस्पताल के डायग्नोस्टिक्स ब्लॉक सी में इन-हाउस क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री लैब के माध्यम से डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदान कर रहा है। हिंद लैब्स के बायोकेमिस्ट्री अनुभाग का प्रबंधन विभाग द्वारा किया जा रहा है और संकाय सदस्य दिन-प्रतिदिन के कामकाज की देखरेख और हिंदलैब्स की रिपोर्टों के प्रमाणीकरण में लगे हुए हैं। संकाय ने अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक लगभग 6 लाख जांचों की समीक्षा की है। प्रयोगशाला की गुणवत्ता की निगरानी दैनिक आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से की जा रही है और मासिक आधार पर बाहरी गुणवत्ता आश्वासन योजनाओं में भाग लिया जा रहा है। विभाग ने क्लिनिकल डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला (ब्लॉक सी) के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से कई तरह के डायग्नोस्टिक परीक्षण शुरू किए हैं। एचबी-एचपीएलसी, आरएफ, एएसओ, मूत्र प्रोटीन, माइक्रोएल्ब्यूमिन, द्रव विश्लेषण और एंटी-सीसीपी और एंटी-टीटीजी आईजीए एंटीबॉडी के लिए एलिसा-आधारित परीक्षण के लिए इन-हाउस परीक्षण किए जा रहे हैं। विभाग ने अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक डायग्नोस्टिक्स ब्लॉक में लगभग 10,000 जांचें की हैं। विभाग ने सितंबर 2023 में 'ड्यूशेन/बेकर मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के लिए डिलीशन स्टडी शुरू की है।

जांचों की कुल संख्या

पैरामीटर	एम्स लैब	पैरामीटर	हिंदलैब्स
एचबी एचपीएलसी	784	ग्लूकोज	18654
रुमेटॉयड फैक्टर	1544	यूरिया	33563
एएसओ	8	क्रिएटिनिन	34055
माइक्रोएल्ब्यूमिन	1545	यूरिक एसिड	33929
मूत्र क्रिएटिनिन	1767	कैल्शियम	34013
प्लुरल द्रव ग्लूकोज	168	फास्फोरस	33637
प्लुरल द्रव प्रोटीन	180	सोडियम	35729

प्लुरल द्रव एलडीएच	152	पोटेशियम	35920
प्लुरल द्रव एडीए	180	कुल बिलीरुबिन	26739
असाइटिक द्रव ग्लूकोज	116	प्रत्यक्ष बिलीरुबिन	26739
असाइटिक द्रव प्रोटीन	127	अप्रत्यक्ष बिलीरुबिन	27056
असाइटिक द्रव एल्बुमिन	94	ए एस टी	25785
असाइटिक द्रव एलडीएच	117	ए एल टी	25788
असाइटिक द्रव एडीए	117	ए एल पी	23181
सीरम एल्बुमिन	49	कुल प्रोटीन	22908
सीरम एलडीएच	16	एल्ब्यूमिन	24615
सीरम प्रोटीन	10	ग्लोब्युलिन	23545
सीएसएफ ग्लूकोज	100	कुल कोलेस्ट्रॉल	9897
सीएसएफ प्रोटीन	100	ट्राइग्लिसराइड्स	9766
सीएसएफ एलडीएच	18	एच डी एल	9750
सीएसएफ एडीए	67	एल डी एल	9749
मूत्र स्पॉट प्रोटीन	559	वी एल डी एल	9749
24 घंटे मूत्र प्रोटीन	530	एच बी ए 1 सी	10318
एंटी सीसीपी	1342	सी आर पी	5522
पेरिकार्डियल द्रव प्रोटीन	2	ट्रॉप आई	1517
पेरिकार्डियल द्रव ग्लूकोज	2	ट्रॉप टी	25
पेरिकार्डियल द्रव एडीए	2	एमाइलेज	1212
सीआरपी	2040	लाइपेज	1144
एंटी टीपीओ	127	आयरन	1593
डीएमडी के लिए उत्परिवर्तन विश्लेषण	02	टी आई बी सी	1589
		फेरिटिन	1833
		टी-3	6738
		टी-4	6739
		टी एस एच	12746
		ऍफ़ टी 3	424
		ऍफ़ टी 4	562
		ऍफ़ एस एच	318
		एल एच	257
		प्रोलैक्टिन	711
		विटामिन बी 12	3834
		जी जी टी	52
		एल डी एच	795

		सी पी के	179
		आयनीकृत कैल्शियम	17
		सी के – एम बी	79
		मैग्नीशियम	1103
		विटामिन डी	4268
		पी एस ए	55
		सी ए -125	33
		आई जी ई	34
		बीटा एट सी जी	35

माइक्रोबायोलॉजी विभाग

माइक्रोबायोलॉजी विभाग 5 दिसंबर, 2022 को एम्स ओपीडी के उद्घाटन के बाद से ही संस्थान के शैक्षणिक और डायग्नोस्टिक ब्लॉक में हिंद लैब के सहयोग से मरीजों को प्रयोगशाला सेवाएं प्रदान कर रहा है। सेवाओं में प्रत्यक्ष माइक्रोस्कोपी जांच से लेकर, ऑटोमेटेड ब्लड कल्चर और रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण से लेकर टीबी निदान के लिए जीनएक्सपर्ट के रूप में आणविक परीक्षण तक शामिल हैं। बैक्टीरियोलॉजी, सीरोलॉजी, वायरोलॉजी अनुभागों में विभिन्न परीक्षणों को शामिल करके सेवाओं का और विस्तार किया जा रहा है। वर्ष 2023 से 24 के दौरान लगभग 47420 विभिन्न परीक्षण किए गए हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है।

क्र. सं.	जांच	परीक्षण की संख्या
1.	ZN माइक्रोस्कोपी	1593
2.	जीनएक्सपर्ट	1201
3.	LPA (रेफरल)	83
4.	MTB कल्चर (रेफरल)	131
5.	मंटौक्स टेस्ट	96
6.	ब्लड कल्चर	2221
7.	SARS-CoV-2 रैपिड टेस्ट	229
8.	HBsAg	11990
9.	एंटी-HCV	12044
10.	HIV I और II	11846
11.	एंटी-HAV IgM	232
12.	एंटी-HEV IgM	204
13.	डेंगू IgM	535
14.	डेंगू NS1	661
15.	चिकनगुनिया IgM	25
16.	VDRL	820
17.	विडाल/टाइफ़िडॉट	903

18.	स्क्रब टाइफ़स IgM, IgG	797
19.	मलेरिया रैपिड टेस्ट	547
20.	मलेरिया स्मीयर	239
21.	परजीवियों के लिए मल (गीला माउंट)	321
22.	परजीवियों के लिए मल (आयोडीन माउंट)	321
23.	KOH माइक्रोस्कोपी	66
24.	जैविक नियंत्रण परीक्षण (HIC)	315
कुल		**47420**

रेडियोलॉजी सेवाएं

विभाग सम्पूर्ण शरीर हेतु एक्स-रे सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है, और 24/7 वॉक-इन और पोर्टेबल दोनों आधारों पर आउटपेशेंट, इनपेशेंट और गंभीर रूप से बीमार आईसीयू रोगियों की सेवा करता है। अल्ट्रासाउंड और डॉपलर सेवाएं भी चौबीसों घंटे उपलब्ध हैं। इनमें नियमित पेट, श्रोणि, छोटे हिस्से, जोड़, न्यूरोसोनोग्राम और प्रसूति संबंधी स्कैन शामिल हैं। डॉपलर सेवाओं में कैरोटिड, रीनल, हेपेटिक और लिम्ब डॉपलर शामिल हैं। विभाग नियमित रूप से विभिन्न प्रकार की न्यूनतम इनवेसिव अल्ट्रासाउंड-निर्देशित प्रक्रियाएं करता है, जैसे कि फाइन नीडल एस्पिरेशन (FNAC), बायोप्सी, डायग्नोस्टिक और चिकित्सीय प्लूरल और असाईटिक टैप, प्लुरोडिसिस, संग्रह की निकासी के लिए पिगटेल प्लेसमेंट, परक्यूटेनिअस नेफ्रोस्टोमी, ट्रांस हिपेटिक बिल्लिअरी ड्रेनेज, पी आई सी सी लाइन इंसर्शन, गाइडेड नर्व ब्लाक ओर वेरिकोसिटी का वीनस अब्लेशन। इसके अतिरिक्त, अल्ट्रासाउंड और फ्लोरोस्कोपी मार्गदर्शन दोनों का उपयोग करके एंडोबिलरी स्टेंट प्लेसमेंट के द्वारा कई केस किए गए हैं। कैथ लैब (कार्डियोलॉजी विभाग में) में वासक्यूलर इन्टरवेंशन के कई केस किए गए हैं।

विभाग अत्याधुनिक, दोहरे ऊर्जा वाले 256-स्लाइस सीटी स्कैनर से सुसज्जित है, जो आउटपेशेंट, इनपेशेंट और आपातकालीन सेवाओं हेतु 24/7 चालू है। यह हाई-टेक मशीन तेज और उच्च गुणवत्ता वाली एंजियोग्राफी और परफ्यूज़न अध्ययन को सक्षम बनाती है। कोरोनरी एंजियोग्राफी, कार्डियक सीटी, सेरेब्रल, पल्मोनरी, रीनल, ब्रोन्कियल और पेरिफेरल एंजियोग्राफी और वेनोग्राफी जैसी विशेष जांच नियमित रूप से की जाती हैं। सीटी एंटरोग्राफी, सीटी यूरोग्राफी और सीटी वर्चुअल ब्रोंकोस्कोपी जैसे अन्य विशेष स्कैन भी नियमित रूप से किए जाते हैं। सीटी-निर्देशित एफएनएसी, बायोप्सी और संग्रह की पिगटेल ड्रेनेज सहित विभिन्न हस्तक्षेप प्रक्रियाएं नियमित रूप से की जाती हैं। फरवरी 2024 में आपातकालीन विभाग में एक नए सीटी स्कैनर का उद्घाटन किया गया, जिससे मरीजों के प्रतीक्षा समय को कम करके और गंभीर मामलों के लिए त्वरित निदान की अनुमति देकर आपातकालीन रोगियों के लिए सेवाओं को और बढ़ाया गया।

विभाग में अत्याधुनिक 3 टेस्ला एमआरआई मशीन भी है, जो शरीर के विभिन्न अंगों की उच्च गुणवत्ता वाली इमेजिंग देने में सक्षम है। नियमित स्कैन के अलावा, परफ्यूज़न, इलास्टोग्राफी, डीटीआई, फाइबर ट्रैकिंग, न्यूरोग्राफी और कार्डियक एमआरआई जैसे उन्नत अध्ययन भी किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, आयुष ब्लॉक में एक नई 1.5 टेस्ला एमआरआई मशीन स्थापित होने वाली है, जिससे रोगियों के लिए प्रतीक्षा समय में काफी कमी आएगी।

क्र. सं.	माह	एक्स-रे	अल्ट्रासाउंड	सी टी	एमआरआई	हस्तक्षेप
1.	अप्रैल 2023	2409	580	352	188	21
2.	मई 2023	3084	702	339	208	11
3.	जून 2023	2974	659	472	206	36

4.	जुलाई 2023	2979	729	426	235	40
5.	अगस्त 2023	3482	942	522	303	56
6.	सितंबर 2023	2850	833	601	305	44
7.	अक्टूबर 2023	3119	908	474	367	53
8.	नवंबर 2023	3563	1143	506	349	30
9.	दिसंबर 2023	4636	1236	862	435	59
10.	जनवरी 2024	4439	1251	785	439	53
11.	फरवरी 2024	4809	1413	929	334	72
12.	मार्च 2024	5242	1264	934	451	60
	कुल	**43586**	**11660**	**7202**	**3820**	**535**

हिमकेयर और आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा योजनाएँ

एम्स बिलासपुर आयुष्मान और हिमकेयर योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थी सभी रोगियों को कैशलेस उपचार प्रदान कर रहा है। पिछले एक वर्ष में 8896 रोगियों को इस कैशलेस उपचार का लाभ मिला है।

क्र. सं.	विवरण	हिमकेयर	आयुष्मान	कुल
1.	मरीजों की संख्या	7547	1349	8896
2.	निपटान किए गए दावों की संख्या	5007	851	5828

नर्सिंग सेवाएं

नर्सिंग अधीक्षक:- सुश्री किरण मिश्रा

विभाग के बारे में:

नर्सिंग विभाग एक संगठनात्मक संरचना है, जिसके माध्यम से नर्सिंग अधिकारी संस्था के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मरीजों को नर्सिंग देखभाल प्रदान करते हैं। नर्सिंग का उद्देश्य, स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, बीमारी को रोकना, बीमारों की देखभाल करना और विकलांगता और घातक बीमारी से निपटने में सहायता करना है। नर्सिंग में सभी उम्र के व्यक्तियों, परिवारों, समूहों और समुदायों की सभी सेटिंग्स में स्वायत्त और सहयोगी देखभाल शामिल है। नर्सिंग सेवाएँ किसी भी स्वास्थ्य देखभाल सुविधा का अभिन्न अंग हैं। नर्सिंग टास्क फोर्स को रोगी देखभाल की रीढ़ माना जाता है।

वर्ष 2023-2024 में की गई गतिविधियाँ

1. भर्ती अभियान

i. **नर्सिंग अधिकारियों का चौथा और पांचवां बैच:** 96 नर्सिंग अधिकारी, NORCET-4 के माध्यम से संस्थान में शामिल हुए और 59 नर्सिंग अधिकारी NORCET-5 के माध्यम से शामिल हुए, जिन्हें नैदानिक और गैर-नैदानिक क्षेत्रों में भी तैनात किया गया।

2. मुख्य अस्पताल भवन में वार्डों की स्थापना

i. नर्सिंग अधिकारी आईपीडी, ओटी और ट्रॉमा एवं इमरजेंसी की स्थापना के लिए टीम के महत्वपूर्ण सदस्य थे।

ii. 31/03/2024 तक, आईपीडी + आईसीयू में कुल बिस्तर संख्या 562 है और इमरजेंसी में कुल बिस्तर संख्या 44 और 12 स्ट्रेचर हैं।

3. कर्मचारी विकास गतिविधियाँ

i. नर्सिंग अधिकारियों ने संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया जिनमें निम्न गतिविधियाँ शामिल हैं:
- माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संक्रमण रोकथाम सप्ताह का आयोजन किया गया।
- आंतरिक चिकित्सा एवं आर्थोपेडिक्स विभाग द्वारा, विश्व गठिया दिवस का आयोजन किया गया।
- आंतरिक चिकित्सा विभाग द्वारा विश्व ल्यूपस दिवस का आयोजन किया गया।
- आंतरिक चिकित्सा विभाग द्वारा विश्व उच्च रक्तचाप दिवस का आयोजन किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस
- स्वतंत्रता दिवस
- गणतंत्र दिवस, जिस पर नर्सिंग अधिकारियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी तैयार किए गए।
- रक्तदान शिविर।

ii. नर्सिंग अधिकारियों को विभिन्न कार्यक्रमों पर आयोजित स्लोगन, ई-स्लोगन और पोस्टर मेकिंग में भी विभिन्न स्थान प्राप्त हुए।

iii. नर्सिंग अधिकारी नियमित आधार पर आईपीडी और ओपीडी में स्वास्थ्य शिक्षा भी दे रहे हैं।

iv. क्षेत्र प्रभारियों द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए गए, जैसे सीसीएस आचरण नियम, अधिकारी नेतृत्व की गुणवत्ता, नर्सिंग कार्मिकों का कार्य विवरण।

4. **नर्स सप्ताह समारोह**

i. 8 मई से 12 मई 2023 तक नर्स सप्ताह, जिसका विषय था, "हमारी नर्सें, हमारा भविष्य", का आयोजन नर्सिंग कॉलेज, एम्स बिलासपुर के सहयोग से किया गया, जिसमें संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. वीर सिंह नेगी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

ii. नर्सिंग सप्ताह में विभिन्न कार्यक्रम शामिल किए गए जिनमें सांस्कृतिक, शैक्षणिक और खेल भी शामिल थे।

iii. खेलों के अंतर्गत मैराथन, बैडमिंटन, स्पून रेस, वॉलीबॉल, 3 लेग रेस, 100 मीटर रेस, 400 मीटर रेस, रिले रेस और क्रिकेट मैच आयोजित किए गए।

iv. ओपीडी और आईपीडी सेटिंग में नर्सिंग अधिकारियों द्वारा कई विषयों पर स्वास्थ्य शिक्षा दी गई।

5. अन्य गतिविधियाँ

i. नर्सिंग अधिकारियों ने भी वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया।

ii. नर्सिंग अधिकारियों ने भी मरीजों को प्रेरित किया तथा मरीजों और उनके परिचारकों के ABHA कार्ड भी बनाए।

भविष्य के संदर्भ में:

1. NORCET-4 और NORCET-5 के लिए शीघ्र ही प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, ताकि उन्हें संस्थागत नीतियों के बारे में जानकारी दी जा सके और ज्ञानवर्धन किया जा सके।
2. नर्सिंग अधिकारियों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने और नर्सिंग के क्षेत्र में प्रगति के बारे में उन्हें अद्यतन रखने के लिए विभिन्न सीएमई और सीएनई के संचालन में सक्रिय भागीदारी।
3. शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यों पर भी ध्यान केंद्रित करना।

महत्वपूर्ण क्षेत्र

i. आईईसी गतिविधियों को बढ़ावा देना

ii. रोगी देखभाल के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाएं और प्रकाशन।

iii. नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकी के लिए इन-सर्विस शिक्षा कार्यक्रम।

एम्स बिलासपुर अस्पताल ने मुख्य अस्पताल भवन में इमरजेंसी, मॉड्यूलर ओटी, आईसीयू और आईपीडी जैसे सुपर स्पेशियलिटी क्षेत्रों में विस्तार किया है। ई-ब्लॉक भी शुरू हो गया है। भविष्य के रुझानों में, रोगी देखभाल, रिकवरी और पुनर्वास में सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए विशिष्ट रोगी देखभाल मॉडल लागू किए जा सकते हैं।

डिजिटल स्वास्थ्य केंद्र

आयुष ब्लॉक में एक डिजिटल स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), हिमाचल प्रदेश के सहयोग से ई संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवाओं का उद्घाटन, मई 2021 के महीने में किया गया था। शुरुआत में, 17 स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी के विशेषज्ञों ने टेली परामर्श प्रदान किया।

इसके बाद, केवल 4 विशेषज्ञ टेली परामर्श प्रदान कर रहे हैं। अभी भी रोगियों को डॉक्टर द्वारा टेली परामर्श प्रदान किया जा रहा है। फलस्वरूप, हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों के मरीज इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। जिलावार प्रदान किए गए, टेली परामर्श का विवरण निम्नानुसार है:

एम्स बिलासपुर द्वारा जिलावार प्रदान किया गया टेली-परामर्श

क्र. सं.	जिला	टेली-परामर्श दिया गया
1.	हमीरपुर	182
2.	मंडी	876
3.	शिमला	1303
4.	बिलासपुर	1789
5.	कांगड़ा	427
6.	कुल्लू	190
7.	सोलन	1679
8.	ऊना	94
9.	चंबा	437
10.	सिरमौर	1126
11.	किन्नौर	8
12.	लाहौल और स्पीति	31
कुल		**8142**

यह केंद्र, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रभावी कार्यान्वयन में, राज्य सरकार के साथ, संयुक्त रूप से योगदान हेतु संभावनाएं तलाश रहा है।

सुरक्षा उपाय

रोगी सुरक्षा

एडीआर निगरानी केंद्र: फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स बिलासपुर में एक प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र (एएमसी) है, जो कि 2021 से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में भारतीय फार्माकोपिया आयोग, गाजियाबाद द्वारा मान्यता प्राप्त है, और यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है।

प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट: एम्स बिलासपुर में फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा नियमित रूप से प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट किए जाते हैं। यह ऑडिट, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को फीडबैक प्रदान करते हैं, जिससे सुरक्षित प्रिस्क्रिप्शन प्रथाओं और निरंतर गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित होता है।

गुणवत्ता सेल

एम्स बिलासपुर में गुणवत्ता प्रकोष्ठ, गुणवत्ता आश्वासन प्रथाओं को लागू करके, रोगी देखभाल को बेहतर बनाने के लिए समर्पित है। गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न रोगी ऑडिट आंकड़ों की नियमित रिपोर्टिंग की जा रही है। यह रोगी सुरक्षा,

निरंतर सुधार और स्वास्थ्य सेवा मानकों के पालन पर ध्यान केंद्रित करता है। निगरानी और कर्मचारियों के प्रशिक्षण के माध्यम से, प्रकोष्ठ, समग्र स्वास्थ्य सेवा अनुभव को बढ़ाने का प्रयास करता है।

कार्यस्थल सुरक्षा

एम्स बिलासपुर, सीसीटीवी निगरानी द्वारा एवं उचित रोशनी वाले गलियारे और महिलाओं के लिए विशेष रात्रि परिवहन के माध्यम से कार्यस्थल सुरक्षा सुनिश्चित करता है, जिससे सभी कर्मचारियों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार होता है।

छात्र सुरक्षा हेतु उपाय

छात्र कल्याण प्रकोष्ठ

छात्रों के समग्र कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए एम्स बिलासपुर में छात्र कल्याण प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है, यह छात्रों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य जैसे विभिन्न पहलुओं पर भी ध्यान देता है।

क्र. सं.	नाम	पदनाम	विभाग	पद
1.	प्रोफेसर (डॉ.) साधना शर्मा	प्रोफेसर	जैव रसायन विज्ञान	छात्र कल्याण अधिकारी
2.	डॉ. मीनल मधुकर ठाकरे	अतिरिक्त प्रोफेसर	सीएफएम	उप छात्र कल्याण अधिकारी
3.	डॉ. भूपेन्द्र यादव	सहायक प्रोफेसर	मनोचिकित्सा	सदस्य
4.	डॉ. देवेन्द्र बैरवा	सहायक प्रोफेसर	क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी और रुमेटोलॉजी	सदस्य
5.	श्री रोहित कुमार गुप्ता	चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी	एनेस्थिसियोलॉजी	सदस्य

माइन्ड सेल

यह छात्रों की ज़रूरतों और विकास के लिए एक मानसिक स्वास्थ्य पहल है। यह सेल छात्रों के सामने आने वाली मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने और उनकी समग्र भलाई सुनिश्चित करने में मदद करेगा। माइन्ड सेल काउंसलिंग, थेरेपी, संकट में हस्तक्षेप और मनोरोग परामर्श सहायता जैसी आवश्यक सेवाएँ भी प्रदान करता है। छात्रों को तत्काल सहायता और सहायता के लिए चौबीसों घंटे समर्पित हेल्पलाइन नंबर भी उपलब्ध है ।

मेंटर-मेंटी कार्यक्रम

मेंटरशिप कार्यक्रम की शुरुआत प्रशिक्षुओं को समग्र विकास का अवसर प्रदान करने, उन्हें नए वातावरण में सहज बनाने और कॉलेज जीवन से परिचित कराने के लिए की गई थी, ताकि वे सभी क्षेत्रों में अपनी पूर्ण क्षमता हासिल कर सकें।

एंटी रैगिंग दस्ता

एम्स बिलासपुर, संस्थान में रैगिंग बिलकुल भी बर्दाश्त ना करते हुए एक रैगिंग मुक्त परिसर प्रदान करता है। सख्त एंटी-रैगिंग उपाय किए गए हैं जिनमें, वरिष्ठ संकाय सदस्य, एमबीबीएस छात्रों, एमबीबीएस छात्रों के माता-पिता और बाहरी सदस्यों के प्रतिनिधियों वाली एंटी-रैगिंग समिति शामिल है। संकाय सदस्यों वाली एंटी-रैगिंग स्काड चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी रखती है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

शैक्षणिक कार्यक्रम

स्नातक पाठ्यक्रम

बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस)

एम्स बिलासपुर में एमबीबीएस छात्रों को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के माध्यम से मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाता है, और सीट आवंटन एक केंद्रीकृत प्रणाली के माध्यम से किया जाता है। एमबीबीएस का चौथा शैक्षणिक सत्र, सितंबर 2023 में 100 छात्रों के प्रवेश के साथ शुरू हुआ था।

नर्सिंग में बैचलर ऑफ़ साइंस (ऑनर्स)

बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग, 40 छात्रों की स्वीकृत क्षमता के साथ वर्ष 2022 में शुरू हुआ था। बीएससी (ऑनर्स) पैरामेडिकल, 20 छात्रों की स्वीकृत क्षमता के साथ, वर्ष 2022 से शुरू किया गया था। बीएससी पैरामेडिकल पाठ्यक्रम निम्नलिखित में शुरू किए गए:

a) बीएससी मेडिकल टेक्नोलॉजी डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी (एमडीटीटी)
b) बीएससी मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (एमएलटी)
c) बीएससी (मेडिकल रेडियोलॉजी) और इमेजिंग टेक्नोलॉजी (एमआरआईटी)।

प्रवेश

2023 प्रवेश	एमबीबीएस	बीएससी नर्सिंग	बीएससी (एमएलटी)	बीएससी (डायलिसिस टेक)	बीएससी (रेडियोलॉजी और इमेजिंग))	बीएससी (ओटी तकनीशियन)
स्वीकृत क्षमता	100	40	10	05	05	05
प्रवेश	100	39	9	04	05	

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर अभिमुखीकरण कार्यक्रम

स्नातकोत्तर के प्रथम बैच के लिए, 4/09/23 से 8/09/23 तक, स्नातकोत्तर अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्नातकोत्तरों को शोध पद्धति और प्रोटोकॉल लेखन के बारे में जानकारी दी गई। पीजी अभिमुखीकरण का दूसरा बैच 15/03/24 से 22/03/24 तक आयोजित किया गया।

प्रवेश

क्र. सं.	विभाग	सत्र प्रारंभ	स्वीकृत सीटें	दूसरा बैच (जनवरी 2024)
1.	एनाटॉमी	जनवरी 23	1	0
2.	एनेस्थीसिया	जुलाई 23	2	2
3.	बायोकेमिस्ट्री	जनवरी 23	1	0
4.	कम्युनिटी और फैमिली मेडिसिन	जुलाई 23	2	2
5.	डर्मेटोलॉजी	जनवरी 24	1	1
6.	ईएनटी	जुलाई 23	1	2
7.	फोरेंसिक मेडिसिन	जनवरी 24	2	अनुपलब्ध
8.	जनरल मेडिसिन	जुलाई 23	3	3
9.	जनरल सर्जरी	जनवरी 23	2	2
10.	माइक्रोबायोलॉजी	जनवरी 24	2	अनुपलब्ध
11	प्रसूति और स्त्री रोग	जुलाई 23	3	1
12.	नेत्र विज्ञान	जनवरी 24	1	1
13.	ऑर्थोपेडिक्स	जनवरी 23	2	2
14.	पैथोलॉजी	जनवरी 24	2	2
15.	बाल रोग	जुलाई 23	1	1
16.	फार्माकोलॉजी	जनवरी 24	2	1
17.	फिजियोलॉजी	जनवरी 23	1	0
18.	रेडियोडायग्नोसिस	जुलाई 23	2	2
19.	रेडियोथेरेपी	जनवरी 24	2	2
20.	ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन और ब्लड बैंक	जनवरी 24	1	1
21.	ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी	जनवरी 23	1	1
	कुल		**35**	**25**

एमबीबीएस छात्रों हेतु व्याख्यान और प्रशिक्षण

एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, पैथोलॉजी, फार्माकोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और फोरेंसिक मेडिसिन विभाग, पूरे वर्ष छात्रों हेतु सैद्धांतिक व्याख्यान और प्रशिक्षण में लगन से शामिल रहे।

एमबीबीएस के तीसरे बैच का शैक्षणिक सत्र, सितंबर 2023 को औपचारिक शिक्षण सत्र के साथ शुरू हुआ। दूसरे वर्ष 2020,2021,2022 बैच के छात्रों को मेडिसिन, सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग और बाल रोग जैसे विभिन्न विभागों में सिद्धांत के साथ-साथ क्लिनिकल पोस्टिंग में भी भेजा गया।

अभिमुखीकरण और फाउंडेशन पाठ्यक्रम

एमबीबीएस सत्र का पहला महीना फाउंडेशन कोर्स के लिए समर्पित था, जिसमें छात्रों को कैम्पस से परिचित कराना, एनाटॉमी और फिजियोलॉजी की मूल बातें, डॉक्टर-रोगी संबंध, नैतिकता और वार्तालाप प्रशिक्षण तथा टीम डायनेमिक्स शामिल थी।

ओरिएंटेशन और फाउंडेशन कोर्स, अधिष्ठाता (शैक्षणिक) के नेतृत्व में विभिन्न विभागों के शिक्षकों द्वारा संचालित किया गया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम की शुरुआत अधिष्ठाता (शैक्षणिक) द्वारा संस्थान के परिचय और एमबीबीएस पाठ्यक्रम के अवलोकन से हुई। कॉलेजों में रैगिंग से निपटने के लिए एंटी-रैगिंग उपाय भी उन्हें बताए गए। छात्रों को पहले

व्यावसायिक विषयों- एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री और कम्युनिटी मेडिसिन के बारे में बताया गया। साथ ही, छात्रों को बायोमेडिकल रिसर्च की अवधारणाओं से भी संक्षिप्त रूप से परिचित कराया गया। जीवन में रोज़मर्रा के तनाव से निपटने के लिए, उन्हें घर और कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन के बारे में सिखाया गया।

फाउंडेशन कोर्स की शुरुआत भारतीय चिकित्सा स्नातक की भूमिका और उसके सामाजिक महत्व के परिचय के साथ हुई। छात्रों को समाज में डॉक्टर की भूमिका और महत्व तथा राष्ट्र की एमबीबीएस छात्रों से अपेक्षाओं के बारे में बताया गया। उन्हें विश्व और भारत में चिकित्सा के इतिहास की रूपरेखा भी बताई गई। स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के विभिन्न स्तरों पर चिकित्सक की भूमिका के बारे में बताया गया। एलोपैथिक चिकित्सा के अलावा, उन्हें अन्य प्रकार की पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा के बारे में भी जानकारी दी गई।

एमबीबीएस छात्रों को वर्तमान एमबीबीएस पाठ्यक्रम में उपयोग की जाने वाली विभिन्न शिक्षण और सीखने की विधियों के साथ-साथ मूल्यांकन विधियों से भी परिचित कराया गया। उन्हें चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं जैसे कि उपचारात्मक या आंतरिक चिकित्सा और निवारक या सामुदायिक/पारिवारिक चिकित्सा के बारे में बताया गया। उन्हें देश भर में चल रही विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों और स्वास्थ्य वितरण प्रणालियों के बारे में भी जानकारी दी गई।

छात्रों को उनके जीवन और पेशे में विभिन्न रिश्तों जैसे कि पारस्परिक संबंध और डॉक्टर-रोगी संबंध के बारे में भी बताया गया। साथ ही, उन्हें ध्यान और योग जैसी विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके घर और कार्यस्थल पर तनाव और उसके प्रबंधन के बारे में भी बताया गया। छात्रों के लिए योग सत्र आयोजित किए गए और उन्होंने उनमें सक्रिय रूप से भाग लिया।

उन्हें समय प्रबंधन तकनीकों के बारे में भी सिखाया गया, जो उनके पूरे जीवन में उपयोगी होंगी। उन्हें व्यावसायिकता और नैतिकता और पेशेवर और परोपकारी व्यवहार की अवधारणाओं से भी परिचित कराया गया। उन्हें टीम वर्क और टीम डायनेमिक्स के बारे में सिखाया गया और इसके लिए रोल प्ले भी कराया गया।

उन्हें कंप्यूटर आधारित कौशल, अंग्रेजी के साथ-साथ स्थानीय बोली और विभिन्न सांस्कृतिक और विकलांगता दक्षताओं सहित विभिन्न भाषाओं में वार्तालाप जैसी विभिन्न दक्षताओं से परिचित कराया गया। उन्हें यूनिवर्सल संक्रमण सावधानियाँ, बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन, हाथ धोना, स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता सिखाई गई और उनका प्रदर्शन किया गया। टीकाकरण और स्वास्थ्य और बीमारी में पर्यावरण की भूमिका पर व्याख्यान दिए गए। व्याख्यान और प्रदर्शन के माध्यम से उन्हें बुनियादी जीवन कौशल से भी परिचित कराया गया। 'एमबीबीएस छात्रों से राष्ट्र की क्या अपेक्षाएँ हैं' पर दृष्टिकोण, नैतिकता और वार्तालाप (एईटीसीओएम) मॉड्यूल भी आयोजित किया गया। उन्हें दुनिया और भारत में चिकित्सा के इतिहास की रूपरेखा दी गई। स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के विभिन्न स्तरों पर चिकित्सक की भूमिका को समझाया गया। एलोपैथिक चिकित्सा के अलावा, उन्हें अन्य प्रकार की पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा के बारे में भी जागरूक किया गया।

एमबीबीएस छात्रों को वर्तमान एमबीबीएस पाठ्यक्रम में उपयोग की जाने वाली विभिन्न शिक्षण और सीखने की विधियों के साथ-साथ मूल्यांकन विधियों से भी परिचित कराया गया। उन्हें चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं जैसे कि उपचारात्मक या आंतरिक चिकित्सा और निवारक या सामुदायिक/पारिवारिक चिकित्सा के बारे में बताया गया। उन्हें देश भर में चल रही विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों और स्वास्थ्य वितरण प्रणालियों के बारे में भी जानकारी दी गई।

छात्रों को उनके जीवन और पेशे में विभिन्न रिश्तों जैसे कि पारस्परिक संबंध और डॉक्टर-रोगी संबंध के बारे में भी बताया गया। साथ ही, उन्हें ध्यान और योग जैसी विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके घर और कार्यस्थल पर तनाव और उसके प्रबंधन के बारे में भी बताया गया। छात्रों के लिए योग सत्र आयोजित किए गए और उन्होंने उनमें सक्रिय रूप से भाग लिया।

उन्हें समय प्रबंधन तकनीकों के बारे में भी सिखाया गया, जो उनके पूरे जीवन में उपयोगी होंगी। उन्हें व्यावसायिकता और नैतिकता और पेशेवर और परोपकारी व्यवहार की अवधारणाओं से भी परिचित कराया गया। उन्हें टीम वर्क और टीम डायनेमिक्स के बारे में सिखाया गया और इसके लिए रोल प्ले भी कराया गया।

उन्हें कंप्यूटर आधारित कौशल, अंग्रेजी के साथ-साथ स्थानीय बोली और विभिन्न सांस्कृतिक और विकलांगता दक्षताओं सहित विभिन्न भाषाओं में वार्तालाप जैसी विभिन्न दक्षताओं से परिचित कराया गया। उन्हें यूनिवर्सल संक्रमण सावधानियाँ, बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन, हाथ धोना, स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता सिखाई गई और उनका प्रदर्शन किया गया। टीकाकरण और स्वास्थ्य और बीमारी में पर्यावरण की भूमिका पर व्याख्यान दिए गए। व्याख्यान और प्रदर्शन के माध्यम से उन्हें बुनियादी जीवन कौशल से भी परिचित कराया गया। 'एमबीबीएस छात्रों से राष्ट्र की क्या अपेक्षाएँ हैं' पर दृष्टिकोण, नैतिकता और वार्तालाप (एईटीसीओएम) मॉड्यूल भी आयोजित किया गया। उन्हें दुनिया और भारत में चिकित्सा के इतिहास की रूपरेखा दी गई। स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के विभिन्न स्तरों पर चिकित्सक की भूमिका को समझाया गया। एलोपैथिक चिकित्सा के अलावा, उन्हें अन्य प्रकार की पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा के बारे में भी जागरूक किया गया। संकाय की एक टीम द्वारा 'डॉक्टर होने का क्या मतलब है?' पर दृष्टिकोण, नैतिकता और संचार (AETCOM) मॉड्यूल भी आयोजित किया गया जिसमें व्याख्यान, स्व-निर्देशित शिक्षण और रोल प्ले शामिल थे।

कॉलेज ऑफ नर्सिंग ने बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दूसरा शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया

चिकित्सा शिक्षा इकाई

हिमाचल प्रदेश के एम्स बिलासपुर में शैक्षणिक गतिविधियों की देखरेख, संकाय के संवर्धन के लिए चिकित्सा शिक्षा के लिए नई तकनीकों और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के लिए 08.06.2021 को चिकित्सा शिक्षा इकाई का गठन किया गया। चिकित्सा शिक्षा इकाई, चिकित्सा शिक्षा योजना में निरंतर गुणवत्ता सुधार, पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन और मूल्यांकन के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संकाय के विकास को सुनिश्चित करेगी। पिछले वर्ष इस इकाई द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई हैं।

चिकित्सा शिक्षा इकाई में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:

क्र.	नाम	पद	विभाग	भूमिका
1	प्रोफ़ेसर (डॉ.) संजय विक्रांत	अधिष्ठाता (शैक्षणिक)	नेफ्रोलॉजी	प्रभारी अधिकारी
2	डॉ. पूनम वर्मा	अतिरिक्त आचार्य	शरीरक्रिया विज्ञान	प्रभारी संकाय
3	डॉ. संजय के शर्मा	सह-आचार्य	शरीर रचना	सदस्य
4	डॉ. पुनीत के गुप्ता	सह-आचार्य	सूक्ष्मजीव विज्ञान	सदस्य
5	डॉ. आशीष शर्मा	सह-आचार्य	तंत्रिका-विज्ञान	सदस्य
6	डॉ. कपिल शर्मा	सहायक आचार्य	चिकित्सा	सदस्य
7	डॉ. गौरव शर्मा	सहायक आचार्य	अस्थि रोग	सदस्य
8	डॉ. यांगशेन ल्हामो	सहायक आचार्य	फार्माकोलॉजी	सदस्य
9	डॉ. अनुपमा धीमान	सहायक आचार्य	सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा	सदस्य
10	डॉ. जसबीर सिंह	सहायक आचार्य	बाल चिकित्सा	सदस्य

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश का उद्देश्य शिक्षकों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करना और तैयार करना तथा विश्व स्तर पर प्रासंगिक चिकित्सा स्नातक तैयार करना है। इस प्रकार, चिकित्सा शिक्षा इकाई का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के शिक्षण कौशल को निरंतर उन्नत करना है।

एम्स बिलासपुर, अन्य एम्स, प्रादेशिक चिकित्सा महाविद्यालयों और नर्सिंग कॉलेजों के संकाय सदस्यों, सीनियर रेजिडेंट, शिक्षकों के लिए चिकित्सा शिक्षा पर नवीनतम विषयों पर वेबिनार आयोजित किए गए।

बुनियादी पाठ्यक्रम

एमबीबीएस बैच 2023 के लिए फाउंडेशन कोर्स, छात्रों को चिकित्सा में उनकी शैक्षणिक यात्रा के लिए आवश्यक प्रमुख सिद्धांतों और प्रथाओं से परिचित कराने के लिए तैयार किया गया था। कई दिनों तक चलने वाले इस कोर्स में पेशेवर नैतिकता, रोगी देखभाल, बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन और वार्तालाप कौशल सहित कई विषयों को शामिल किया गया। इसके अतिरिक्त, इस कोर्स में छात्रों को बेसिक लाइफ सपोर्ट और प्राथमिक चिकित्सा जैसे आवश्यक जीवन रक्षक कौशल से लैस करने के लिए प्रशिक्षण सत्र प्रदान किए गए। यह फाउंडेशन कोर्स नए एमबीबीएस छात्रों को भविष्य के चिकित्सा पेशेवरों के रूप में आवश्यक मूल्यों, कौशल और ज्ञान को समझने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। सैद्धांतिक शिक्षा और प्रशिक्षण सत्रों के संयोजन से छात्रों को उनकी चिकित्सा शिक्षा के लिए एक व्यापक शुरुआत दी गई।

चिकित्सा शिक्षा पर दूसरी संकाय कार्यशाला

चिकित्सा शिक्षा इकाई ने 16/10/2023 से 18/10/2023 तक चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी (एमईटी) पर दूसरी संकाय कार्यशाला का आयोजन भी किया और इसमें विभिन्न विशेषज्ञताओं, क्लिनिकल और पैराक्लिनिकल से 25 संकायों को प्रशिक्षित किया गया। सत्र के संचालन के लिए एक अतिथि संकाय, डॉ. गगनदीप क्वात्रा, अतिरिक्त प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी, एम्स बठिंडा को आमंत्रित किया गया था।

मेंटरशिप कार्यक्रम

मेंटरिंग का मतलब है एक ऐसी प्रक्रिया जिसके तहत एक अनुभवी, समानुभूति पूर्ण व्यक्ति (मेंटर), दूसरे (आमतौर पर युवा) व्यक्ति (मेंटी) को उनके विकास एवं उनके अपने विचारों के पुनःपरीक्षण, सीखने एवं व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास में मार्गदर्शन करता है। एक मेंटर, मेंटी को भरोसे में लेकर उसकी बात सुनकर या वार्तालाप द्वारा यह सुनिश्चित करता है। मेंटर, मेंटी को ज्ञान और अनुभव साझा करके और निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करके उसकी अपनी पूरी क्षमता को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य, मेंटी को समग्र विकास का अवसर प्रदान करना, उन्हें नए वातावरण में सहज बनाना और कॉलेज जीवन से परिचित कराना है, ताकि वे सभी क्षेत्रों में अपनी पूरी क्षमता को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकें।

इसका लक्ष्य, नए आने वाले छात्रों के लिए तत्काल सहायता नेटवर्क शुरू करना है। इस प्रकार, नए प्रवेशार्थी कॉलेज जीवन से, शैक्षणिक और सांस्कृतिक रूप से परिचित हो जाएंगे, ताकि वे अपनी पूरी शैक्षणिक क्षमता को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकें। मेंटरिंग संबंध होने से कार्यस्थल में सक्रियता आती है, जिससे यह अधिक प्रभावी हो जाता है। बेहतर वार्तालाप, नेटवर्किंग और मूल्यों का आदान-प्रदान होता है।

इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, 50 एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच के प्रारंभ और संकाय सदस्यों के कार्यभार गृहण करने के बाद एम्स, बिलासपुर में एक मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू किया गया था। प्रत्येक मेंटी (छात्र) को एक यादृच्छिक चयन प्रक्रिया के माध्यम से एक मेंटर (संकाय) आवंटित किया गया था। बेहतर वार्तालाप हेतु, उनके संपर्क नंबर साझा किए गए थे। प्रत्येक मेंटर-मेंटी को महीने में कम से कम एक बार एक-दूसरे से मिलना था। छात्रों ने इसे बहुत उपयोगी कार्यक्रम पाया क्योंकि उन्हें अपने दिन-प्रतिदिन की समस्याओं के साथ-साथ परीक्षा के समय तनाव जैसी, होने वाली विभिन्न कठिनाइयों को अपने मेंटर के साथ साझा करने का अवसर मिला और मेंटर ने अपनी बुद्धिमत्ता और अनुभव के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान खोजा।

यह मेंटरशिप कार्यक्रम भविष्य में और अधिक उपयोगी कार्यक्रम के रूप में विकसित होगा। प्रत्येक मेंटर और मेंटी के परिवर्तनशील दृष्टिकोण और अलग-अलग अनुभव कार्यक्रम की सफलता में बढ़ोतरी करेंगे।

परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग, विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश का संचालन और समन्वय करता है। यह पूरे वर्ष सभी आंतरिक और व्यावसायिक परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित करता है। यह सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद परिणाम भी संकलित और घोषित करता है। समिति, परीक्षा अनुभाग में परीक्षाओं से संबंधित सभी रिकॉर्ड रखती है और उनका रखरखाव करती है। प्रत्येक परीक्षा के गोपनीय रिकॉर्ड को ताले और चाबी में रखती है। समिति, एमबीबीएस और अन्य पाठ्यक्रमों के लिए प्रश्न बैंक भी तैयार करती है।

परीक्षा समिति

अध्यक्ष : डॉ. रूपाली पार्लेवर, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

सदस्य सचिव : डॉ. तरुण शर्मा, सह-आचार्य, आंतरिक चिकित्सा विभाग

एमबीबीएस उप समिति

क्र. सं.	नाम	पद	विभाग	कार्यभार
1	डॉ. नवीन कुमार	सहायक आचार्य	बाल चिकित्सा	सदस्य
2	डॉ. मंजू दरोच	सहायक आचार्य	त्वचा विज्ञान	सदस्य
3	डॉ. प्रीति सी भंडेरी	सहायक आचार्य	शरीर विज्ञान	सदस्य
4	डॉ. अनुपमा धीमान	सहायक आचार्य	सीएफएम	सदस्य
5	डॉ. संजोगिता नाइक	सहायक आचार्य	जैव रसायन विज्ञान	सदस्य
6	डॉ. मोनाली पी हिवारकर	सहायक आचार्य	शरीर रचना विज्ञान	सदस्य
7	मिस शिवरंजनी	नैदानिक मनोविज्ञानी	मनोचिकित्सा	सदस्य

पीजी/सुपरस्पेशलिटी उप-समिति

क्र. सं.	नाम	पद	विभाग	कार्यभार
1	डॉ. नलिनी ए	सह-आचार्य	नियोनेटोलॉजी	सदस्य
2	डॉ. भाग्य श्री	सहायक आचार्य	शरीर रचना	सदस्य
3	डॉ. सौम्या चोपड़ा	सहायक आचार्य	सामान्य शल्य चिकित्सा	सदस्य
4	डॉ. रमन शर्मा	सहायक आचार्य	बाल रोग	सदस्य
5	डॉ. नवप्रीत	सहायक आचार्य	समुदाय और परिवार चिकित्सा	सदस्य
6	मिस हिमानी	चिकित्सा भौतिक विज्ञानी	मनोचिकित्सा	सदस्य

बीएससी नर्सिंग (ऑनर्स) उप-समिति

क्र. सं.	नाम	पद	विभाग	कार्यभार
1	डॉ. लक्ष्मी के सांख्यान	सहायक आचार्य	सीटीवीएस	सदस्य
2	डॉ. मोनिका शर्मा	सह-आचार्य	नर्सिंग कॉलेज	सदस्य
3	डॉ. अंशुल शर्मा	सहायक आचार्य	न्यूक्लियर मेडिसिन	सदस्य
4	डॉ. सुमनदीप कौर	सहायक आचार्य	नर्सिंग कॉलेज	सदस्य
5	श्री अरविन्द कुमार	चिकित्सा भौतिक विज्ञानी	रेडिएशन ऑन्कोलॉजी	सदस्य

बीएससी पैरामेडिकल/अन्य उप-समिति

क्र. सं.	नाम	पद	विभाग	कार्यभार
1	डॉ. अवुला नवीन	सह-आचार्य	औषध विज्ञान	सदस्य
2	डॉ. देवेन्द्र	सहायक आचार्य	ऑर्थोपेडिक्स	सदस्य

3	डॉ. वरुण बंसल	सहायक आचार्य	रेडियोडायग्नोसिस	सदस्य
4	डॉ. ओंजल के तायवाड़े	सहायक आचार्य	जैव रसायन	सदस्य
5	कुमारी अर्चना कश्यप	सहायक आचार्य	मनोचिकित्सा	सदस्य

आयोजित परीक्षाएं

एमबीबीएस फाइनल प्रोफेशनल भाग-I परीक्षा (बैच 2020)
एमबीबीएस फर्स्ट प्रोफेशनल परीक्षा (बैच 2022)
बीएससी नर्सिंग वार्षिक परीक्षा (बैच 2022)
बीएससी पैरामेडिकल पाठ्यक्रम (बैच 2022)

परीक्षा अनुभाग के कुछ प्रमुख कार्य और जिम्मेदारियां निम्नलिखित हैं:

1. समिति सभी व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए प्री-प्रोफेशनल और फाइनल प्रोफेशनल परीक्षा की तिथियां निर्धारित करती है।
2. परीक्षा अनुभाग अन्य महाविद्यालयों से विषय विशेषज्ञों का पैनल तैयार करने तथा परीक्षा तिथियों के दौरान परीक्षकों की उपलब्धता के बारे में सूचित करने के लिए जिम्मेदार है। समिति इन परीक्षकों को पेपर सेट करने के साथ-साथ बाहरी परीक्षक के रूप में आने के लिए आमंत्रण भी भेजती है।
3. परीक्षा अनुभाग अक्सर संकाय सदस्यों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक परीक्षा के लिए उचित और अच्छी संरचना वाले प्रश्नपत्र तैयार किए जाएं। इसमें लिखित, व्यावहारिक और नैदानिक परीक्षाएं शामिल हैं।
4. वे परीक्षाओं के लिए छात्रों के पंजीकरण की प्रक्रिया को संभालते हैं। इसमें योग्य छात्रों के बारे में जानकारी एकत्र करना, उनकी पात्रता की पुष्टि करना और उन्हें आगामी परीक्षाओं के लिए नामांकित करना शामिल है।
5. समिति परीक्षा स्थलों की व्यवस्था करती है, जिसमें यह सुनिश्चित करना भी शामिल है कि वे परीक्षा आयोजित करने के लिए उपयुक्त हैं। इसमें आवश्यक उपकरण, सामग्री और निरीक्षकों की व्यवस्था करना शामिल है।
6. परीक्षा अनुभाग ने परीक्षा के संचालन की देखरेख करने और सुरक्षित और निष्पक्ष परीक्षा वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षक भी नियुक्त किए हैं। वे धोखाधड़ी और शैक्षणिक कदाचार को रोकने के लिए उपाय लागू करते हैं।
7. परीक्षा अनुभाग परीक्षा केंद्रों पर प्रश्नपत्रों और अन्य आवश्यक सामग्रियों का वितरण करने तथा परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं और सामग्रियों को एकत्र करने के लिए भी जिम्मेदार है।
8. परीक्षा के बाद, परीक्षा अनुभाग उत्तर पुस्तिकाओं को एकत्रित करने और उनकी प्रोसेसिंग करने, परिणामों को सारणीबद्ध करने तथा व्यक्तिगत स्कोरकार्ड या प्रतिलिपियाँ तैयार करने के लिए जिम्मेदार होता है।
9. परीक्षा अनुभाग, परीक्षा परिणाम, छात्र प्रदर्शन और अन्य प्रासंगिक डेटा का रिकॉर्ड रखता है। ये रिकॉर्ड भविष्य के संदर्भ, गुणवत्ता आश्वासन और मान्यता के लिए महत्वपूर्ण हैं।
10. परीक्षा अनुभाग, कॉलेज के शैक्षणिक और प्रशासनिक नेतृत्व के साथ मिलकर परीक्षा नीतियों और दिशानिर्देशों के विकास में योगदान देता है।

छात्रावास अनुभाग

छात्रावास सलाहकार समिति

छात्रावास सलाहकार समिति का गठन छात्रावास से संबंधित मामलों के सुचारू संचालन और दीर्घकालिक नियोजन के लिए किया गया था, जिसमें छात्रावास के सभी कर्मचारियों का पर्यवेक्षण भी शामिल है। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:

क्र. सं.	नाम	पद	भूमिका
1	डॉ. दीप्ति चोपड़ा	आचार्य	मुख्य वार्डन
2	डॉ. सुदेश कुमार	अतिरिक्त आचार्य	वरिष्ठ संकाय प्रभारी, यूजी छात्र
3	डॉ. मनुप्रिया	सह-आचार्य	वरिष्ठ संकाय प्रभारी, यूजी छात्रा
4	डॉ. मोनिका शर्मा	सह-आचार्य	वरिष्ठ संकाय प्रभारी, नर्सिंग छात्रावास
5	डॉ. नेहा चौहान	सहायक आचार्य	कनिष्ठ संकाय प्रभारी, यूजी छात्रा
6	डॉ. देवेन्द्र बैरवा	सहायक आचार्य	कनिष्ठ संकाय प्रभारी, यूजी छात्र
7	श्रीमती इंदुबाला	सहायक आचार्य	कनिष्ठ संकाय प्रभारी, नर्सिंग छात्रावास
8	श्रीमती सिला लोटे	छात्रावास वार्डन	यूजी छात्रा एवं नर्स वार्डन
9	श्रीमती शगुफ्ता अली	छात्रावास वार्डन	नर्स वार्डन
10	सुश्री कोमल चंदेल	कनिष्ठ वार्डन	यूजी छात्रा वार्डन
11	श्री रामानन्द शर्मा	कनिष्ठ वार्डन	यूजी छात्र वार्डन
12	सुश्री पुनीता	कनिष्ठ वार्डन	पीजी छात्रा छात्रावास
13	श्री रोहित कुमार	कार्यवाहक	पीजी छात्र बी छात्रावास
14	श्री विशाल	केयरटैकर	पीजी छात्र ए छात्रावास
15	श्री प्रशांत	केयरटैकर	पीजी विवाहित छात्रावास

छात्रावास समिति, छात्रावास के वातावरण के प्रबंधन और सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, एवं यह सुनिश्चित करती है कि नीतियाँ और प्रक्रियाएँ छात्रों की ज़रूरतों और भलाई के साथ संरेखित हों। छात्रावास समिति, छात्रावास के नियमों और विनियमों को विकसित करने और उन्हें अद्यतन करने में मदद करती है, ताकि रहने हेतु सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित हो सके और साथ ही छात्रावास की नीतियों के अनुपालन की निगरानी भी हो। समिति, आवास प्रबंधन और छात्रों की सुरक्षा और संरक्षा की देखरेख करती है। यह निवासियों के बीच संघर्ष के समाधान में मदद करती है, और रखरखाव और मरम्मत अनुरोधों को प्राथमिकता देती है ताकि छात्रावास को अच्छा एवं स्वास्थ्य और स्वच्छता मानकों को बनाए रखते हुए साफ-सुथरा भी सुनिश्चित किया जा सके। सदस्य, कमरे के आवंटन, घटनाओं और समिति की बैठक के सटीक रिकॉर्ड बनाए रखने और छात्रावास संचालन और किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे के बारे में उच्च अधिकारियों को नियमित रिपोर्ट प्रदान करके प्रशासनिक कर्तव्यों में भाग लेते हैं। छात्रावास के वार्डन अच्छी तरह से प्रशिक्षित होते हैं और स्वास्थ्य संकट, दुर्घटनाओं, आदि सहित, आपातकालीन स्थितियों में कुशलतापूर्वक प्रतिक्रिया देते हैं और उनका प्रबंधन करते हैं।

छात्रावास अनुभाग, स्वतंत्रता दिवस समारोह, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, दिवाली, लोहड़ी और होली जैसे त्योहारों सहित पूरे वर्ष विभिन्न त्योहारों और शुभ दिनों के उत्सव की सुविधा प्रदान करके एक जीवंत और समावेशी वातावरण बनाए रखने के लिए समर्पित है। ये आयोजन, सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने और छात्रों के लिए सामुदायिक अनुभव को बढ़ाने के लिए अभिन्न अंग हैं।

छात्रावास अनुभाग, छात्र प्रतिनिधि निकाय और प्रशासन के बीच की अंतर को पाटने, प्रभावी वार्तालाप सुनिश्चित करने और एक सहयोगी वातावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

परिकल्पना: एक गतिशील और समावेशी, रहने योग्य वातावरण का निर्माण करना जो अपने निवासियों के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता, व्यक्तिगत विकास और मजबूत सामुदायिक भावना को बढ़ावा दे।

उद्देश्य: सामुदायिक भावना को बढ़ावा देना, छात्रावास संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करना, तथा छात्रों और प्रशासन के बीच खुला और रचनात्मक वार्तालाप बनाए रखना।

भविष्य योजना:

1. उन्नत बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ
2. बेहतर सुरक्षा और संरक्षा
3. शैक्षणिक सहायता पहल
4. सामुदायिक निर्माण और सहभागिता
5. स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम
6. छात्र सहभागिता और समावेश

वार्षिक रिपोर्ट समिति

(बाएं से दाएं: श्री उमेश, डॉ. वरुण, डॉ. यांगशेन, डॉ. विभूति, डॉ. यतिराज, डॉ. सुश्रुति, डॉ. निकिता, डॉ. सुमनदीप, डॉ. तरूणप्रीत और डॉ. सुशांत)

क्र. सं.	नाम	पद	विभाग	भूमिका
1.	डॉ. यतिराज सिंगी	सह-आचार्य	फोरेंसिक मेडिसिन	अध्यक्ष
2.	डॉ. सुश्रुति कौशल	सहायक आचार्य	प्रसूति एवं स्त्री रोग	सदस्य सचिव
3.	डॉ. यांगशेन ल्हामो	सहायक आचार्य	औषध विज्ञान	सदस्य
4.	डॉ. निकिता शर्मा	सहायक आचार्य	सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा	सदस्य
5.	डॉ. सुशांत दास	सहायक आचार्य	शरीर रचना	सदस्य
6.	डॉ. वरुण बंसल	सहायक आचार्य	रेडियोडायग्नोसिस	सदस्य
7.	डॉ. सुमनदीप कौर	सहायक आचार्य	नर्सिंग कॉलेज	सदस्य
8.	डॉ. तरुणप्रीत सैनी	सहायक आचार्य	पैथोलॉजी	सदस्य
9.	डॉ. विभूति मित्तल	सहायक आचार्य	नेत्र रोग	सदस्य
10.	श्री उमेश	लाइब्रेरी अटेंडेंट ग्रेड II	लाइब्रेरी	सदस्य

(ग्राफिक्स डिजाइनर : अंकितेश चंदेल)

अनुसंधान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

अनुसंधान अनुभाग

चिकित्सा शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए अनुसंधान एक महत्वपूर्ण कुंजी है। एम्स बिलासपुर स, काय और छात्रों में जांच, ज्ञान प्राप्ति और अनुसंधान करने की प्रवृत्ति विकसित करता है। चिकित्सा अनुसंधान में मानव स्वास्थ्य में विभिन्न कारकों का अध्ययन करना और स्वास्थ्य सेवा में चुनौतियों का समाधान खोजना शामिल है। यह नए उपचार या चिकित्सा प्रक्रियाओं को विकसित करने और पहले से उपलब्ध उपचारों के अनुप्रयोग को बेहतर बनाने में मदद करता है। संस्थान के संकाय, समुदाय के लाभ के लिए अनुसंधान करने और इसके अनुप्रयोग में सक्रिय रूप से शामिल हैं। उनमें से अधिकांश ने अपने शोध कार्य विभिन्न प्रतिष्ठित जर्नल में प्रकाशित किए हैं। कई संकाय सदस्यों को अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अनुदान राशि प्राप्त हुई है।

अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक विभिन्न संकायों द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं और प्रकाशनों का विवरण इस प्रकार है:

परियोजनाएं/प्रकाशन	जारी	पूर्ण
वित्तपोषित परियोजनाएँ	20	0
विभागीय परियोजनाएँ	46	06
सहयोगी परियोजनाएँ	5	01
शैक्षणिक प्रकाशन	--	142
पुस्तक अध्याय	--	22

वित्तपोषित परियोजनाएँ

कई संकाय सदस्यों को शोध करने के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों से एक्स्ट्रा-म्यूरल अनुदान प्राप्त हुआ है। पिछले वर्ष, इन एजेंसियों द्वारा लगभग 20 परियोजनाओं को वित्तपोषित किया गया है।

संस्थान वैज्ञानिक सलाहकार समिति

संस्थान वैज्ञानिक सलाहकार समिति (IScAC) की स्थापना 7 सितंबर 2023 को बाह्य और आंतरिक वित्तपोषण के लिए वैज्ञानिक रूप से ठोस प्रस्ताव तैयार करने में मदद करने के लिए की गई थी। IScAC के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) को अक्टूबर 2023 में अंतिम रूप दिया गया और स्वीकृत किया गया। अपनी स्थापना के बाद से, IScAC को संकाय और छात्रों से 50 से अधिक परियोजनाएँ प्राप्त हुई हैं।

केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सीआरएफ)

एम्स बिलासपुर में केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सीआरएफ) की स्थापना की गई है, ताकि छात्रों और शिक्षण कर्मचारियों को अत्याधुनिक उपकरणों और संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला तक केंद्रीकृत और लागत-कुशल पहुंच प्रदान की जा सके। ये उपकरण और सेवाएँ क्लीनिकल , प्री और पैरा-क्लीनिकल और बुनियादी विज्ञान शोधकर्ताओं के लिए प्रासंगिक होंगी। सुविधा को कार्यात्मक बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से उपकरणों की खरीद की जा रही है। केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सीआरएफ) स्थापना समिति इस केंद्र की स्थापना की देखरेख कर रही है।

क्षेत्रीय वायरस अनुसंधान और निदान प्रयोगशाला (वीआरडीएल)

एम्स बिलासपुर में क्षेत्रीय वीआरडीएल प्रयोगशाला, सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का एक अनिवार्य घटक है। यह संक्रामक रोगों, विशेष रूप से ज्ञात और अज्ञात वायरल बीमारियों के बदलते महामारी विज्ञान की पूर्ति हेतु एक जैव सुरक्षा स्तर-3 प्रयोगशाला, अनुक्रमण, उन्नत निदान और अनुसंधान सुविधाओं से सुसज्जित होगा। क्षेत्रीय वीआरडीएल के तहत लगभग नौ शोध कर्मचारियों की भर्ती की गई है और रोगी देखभाल के लिए एचबीवी, एचसीवी, एचआईवी, डेंगू एनएस1 और आईजीएम, स्क्रब टाइफस, एचएवी, आदि जैसी कई सीरोलॉजिकल सेवाएं शुरू की गई हैं।

संस्थागत नैतिकता समिति

एम्स बिलासपुर की संस्थागत नैतिकता समिति का गठन, दो समितियों के गठन के साथ किया गया-

- संस्थागत नैतिकता समिति - जैव चिकित्सा और स्वास्थ्य अनुसंधान (IEC-BHR)
- संस्थागत नैतिकता समिति - नैदानिक परीक्षण (IEC-Clinical Trials)

आईईसी-बीएचआर

आईईसी-बीएचआर समिति ने अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक चार बैठकें आयोजित कीं। 53 से अधिक नई शोध परियोजनाएँ प्रस्तुत की गईं और कई को विचार-विमर्श के बाद पुनः प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा लगभग 37 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

इस वर्ष कुछ नए सदस्यों के शामिल होने के साथ समिति का पुनर्गठन किया गया। संस्थागत नैतिकता समिति (बायोमेडिकल और स्वास्थ्य अनुसंधान) के सदस्य हैं:

सदस्यों का नाम	पद
डॉ. वी एम कटोच	अध्यक्ष
डॉ. संजय विक्रांत	उपाध्यक्ष
श्री रतन लाल शर्मा	सदस्य (कानूनी)
श्री धर्म सिंह कुटल	वैकल्पिक सदस्य (कानूनी)
श्रीमती बृज बाला सांख्यान	सदस्य (सामाजिक कार्यकर्ता)
श्री जगदीश ठाकुर	सदस्य (शिक्षित समुदाय का व्यक्ति)
डॉ. सुमिता शर्मा	सदस्य (बुनियादी चिकित्सा वैज्ञानिक)
डॉ. ऋचा दीवान	सदस्य (नैदानिक)
प्रोफेसर संतोष मिन्हास	सदस्य (नैदानिक)
डॉ. अशोक के दुबे	सदस्य सचिव

आईईसी - क्लिनिकल परीक्षण

आईईसी-सीटी को अप्रैल 2023 में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के साथ पंजीकृत किया गया था। संस्थागत नैतिकता समिति (क्लिनिकल परीक्षण), प्रतिभागियों की सुरक्षा और अनुसंधान के नैतिक आचरण को सुनिश्चित करने के लिए समिति को, नैतिक समीक्षा के लिए प्रस्तुत किए गए नैदानिक परीक्षणों की देखरेख करती है। आईईसी-सीटी समिति ने अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक चार बैठकें आयोजित कीं, और अनुसंधान डिजाइन वैज्ञानिक रूप से सही है या नहीं और प्रतिभागियों के लिए परीक्षण के जोखिम-लाभ अनुपात को संतुलित करते हुए नैतिक दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने हेतु, दो नैदानिक परीक्षण प्रोटोकॉल की समीक्षा की। इसके अलावा, आईसीएमआर और सीडीएससीओ द्वारा जारी किए गए नए दिशानिर्देशों को जोड़ने के लिए आईईसी-सीटी की मानक संचालन प्रक्रिया में संशोधन किया जा रहा है। समिति, आईईसी-सीटी के अध्यक्ष और संस्थान के प्रमुख के बीच एक समझौता ज्ञापन भी तैयार कर रही है। संस्थागत नैतिकता समिति (क्लिनिकल परीक्षण) के सदस्य हैं:

सदस्यों का नाम	पद
लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) वीपी चतुर्वेदी	अध्यक्ष
प्रोफेसर संजय विक्रांत	सदस्य
श्री राजेश कुमार वर्मा	सदस्य (कानूनी)
श्री चमन ठाकुर	वैकल्पिक सदस्य (कानूनी)
श्रीमती बृज बाला सांख्यान	सदस्य (सामाजिक वैज्ञानिक)
श्री विनोद कुमार	वैकल्पिक सदस्य (सामाजिक वैज्ञानिक)
श्री जगदीश ठाकुर	सदस्य (आम व्यक्ति)

डॉ. बिकास मेधी	सदस्य (बुनियादी चिकित्सा वैज्ञानिक)
डॉ. प्रशांत सूद	वैकल्पिक सदस्य (बुनियादी चिकित्सा वैज्ञानिक)
प्रो आरके कौशल	सदस्य (नैदानिक वैज्ञानिक)
डॉ. हरप्रीत कौर	सदस्य (नैदानिक वैज्ञानिक)
डॉ. यांगशेन ल्हामो	सदस्य
डॉ. मीनाक्षी मीनू	सदस्य-सचिव

अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों द्वारा अतिथि व्याख्यान

डॉ. श्रीनिवास वी. कावेरी, निदेशक अनुसंधान, INSERM, पेरिस, फ्रांस और निदेशक, ब्यूरो CNRS, नई दिल्ली, जो कि इम्यूनोलॉजी और एंटीबॉडी अनुसंधान के एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ हैं, ने 7.11.2023 को एम्स, बिलासपुर में संकाय और छात्रों के साथ बातचीत की। उन्होंने संकाय के लिए एंटीबॉडी के महान कार्यों पर एक मनोरम व्याख्यान दिया। इसके बाद संकाय सदस्यों के लिए फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों के साथ सहयोगी अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषण के अवसरों पर एक और व्याख्यान दिया गया। ये वित्त पोषण के अवसर वैज्ञानिक ज्ञानवर्धन और इम्यूनोलॉजी और एंटीबॉडी अनुसंधान के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक वैश्विक पहल का एक हिस्सा हैं। उन्होंने दुनिया के अग्रणी शोध संगठनों में से एक, सीएनआरएस की विशाल शोध क्षमताओं का अवलोकन प्रदान किया।

अनुदान लेखन और शोध पद्धति पर कार्यशाला

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग तथा अनुसंधान अनुभाग, एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) ने 3 से 4 नवंबर 2023 तक इस कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का आयोजन शोध अनुदान के लिए प्रस्ताव लिखने में संकाय की क्षमता निर्माण और संस्थान में गुणवत्तापूर्ण शोध की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। डॉ. आर. एम. पांडे, डॉ. ए. एस. पेंटल प्रतिष्ठित वैज्ञानिक अध्यक्ष, आई.सी.एम.आर., पूर्व प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, बायोस्टैटिस्टिक्स विभाग, एम्स नई दिल्ली और डॉ. आशू ग्रोवर, वैज्ञानिक-जी आई.सी.एम.आर. नई दिल्ली, ने सत्र का संचालन किया। कार्यशाला में प्री-क्लिनिकल, पैरा-क्लिनिकल और क्लिनिकल सहित, विभिन्न विभागों के कुल 21 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

नवाचार, उद्भवन और उद्यमिता प्रकोष्ठ (IIEC)

एम्स बिलासपुर में नवाचार, उद्भवन एवं उद्यमिता प्रकोष्ठ (IIEC) की स्थापना की गई है, जिसका उद्देश्य संस्थान में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना है, जिससे नवाचार संवर्धन पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो सके। इस प्रकोष्ठ का उद्देश्य, संकाय और छात्रों के नवीन विचारों को प्रोत्साहित, प्रेरित और पोषित करने तथा उन्हें कार्यशील मॉडल, उत्पाद और स्टार्ट-अप में बदलने के लिए व्यक्तियों, अवधारणाओं, विशेषज्ञता और संसाधनों को नेटवर्किंग करना है। यह केंद्र एक सहायक उद्यमशील वातावरण प्रदान करेगा जो पर्याप्त संसाधनों और सेवाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से स्टार्ट-अप कंपनियों के सफल विकास को गति प्रदान करेगा। हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्टार्टअप इंडिया योजना के तहत हेल्थटेक नवाचारों के लिए उद्भवन केंद्र का समर्थन किया था।

विभागीय वार्षिक रिपोर्ट

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

एनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्यग्रहण की तिथि
1.	डॉ. विजयालक्ष्मी शिवपुरापु	अतिरिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	29.08.2023
2.	डॉ. सुनील ठाकुर	सह-आचार्य	01.12.2023
3.	डॉ. पूजा गुरनाल	सहायक आचार्य	23.11.2020
4.	डॉ. आयेशा गोयल	सहायक आचार्य	14.12.2023

विभाग के बारे में

एनेस्थिसियोलॉजी विभाग, चिकित्सा देखभाल का एक महत्वपूर्ण और गतिशील हिस्सा है, जो शल्य चिकित्सा, नैदानिक और चिकित्सीय प्रक्रियाओं से गुजरने वाले रोगियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है। यह आधुनिक स्वास्थ्य सेवा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसमें विभिन्न उप-विशेषज्ञताएं और अंतःविषय सहयोग शामिल हैं।

परिकल्पना:

- एनेस्थीसिया देखभाल में अग्रणी होना, नैदानिक अभ्यास, शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए मान्यता प्राप्त होना।
- व्यापक पेरिऑपरेटिव देखभाल, दर्द प्रबंधन और महत्वपूर्ण देखभाल सेवाएं प्रदान करना।
- मेडिकल छात्रों, रेजीडेंटों और फेलो को कुशल, करुणामयी और नैतिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट बनने के लिए प्रशिक्षण देना।
- एनेस्थिसियोलॉजी के क्षेत्र को आगे बढ़ाने और रोगी परिणामों में सुधार करने के लिए नवीन और प्रभावशाली अनुसंधान का संचालन करना।
- चिकित्सा विज्ञान में प्रगति को बढ़ावा देने के लिए अंतःविषयक अनुसंधान सहयोग को प्रोत्साहित करना।
- एनेस्थीसिया और पेरिऑपरेटिव देखभाल के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों में भाग लेना।
- संकाय और कर्मचारियों के लिए निरंतर सीखने और पेशेवर विकास की संस्कृति को बढ़ावा देना।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एनेस्थिसियोलॉजी के क्षेत्र में नेतृत्व और वकालत को बढ़ावा देना।

उद्देश्य:

नवीन अनुसंधान और व्यापक शिक्षा के माध्यम से क्षेत्र को आगे बढ़ाते हुए, असाधारण निश्चेतना देखभाल, दर्द प्रबंधन और महत्वपूर्ण देखभाल सेवाएं प्रदान करना।

रोगी देखभाल सेवाएँ:

1) **ऑपरेशन थियेटर:** विभाग ने अपने कार्यात्मक ऑपरेशन थियेटरों की संख्या 2 से बढ़ाकर 3 कर दी है, साथ ही 24 घंटे चलने वाला एक आपातकालीन ओटी भी है। विभाग, विभिन्न उच्च जोखिम वाले मामलों से निपटने के लिए विभिन्न उच्च-स्तरीय उपकरणों और अनुभव से सुसज्जित है। हम न्यूरोसर्जरी, बाल चिकित्सा सर्जरी, यूरोलॉजी, ऑन्कोसर्जरी आदि जैसी विभिन्न सर्जिकल विशेषताओं और सुपर स्पेशलिटीज को एनेस्थीसिया सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।
2) **प्री एनेस्थीसिया क्लिनिक:** पीएसी क्लिनिक में सीनियर रेजिडेंट और जूनियर रेजिडेंट की नियमित उपस्थिति और संकाय के निरंतर मार्गदर्शन ने हमारे रोगी देखभाल सेवा को मजबूत किया है।
3) **पेरिऑपरेटिव मेडिसिन:** यह विभाग सर्जरी से पहले, उसके दौरान और उसके बाद मरीजों की व्यापक देखभाल में शामिल होता है। एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, सर्जरी से पहले मरीजों की चिकित्सा स्थितियों का आकलन और अनुकूलन करते हैं, ताकि सुरक्षित परिणाम सुनिश्चित हो सकें।
4) **तीव्र दर्द सेवाएं:** विभाग दवा प्रबंधन, केंद्रीय न्यूरैक्सियल और यूएसजी निर्देशित पेरिफेरल नर्व ब्लॉक सहित विभिन्न हस्तक्षेपों का उपयोग करके तीव्र दर्द के प्रबंधन में प्रतिबद्ध और विशेषज्ञ है।
5) **नॉन ऑपरेटिव रूम एनेस्थीसिया (नोरा) सेवाएं**: सप्ताह में एक बार विभाग, विभिन्न हस्तक्षेप और नैदानिक रेडियोलॉजी प्रक्रियाओं के लिए सेवाएं प्रदान करता है।
6) **क्रिटिकल केयर यूनिट**: जनवरी 2024 से एनेस्थिसियोलॉजी विभाग ने गंभीर रूप से बीमार रोगियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए 10-बेड

वाला सीसीयू शुरू किया है। बेहतर पेरिऑपरेटिव परिणामों के लिए, विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले मामलों में, एयर वे प्रबंधन, रिससिटैशन और उन्नत निगरानी में एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की विशेषज्ञता महत्वपूर्ण है।

7) **शैक्षणिक पाठ्यक्रम:** विभाग एमडी एनेस्थियसियोलॉजी में पीजी पाठ्यक्रम चला रहा है, जिसमें प्रति वर्ष 4 छात्र प्रवेश लेते हैं।

भविष्य की योजनाएं:

A. नैदानिक देखभाल:

1) रोगी देखभाल के लिए हमारी सेवाओं का विस्तार करना: सुपर स्पेशियलिटी और अन्य सर्जिकल विभागों के लिए ऑपरेशन थिएटरों की संख्या बढ़ाना।
2) गुर्दा प्रत्यारोपण सेवाएं शुरू करना।
3) कार्डियोथोरेसिक वैस्कुलर सर्जरी ऑपरेशन थियेटर शुरू करना।
4) गहन देखभाल इकाई के लिए हमारी सेवाओं के दायरे को बढ़ाना।
5) हमारी तीव्र दर्द सेवाओं को मजबूत करना और क्रोनिक दर्द प्रबंधन और दर्द ओटी के लिए एक अलग दर्द क्लिनिक शुरू करना।
6) हमारी पीएसी क्लिनिक सेवाओं को मजबूत करना और ओपीडी निर्दिष्ट क्षेत्र में पीएसी क्लिनिक शुरू करना।

B. शिक्षा और प्रशिक्षण:

1) क्रिटिकल केयर, ऑन्कोएनेस्थीसिया, पीडियाट्रिक एनेस्थीसिया में सुपर स्पेशियलिटी/सबस्पेशियलिटी पाठ्यक्रम शुरू करना।
2) प्रति वर्ष पीजी छात्रों की संख्या 4 से बढ़ाकर 8 करना।
3) बीएससी ओटी तकनीशियन पाठ्यक्रम शुरू करना।
4) एमबीबीएस और पीजी छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए कौशल प्रयोगशाला स्थापित करना और सिमुलेशन का उपयोग करना।
5) विभागीय पुस्तकालय एवं संग्रहालय शुरू करना।

C. अनुसंधान:

विभाग, एनेस्थेटिक तकनीक, दर्द तंत्र और रोगी सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान के माध्यम से इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। चिकित्सा विज्ञान में प्रगति को बढ़ावा देने के लिए अंतःविषय अनुसंधान सहयोग को प्रोत्साहित करना।

D. सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम:

विभाग, एनेस्थीसिया और पेरिऑपरेटिव देखभाल के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों में अधिक भागीदारी सुनिश्चित करेगा। हम हर समुदाय के सदस्य को बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण देने के अपने लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीएसी, एनेस्थीसिया के पहलुओं पर शैक्षणिक वीडियो तैयार करना और उन्हें पीएसी/रोगी प्रतीक्षा क्षेत्र में चलाना।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. विजयालक्ष्मी शिवपुरापु	कार्यशाला संकाय के रूप में - ट्रॉमा में क्षेत्रीय ब्लॉक – वालन्टीर पर मास्टर डेमो (चेस्ट वाल ब्लॉक)	सोसाइटी ऑफ ट्रॉमा एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर (STACC) का पहला वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन)	03/11/2023	पीजीआईएमईआर चंडीगढ़
2.	डॉ. विजयालक्ष्मी शिवपुरापु	व्याख्यान: मेरे मरीज को पीएनआई हो गया है - आगे क्या करना है?	आईएसए-आईएसएकॉन 2023 का 70वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन	24/11/2023	आईएसए नेशनल गुरुग्राम

3.	डॉ. सुनील ठाकुर	व्याख्यान: EASy-ALS प्रोटोकॉल- CPR में POCUS की भूमिका	एचपी-आईएसएकॉन 2024	30 -31 मार्च 2024	डॉ. आरपीजीएमसी कांगड़ा, टांडा (हि.प्र.)
4.	डॉ. पूजा गुरनाल	व्याख्यान: बाल रोगी में OSA का प्रबंधन	एचपी-आईएसएकॉन-2023	29-30 अप्रैल 2023	एमएमयू-सोलन
5.	डॉ. पूजा गुरनाल	व्याख्यान: सीजेरियन के बाद मौखिक सेवन फिर से शुरू करना- देर से अच्छा है लेकिन जल्दी बेहतर है?	एचपी-आईएसएकॉन 2024	30 -31 मार्च 2024	डॉ. आरपीजीएमसी कांगड़ा, टांडा (हि.प्र.)
6.	डॉ. आयेशा गोयल	पोस्टर: बेसिक ट्रांसथोरेसिक इकोकार्डियोग्राफी का सिमुलेशन बनाम पॉइंट ऑफ केयर शिक्षण - एक संभावित यादृच्छिक श्रेष्ठता अध्ययन	एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की 18वीं विश्व कांग्रेस	3 - 7 मार्च 2024	एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की विश्व कांग्रेस सिंगापुर

शरीर रचना विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्यग्रहण की तिथि
1.	डॉ. निधि पुरी	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	16.06.2022
2.	डॉ. संजय कुमार शर्मा	सह-आचार्य	23.11.2020
3.	डॉ. भाग्य श्री	सहायक आचार्य	11.11.2020
4.	डॉ. सचिन सोनी	सहायक आचार्य	23.11.2020
5.	डॉ. सुशांत स्वरूप दास	सहायक आचार्य	24.06.2022
6.	डॉ. मोनाली हिवारकर	सहायक आचार्य	14.06.2022

विभाग के बारे में

एनाटॉमी, नैदानिक शिक्षा की नींव है। चिकित्सा के आकर्षक क्षेत्र की यात्रा, मानव शरीर की संरचना को समझने की कोशिश से शुरू होती है। एनाटॉमी विषय, सेलुलर से मैक्रोस्कोपिक स्तर तक, मानव शरीर के अध्ययन से संबंधित है। यह एम्स बिलासपुर के प्रमुख विभागों में से एक है। एनाटॉमी विभाग, शैक्षणिक ब्लॉक के दूसरे बेसमेंट फ्लोर पर स्थित है।

विभाग की प्रमुख गतिविधियाँ, शिक्षण और अनुसंधान के इर्द-गिर्द केंद्रित हैं। हमारे प्रतिष्ठित संकाय द्वारा पढ़ाया जाने वाला स्नातक पाठ्यक्रम, छात्रों को चिकित्सा विज्ञान में एक ठोस आधार प्रदान करता है। एनाटॉमी में स्नातकोत्तर की डिग्री भी स्वीकृत की गई है। पीजी शिक्षण मॉड्यूल में सेमिनार, माइक्रोटीचिंग, जर्नल क्लब, पीजी कक्षाएं, आकलन, चर्चा और प्रदर्शन शामिल हैं। इस वर्ष, हमने बीएससी नर्सिंग और बीएससी पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों जैसी अन्य संबद्ध चिकित्सा शाखाओं में भी एनाटॉमी पढ़ाना शुरू किया है।

विभाग ने नए शैक्षणिक ब्लॉक में हिस्टोलॉजी लैब, डाईसेक्शन हॉल, अनुसंधान प्रयोगशाला, माइक्रोएनाटॉमी लैब और संग्रहालय शुरू किया है। विभाग की ये प्रयोगशालाएँ, प्रायोगिक और नैदानिक सामग्रियों का उपयोग करके, बुनियादी और अनुप्रयुक्त दोनों तरह के शोध करती हैं।

विभाग ने 16 मार्च 2024 को एम्स, बिलासपुर में "चैट-जीपीटी: शोध लेखन और शिक्षाविदों के लिए एक परिवर्तनकारी उपकरण" पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया है, जिसमें कई प्रतिष्ठित वक्ताओं और प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। विभाग ने स्वैच्छिक देहदान कार्यक्रम और शवलेपन की सुविधा भी शुरू की है। वर्तमान में विभाग के पास 23 पंजीकृत देह दाता हैं। विभाग ने 6 अक्टूबर 2023 को शव शपथ समारोह का भी आयोजन किया, ताकि एमबीबीएस छात्रों में, शव को उनके पहले शिक्षक के रूप में, नैतिकता और जिम्मेदारियों का ज्ञान दिया जा सके।

भविष्य में हम , एक साइटोजेनेटिक्स लैब, रोगी देखभाल के लिए भ्रूण शव परीक्षण एवं छात्रों और सर्जनों के बीच सर्जिकल कौशल विकसित करने और बढ़ाने के लिए एक शव कौशल प्रयोगशाला स्थापित करने की योजना बना रहे हैं।

रोगी देखभाल सेवाएँ: विभाग नियमित आधार पर शव-संरक्षण सेवाएँ प्रदान कर रहा है। विभाग ने 5 नियमित और 2 सामाजिक शव-संरक्षण किए हैं।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: एमबीबीएस, बीएससी नर्सिंग (प्रथम और द्वितीय वर्ष), बीएससी पैरामेडिकल जिसमें मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, मेडिकल रेडियोलॉजी और टेक्नोलॉजी, और डायलिसिस टेक्नोलॉजी शामिल हैं।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. 16 मार्च 2024 को एम्स, बिलासपुर में "चैट-जीपीटी: शोध लेखन और शिक्षाविदों के लिए एक परिवर्तनकारी उपकरण" पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।
2. 6 अक्टूबर 2023 को प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों का शव-शव शपथ समारोह आयोजित किया गया।

3. 26 अक्टूबर 2023 को जापान के अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य और कल्याण विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध जापानी हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. तोमोको एस काटो की संकाय और एमबीबीएस छात्रों के साथ बातचीत का आयोजन किया गया।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. निधि पुरी	ब्रोंकोपल्मोनरी खंडों की 3-आयामी शारीरिक रचना VATS	इंटरनेशनल हार्ट कांग्रेस 2023 में वक्ता	24 और 25 मई 2023	ऑनलाइन सम्मेलन
2.	डॉ. सुशांत स्वरूप दास	पेपर- सीटी स्कैन मुद्रित फिल्मों में मस्तिष्क के कुल वेंट्रिकुलर वॉल्यूम और वॉल्यूम अंश के आकलन की एक नई विधि- एक स्टीरियोलॉजिकल अध्ययन।	एनाटॉमिस्ट सोसाइटी का उत्तरी अध्याय	30 जनवरी 2024	एनाटॉमी विभाग, सरकारी मेडिकल कॉलेज, पटियाला
3.	डॉ. मोनाली हिवारकर	लक्षित नैनो दवा वितरण के लिए इंजीनियर्ड एक्सोसोम्स पर पोस्टर	नैनोमटेरियल और नैनोटेक्नोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	11-13 सितंबर 2023	वीएनआईटी, नागपुर

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (चल रहा/पूरा हुआ)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिलों की स्वदेशी आबादी में हाथ और पैरों के आयाम का कद के साथ सहसंबंध। (तकनीकी स्वीकृति संख्या-2021-13605/F1 दिनांक-17/12/2021)	सह-अन्वेषक - डॉ. संजय शर्मा	बाह्य वित्तपोषित	1 वर्ष	सम्पन्न	4,72,794

प्रकाशन

1. श्री बी, सोनी एस, शर्मा एसके, हैंडगे के, कुमार ए, दास एसएस, पुरी एन. जबड़े का विश्लेषणात्मक अध्ययन: लिंग निर्धारण के लिए पूर्वपिक्षाएँ। जे फार्म बायोअलाइड साइंस। 2023 जुलाई;15(सप्ल 2): एस1215-एस1217. doi: 10.4103/jpbs.jpbs_155_23.
2. श्री बी, सिंगला आरके, सोनी एस, कुमार ए, शर्मा एसके, दास एसएस, पुरी एन. माइट्रल वाल्व का पिछला पत्ता - क्या यह ट्राई-स्कैलप्ड है? उत्तर भारतीय शव हृदय में एक रूपात्मक और आकारिकी अध्ययन। एडव बायोमेड रेस. 2023; 12: 229 DOI: 10.4103/abr.abr_330_22.

3. डोगरा के, पुरी एन, सौम्या, पुरी डी. उत्तर-पश्चिम भारत की महिलाओं में कोरोनरी धमनी रोग के जोखिम पूर्वानुमान के साथ दूसरे से चौथे अंक के अनुपात (2D:4D) का संबंध। जे कार्डियोवास्क डीएस रेस. 2023; 14: 69-78.
4. पिपिल एन, गुप्ता पीपी, सोनी एस, चोपड़ा डी, ल्हामो वाई, सिंह एन, श्री बी. स्ट्रेप्टोज़ोटोसिन-प्रेरित मधुमेह चूहों में GLUT-4 mRNA और GLUT-4 प्रोटीन पर नेलुम्बो न्यूसीफ़ेरा बीज अर्क का हाइपोग्लाइसेमिक प्रभाव। जे फार्म बायोल साइंस 2023;15: एस1059-61।
5. शीतल, छाबड़ा एचएस, कुमार ए, श्री बी, सिंह आर. उन्नत निर्देश, डीएनएआर और विभिन्न दिशा-निर्देशों/नीति वक्तव्यों द्वारा बनाई गई गलतफहमी की अधिकता। जे पंजाब एकेड फोरेंसिक मेड टॉक्सिकोल 2023;23(1):173-7. ISSN: 0972-5687 DOI:10.5958/0974-083X.2023.00027.4
6. दास एसएस, चौधरी सी, मिश्रा एम. फिबुला के पोषक फोरामेन का यौन द्विरूपता और संवहनी अस्थि ग्राफ्टिंग में इसका महत्व: एक वर्णनात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स। 2023 अगस्त;57(8):1276-82।
7. सलूजा एस, तिग्गा एसआर, दास एसएस, ठाकुर ए. मॉर्फोमेट्रिक मापदंडों के रिसीवर ऑपरेटिंग विशेषता वक्र विश्लेषण के आधार पर मानव त्रिकास्थि के यौन द्विरूपता का निर्धारण। क्यूरियस। 2023 मई;15(5)।

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक)
1.	डॉ. निधि पुरी	लिम्फोइड ऊतक	डॉ. योगेश सोनटक्के	मानव ऊतक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक	दूसरा संस्करण, 2023, सीबीएस प्रकाशक।
2.	डॉ. सुशांत स्वरूप दास	पाचन तंत्र III: छोटी और बड़ी आंत	डॉ. योगेश सोनटक्के	मानव ऊतक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक	दूसरा संस्करण, 2023, सीबीएस प्रकाशक।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. निधि पुरी

1. 24 और 25 मई 2023 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हृदय कांग्रेस 2023 में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया, जिसका विषय था: VATS के लिए ब्रोन्कोपल्मोनरी खंडों की 3-आयामी शारीरिक रचना
2. 20 और 21 जनवरी 2024 को कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज भुवनेश्वर में सोसाइटी ऑफ मेडिकल एनाटोमिस्ट्स के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए जज के रूप में।
3. 30 जनवरी 2024 को एनाटोमिस्ट सोसाइटी के उत्तरी अध्याय के 5वें सीएमई और सम्मेलन के जज के रूप में।

डॉ. संजय कुमार शर्मा

1. एम्स एसोसिएशन फॉर एनाटॉमी के आजीवन सदस्य
2. एनाटोमिस्ट सोसाइटी के उत्तरी अध्याय के आजीवन सदस्य।

डॉ. भाग्य श्री

1. इंदरबीर सिंह-मानव भ्रूण विज्ञान के राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य
2. जर्नल ऑफ एडवांस्ड मेडिकल एंड डेंटल साइंस रिसर्च में सहायक संपादक।
3. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन हेल्थ एंड एलाइड साइंसेज के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।
4. एम्स एसोसिएशन फॉर एनाटॉमी के आजीवन सदस्य।

डॉ. सचिन सोनी

1. एम्स एसोसिएशन फॉर एनाटॉमी के आजीवन सदस्य और कोषाध्यक्ष
2. एनाटोमिस्ट सोसाइटी के उत्तरी चैप्टर के आजीवन सदस्य

डॉ. सुशांत स्वरूप दास

1. लैंगमैन मेडिकल एम्ब्रियोलॉजी (द्वितीय दक्षिण एशियाई संस्करण) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।
2. एम्स एसोसिएशन फॉर एनाटॉमी के कार्यकारी सदस्य।
3. एनाटोमिस्ट सोसाइटी के उत्तरी अध्याय के कार्यकारी सदस्य
4. पबमेड अनुक्रमित जर्नल- क्यूरियस के समीक्षक।
5. स्कोपस इंडेक्स्ड जर्नल- नेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनाटॉमी के समीक्षक।

सामुदायिक सेवा

1. 20 सितम्बर 2023 को नौणी ग्राम पंचायत, बिलासपुर में देहदान जागरूकता अभियान।
2. डॉ. सुशांत स्वरूप दास द्वारा देहदान जागरूकता पर समाचार पत्र में दिनांक 17.02.24 को प्रकाशित लेख।
3. स्कूली बच्चों को चिकित्सा शिक्षा के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए एनाटॉमी संग्रहालय में विभिन्न स्कूली शैक्षणिक दौरों का आयोजन किया गया।

जैव रसायन विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्यग्रहण की तिथि
1.	डॉ. साधना शर्मा	आचार्य	16.11.2023
2.	डॉ. सुमिता शर्मा	सह-आचार्य	16.11.2020
3.	डॉ. दीप्ति मलिक	सहायक आचार्य	11.11.2020
4.	डॉ. मनीष कुमार*	सहायक आचार्य	23.01.2021
5.	डॉ. ओंजल के तायवाडे	सहायक आचार्य	20.11.2020
6.	डॉ. अनुराग सांख्यान	सहायक आचार्य	24.06.2021
7.	डॉ. संजुक्ता नाइक	सहायक आचार्य	17.01.2024

विभाग के बारे में

एम्स बिलासपुर में बायोकेमिस्ट्री विभाग की स्थापना स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ रोगी देखभाल सहयोग प्रदान करने हेतु नैदानिक प्रयोगशाला सेवाएं प्रदान करने के लिए की गई है।

परिकल्पना: विभाग शिक्षा, शोध और क्लिनिकल डायग्नोस्टिक में उत्कृष्टता का एक प्रमुख केंद्र बनने की कल्पना करता है।

उद्देश्य: हमारा मिशन एक अनुकरणीय विभाग स्थापित करना है जो स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों छात्रों के लिए उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने में उत्कृष्ट हो। हमारा लक्ष्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार एक अत्याधुनिक अस्पताल प्रयोगशाला विकसित करना है, जो सटीक और विश्वसनीय परीक्षण परिणामों की डिलीवरी सुनिश्चित करता है। एक सहयोगी अनुसंधान वातावरण का पोषण करके, विभाग चिकित्सा विज्ञान की उन्नति में पर्याप्त योगदान देने का प्रयास करता है, जिससे रोगी परिणामों में सुधार होता है।

रोगी देखभाल सेवाएँ: विभाग, हिंदलैब्स और अस्पताल के डायग्नोस्टिक्स ब्लॉक सी में, इन-हाउस क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री लैब के माध्यम से नैदानिक सेवाएँ प्रदान कर रहा है। हिंदलैब्स सेवाओं के बायोकेमिस्ट्री अनुभाग का प्रबंधन विभाग द्वारा किया जा रहा है और संकाय दिन-प्रतिदिन के कामकाज और हिंदलैब्स की रिपोर्टों के प्रमाणीकरण की देखरेख में लगे हुए हैं। संकाय ने अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक लगभग 6 लाख जांचों की समीक्षा की है। प्रयोगशाला की गुणवत्ता की निगरानी, प्रतिदिन आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से की जा रही है और मासिक आधार पर बाहरी गुणवत्ता आश्वासन योजनाओं में भाग लिया जा रहा है। विभाग ने क्लिनिकल डायग्नोस्टिक लैबोरेटरी (ब्लॉक सी) के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से कई तरह के डायग्नोस्टिक परीक्षण शुरू किए हैं। एचबी-एचपीएलसी, आरएफ, एएसओ, मूत्र प्रोटीन, माइक्रोएल्ब्यूमिन, द्रव विश्लेषण और एंटी-सीसीपी और एंटी-टीटीजी आईजीए एंटीबॉडी के लिए एलिसा-आधारित परीक्षण के लिए इन-हाउस परीक्षण किए जा रहे हैं। विभाग ने डायग्नोस्टिक्स ब्लॉक में अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक लगभग 10,000 जांच की हैं। विभाग ने सितंबर 2023 में 'ड्यूशेन/बेकर मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के लिए विलोपन अध्ययन' शुरू किया है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: संकाय सदस्य, एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल विज्ञान के स्नातक छात्रों के लिए व्याख्यान देने और प्रायोगिक सत्र आयोजित करने में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं, जिसमें मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, मेडिकल रेडियोलॉजी और टेक्नोलॉजी और डायलिसिस टेक्नोलॉजी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बायोकेमिस्ट्री विभाग के लिए एमडी कोर्स को मंजूरी मिल गई है, और विभाग जल्द ही इसके लिए एक छात्र को नामांकित करने की उम्मीद करता है। शिक्षण को बढ़ाने और छात्रों के बीच बेहतर समझ को सुविधाजनक बनाने के लिए, पारंपरिक उपदेशात्मक व्याख्यानों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की शिक्षण-शिक्षण विधियों को नियोजित किया जाता है, जैसे ट्यूटोरियल, केस स्टडी, सेमिनार और प्रारंभिक नैदानिक प्रदर्शन। इसके अलावा, छात्रों के

प्रदर्शन का मूल्यांकन नियमित कक्षा परीक्षणों के माध्यम से किया जाता है।

भविष्य की योजनाएँ:

डायग्नोस्टिक सेवाओं का विस्तार: आने वाले वर्ष में, विभाग डायग्नोस्टिक्स ब्लॉक सी में क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला में इनहाउस डायग्नोस्टिक सेवाओं का विस्तार करने की योजना बना रहा है। विभाग ने थैलेसीमिया के लिए म्यूटेशन डिटेक्शन को मानकीकृत किया है और जल्द ही इसके लिए डायग्नोस्टिक सेवाएँ शुरू करेगा।

नवजात शिशु जांच व्यवस्था: विभाग, नवजात शिशु जांच सेवाएं शुरू करने की योजना बना रहा है और इसके लिए उपकरणों की खरीद का काम प्रगति पर है।

पी.एच.डी. कार्यक्रम: जैव रसायन विभाग, आने वाले वर्ष में पी.एच.डी. कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है।

शोध गतिविधियाँ- संकाय सदस्य आने वाले वर्ष में विभिन्न अतिरिक्त और साथ ही आंतरिक शोध परियोजनाओं को क्रियान्वित करने की योजना बना रहे हैं।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. विभाग ने 26 से 28 अप्रैल 2023 तक एम्स, बिलासपुर में 'एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया का उत्तर क्षेत्र सम्मेलन' आयोजित किया।
2. विभाग ने 26 अप्रैल, 2023 को एम्स, बिलासपुर में नर्सिंग अधिकारियों और लैब तकनीशियनों के लिए 'फ्लेबोटोमी' पर कार्यशाला आयोजित की।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. साधना शर्मा	"संक्रामक रोगों के उपचार में नैनो प्रौद्योगिकी के निहितार्थ" विषय पर अतिथि वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।	शैक्षणिक, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों की उन्नति के लिए सोसायटी	8 फरवरी 2024	बायोकेमिस्ट्री विभाग, पीएयू लुधियाना
2.	डॉ. दीप्ति मलिक	"मानव मेलानोसाइट्स के भीतर माइटोकॉन्ड्रियल श्वसन miR-2909 द्वारा प्रतिबंधित है" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।	फार्माकोजेनोमिक्स 2023: मूल बातें से उन्नत तक।	14 अक्टूबर 2023	फार्माकोलॉजी विभाग, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़
3.	डॉ. दीप्ति मलिक	बाल चिकित्सा टी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में miR-2909 की ऑन्कोजेनिक प्रकृति, शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया।	उत्तर क्षेत्र ACBI सम्मेलन	2 फरवरी 2024	बायोकेमिस्ट्री विभाग, एम्स जोधपुर
4.	डॉ. दीप्ति मलिक	वक्ता के रूप में भाग लिया - सेल कल्चर: दवा खुराक मानकीकरण	प्रायोगिक व्यवहारिक तंत्रिका विज्ञान में 7वां उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम	17 फरवरी 2024	फार्माकोलॉजी विभाग, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़

5.	डॉ. मनीष कुमार	इन-विवो shRNA स्क्रीनिंग CREBBP/EP300 उत्परिवर्ती सिर और गर्दन के कैंसर में संभावित चिकित्सीय लक्ष्य की पहचान करती है- शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया गया।	49वां एसीबीकॉन 2023	14-16 सितंबर 2023	बिलीवर्स चर्च मेडिकल कॉलेज अस्पताल, तिरुवल्ला, केरल द्वारा आयोजित

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (चल रहा/पूरा हुआ)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी के विभिन्न आयु वर्ग के मूल निवासियों में स्वायत्त और संज्ञानात्मक कार्यों के साथ जीवनशैली से संबंधित रोग बायोमार्करों के संबंध का आकलन: एक व्यापक अवलोकन संबंधी क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।	डॉ. सुमिता शर्मा (सह-अन्वेषक)	आईसीएमआर	2 वर्ष	जारी	₹ 25,44,126
2.	यह दर्शाना कि miR-RNomics मानव प्रोस्टेट कैंसर में TGFβ सिग्नलिंग कैस्केड को कैसे नियंत्रित करता है।	डॉ. दीप्ति मलिक (प्रमुख अन्वेषक)	आईसीएमआर	3 वर्ष	जारी	₹ 21,66,432
3.	उत्तर भारत के उप-हिमालयी क्षेत्र में पीसीओएस की क्लिनिकोमेटाबोलिक प्रोफ़ाइल एक संभावित अध्ययन HK/PCOS/CSR/2023	डॉ. दीप्ति मलिक (सह अन्वेषक)	सीएसआर	2 वर्ष	जारी	₹ 4,99,550
4.	भारतीय जनसंख्या में पार्किंसन रोग का व्यापक आनुवंशिक विश्लेषण बहुकेन्द्रित परियोजना	डॉ. दीप्ति मलिक (सह अन्वेषक)	मेड जीनोम प्राइवेट लैब्स	3 वर्ष	जारी	₹ 2,60,000
5.	मौखिक कैंसर कोशिकाओं के उपकला-मेसेनकाइमल संक्रमण में सर्वव्यापी रूप	डॉ. मनीष कुमार (प्रमुख अन्वेषक)	डीएसटी-SERB	2 वर्ष	जारी	₹ 31,54,970/-

	से लिखित टेट्राट्रिकोपेप्टाइड रिपीट युक्त, वाई-लिंक्ड (यूटीवाई) की भूमिका को समझना					
6.	मौखिक कैंसर कोशिकाओं के प्रवास और आक्रमण में KDM5D (लाइसिन डेमेथिलेज़ 5D) जीन अभिव्यक्ति की भूमिका का अध्ययन करना	डॉ. मनीष कुमार, (प्रमुख अन्वेषक)	डीएसटी-SERB	3 वर्ष	जारी	₹ 36,66,168/-

प्रकाशन

डॉ. साधना शर्मा

1. अग्रवाल ए, सिंगला एन, कोनार एम, कौर एम, शर्मा के, जैन के, मोदी एम, शर्मा एस. मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनैस के पोस्ट-ट्रांसक्रिप्शन रेगुलेटर के रूप में माइक्रोआरएनए की भूमिका और ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस में उनका संबंध। ट्यूबरकुलोसिस। 2024; 146:102501।
2. कौर बी, कौर एम, अहलावत पी, शर्मा एस. दोहरे क्लोफ़ाज़िमाइन और वेरापामिल लोडेड पीएलजीए नैनोपार्टिकल्स का इन विट्रो और इन विवो मूल्यांकन। इंडियन जे क्लिन बायोकेम। 2023; 38:466–474. doi: 10.1007/s12291-022-01062-8
3. खन्ना पी, कौर एम, वर्मा एन, शर्मा एस, सहगल आर, सिंह टी, श्रीवास्तव आर, कुशवाह एस, जैन आर. भारत की प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं में एनीमिया की रोकथाम और नियंत्रण में समुदाय-आधारित पोषण हस्तक्षेप का प्रभाव। मैटरन चाइल्ड हेल्थ जे. 2023 जुलाई;27(7):1247-1253. doi: 10.1007/s10995-023-03656-x. ईपब 2023 मार्च 29.
4. रवि तेजा के.वी., मल्होत्रा बी, वोगेल एम, मारवाह आर.के., अग्रवाल ए, पाल आर, दास एल, सचदेवा एन, देवी एन, बंसल डी, रस्तोगी ए, शर्मा एस, गजिंदर डी, भदादा एस.के., घोष जे, मोनाघन पी.जे., कोरबोनिट्स एम, दत्ता पी. भारत के स्वस्थ बच्चों और किशोरों में इंसुलिन जैसी वृद्धि कारक-1 (आई.जी.एफ.-1) के लिए मानक डेटा। जे क्लिन एंडोक्रिनॉल मेटाब। 2024 मई 15: डी.जी.ए.ई.340 डीओआई: 10.1210/क्लीनम/डी.जी.ए.ई.340। प्रिंट से पहले ईपब। पीएमआईडी: 38748681।

डॉ. दीप्ति मलिक

1. चौधरी आर, बंसल एस, गोयल ए, गुप्ता एस, मलिक डी, बंसल एन. डायबिटीज मेलिटस के विकास में एस्ट्रोजन की कमी और गट-बायोटा डिस्बिओसिस के बीच क्रॉसटॉक को उजागर करना। कर्र डायबिटीज़ रिव्यू. 2024 जनवरी 24. doi: 10.2174/0115733998275953231129094057.
2. धीर एन, जैन ए, शर्मा एआर, शर्मा एस, महेंद्रू डी, पटियाल ए, मलिक डी, प्रकाश ए, अत्री एसवी, भट्टाचार्य एस, राडोत्रा बीडी। चूहे के बीएम-एमएससी सीक्रेटोम ने अकेले और स्टिरिपेन्टोल और आईएसआरआईबी के साथ मिलकर प्रायोगिक स्ट्रोक में माइक्रोग्लियल सक्रियण और एपोप्टोसिस को बेहतर बनाया। व्यवहारिक मस्तिष्क अनुसंधान। 2023 जुलाई 9; 449:114471।

डॉ. मनीष कुमार

1. पिफर पीएम, यांग एल, कुमार एम, ज़ी टी, फ्रेडरिक एम, हेफ़नर ए, एट अल। एफएके एचपीवी-नेगेटिव सिर और गर्दन के कैंसर में पी53-निर्भर तरीके से थेरेपी के प्रति प्रतिरोध को बढ़ाता है। क्लिन कैंसर रिसर्च 2024; 30:187–97।

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक)
1.	शर्मा के, शर्मा एस, कंवर जेआर.	ट्यूमर हाइपोक्सिया के माइक्रोआरएनए हस्ताक्षर	मुखर्जी एस, कंवर जेआर	कैंसर में हाइपोक्सिया: कैंसर चिकित्सा पर महत्व और प्रभाव।	सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर; 2023. यहां से उपलब्ध: https://doi.org/10.1007/978-981-99-0313-9_7
2.	मलिक दीप्ति, कौर गुरजीत, राजपूत मनीषा, मेधी विकास (पृ.187-197) जनवरी 2024			कैंसर का पता लगाने और चिकित्सा की निगरानी में बायोमार्कर	साइंस डायरेक्ट, 2024 DOI:10.1016/B978-0-323-95116-6.00013-X ISBN नं. 9780323951166

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. साधना शर्मा

1. 8 फरवरी, 2024 को कॉलेज ऑफ बेसिक साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, पीएयू, लुधियाना द्वारा आयोजित सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ एकेडमिक्स, स्पोर्ट्स एंड कल्चरल एक्टिविटीज द्वारा सम्मान पुरस्कार प्रदान किया गया।
2. सीएसआईआर- इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी के राष्ट्रीय जैविक और जीनोमिक संसाधन सुविधा (एमसी-एनएफबीजीआर) की निगरानी समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

डॉ. सुमिता शर्मा

1. एशिया पैसिफिक फेडरेशन फॉर क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री एंड लेबोरेटरी मेडिसिन- केस कॉन्टेस्ट 2023' में प्रथम पुरस्कार जीता।
2. एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन में 13 से 16 दिसंबर 2023 तक मुंबई में एसोसिएशन के अकादमिक सेल द्वारा आयोजित शैक्षणिक कार्यक्रम में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

डॉ. दीप्ति मलिक

1. फार्माकोलॉजी विभाग, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा 15 फरवरी-17 फरवरी, 2024 को आयोजित प्रायोगिक व्यवहार तंत्रिका विज्ञान में 7वें उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

डॉ. मनीष कुमार

1. एशिया पैसिफिक फेडरेशन फॉर क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री एंड लेबोरेटरी मेडिसिन- केस कॉन्टेस्ट 2023' में प्रथम पुरस्कार जीता।

डॉ. ओंजाल के. तायवाड़े

1. 'एशिया पैसिफिक फेडरेशन फॉर क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री एंड लेबोरेटरी मेडिसिन- केस कॉन्टेस्ट 2023' में प्रथम पुरस्कार जीता।

डॉ. अनुराग सांख्यान

1. 'एशिया पैसिफिक फेडरेशन फॉर क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री एंड लेबोरेटरी मेडिसिन- केस कॉन्टेस्ट 2023' में प्रथम पुरस्कार जीता।

सामुदायिक सेवा

1. विभाग ने 27 सितंबर 2023 को जवाहर नवोदय विद्यालय, बिलासपुर में जागरूकता गतिविधि 'छात्रों में एनीमिया और पोषण संबंधी कमी विकारों की रोकथाम में स्वस्थ आहार और व्यायाम की भूमिका' का आयोजन किया।

बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्यग्रहण की तिथि
1.	डॉ. नवनीत शर्मा	सहायक आचार्य	23.11.2020

विभाग के बारे में

बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग सप्ताह में 3 दिन ओपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है। आईपीडी में 2 एचडीयू बेड सहित 15 बेड हैं। सामान्य, स्थानीय और क्षेत्रीय एनेस्थीसिया के तहत विभिन्न ओटी प्रक्रियाएं की जा रही हैं। बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने कुल 512 सर्जरी की हैं, जिनमें से 145 बड़ी सर्जरी और 367 छोटी सर्जरी हैं। इनमें स्किन ग्राफ्टिंग, विभिन्न घाव दोषों के लिए फ्लैप सर्जरी, जन्मजात विसंगतियों का सुधार, विभिन्न हैण्ड सर्जरी, डायबिटिक फुट सर्जरी, एवी फिस्टुला निर्माण, संवहनी मरम्मत, तंत्रिका मरम्मत आदि शामिल हैं। इसके अलावा, ओपीडी के प्रक्रिया कक्ष में 2221 ड्रेसिंग/छोटी प्रक्रियाएं की गई हैं। विभाग पेडीकल्ड/फ्री फ्लैप के रूप में कैंसर पुनर्निर्माण में अन्य विभागों की सहायता भी कर रहा है। विभाग नेफ्रोलॉजी विभाग के साथ मिलकर एवी फिस्टुला बनाने और एंडोक्राइनोलॉजी विभाग के साथ मधुमेह के पैर के प्रबंधन में विभिन्न प्रक्रियाएं करने में लगा हुआ है। विभाग स्नातक छात्रों को लंबवत एकीकृत कक्षाओं और सामान्य सर्जरी कक्षाओं में पढ़ाने में भी शामिल है। विभाग ने सुरक्षित दिवाली प्रथाओं, पटाखों के खतरों और आकस्मिक जलने के मामले में प्राथमिक उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए बिलासपुर के विभिन्न स्कूलों में एक आउटरीच गतिविधि- 'सुरक्षित दिवाली उत्सव' भी आयोजित किया।

परिकल्पना: एक समर्पित बर्न सेंटर स्थापित करना।

उद्देश्य: एक व्यापक प्लास्टिक सर्जरी विभाग स्थापित करना, जो सिर से पैर तक प्लास्टिक सर्जरी के सभी क्षेत्रों की पूर्ति करेगा।

रोगी देखभाल सेवाएं: क्लेफ्ट सर्जरी, जन्मजात विसंगतियों का सुधार, हाथ की सर्जरी, मधुमेह-पैर की सर्जरी, एक्यूट बर्न केयर और पुनर्वास, ब्रेकियल प्लेक्सस सर्जरी, आघात पुनर्निर्माण।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: एम.सी.एच. पाठ्यक्रम को मंजूरी मिल गई है।

भविष्य की योजनाएं:

1). क्लेफ्ट सर्जरी शुरू करने और स्माइल ट्रेन के साथ सहयोग करने के लिए।

2). बर्न यूनिट स्थापित करना।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. नवनीत शर्मा	दूरस्थ आधारित सुरल फ्लैप	एनजेएपीएसआईकॉन पीजीआई चंडीगढ़	6 फरवरी 2023	पीजीआई चंडीगढ़

सामुदायिक सेवा

1. सुरक्षित दिवाली मनाने के संबंध में बिलासपुर के विभिन्न स्कूलों में सामुदायिक आउटरीच गतिविधि।

हृदय-रोग विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. नवदीप सिंह सिद्धू	सहायक आचार्य	04.10. 2022

विभाग के बारे में

डॉ. नवदीप सिंह सिद्धू के सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्य गृहण करने के उपरान्त, अक्टूबर 2022 से कार्डियोलॉजी विभाग ने काम करना शुरू कर दिया। वर्तमान में विभाग, ओपीडी सेवाएं (तीन दिन/सप्ताह), इकोकार्डियोग्राफी सेवाएं (3 दिन/सप्ताह) प्रदान करता है। विभाग ने इन-पेशेंट सेवाएं (आईपीडी), कार्डियक केयर यूनिट भी शुरू की है, जिसमें आज तक ~150-160 प्रवेश हैं। कार्डियक कैथीटेराइजेशन प्रयोगशाला (कैथ लैब) 09/02/2024 से शुरू की गई थी और यह 60-65 प्रक्रियाएं/महीने करती है। विभाग, जरूरतमंद मरीजों के लिए एंजियोग्राफी, कोरोनरी एंजियोप्लास्टी/स्टेंटिंग, अस्थायी और स्थायी पेसमेकर इम्प्लांटेशन, इंट्रा-कैरोटीड स्टेंटिंग, पेरिफेरल वैस्कुलर स्टेंटिंग, पेरीकार्डियोसेंटेसिस, फ्रैक्शनल फ्लो रिजर्व (एफएफआर), कार्डियक रीसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी (सीआरटी), इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफिब्रिलेटर (आईसीडी), आदि जैसी विभिन्न प्रक्रियाएं कर रहा है। विभाग ने अब तक लगभग 120-130 रोगियों को कार्डियक कैथीटेराइजेशन प्रयोगशाला (कैथ लैब) सेवाएँ प्रदान की हैं। विभाग में रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और वर्तमान में विभाग प्रति माह लगभग 700-800 रोगियों को ओपीडी सेवाएँ और प्रति माह लगभग 200-220 रोगियों को इकोकार्डियोग्राफी सेवाएँ प्रदान करता है। इसके अलावा विभाग अन्य विभागों में गैर-हृदय सर्जरी की योजना वाले भर्ती रोगियों को कार्डियोलॉजी परामर्श और हृदय संबंधी लक्षणों या बीमारी वाले रोगियों को प्री-ऑपरेटिव फिटनेस प्रदान करता है। विभाग, मेडिसिन विभाग के सहयोग से आपातकालीन सेवाएँ भी प्रदान करता है। विभाग, संस्थान के यूजी शिक्षण कार्यक्रम में शामिल है, जिसमें एमबीबीएस छात्रों को कार्डियोलॉजी विभाग में उनकी नैदानिक पोस्टिंग के लिए नियुक्त किया जाता है।

भविष्य की योजना:

- विभाग का लक्ष्य, इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी अध्ययन (ईपीएस), रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन (आरएफए) शुरू करना है।
- आने वाले महीनों में ट्रेडमिल परीक्षण (टीएमटी), होल्टर मॉनिटरिंग, स्ट्रेस इकोकार्डियोग्राफी, ट्रांसईसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी (टीईई) और अन्य नोन-इंवेसीव जांच की सुविधा भी कार्यात्मक होने की संभावना है।
- विभाग में डीएम कार्डियोलॉजी पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है। (पाठ्यक्रम पहले से ही स्वीकृत है)।
- यूजी और जेआर के लिए ईसीजी शिक्षण और इको ब्रीफिंग।

सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन:

कार्डियोलॉजी विभाग ने मेडिसिन विभाग के सहयोग से विश्व हृदय दिवस (29 सितंबर 2023) के अवसर पर हृदय रोगों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए ई-स्लोगन और ई-पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस अवसर पर डॉ. नवदीप सिंह सिद्धू ने ओ.पी.डी. में मरीजों और उनके तीमारदारों को स्वास्थ्य-वार्ता भी दी।

अनुसंधान:

राष्ट्रव्यापी LAI-LCARE सर्वेक्षण में सहभागी केंद्र के रूप में अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

प्रकाशन:

1. महला एच, कुमार एल, सिद्धू एनएस, चतुर्वेदी एन, केशव एम, शर्मा एसएम एट अल। आरवी डिसफंक्शन और पल्मोनरी हाइपरटेंशन, सीओवीआईडी-19 बीमारी के दीर्घकालिक परिणाम के रूप में: दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र के मरीजों के बीच एक अध्ययन। जे पॉपुल थेर क्लिन फार्माकोल 2023; 30(01): 750-756.
2. जरयाल ए, सिधू एनएस, विक्रांत एस. रोगसूचक ब्रैडीकार्डिया पोस्ट रिटक्सिमैब इन्फ्यूजन। भारतीय जे नेफ्रोल. 2024 मार्च-अप्रैल;34(2):207. doi: 10.4103/ijn.ijn_167_23.
3. बाली एच.के., सिधू एन.एस. बाएं आलिंद विफलता: SGLT2is, ARNI, बिसोप्रोलोल और MRAs की भूमिका। चोपड़ा एच.के., नंदा एन.सी., नरूला जे., वांडर जी.एस., मंजूनाथ सी.एन., चंद्रा पी., एट अल., संपादक। हार्ट फेलियर (ए.आर.एच.एफ.) में प्रगति और क्रांतियाँ - कार्डियोलॉजी की एक पाठ्यपुस्तक। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड; 2024. पृ. 418-23.

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ:

डॉ. नवदीप सिंह सिद्धू:

1. सितंबर 2023 में एशियन पैसिफिक सोसाइटी ऑफ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी (FAPSIC) की मानद फैलोशिप प्रदान की गई।
2. अक्टूबर 2023 में इंडियन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (FICC) की मानद फैलोशिप प्रदान की गई।
3. दिसंबर 2023 में अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (ACC) द्वारा आयोजित प्रमाणित कार्डियोवैस्कुलर नॉलेज परीक्षा (CCKE) को सफलतापूर्वक पूरा किया।
4. जुलाई 2023 में CSI-NIC सम्मेलन में आमंत्रित राष्ट्रीय संकाय के रूप में भागीदारी
5. फरवरी 2024 में INDIA-LIVE सम्मेलन में आमंत्रित राष्ट्रीय संकाय के रूप में भागीदारी
6. विभिन्न सम्मेलनों और वेबिनार में प्रतिनिधि के रूप में भागीदारी: अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी वार्षिक सम्मेलन (ऑनलाइन, अप्रैल 2024), यूरो-पीसीआर (ऑनलाइन, मई 2023)
7. राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता निर्माण कार्यक्रम (NPCSCB) - "मिशन कर्मयोगी" के तहत ऑनलाइन पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।

सामुदायिक सेवा

- डॉ. नवदीप सिंह सिद्धू ने हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के बारे में 'अमर उजाला' समाचार पत्र को एक शैक्षिक साक्षात्कार दिया (प्रकाशित 19 जनवरी 2024)।
- डॉ. नवदीप सिंह सिद्धू ने विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर उच्च रक्तचाप और हृदय की समस्याओं के बारे में 'पंजाब केसरी' समाचार पत्र को एक शैक्षिक साक्षात्कार दिया (प्रकाशित 17 मई 2024)।

कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. विकास कुमार	सह-आचार्य	01.08.2022
2.	डॉ. लक्ष्मी कुमारी सांख्यान	सहायक आचार्य	09.11.2020

विभाग के बारे में

विभाग, कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर बीमारियों वाले मरीजों को ओपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है। ऑपरेशन थियेटर और इनपेशेंट सेवाओं को जल्द से जल्द कार्यात्मक बनाने के लिए उपकरण और यंत्र खरीदे जा रहे हैं। परफ्यूज़निस्ट की भर्ती प्रक्रियाधीन है। विभागीय योजना है कि यंत्र और उपकरण खरीद के पश्चात, वयस्क कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर बीमारियों के लिए वैकल्पिक सर्जरी और आपातकालीन सेवाएं शुरू की जाएँगी। नर्सिंग अधिकारियों को 3 महीने की अवधि के लिए पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में सीटीवीएस आईसीयू और सीटीवीएस ओटी में प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था। एक बार परफ्यूज़निस्ट और ओटी तकनीशियनों की भर्ती हो जाने के बाद, उन्हें प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। विभाग, एनाटॉमी और सर्जरी में प्रासंगिक विषयों पर, स्नातकों के लिए एकीकृत शिक्षण कार्यक्रम में शामिल रहा है।

प्रकाशन

1. चौधरी यूके, एंडरसन आरएच, पांडे एनएन, मिश्रा एस, सांख्यान एलके, जॉर्ज एन, खान एमए, और गोजा एस (2023)। तथाकथित "वन एण्ड ए हाफ" वेंट्रिकुलर रिपेयर: 40 साल बाद हम कहां हैं? कार्डियोलॉजी इन द यंग, पेज 1ऑफ 9. doi: 10.1017/S1047951123001646

पुस्तक प्रकाशित

क्र. सं.	लेखक	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक)
1.	उज्जवल के चौधरी, लक्ष्मी कुमारी सांख्यान	क्रोनिक कंस्ट्रिक्टिव पेरीकार्डिटिस का सर्जिकल उपचार	पहला संस्करण, 2023, स्प्रिंगर सिंगापुर https://doi.org/10.1007/978-981-99-5808-5

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. अनुपम पाराशर	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	14.06.2022
2.	डॉ. मीनल मधुकर ठाकरे	अतिरिक्त आचार्य	16.11.2020
3.	डॉ. नवप्रीत	सहायक आचार्य	05.12.2020
4.	डॉ. अनुपमा धीमान	सहायक आचार्य	05.12.2020
5.	डॉ. निकिता शर्मा	सहायक आचार्य	13.06.2022

विभाग के बारे में

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश की स्थापना के दौरान, क्रियाशील होने वाले विभागों में से एक है। कार्यकारी निदेशक, प्रोफेसर (डॉ) वीर सिंह नेगी के मार्गदर्शन में, विभाग, ज्ञान को क्रियान्वित करने के लिए एक पेशेवर कार्यबल बनाकर, शिक्षण, अनुसंधान और सेवा के वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए, विकसित हो रही राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर प्रतिक्रिया देने की कल्पना करता है, और इस तरह समुदायों के स्वास्थ्य में सुधार करता है।

विभाग में वर्तमान में पाँच संकाय सदस्य, दो सीनियर रेसीडेंट, तीन स्नातकोत्तर छात्र, दो गैर-शैक्षणिक जूनियर रेज़िडन्ट, दो नर्सिंग अधिकारी, एक लैब तकनीशियन, दो लैब परिचारक, एक लोअर श्रेणी क्लर्क और एक सेनेटरी परिचारक हैं।

स्नातक छात्रों को शिक्षण और प्रशिक्षण के माध्यम से, विभाग का उद्देश्य, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और समुदाय-उन्मुख, रोगी-केंद्रित, करुणामयी , उच्च-गुणवत्ता वाले चिकित्सा पेशेवरों के उत्पादन में उत्कृष्टता प्रदान करना है। सामुदायिक जुड़ाव गतिविधियों के लिए, छात्रों को उप स्वास्थ्य केंद्र, स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नागरिक अस्पताल और सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व के स्वास्थ्य संबंधी संस्थानों जैसे दूध संयंत्र, जल उपचार संयंत्र, सीवेज उपचार संयंत्र, वृद्धाश्रम, बाल देखभाल संस्थान, जिला बिलासपुर में विशेष रूप से सक्षम लोगों के लिए पुनर्वास केंद्र जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों का प्रत्यक्ष अनुभव कराया जाता है। परिवार दत्तक ग्रहण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, जिला बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) के ब्लॉक मारकंड में परिवारों की पहचान की जा रही है और उन्हें एमबीबीएस छात्रों को आवंटित किया जा रहा है।

सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने जुलाई 2023 से एम्स बिलासपुर में प्रति वर्ष तीन छात्रों के प्रवेश के साथ एमडी (सामुदायिक चिकित्सा) भी शुरू किया है। वर्तमान में तीन स्नातकोत्तर छात्र एमडी सामुदायिक चिकित्सा कर रहे हैं। विभाग के तहत ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र/सिविल अस्पताल मारकंड और शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र/स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र, रौरा का उपयोग स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया जा रहा है। इस वर्ष 'शोध पद्धति के मूल सिद्धांत' और 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम (राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम) के लिए सामुदायिक आउटरीच' पर ऐच्छिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विभाग के तहत, टीकाकरण क्लिनिक, एम्स बिलासपुर के ओपीडी ब्लॉक में पांच साल से कम उम्र के बच्चों का नियमित टीकाकरण कर रहा है। नियमित टीकाकरण के अलावा, वयस्कों के टीकाकरण के लिए वैकल्पिक टीके भी लगाए जा रहे हैं। एम्स बिलासपुर में विभाग द्वारा टीके से बचाव योग्य बीमारियों (एएफपी, दाने के साथ बुखार, डिप्थीरिया, पर्टुसिस, नवजात टेटनस, एईएफआई) की निगरानी की जा रही है। लोगों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य दिवस जैसे कि, विश्व स्तनपान सप्ताह, विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व जनसंख्या दिवस, विश्व टीबी दिवस, विश्व एड्स दिवस आदि के माध्यम से समुदाय में सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियाँ की जा रही हैं। विभाग ने जिला बिलासपुर में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', नवंबर-दिसंबर 2023 और 'आयुष्मान भव' के दौरान 21 ग्राम पंचायतों में सक्रिय रूप से भाग लिया। विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों जैसे राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम और टीका निवारणीय रोग निगरानी

के सर्वोत्तम संचालन के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरणों के साथ सहयोग करता है।

तत्काल भविष्य की परिकल्पना:

1. अनुसंधान की सुविधा के लिए विभाग में महामारी विज्ञान इकाई, सांख्यिकी इकाई, चिकित्सा-सामाजिक कार्य अनुभाग और स्वास्थ्य शिक्षा अनुभाग की स्थापना।
2. परिवार दत्तक ग्रहण कार्यक्रम के तहत समुदाय में शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों का विस्तार करने और सामुदायिक सेवाओं का विस्तार करने के लिए संकाय सदस्यों, सीनियर रेज़िडेन्ट, सार्वजनिक स्वास्थ्य नर्सों, चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य शिक्षकों की भर्ती।
3. पोर्टेबल/हैंडहेल्ड/पॉइंट ऑफ़ केयर उपकरण और रैपिड डायग्नोस्टिक किट की मदद से समुदाय में गैर-संचारी रोगों, संचारी रोगों और पोषण संबंधी कमी वाले रोगों की जांच।
4. ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र और शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र में रोगी देखभाल सेवाओं और सामुदायिक सेवाओं की स्थापना।
5. स्टेट ऑफ दी आर्ट, रेफरेंस पब्लिक हेल्थ लैब्रटोरी की दिशा में एक कदम के रूप में विभाग में प्रयोगशाला सेवाओं का विस्तार।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रोटोकॉल लेखन कार्यशाला, एम्स बिलासपुर, 08.09.2023।
2. अनुदान लेखन एवं अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला, एम्स बिलासपुर, 3-4 नवंबर, 2023।
3. भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ (आईपीएचएसीओएन 2024) के 68वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए राष्ट्रीय आयोजन समिति (वैज्ञानिक समिति), मनाली (हिमाचल प्रदेश), 15-17 मार्च, 2024।
4. एम्स बिलासपुर में 16 से 18 तारीख 2023 तक चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी पर द्वितीय संकाय कार्यशाला के लिए आयोजन समिति सदस्य।
5. आईएपीएसएम राष्ट्रीय युवा नेताओं के सम्मेलन 03.11.2023 के दौरान "जेंडर मुद्दे- कमरे में एक हाथी" शीर्षक से संयोजक के रूप में राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की गई।
6. 07.02.2024 को मैंगलोर, कर्नाटक में इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "स्ट्रीट थियेटर" शीर्षक से राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला।
7. 26.09.2023 को एम्स, बिलासपुर में संयोजक के रूप में "बाजरा को मुख्यधारा में लाना: समय की आवश्यकता" पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।
8. इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन के साथ ECHO मंच पर "मेडिकल कॉलेजों में टीकाकरण और परिवार दत्तक ग्रहण कार्यक्रम की पुनर्कल्पना के लिए राष्ट्रीय परामर्श" का आयोजन किया गया।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. अनुपम पाराशर	मानव पेपिलोमा वायरस टीकाकरण कार्यक्रम: वैश्विक और भारतीय परिप्रेक्ष्य	भारतीय जन स्वास्थ्य संघ का वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन	7 से 9 अप्रैल 2023	इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन पश्चिम बंगाल चैप्टर, कोलकाता
2.	डॉ. अनुपम पाराशर	ऑनलाइन यूजी/पीजी शिक्षण प्लेटफॉर्म	चौथा आईएपीएसएम युवा नेताओं का राष्ट्रीय सम्मेलन 2023	5 नवंबर 2023	दयानंद मेडिकल कॉलेज लुधियाना

3.	डॉ. अनुपम पाराशर	एफएपी के माध्यम से सामुदायिक जुड़ाव- यूएचसी को प्राप्त करने के लिए लापता हिस्सा	भारतीय निवारक एवं सामाजिक चिकित्सा संघ का हिमाचल प्रदेश अध्याय	18-19 नवंबर 2023	आरकेजीएमसी हमीरपुर, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)
4.	डॉ. अनुपम पाराशर	भारत में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का बोझ	भारतीय जन स्वास्थ्य संघ का 68वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन	15-17 मार्च 2024	आईजीएमसी शिमला, मनाली, हिमाचल प्रदेश
5.	डॉ. अनुपम पाराशर	मातृ मृत्यु समीक्षा का अवलोकन	ओबीजी और सीएफएम विभाग एम्स बिलासपुर	11 अगस्त 2023	एम्स बिलासपुर
6.	डॉ. अनुपम पाराशर	कार्यक्रम संबंधी सटीकता: एनसीडी प्रबंधन में दक्षता और रोगी-केंद्रित देखभाल को संतुलित करना	ईसीएचओ इंडिया (संचालक) के सहयोग से एनसीडी पर क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन	4 सितंबर 2023	एम्स बिलासपुर
7.	डॉ. अनुपम पाराशर	स्वास्थ्य सेवा में साक्ष्य आधारित पोषण	सीएमई (पैनलिस्ट)	23 अगस्त 2023	फिजियोलॉजी विभाग, एम्स बिलासपुर
8.	डॉ. मीनल एम ठाकरे	भारत में वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य- विज्ञान, नीति, कार्यक्रम और सामुदायिक सहभागिता पर आगे बढ़ने के लिए कार्य।	राष्ट्रीय परामर्श वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य प्रभाव अनुसंधान के लिए सहयोगात्मक संस्था-भारत द्वारा	17.11.2023	CAPHER इंडिया, एम्स, नई दिल्ली, आईआईटी, दिल्ली के सहयोग से।
9.	डॉ. मीनल एम ठाकरे	आईएपीएसएम आधिकारिक अपडेट	ई कनेक्ट, यूट्यूब चैनल	08.12.2023	इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन
10.	डॉ. मीनल एम ठाकरे	हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर की किशोर स्कूल जाने वाली लड़कियों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रथाओं पर एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।	महामारी विज्ञान फाउंडेशन ऑफ इंडिया का चौथा वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन	01.10.2023	एपिडेमियोलॉजी फाउंडेशन ऑफ इंडिया, गोवा मेडिकल कॉलेज, गोवा।
11.	डॉ. मीनल एम ठाकरे	जनजातीय स्वास्थ्य में चिकित्सा देखभाल और अनुसंधान: चुनौतियाँ और अवसर	आदिवासी स्वास्थ्य पर गोलमेज सम्मेलन	07.10.2023	गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (GMC) श्रीनगर

12.	डॉ. अनुपमा धीमान	छोटे समूह शिक्षण सत्र	बुनियादी चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकियों पर द्वितीय संकाय कार्यशाला	16 से 18 अक्टूबर 2023	एमईयू, एम्स बिलासपुर
13.	डॉ. निकिता शर्मा	तृतीयक देखभाल संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों के बीच कोविड-19 टीकाकरण की स्थिति और बूस्टर खुराक के लिए इच्छा	इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन का 51वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन	8 से 10 फरवरी, 2024	कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मैंगलोर

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (चल रहा / पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	हिमाचल प्रदेश राज्य में कृषि पर निर्भर लोगों में कीटनाशकों के संपर्क में आने और अनिर्धारित इटीऑलोजी (सीकेडीयू) की क्रोनिक किडनी रोग की संभावना	डॉ. अनुपम पाराशर (प्रमुख अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	2 वर्ष	जारी	₹ 5,60,000
2.	गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की जनसंख्या-आधारित जांच में आशा के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन - एक बहु-साइट अध्ययन	डॉ. मीनल एम ठाकरे बहुकेन्द्रीय अध्ययन में हिमाचल प्रदेश के लिए प्रमुख अन्वेषक	बाह्य वित्तपोषित (सहयोगपूर्ण)	2 वर्ष	पूर्ण	₹ 15,38,000 मात्र (एम्स बिलासपुर में कोई धनराशि प्राप्त नहीं हुई)
3.	हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी के विभिन्न आयु वर्ग के मूल निवासियों में जीवनशैली से संबंधित रोग बायोमार्करों के स्वचालित और संज्ञानात्मक कार्यों के साथ संबंध का आकलन: एक व्यापक अवलोकन	डॉ. मीनल एम. ठाकरे (सह-अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	2 वर्ष	पूर्ण	₹ 25,00,000 only

	संबंधी क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।					
4.	सामुदायिक चिकित्सा में राष्ट्रव्यापी सर्वोत्तम प्रथाओं का विश्लेषण और संकलन	डॉ. मीनल एम ठाकरे समिति के अध्यक्ष	बाह्य वित्तपोषित (आईएपीएसएम द्वारा सौंपा गया कार्य)	1 वर्ष	पूर्ण	₹ 20,000 केवल (एम्स बिलासपुर में कोई धनराशि प्राप्त नहीं हुई)
5.	उत्तरी भारत में त्वचा डर्मेटोफाइट संक्रमण के संबंध में सामुदायिक फार्मासिस्टों/रसायनज्ञों के ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास पर आईईसी हस्तक्षेप के प्रभाव का आकलन।	डॉ. नवप्रीत, (सह-अन्वेषक) और डॉ. अनुपमा धीमान (सह-अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	2 वर्ष	पूर्ण	₹ 3,17,000
6.	हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के हाइपोथायरायड रोगियों में न्यूरोफिजियोलॉजिकल और जैव रासायनिक मापदंडों का अध्ययन।	डॉ. नवप्रीत, (सह-अन्वेषक) और डॉ. अनुपमा धीमान (सह-अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	3 वर्ष	जारी	₹ 19,64,880
7.	बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश के नवजात शिशुओं में गंभीर जन्मजात हृदय रोग का पता लगाने के लिए पल्स ऑक्सीमेट्री स्क्रीनिंग - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।	डॉ. नवप्रीत, (सह-अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	16 माह	जारी	₹ 5,37,300
8.	हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में प्रसवोत्तर मनोरोग बीमारी की व्यापकता और जोखिम कारकों को जानने के लिए: एक समुदाय-	डॉ. अनुपमा धीमान (सह-अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	09 माह	पूर्ण	₹ 5,19,120

	आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन					

प्रकाशन

1. पाराशर ए, प्रियंका, सरकार एम, गुप्ता ए.के. उत्तर भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा में रिपोर्ट करने वाले मरीजों में क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज का बोझ और इसके निर्धारक। इंडियन जे चेस्ट डिस अलाइड साइंस 2023;65(3):128-133।
2. कौशल के, पाराशर ए, धडवाल डीएस, जसवाल वीएमएस, जेरेट पी, माज्टा एसआर। एमडीआरएफ आईडीआरएस जोखिम स्कोर सत्यापन के एक भाग के रूप में क्योर-9 प्रश्नावली का उपयोग करके शिमला की वयस्क आबादी में मधुमेह के बारे में जागरूकता और ज्ञान। स्वास्थ्य व्यवसायों में शिक्षा 2023; 6(1): 27-33। डीओआई: 10.4103/ईएचपी.ईएचपी_24_22
3. करोल एस, ठाकरे एमएम। को-विन से यू-विन तक डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से भारत में टीकाकरण सेवाओं को मजबूत करना: एक समीक्षा। प्रीव मेड रेस रेव 2024; 1:25-8.
4. ठाकरे एम, करोल एस. एनएमसी का परिवार दत्तक ग्रहण कार्यक्रम: एक वरदान 2023;1:31-33.
5. गोयल एनके, सिंह जीपी, ठाकरे एमएम, वालिया डीके, शर्मा डी. चंडीगढ़. भारत के स्कूल जाने वाले ग्रामीण किशोरों में अवसादग्रस्तता के लक्षणों की पहचान करने के लिए महामारी विज्ञान सर्वेक्षण। जे मेंटल हेल्थ ह्यूमन बिहेव 2023;28:59-64
6. गोयल के, सिंह जी, अरोड़ा वाई, गोयल पी, अग्रवाल ए.के., सेन ए, कुमार के, भोगल आरपीएस, ठाकुर जेएस, सिंह ए, शर्मा एन. सहायक अस्पताल के कर्मचारियों में कोविड-19 के संबंध में मनोवैज्ञानिक संकट और संबंधित कारक: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। जे फैम मेड प्राइम केयर 2023;12:694.
7. वर्मा एम, राणा के, भट्ट जी, शर्मा एन, लाल पी. भारत में तंबाकू उपयोग आरंभ करने के रुझान और निर्धारक: वैश्विक वयस्क तंबाकू सर्वेक्षण के दो दौर का विश्लेषण। बीएमजे ओपन 2023;13:e074389.
8. मित्तल एन, गोयल पी, गोयल के, शर्मा आर, नाथ बी, सिंह एस, थंगाराजू पी, मित्तल आर, कहकशा के, मित्रा पी, साहू आर, प्रियदर्शिनी आरपी, शर्मा एन, पाला एस, रोहिल्ला एसके, कौशल जे, पाधी बीके, बारबोजा जेजे। चिकित्सकों के बीच रोगाणुरोधी प्रतिरोध और एंटीबायोटिक प्रिस्क्राइबिंग व्यवहार के बारे में जागरूकता: भारत में राष्ट्रव्यापी क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण के परिणाम। एंटीबायोटिक्स 2023;12:1496।

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक)
1.	अनमोल गुप्ता, अनुपम पाराशर, डी एस धडवाल	स्वास्थ्य और रोग की अवधारणा	ए एम कादरी	आईएपीएसएम की सामुदायिक चिकित्सा की पाठ्यपुस्तक	संस्करण 3, वर्ष 2024 जेपी पब्लिशर्स
2.	आईएपीएसएम सर्वोत्तम अभ्यास समिति	एसोसिएट एडीटर	डॉ. मीनल एम. ठाकरे, एसोसिएट एडिटर	आईएपीएसएम सर्वोत्तम अभ्यास संकलन 2023-24	संस्करण 1, वर्ष 2023-24, प्रकाशक- इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. अनुपम पाराशर

1. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी यूनाइटेड किंगडम के सेंटर फॉर स्टैटिस्टिक्स इन मेडिसिन द्वारा 2023 में डॉ. ऑल्टमैन स्कॉलरशिप
2. डॉ. एन के वैद्य वर्ष 2023 के वक्ता - इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन का हिमाचल चैप्टर
3. स्वास्थ्य संवर्धन में अनुसंधान विधियों पर पाठ्यक्रम (एनपीटीईएल ऑनलाइन प्रमाणन) - पाठ्यक्रम में शीर्ष स्थान
4. एमोरी यूनिवर्सिटी यूएसए के रोलिंस स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के एक एमपीएच छात्र की एम्स बिलासपुर में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए पर्यवेक्षक
5. इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन के राष्ट्रीय निकाय के गवर्निंग काउंसिल सदस्य (2023-24)

डॉ. मीनल एम ठाकरे

1. गोवा मेडिकल कॉलेज, गोवा में 01.10.2023 को आयोजित एपिडेमियोलॉजी फाउंडेशन ऑफ इंडिया के चौथे वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश की किशोर स्कूल जाने वाली लड़कियों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रथाओं पर एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन" पर मौखिक शोध पत्र प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार।
2. एम्स, बिलासपुर में "हिंदी दिवस पर भाषण प्रतियोगिता" में प्रथम पुरस्कार।
3. "सामुदायिक चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण और क्षेत्र में राष्ट्रव्यापी सर्वोत्तम प्रथाओं का विश्लेषण और संकलन" में नेतृत्व और योगदान के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन मुख्यालय से राष्ट्रीय प्रशंसा प्रमाण पत्र पुरस्कार।
4. एम्स, बिलासपुर में अंतर्राष्ट्रीय संक्रमण निवारण सप्ताह के दौरान ई-स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार। 21.10.2023।
5. अक्टूबर 2023 में एपिडेमियोलॉजी फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा महामारी विज्ञान के क्षेत्र में सक्रिय योगदान के लिए राष्ट्रीय प्रशंसा प्रमाण पत्र।
6. पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन में 1 वर्षीय कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए संकाय के रूप में चयनित।
7. वोल्टर्स क्लूवर - मेडनो द्वारा प्रकाशित वैज्ञानिक पत्रिका "प्रिवेंटिव मेडिसिन: रिसर्च एंड रिव्यूज़" के प्रबंध संपादक।

डॉ. नवप्रीत

1. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ, गांधीनगर, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया में 'इ-कोर्स इन सिस्टमैटिक रिव्यू एंड मेटा एनालिसिस' (इ-लर्निंग) (अक्टूबर 2023 - जनवरी 2024) सफलतापूर्वक पूरा किया।
2. पीजी थीसिस (एमडी कम्युनिटी मेडिसिन) सत्र जुलाई 2023-2026 के लिए सह-मार्गदर्शक
3. सेंटर फॉर रूरल हेल्थ, मार्कंड और अर्बन हेल्थ ट्रेनिंग सेंटर, रौरा में पीजी (कम्युनिटी मेडिसिन) शिक्षण और प्रशिक्षण की शुरुआत के दौरान सक्रिय रूप से भाग लिया।
4. एम्स बिलासपुर में यूनिवर्सिटी ऑफ एमोरी, अटलांटा, यूनाइटेड स्टेट्स के एक इंटर्न द्वारा इंटर्नशिप के दौरान सक्रिय रूप से भाग लिया।
5. जिला बिलासपुर में 'टीबी मुक्त पंचायत' दावे का आकलन करने के लिए जिला सत्यापन टीम का सदस्य।

डॉ. अनुपमा धीमान

1. जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी द्वारा अधिकृत और कोर्सेरा के माध्यम से पेश किए गए ऑनलाइन कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा किया
   a. सार्वजनिक स्वास्थ्य अभ्यास हेतु एसेंशियल एपिडेमिओलोजीकल टूल
   b. सार्वजनिक स्वास्थ्य अभ्यास में डेटा और स्वास्थ्य संकेतक
2. ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र, मार्कंड और शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, रौरा में पीजी (सामुदायिक चिकित्सा) शिक्षण और प्रशिक्षण की शुरुआत के दौरान सक्रिय रूप से भाग लिया।

डॉ. निकिता शर्मा

1. कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मैंगलोर में आयोजित 51वें वार्षिक राष्ट्रीय भारतीय निवारक और सामाजिक चिकित्सा संघ सम्मेलन (8-10 फरवरी 2024) में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार प्राप्त किया। कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मैंगलोर में आयोजित 51वें वार्षिक राष्ट्रीय भारतीय निवारक और सामाजिक चिकित्सा संघ सम्मेलन (8-10 फरवरी 2024) में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार प्राप्त किया।
2. एनपीटीईएल द्वारा 'वन हेल्थ' पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम पूरा किया।

सामुदायिक सेवा

डॉ. अनुपम पाराशर

1. विश्व जनसंख्या दिवस 2023 पर समुदाय को जागरूक करने वाली बातचीत, दिनांक 11.07.2023, आंगनवाड़ी केंद्र, नई सरली, ब्लॉक मार्कंड में
2. विश्व स्तनपान सप्ताह 2023 के दौरान 07.08.2023 को ग्राम पंचायत, नौनी, ब्लॉक मार्कंड में समुदाय को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना।
3. 02.09.2023 को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2023 के दौरान सिविल अस्पताल, मार्कंड में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं के बीच स्वास्थ्य जागरूकता।
4. 30.06.2023 को एम्स बिलासपुर में वेक्टर जनित रोगों के बारे में एम्स बिलासपुर के सफाई कर्मचारियों का संवेदीकरण।
5. ग्राम पंचायत, राजपुरा में दिनांक 22.03.2024 को विश्व टीबी दिवस 2024 पर समुदाय को स्वास्थ्य जागरूकता।
6. सामुदायिक जागरूकता और स्नातक एमबीबीएस, बीएससी संबद्ध विज्ञान छात्रों और स्नातकोत्तर छात्रों (एमडी सामुदायिक चिकित्सा) की सामुदायिक आउटरीच गतिविधियों में भागीदारी/संलग्नता के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व के दिनों के अवलोकन के तहत विकसित भारत संपर्क यात्रा और विभिन्न गतिविधियों के तहत स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया।
7. राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम (राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम) के लिए सामुदायिक आउटरीच में एमबीबीएस छात्रों का वैकल्पिक प्रशिक्षण

डॉ. मीनल एम ठाकरे

1. 30.11.2023 को नूरपुर, हिमाचल प्रदेश में रणजीत बख्शी जनकल्याण फाउंडेशन के साथ चिकित्सा शिविर के लिए समन्वयक।
2. 30.05.2023 को डीएवी स्कूल के छात्रों के लिए "मासिक धर्म स्वच्छता" पर जागरूकता सत्र।
3. 26-27 मई 2023 को चेतना संस्थान द्वारा चिकित्सा शिविर के लिए समन्वयक।
4. समग्र क्षेत्रीय केंद्र, सुंदरनगर के सहयोग से विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस 24.05.2023 के लिए कार्यक्रम समन्वयक।
5. विश्व स्तनपान सप्ताह 2023 के दौरान रौरा सेक्टर, बिलासपुर में स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर।
6. एम्स, बिलासपुर और डीएवी स्कूल में विश्व मोटापा दिवस 2024 पर विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन।
7. बिलासपुर में विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों में एबी-पीएमजेएवाई के तहत सेवा पखवाड़ा गतिविधियाँ 2024

डॉ. नवप्रीत

1. एम्स बिलासपुर में 30.06.2023 को एमबीबीएस छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से वेक्टर जनित बीमारियों को रोकने के तरीकों के बारे में एम्स बिलासपुर के सफाई कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा की।
2. आंगनवाड़ी केंद्र, नई सरली, ब्लॉक मार्कंड में दिनांक 11.07.2023 को विश्व जनसंख्या दिवस 2023 पर समुदाय को स्वास्थ्य जागरूकता प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग लिया।
3. ग्राम पंचायत, नौनी, ब्लॉक मार्कंड में दिनांक 07.08.2023 को विश्व स्तनपान सप्ताह 2023 के दौरान समुदाय को स्वास्थ्य जागरूकता प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग लिया।
4. नागरिक अस्पताल, मार्कंड में दिनांक 02.09.2023 को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2023 के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशाओं के बीच स्वास्थ्य जागरूकता प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग लिया।
5. 30.09.2023 को आयुष्मान भव अभियान के तहत वृद्ध व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर अपना घर, वृद्धाश्रम, दियोली, ब्लॉक मार्कंड में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया।
6. DIET, जुखाला, ब्लॉक मार्कंड में दिनांक 10.10.2023 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2023 पर छात्रों और कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा की।
7. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कोठीपुरा, बिलासपुर में दिनांक 01.12.2023 को विश्व एड्स दिवस पर एमबीबीएस छात्रों को शामिल करते हुए रैली, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक के आयोजन में सक्रिय भागीदारी।

8. विश्व टीबी दिवस 2024 पर ग्राम पंचायत राजपुरा में दिनांक 22.03.2024 को समुदाय को स्वास्थ्य जागरूकता प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग लिया।
9. जिला बिलासपुर (नवंबर-दिसंबर 2023) में विभिन्न ग्राम पंचायतों में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के दौरान सक्रिय भागीदारी की गई, जहां उच्च रक्तचाप और मधुमेह की जांच की गई, इसके बाद गैर-संचारी रोग (एनसीडी) की रोकथाम और नियंत्रण पर नुस्खे और परामर्श दिए गए। विभिन्न आयु के लोगों की स्वास्थ्य संबंधी शिकायतों का भी समाधान किया गया। लोगों को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभों के बारे में भी जागरूक किया गया।
10. STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) के एक भाग के रूप में एम्स बिलासपुर का दौरा करने वाले विभिन्न स्कूलों के छात्रों का संवेदीकरण।
11. परिवार गोद लेने के कार्यक्रम के तहत एमबीबीएस छात्रों द्वारा क्षेत्र के दौरे के दौरान, राजपुरा, कोठीपुरा, नई सरली, मंडी भराई, ब्लॉक मार्कंड, बिलासपुर के गांवों में रहने वाले परिवार के सदस्यों को निवारक और संवर्धक स्वास्थ्य के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा और परामर्श प्रदान किया गया।
12. बिलासपुर के घुमारवीं और मारकंड ब्लॉक में बाल कल्याण संस्थान, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए संस्थान और वृद्धाश्रम का दौरा कर निवारक और संवर्धक स्वास्थ्य के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा और परामर्श प्रदान किया।

डॉ. अनुपमा धीमान

1. एम.बी.बी.एस. छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से एम्स बिलासपुर के सफाई कर्मचारियों को वेक्टर जनित बीमारियों से बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक किया।
2. विश्व जनसंख्या दिवस 2023 पर समुदाय को स्वास्थ्य जागरूकता प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग लिया और एम.बी.बी.एस. छात्रों के बीच वाद-विवाद का आयोजन किया।
3. विश्व स्तनपान सप्ताह 2023 के दौरान समुदाय को स्वास्थ्य जागरूकता प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग लिया।
4. राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2023 के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं के बीच स्वास्थ्य जागरूकता प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग लिया।
5. आयुष्मान भव अभियान के तहत वृद्ध व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया।
6. विश्व एड्स दिवस पर एम.बी.बी.एस. छात्रों को शामिल करते हुए रैली, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक के आयोजन में सक्रिय भागीदारी की।
7. स्कूली छात्रों और समुदाय में सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूकता पैदा की।
8. मार्च 2024 में नलवार मेले के दौरान, उच्च रक्तचाप और मधुमेह के लिए गैर-संचारी रोग जांच की गई, इसके बाद एनसीडी की रोकथाम और नियंत्रण पर परामर्श दिया गया। एंथ्रोपोमेट्री, हीमोग्लोबिन अनुमान और अस्थि घनत्व स्कैन भी किए गए।
9. विश्व टीबी दिवस 2023 पर समुदाय को स्वास्थ्य जागरूकता प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग लिया।
10. जिला बिलासपुर (नवंबर-दिसंबर 2023) में विभिन्न ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान, उच्च रक्तचाप और मधुमेह के लिए गैर-संचारी रोग जांच की गई, इसके बाद एनसीडी की रोकथाम और नियंत्रण पर नुस्खे और परामर्श दिए गए। कार्यक्रम स्थल पर एनजीओ द्वारा दवाओं की व्यवस्था की गई थी। विभिन्न आयु के लोगों की स्वास्थ्य संबंधी शिकायतों का भी समाधान किया गया। जिन लोगों को शिविर में पहली बार एनसीडी का पता चला, उन्हें आगे के प्रबंधन के लिए एम्स बिलासपुर जाने के लिए प्रेरित किया गया। लोगों को आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभों के बारे में भी जागरूक किया गया।
11. STEM के एक भाग के रूप में एम्स बिलासपुर का दौरा करने वाले विभिन्न स्कूलों के छात्रों को संवेदनशील बनाना।
12. एमबीबीएस छात्रों द्वारा क्षेत्र के दौरे के दौरान समुदाय में परिवार के सदस्यों को निवारक और संवर्द्धक स्वास्थ्य के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा और परामर्श प्रदान करना।
13. जिला बिलासपुर में बाल कल्याण संस्थान, विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिए संस्थान और वृद्धाश्रम का दौरा करने के दौरान निवारक और संवर्द्धक स्वास्थ्य के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा और परामर्श प्रदान करना।

14. जिला बिलासपुर में बाल देखभाल संस्थान, विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के संस्थान और वृद्धाश्रम का दौरा करते समय निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य के संबंध में स्वास्थ्य शिक्षा और परामर्श प्रदान करें।

डॉ. निकिता शर्मा

1. विश्व स्तनपान सप्ताह (1-7 अगस्त, 2023) के अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्र, मंडी मनवा में सुरक्षित स्तनपान प्रथाओं पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को व्याख्यान दिया।
2. राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (1-7 सितंबर, 2023) के अवसर पर आरएचटीसी, मार्कंड में पौष्टिक आहार के महत्व पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को व्याख्यान दिया।
3. नवंबर 2023 - जनवरी 2024 के दौरान विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जिला बिलासपुर में विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन और संचालन किया।
4. विश्व एड्स दिवस 2023 के अवसर पर एमबीबीएस छात्रों के लिए एक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी आयोजित की।
5. मार्च 2024 में विश्व मोटापा दिवस पर आयोजित वॉकथॉन में भाग लिया।
6. विश्व टीबी दिवस 2024 के अवसर पर एमबीबीएस छात्रों के लिए एक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी आयोजित की।
7. समुदाय की सक्रिय भागीदारी के साथ विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य दिवसों के उत्सव का आयोजन और उसमें भाग लिया।

क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी और रुमेटोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1	डॉ. वीर सिंह नेगी	आचार्य और विभागाध्यक्ष	15.05.2021
2	डॉ. योगेश प्रीत सिंह	सहायक आचार्य	28.03.2024
3	डॉ. देवेन्द्र बैरवा	सहायक आचार्य	17.06.2022
4	डॉ. रवि कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	13.03.2024

विभाग के बारे में

क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी और रुमेटोलॉजी विभाग को आधिकारिक तौर पर 8 नवंबर 2023 को मंजूरी मिली, लेकिन इसकी शुरुआत बहुत पहले हो गई थी जब प्रो. वी.एस. नेगी 15 मई 2021 को कार्यकारी निदेशक के रूप में संस्थान में कार्य गृहण किया था । बाद में, डॉ. देवेंद्र बैरवा मेडिसिन विभाग में शामिल हो गए और रुमेटोलॉजी सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया। मेडिसिन इन-पेशेंट सेवाओं की शुरुआत में, रुमेटोलॉजी को दस बेड दिए गए थे। जनवरी 2023 में एक अलग समर्पित रुमेटोलॉजी ओपीडी सेवा शुरू की गई। 8 नवंबर 2023 को एक अलग विभाग को मंजूरी मिली और 23 दिसंबर को पहला संकाय शामिल हुआ। विभाग द्वारा, 13 मार्च 2024 से एंडोक्रिनोलॉजी और क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी और रुमेटोलॉजी लैब (ईसीआर) सेवाओं के रूप में विभिन्न लैब सेवाएँ भी शुरू की गईं।

परिकल्पना :ऑटोइम्यून इन्फ्लेमेटरी और रूमेटिक रोगों (AIIRD) से पीड़ित रोगियों को व्यापक देखभाल प्रदान करना

उद्देश्य: ऑटोइम्यून इन्फ्लेमेटरी और रूमेटिक रोगों (AIIRD) से पीड़ित रोगियों के निदान, अनुसंधान और प्रबंधन के लिए देखभाल के मानक के लिए संदर्भ स्थापित करना

रोगी देखभाल सेवाएँ: एक अलग 15 बिस्तरों वाला वार्ड इन-पेशेंट देखभाल प्रदान करता है। जैविक दवाएँ, साइटोटॉक्सिक और इम्यूनोसप्रेसिव थेरेपी, इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन, होंठ, त्वचा, तंत्रिका और मांसपेशियों की बायोप्सी जैसी विशेष सेवाएँ उपलब्ध हैं। ECR लैब ENA ब्लॉट, HLA B-27, RF, के साथ इन-हाउस ANA परीक्षण प्रदान कर रही है, एवं जल्दी ही ACPA जांच शुरू होगी। विभाग ने 2000 से अधिक रोगियों के साथ डिजीज प्रेवलेंट कोहार्ट स्थापित किए हैं। OPD सेवाएँ सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को उपलब्ध हैं, जिनमें औसतन 60-80 रोगियों का अनुवर्ती परीक्षण किया जाता है। अज्ञात और संभावित ऑटोइम्यून रोग मामलों के लिए अंतर-विभागीय परामर्श प्रदान किए जाते हैं। शैक्षणिक पाठ्यक्रम: विभाग, एमबीबीएस स्नातक, पैरामेडिक्स स्नातक, चिकित्सा स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण कार्यक्रमों में शामिल है। इसके अलावा, क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी और रुमेटोलॉजी में पोस्ट-डॉक्टरल डीएम कोर्स को 23 अक्टूबर 2023 को मंजूरी मिल गई है और पहला सत्र 1 जुलाई 2024 से शुरू होगा।

भविष्य की योजनाएँ:

- जैविक संक्रमण और साइटोटॉक्सिक दवा देने हेतु, डे केयर सेवाएँ प्रदान करने के संदर्भ में नैदानिक सेवाओं का विस्तार किया जाएगा।
- एम्स बिलासपुर और राष्ट्रीय महत्व के अन्य संस्थानों के बीच ज्ञानवर्धन हेतु के लिए डीएम अकादमिक छात्र के लिए एक छात्र विनिमय कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।
- बिलासपुर, हमीरपुर, कुल्लू, मंडी, रोपड़ और ऊना जिलों के लिए गठिया जांच शिविर आयोजित किए जाएँगे।
- राज्य स्तरीय रुमेटोलॉजी सोसायटी की स्थापना।
- रोगी जागरूकता बढ़ाने के लिए सामुदायिक व्याख्यान, सीएमई, मीडिया लेख और टीवी साक्षात्कार आयोजित करना।
- ऑटोइम्यून बीमारियों के लिए बायोबैंक की स्थापना, बहुकेंद्रीय अध्ययनों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।

- इम्यूनोलॉजी में पीएचडी कार्यक्रम, पीएचडी विनिमय कार्यक्रम, एमएससी इंटर्न प्रोजेक्ट शुरू करना।
- सेल थेरेपी का विकास, दवा परीक्षणों और प्रीक्लिनिकल अध्ययनों के लिए साइट।
- प्रतिरक्षा संबंधी परीक्षण शुरू करना जैसे - एलिसा, पीसीआर, नेफेलोमेट्री, फ्लो साइटोमेट्री, अतिसंवेदनशीलता परीक्षण, जीन अनुक्रमण, कोशिका आधारित परीक्षण और प्रोटिओमिक्स।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1	डॉ. देवेन्द्र बैरवा	हाइपरयूरिसीमिया: कब और कब इलाज नहीं करना चाहिए	धर्मशाला में हिमालय रुमेटोलॉजी कॉन्क्लेव (राज्य स्तरीय रुमेटोलॉजी मीट)	01.07.2023	धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में आईएमए धर्मशाला
2	डॉ. देवेन्द्र बैरवा	क्रिस्टल आर्थ्रोपैथीज: नैदानिक संकेत और उपचार योजना	रुमेटोलॉजी अपडेट 2023	04.11.2023	एम्स मोहाली पंजाब
3	डॉ. देवेन्द्र बैरवा	अध्यक्ष: जेआईए के प्रबंधन में सीएसडीएमएआरडी	बाल चिकित्सा रुमेटोलॉजी के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन 2023	05.11.2023	कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश
4	डॉ. देवेन्द्र बैरवा	पोस्टर सत्र के लिए जज	इराकॉन 2023	23.11.2023 to 26.11.2024	हैदराबाद, तेलंगाना, भारत
5	डॉ. देवेन्द्र बैरवा	एपीएलए कार्यशाला के लिए संसाधन संकाय	विश्व रुमेटोलॉजी फोरम मास्टरक्लास	16.03.2024 to 17.03.2024	चेन्नई, तमिलनाडु, भारत

प्रकाशन

1. फिलिप एसएस, जनार्दन आर, शेनॉय पी, कवडीचंदा सी, बैरवा डी, सिरकार जी, घोष पी, वाखलू ए, सेल्वम एस, खन्ना डी, शोभा वी. सिस्टमिक स्केलेरोसिस में खोजपूर्ण नैदानिक उपसमूह क्लस्टरिंग: भारतीय प्रगतिशील सिस्टमिक स्केलेरोसिस रजिस्ट्री के परिणाम। जे स्केलेरोडर्मा रिलेट डिसॉर्ड। 2024 फरवरी;9(1):29-37. doi: 10.1177/23971983231215470. ईपब 2023 दिसंबर 14. पीएमआईडी: 38333526; पीएमसीआईडी: पीएमसी10848923.
2. गोपाल ए, कवडीचंदा सी, गायत्री एमएस, गोरिजावोलु एम, बैरवा डी, मारियासेल्वम सीएम, श्रीनिवास बीएच, थबाह एमएम, नेगी वीएस. नैदानिक छूट में प्रोलिफ़ेरेटिव ल्यूपस नेफ्राइटिस में दवा हटाने के बाद बढोत्तरी के पूर्वानुमान में किडनी हिस्टोपैथोलॉजी। रुमेटोल इंट। 2023 नवंबर 21. doi: 10.1007/s00296-023-05497-x। प्रिंट से पहले ईपब। पीएमआईडी: 37987842।
3. गोरिजावोलू एम, बैरवा डी, गणपति एस, डुंगा एस, गोपाल ए, अनंतकृष्णन आर, थबाह एमएम, नेगी वीएस, कवडीचंदा सीजी। इडियोपैथिक इंफ्लेमेटरी मायोपेथी में रोग गतिविधि का आकलन करने और दीर्घकालिक नैदानिक परिणाम निर्धारित करने में सेमी क्वांटिटेटिव थाईमैग्रेटिक रेजोनेंस इमेजिंग स्कोर: एक केसुअल मीडीएशन विश्लेषण। रुमेटोलॉजी (ऑक्सफोर्ड)। 2023 अप्रैल 20:kead174.doi: 10.1093/rheumatology/kead174. प्रिंट से पहले ईपब। पीएमआईडी: 37079733

4. गोपाल ए, कवदीचंदा सी, बैरवा डी, शाह एस, मेहरा एस, श्रीनिवास बीएच, मारियासेल्वम सीएम, थबाह एमएम, नेगी वीएस। ल्यूपस नेफ्राइटिस में रीनल हिस्टोपैथोलॉजी और एक साल के रीनल आउटकम के पूर्वानुमानों की पहचान करने में क्लिनिकल और बायोकेमिकल मापदंडों का प्रदर्शन-भारत से एक एकल केंद्र अध्ययन। डायग्नोस्टिक्स (बेसल)। 2022 दिसंबर 14;12(12):3163.doi: 10.3390/diagnostics12123163.PMID: 36553169; PMCID: PMC9777017.
5. टोफेसियस गाउट में एफएनएसी की भूमिका: सुषमा भारती, रेणु सिंह, देवेंद्र बैरवा, मनुप्रिया शर्मा (केस रिपोर्ट स्वीकृत)

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. देवेन्द्र बैरवा

1. आजीवन सदस्यता- आपातकालीन चिकित्सा संघ (एलएम-3550): 27.04.2023
2. आजीवन सदस्यता- टेलीमेडिसिन सोसायटी ऑफ इंडिया (एलएम-1019): 27.07.2023
3. आजीवन सदस्यता- राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (एफएएमएस): 12.10.2023

सामुदायिक सेवा

डॉ. देवेन्द्र बैरवा

1. विश्व ल्यूपस जागरूकता दिवस: ल्यूपस रोगियों के लिए एक परिचयात्मक सत्र (10.05.2023) एलटी-5 एम्स बिलासपुर हिमाचल प्रदेश में आयोजित किया गया।
2. विश्व उच्च रक्तचाप दिवस: पुलिस कर्मियों की स्क्रीनिंग (17.05.2023), पुलिस लाइन बिलासपुर हिमाचल प्रदेश में।
3. टीवी साक्षात्कार: गठिया से जुड़े आम सवालों और मिथकों पर आधे घंटे का साक्षात्कार (17.07.2023), डीडी न्यूज हिमाचल पर (प्रसारित)।
4. गठिया पर रूट केयर फाउंडेशन का साक्षात्कार: फेसबुक पर गठिया पर लाइव सत्र (12.08.2023)।
5. अंगदान जागरूकता सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम: एम्स बिलासपुर के ओपीडी ब्लॉक में अंगदान पर नुक्कड़ नाटक (28.09.2023)।
6. विश्व हृदय दिवस: एम्स बिलासपुर के ओपीडी ब्लॉक में हृदय रोग पर नुक्कड़ नाटक (29.09.2023)।
7. विश्व गठिया जागरूकता दिवस: स्नातक छात्रों द्वारा गठिया जागरूकता शो का आयोजन (12.10.2023) ओपीडी ब्लॉक, एम्स बिलासपुर में।
8. गठिया पर समाचार पत्र लेख: गठिया से जुड़े मिथक और गलतफहमियां (14.01.2024) ऑडिटोरियम एम्स बिलासपुर में।
9. विश्व किडनी दिवस: अमर उजाला समाचार पत्र में स्नातक छात्रों द्वारा किडनी रोग पर नुक्कड़ नाटक (15.03.2024)।

दंत चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. दिनेश कुमार वर्मा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	16.11.2020
2.	डॉ. नीलम यादव	सहायक आचार्य	20.03.2024

विभाग के बारे में

दंत चिकित्सा विभाग, एम्स बिलासपुर में वर्तमान में ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी और ऑर्थोडोंटिक्स और डेंटोफेशियल ऑर्थोपिडिक्स के क्षेत्र में विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम है, जिसमें कंजर्वेटिव और एंडोडोंटिक्स दंत चिकित्सा के लिए समर्पित रेजिडेंटस हैं। दंत चिकित्सा विभाग का उद्देश्य, ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, ऑर्थोडोंटिक्स और डेंटोफेशियल ऑर्थोपिडिक्स और कंजर्वेटिव और एंडोडोंटिक्स दंत चिकित्सा की विशेषताओं में अत्याधुनिक विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकियों के साथ एकीकृत और विशिष्ट दंत चिकित्सा सेवा प्रदान करना है। दंत चिकित्सा विभाग दिव्यांगजनों और सिंड्रोम रोगियों को दंत चिकित्सा उपचार भी प्रदान करता है। संकाय सदस्य, एमबीबीएस छात्रों के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल हैं, जिसमें सैद्धांतिक व्याख्यान और नैदानिक प्रदर्शन दोनों शामिल हैं। दंत चिकित्सा विभाग में डेंटल हाइजीनिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियन हैं जो विभाग और प्रोस्थेटिक कार्य को सुचारू रूप से चलाने में मदद करते हैं। विभाग ने आरवीजी के साथ रेडियोलॉजिक डायग्नोस्टिक सेवाएं शुरू की हैं, और कोन बीन कंप्यूटेड टोमोग्राफी मशीन प्राप्त करने की प्रक्रिया में है, जो एक अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक टूल है। दंत चिकित्सा विभाग, रोगियों और आम जनता के लाभ के लिए आउटरीच कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग के संकाय नियमित रूप से संस्थान की विभिन्न समितियों में योगदान देते हैं। इस वर्ष, ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी में, एक 3 वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू किया गया है। दंत और मैक्सिलोफेशियल आघात रोगियों के लिए चौबीसों घंटे आपातकालीन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। विभाग, तंबाकू छोड़ने के परामर्श और मार्गदर्शन में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग, दंत और मैक्सिलोफेशियल प्रक्रियाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जैसे कि आरसीटी, रेस्टोरेशन, स्केलिंग, मैक्सिलोफेशियल आघात उपचार, मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी, ऑर्थोग्नाथिक सर्जरी, टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त विकार उपचार, मौखिक प्रीमैलिग्नेंट घाव उपचार, मौखिक कैंसर उपचार, मैक्सिलोफेशियल स्पेस संक्रमण उपचार, ऑर्थोडोंटिक उपचार, कटे होंठ और तालु रोगियों के लिए ओबट्यूरेटर उपकरण।

परिकल्पना: दंत चिकित्सा विभाग का विजन भारत में मौखिक स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन, शिक्षण, नवाचार और अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता के प्रसिद्ध केंद्रों में से एक बनना है।

उद्देश्य: दंत चिकित्सा विभाग, मौखिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ काम करता है:

- अत्याधुनिक उपकरणों के साथ सभी आवश्यक नैदानिक सेवाएँ प्रदान करना।
- सभी रोगियों के लिए कुशल मौखिक स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन प्रदान करना।
- शिक्षा के माध्यम से शिशुओं, बच्चों, किशोरों और विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों के मौखिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना।
- जीवन भर मौखिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी निवारक उपायों को बढ़ावा देना।
- नीतियों को विकसित करने और सभी लोगों के लिए मौखिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच बढ़ाने के लिए अन्य चिकित्सा विषयों और संगठनों के साथ सहयोग करना।
- मौखिक स्वास्थ्य देखभाल को विश्वसनीय रूप से प्रदान करने के लिए सभी विशेषताओं में साक्ष्य-आधारित दंत चिकित्सा का अभ्यास करना।

रोगी देखभाल सेवाएँ: ओपीडी सेवाएँ, आईपीडी सेवाएँ, आपातकालीन सेवाएँ: सप्ताह में 6 दिन, सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक ओपीडी सेवाएँ उपलब्ध हैं, जिसमें दंत चिकित्सा विभाग के लिए आईपीडी ब्लॉक में 10 बिस्तर उपलब्ध हैं। डेंटल और मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा रोगियों के लिए आपातकालीन सेवाएँ चौबीसों घंटे उपलब्ध हैं।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: एमडीएस (स्नातकोत्तर) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम: मौखिक और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विशेषताओं में जनवरी सत्र 2024 से स्नातकोत्तर का पहला बैच शुरू हुआ।

भविष्य की योजनाएँ: विशेषता के क्षितिज का विस्तार करना और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और नवाचार के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण दंत चिकित्सा और मैक्सिलोफेशियल स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. दिनेश कुमार वर्मा	-	47वां एओएमएसआई वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन,	नवंबर 2023	एओएमएसआई

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	एक्स्ट्राम्यूरल/इंट्राम्यूरल/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (चल रहा/पूरा हुआ)	कुल अनुरोध (₹)
1.	उत्तर भारतीय राज्य हिमाचल प्रदेश में रहने वाले आदिवासियों के बीच मौखिक स्वास्थ्य की स्थिति और उपचार की जरूरतों का आकलन सं.2021-14167 सं.5/4/2-11/OH/2022-NCD-II दिनांक 25/12/2022	डॉ. दिनेश कुमार वर्मा	आईसीएमआर	दिसंबर 2022-दिसंबर 2023	पूर्ण	12,69,363
2.	एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश के निकट आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले 1-6 वर्ष के बच्चों में मौखिक स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और माताओं का ज्ञान दृष्टिकोण और अभ्यास: एक पायलट अध्ययन सं.-2021-14876 सं.5/4/2-7/OH/2022-NCD-II दिनांक 25/12/2022	डॉ. दिनेश कुमार वर्मा	आईसीएमआर	दिसंबर 2022-दिसंबर 2023	पूर्ण	1,86,645
3.	इमपेक्टेड मंडिबुलर तीसरी दाढ़ के शल्य चिकित्सा द्वारा हटाने के बाद संक्रमण को रोकने में एंटीबायोटिक युक्त पीओपी बीड्स की	डॉ. संदीप शाह (पीजी)	लेख	जुलाई 2024	शुरू किया जाना है	शून्य

	प्रभावशीलता का अध्ययन करना - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन	डॉ. दिनेश कुमार वर्मा (गाइड)				

प्रकाशन

1. कुमार, जे., वर्मा, डी.के., राय, ए.जे. एट अल. मैक्सिलोफेशियल सर्जरी से गुजर रहे मरीजों में पोस्टऑपरेटिव मतली और उल्टी पर ओंडांसेट्रोन और पैलोनोसेट्रॉन की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड क्लिनिकल परीक्षण। जे. मैक्सिलोफेसियल ओरल सर्ज. (2023)। https://doi.org/10.1007/s12663-023-02030-2.
2. कुमार जे, लाल बी, राय ए.जे., वर्मा डी.के. एट अल. मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा में ट्रैक्शन के लिए फौलीस कैथेटर से निर्मित कस्टमाइज्ड इलास्टिक। एन नेशनल एकेड मेड साइं. 2023; 59(03): 164-165 DOI: 10.1055/s-0043-1772451.

सामुदायिक सेवा

1. दंत चिकित्सा विभाग 30 नवंबर 2023 को रंजीत बख्शी जनकल्याण फाउंडेशन, नूरपुर, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में एम्स बिलासपुर द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर का एक हिस्सा था।

चर्म रोग विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. मंजू दारोच	सहायक आचार्य	11.11.2020

विभाग के बारे में

परिचय: चर्म रोग विज्ञान विभाग गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल, शिक्षण और चिकित्सा अनुसंधान प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ चल रहा है। विभाग में चर्म रोग विज्ञान, वेनेरोलॉजी और कुष्ठ रोग के क्षेत्र में विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम है, जिसमें एक सहायक प्रोफेसर और तीन सीनियर रेजिडेंट और तीन जूनियर रेजिडेंट शामिल हैं।

परिकल्पना: विभाग का विजन, त्वचा संबंधी देखभाल, शोध और शिक्षा में अग्रणी बनना है, जो अभिनव उपचार, अत्याधुनिक शोध और व्यापक शिक्षा के माध्यम से त्वचा के स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। हम अपने समुदाय और उससे आगे की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए निरंतर सीखने और सुधार के माहौल को बढ़ावा देते हुए करुणामयी , रोगी-केंद्रित देखभाल प्रदान करने का प्रयास करते हैं।

उद्देश्य: हमारा मिशन हमारे रोगियों के लिए त्वचा के स्वास्थ्य और समग्र कल्याण में सुधार करना, त्वचा विशेषज्ञों की अगली पीढ़ी को शिक्षित करना और व्यापक चिकित्सा समुदाय में योगदान देना है।

रोगी देखभाल सेवाएं: विभाग वर्तमान में ओपीडी परामर्श, रोगी देखभाल और ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से टेली परामर्श के माध्यम से रोगी देखभाल की सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभाग में विभिन्न त्वचा विज्ञान निदान प्रक्रियाएं की जा रही हैं, जिसमें विशेषज्ञ संकाय के साथ त्वचा, बाल, नाखूनों की डर्मोस्कोपी, पैच टेस्ट, त्वचा बायोप्सी और पैथोलॉजी संकाय के सहयोग से हिस्टोपैथोलॉजी स्लाइड समीक्षा शामिल है। विभिन्न निदान में सहायता के लिए KOH माउंट, ग्राम स्टेन, एसिड फास्ट बेसिली, लेप्रा स्टेन, जीमसा स्टेन और गीले माउंट सहित त्वचा, बाल और नाखून की सूक्ष्मजीवविज्ञानी जांच प्रदान करने के लिए एक त्वचाविज्ञान साइड लैब भी स्थापित की गई है। दैनिक आधार पर छोटी ओटी सेवाएं प्रदान की जाती हैं, जिसमें इलेक्ट्रोकॉटरी, इलेक्ट्रोफलगुरेशन, केमिकल कॉटरी, केमिकल पील्स, एक्सिस्नल बायोप्सी, इअर लोब रिपेयर, लाइपोमा एक्सिजन एवं अन्य प्रोसीजरल डरमेटो सर्जरीज शामिल हैं। पिगमेंटरी क्लिनिक, सोरायसिस क्लिनिक, एक्जिमा क्लिनिक, डर्मेटोसर्जरी क्लिनिक और संयोजी ऊतक विकार क्लिनिक सहित विभिन्न क्लीनिक चल रहे हैं।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: विभाग, व्याख्यान, सेमिनार और नैदानिक पोस्टिंग में आने वाले स्नातक छात्रों को पढ़ाने में समर्पित रूप से शामिल है। विभाग, स्नातक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एकीकृत शिक्षण गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। बुनियादी डर्मेटोसर्जिकल प्रक्रियाएँ और प्रयोगशाला प्रक्रियाएँ भी यूजी पाठ्यक्रम का एक हिस्सा हैं। विभाग ने सेमिनार, जर्नल क्लब, केस कॉन्फ्रेंस और ग्रैंड राउंड सहित, सक्रिय शैक्षणिक सत्रों के साथ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी शुरू किए हैं। विभाग नर्सिंग कॉलेज के नर्सिंग छात्रों को पढ़ाने में भी शामिल है।

भविष्य की योजनाएँ: विभाग, निकट भविष्य में हेयर ट्रांसप्लांट सेवाएँ और अत्याधुनिक लेजर सेवाएँ शुरू करने की योजना बना रहा है।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. अर्टिकेरिया पर सीएमई: विश्व अर्टिकेरिया दिवस पर एक बहुविषयक दृष्टिकोण – 1 अक्टूबर 2023

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1	डॉ. मंजू दरोच	एलोपेसिया एरीयाटा प्रबंधन में हालिया प्रगति	ट्राइकोलॉजी और हेयर ट्रांसप्लांटेशन के विशेषज्ञों के साथ सीएमई	23 जुलाई 2023	IADVL-EC और SIG ट्राइकोलॉजी और HT IADVL पंजाब चंडीगढ़, HP, नोवोटेल, चंडीगढ़ के साथ
2	डॉ. मंजू दरोच	एलोपेसिया एरीयाटा के प्रबंधन में नवीनतम अपडेट	ट्राइकोलॉजी में उत्कृष्टता पर विशेषज्ञों के साथ सीएमई	22 सितंबर 2023	आईएडीवीएल-एसआईजी आईएडीवीएल गुजरात एसबी, होटल सयाजी, राजकोट, गुजरात के साथ
3	डॉ. मंजू दरोच	अरटीकेरिया : त्वचा विशेषज्ञ का दृष्टिकोण	विश्व अरटीकेरिया दिवस पर सी.एम.ई. अरटीकेरिया एक बहुविषयक दृष्टिकोण	1 अक्टूबर 2023	त्वचाविज्ञान विभाग, एम्स बिलासपुर
4	डॉ. मंजू दरोच	क्लिनिकल ट्राइकोलॉजी में ट्राइकोस्कोपी	क्यूटिकोन जम्मू	19 दिसंबर 2023	आईएडीवीएल-एसआईजी आईएडीवीएल जम्मू के साथ द ग्रैंड ड्रीम रिसॉर्ट्स, जम्मू
5	डॉ. मंजू दरोच	टैटू सारकॉइडोसिस में डर्मोस्कोपी: हैरान करने वाले नैदानिक अवलोकन	डर्माकॉन 2024 इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट का 52वां राष्ट्रीय सम्मेलन	22-25 फरवरी 2024	डर्माकॉन 2024, हाईटेक्स हैदराबाद
6	डॉ. मंजू दरोच	एलोपेसिया एरीयाटा में TH17 कोशिका और टी विनियामक कोशिका साइटोकाइन परिवेश, उपचार पूर्व-पश्चात तुलनात्मक अध्ययन	डर्माकॉन 2024 इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट का 52वां राष्ट्रीय सम्मेलन	22-25 फरवरी 2024	डर्माकॉन 2024, हाईटेक्स हैदराबाद

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित आंतरिक वित्तपोषित /स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (चल रहा/पूरा हुआ)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)

1.	रंगीन त्वचा में एक्स्ट्राफेशियल मेलास्मा का एक नैदानिक, डर्मोस्कोपिक और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन	डॉ. मंजू दरोच (प्रमुख अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	2 वर्ष	जारी	98000
2.	उत्तर भारत में त्वचा डर्मेटोफाइट संक्रमण के संबंध में सामुदायिक फार्मासिस्टों के केएपी पर आईईसी हस्तक्षेप का प्रभाव मूल्यांकन	डॉ. मंजू दरोच (प्रमुख अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	2 वर्ष	जारी	317000
3.	गैर संक्रामक ग्रैनुलोमैटस विकारों की डर्मोस्कोपिक विशेषताओं का आकलन करना और हिस्टोपैथोलॉजी निष्कर्षों के साथ सहसंबंध स्थापित करना	डॉ. मंजू दरोच (सह-अन्वेषक)	स्व-वित्तपोषित	2 वर्ष	जारी	-
4.	रंग की त्वचा में कोलेजन संवहनी विकारों में नेल फोल्ड डर्मोस्कोपी - एक संभावित क्रॉस सेक्शनल अध्ययन	सह-अन्वेषक	स्व-वित्तपोषित	1 वर्ष	जारी	-
5.	त्वचाविज्ञान ओपीडी में आने वाले रोगियों में त्वचा रोगों के बारे में जागरूकता का आकलन करने के लिए एक केएपी मॉडल सर्वेक्षण	प्रमुख अन्वेषक	गैर वित्त पोषित	1 वर्ष	जारी	-

प्रकाशन

1. चौहान पायल, दारोच एम. गर्भनाल नोड्यूल की पहेली। इंडियन डर्मेटोल ऑनलाइन जर्नल 2023;14:576-7
2. चौहान पी, दारोच एम. एट्रोफोडर्मा वर्मीकुलैटम की डर्मोस्कोपी; इसके नैदानिक रूप से समान दिखने से अंतर। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल 2023;14:748-9।
3. धीमान ए, चौहान पी, दारोच एम. साइडनीडे बग पिग्मेंटेशन डर्मेटाइटिस आर्टिफैक्टा की नकल करता है। IJDVL 2024; 90:136।
4. अविता डी, मंजू डी. कोबनेराइजेशन के साथ लाइकेन नाइटिडस। कॉस्मोडर्मा, जून 2023;3:101।
5. पायल सी, दिलीप एम, मंजू डी, अविता डी, एंज़ो ए, कवाना एस। स्थानीयकृत त्वचीय क्रिप्टोकोकस का एक दुर्लभ मामला: रंग की त्वचा के रोगी में बेसलाइन और उपचार के बाद डर्माटोस्कोपिक मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ डर्मेटोलॉजी, जनवरी 2024 फ़रवरी;3(2):e51-e54
6. धीमान ए, डारोच एम, चौहान पी. डर्मेटोपैथोलॉजी। क्लिन ऍक्स्प डर्माटोल। 2024 जनवरी 18; एलएलएई 025.
7. चौहान पी, धीमान ए, डारोच एम. फिट्ज़पैट्रिक त्वचा प्रकार IV में निपल और/या एरिओला के नेवॉइड हाइपरकेराटोसिस की डर्मोस्कोपी। जे क्यूटन एस्थेटिक सर्जन :10.4103/JCAS.JCAS_175_22.

8. मंजू दरोच, मुथु सेंथिल कुमारन। असामान्य प्रस्तुति: न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार वाले रोगी की दाढ़ी में प्यूबिक लाइस का संक्रमण। कॉस्मोडर्मा: 2024:4;27
9. पायल चौहान, वरुण बंसल, मंजू दारोच। न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस टाइप 1 में फ्लोरिड क्यूटेनियस न्यूरोफाइब्रोमास: एक क्लासिक प्रस्तुति: कॉस्मोडर्मा: 2024:4;31
10. अविता धीमान, पायल चौहान, मंजू दारोच। एक युवा महिला में रहस्यमयी पिगमेंटेड पामर स्पॉट। पिगमेंट इंटरनेशनल;11(1):64-65
11. मंजू दारोच, पायल चौहान, अविता धीमान। सोलिटरी क्यूटेनियस फोकल म्यूसिनोसिस की डर्मोस्कोपी। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल 2024;15(2):368-70
12. धीमान ए, चौहान पी, दारोच एम। पिटिरियासिस वर्सीकलर का एक दुर्लभ फॉलिक्युलर वैरिएंट। कॉस्मोडर्मा 2024:4;41.
13. धीमान ए, चौहान पी, दारोच एम. विटिलिगो से पीड़ित एक लड़के में रैखिक हाइपरपिग्मेंटेशन। पिगमेंट इंटरनेशनल 2024.

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. मंजू दारोच

1. हैदराबाद में HITEX में डर्माकॉन 2024 में भाग लेने के लिए IADVL छात्रवृत्ति
2. डर्मेटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया की कार्यकारी सदस्य
3. PDS (पिगमेंटरी डिसऑर्डर सोसाइटी) अकादमी की कार्यकारी सदस्य
4. IADVL (इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट)-SIG (स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप) ट्राइकोलॉजी और हेयर ट्रांसप्लांट 2023-2025 की सदस्य
5. IADVL (इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट)-SIG (स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप) डर्मोस्कोपी 2024-2025 की सदस्य
6. सहायक संपादक - पिगमेंट इंटरनेशनल जर्नल

सामुदायिक सेवा

डॉ. मंजू दारोच

1. राष्ट्रीय सामुदायिक त्वचाविज्ञान दिवस पर जेएनवी कोठीपुरा में त्वचा स्वास्थ्य शिविर, 26 अगस्त 2023
2. 29 सितंबर 2023 को विश्व सोरायसिस दिवस पर रोगी जागरूकता कार्यक्रम
3. 1 अक्टूबर 2023 को विश्व पित्ती दिवस पर रोगी जागरूकता कार्यक्रम
4. 30 जनवरी 2024 को कुष्ठ निवारण दिवस पर रोगी जागरूकता कार्यक्रम

एंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. प्रियंदर एस ठाकुर	सह - आचार्य	23.11.2020

विभाग के बारे में

एंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म विभाग वर्तमान में सप्ताह में 3 दिन ओपीडी सेवाएं और आईपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभिन्न छोटी ओटी प्रक्रियाएं/डेकेयर प्रक्रियाएं/एंडोक्राइन स्टीमुलेशन परीक्षण भी किए जा रहे हैं। विभाग, स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाने में भी शामिल है। जनवरी 2024 से विभाग में डीएम एंडोक्राइनोलॉजी कार्यक्रम भी शुरू किया गया है।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. प्रियंदर एस ठाकुर	छिपी हुई भूख और एंडोक्राइनोलॉजी	दक्षिण एशियाई एंडोक्राइनोलॉजिकल सोसायटी फेडरेशन	15.12.2023	सेफ्स, हैदराबाद

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी / पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्र के हाइपोथायरायड रोगियों में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और जैव रासायनिक मापदंडों का एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन	सह-अन्वेषक	बाह्य वित्तपोषित (आईसीएमआर)	3 वर्ष	जारी	23,04,180
2.	उत्तर भारत के उप-हिमालयी क्षेत्र में पीसीओएस की क्लिनिको-मेटाबोलिक प्रोफ़ाइल - एक संभावित अध्ययन	सह-अन्वेषक	बाह्य वित्तपोषित (आईसीएमआर)	2 वर्ष	जारी	लगभग 5 लाख

ईएनटी विभाग (ओटोराइनोलेरिंगोलोजी)

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. सुदेश कुमार	अतिरिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	11.07.2023
2.	डॉ. सुमीत अंगराल	सह-आचार्य	23.03.2024
3.	डॉ. नेहा चौहान	सहायक आचार्य	27.04.2021

विभाग के बारे में

एम्स बिलासपुर में ईएनटी (कान, नाक और गला) विभाग कान, नाक, गले, सिर और गर्दन से संबंधित विकारों के लिए विशेष चिकित्सा देखभाल और उपचार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभाग अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है और इसमें उच्च योग्यता के ईएनटी सर्जन, नर्स और सहायक कर्मचारी हैं, जो रोगियों को व्यापक और अच्छी देखभाल प्रदान करने के लिए मिलकर काम करते हैं। एम्स बिलासपुर में, ईएनटी विभाग न केवल बीमारियों के इलाज पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि निवारक देखभाल, पुनर्वास और अभिनव अनुसंधान पहलों के माध्यम से चिकित्सा ज्ञान को आगे बढ़ाने पर भी जोर देता है।

विजन: उच्च गुणवत्ता वाली ईएनटी देखभाल प्रदान करना जो रोगी-केंद्रित, साक्ष्य-आधारित और सभी वर्गों के लिए सुलभ हो।

मिशन: ईएनटी विभाग, एम्स बिलासपुर का मिशन, रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से कान, नाक और गले के विकारों के साथ-साथ सिर, गर्दन के कैंसर के निदान, उपचार और प्रबंधन में अनुकरणीय देखभाल प्रदान करना है। हम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में अग्रणी बनने का प्रयास करते हैं, और अपने समुदाय की भलाई में योगदान करते हैं।

रोगी देखभाल सेवाएँ: विभाग, कान, नाक, गले की शिकायतों के साथ-साथ सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों की बढ़ती संख्या को बाह्य रोगी आधार पर सेवा प्रदान कर रहा है। ओपीडी परिसर में छोटी ओटी सेवाएँ शुरू की गई हैं। लोकल एनेस्थीसिया के तहत नाक और स्वरयंत्र की एंडोस्कोपी, बायोप्सी, चीरा और जल निकासी जैसी छोटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ डे केयर के आधार पर रोगियों के लिए की जा रही हैं। विभाग ने बड़ी ऑपरेशन थियेटर सेवाएँ शुरू की हैं, और थायरॉयडेक्टॉमी, पैरोटिडेक्टॉमी और मौखिक और स्वरयंत्र कैंसर जैसी सिर और गर्दन की सर्जरी सहित सभी प्रमुख ईएनटी केस करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। विभाग, नियमित आधार पर पुनर्निर्माण के साथ सिर और गर्दन के कैंसर के प्रमुख ऑपरेशन कर रहा है और प्लास्टिक सर्जरी, रेडियोथेरेपी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के सहयोग से वर्ष 2023-2024 में सिर और गर्दन के कैंसर के 275 रोगियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है।

विभाग ने वर्ष 2023-2024 में 88 बड़ी और 65 छोटी सर्जरी की हैं। विभाग ईएनटी ट्रॉमा के रोगियों के साथ-साथ अन्य ईएनटी आपात स्थितियों जैसे ऊपरी एरोडाइजेस्टिव ट्रैक्ट, स्ट्राइडोर, एपिस्टेक्सिस के रोगियों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभाग ने 24.05.2023 को अपना पहला कोक्लियर इम्प्लांटेशन करके बच्चों में जन्मजात सेंसरिन्यूरल श्रवण हानि के लिए कोक्लियर इम्प्लांटेशन प्रोग्राम शुरू करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब तक छह बच्चों पर इस प्रक्रिया को सफलतापूर्वक किया गया है।

शैक्षणिक सेवाएँ: विभाग ने व्याख्यान, क्लीनिक और ट्यूटोरियल के रूप में एमबीबीएस शिक्षण शुरू किया है। विभाग ने ओटोलॉजी और वर्टिगो क्लिनिक और ईएनटी-रेडियोलॉजी क्लीनिक के रूप में विशेष क्लीनिकों की अनुमति के लिए भी आवेदन किया है। जुलाई 2023 से विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। पीजी प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में विभाग में सेमिनार, केस प्रेजेंटेशन और जर्नल क्लब के रूप में शैक्षणिक गतिविधियाँ शुरू की गई हैं।

सामुदायिक भागीदारी: विभाग विभिन्न समुदाय-आधारित गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है।

1. जिला विकलांगता पुनर्वास केंद्र योजना के तहत 26.05.2023 और 27.05.2023 को गांव मरोतन और धार टटोह में 2 दिवसीय मल्टी स्पैशलिटी स्वास्थ्य जांच शिविर।
2. लाहौल सप्ती में मल्टी स्पैशलिटी चिकित्सा शिविर – 18.07.2024 – 20.07.2024।

भविष्य की योजना: ईएनटी विभाग, एम्स, बिलासपुर रोगी देखभाल सेवाओं और अनुसंधान में उन्नति पर केंद्रित है।

1. रोगी देखभाल सुविधाओं को उन्नत करना ताकि रोगियों की सुविधा सुनिश्चित हो और समग्र रोगी अनुभव में वृद्धि हो।
2. रोगी लाभ के लिए कोब्लेशन असिस्टेड सर्जरी, लेजर-आधारित सर्जरी जैसी नवीनतम तकनीक को अपनाना।
3. ओटोलॉजी क्लिनिक, वर्टिगो और टिनिटस क्लिनिक, हेड-नेक कैंसर क्लिनिक/ट्यूमर क्लिनिक जैसे विशेष क्लीनिकों की शुरुआत।
4. ज्ञान के आदान-प्रदान और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं, सम्मेलनों और सेमिनारों की मेजबानी करना।
5. ईएनटी अनुसंधान और नैदानिक प्रथाओं को आगे बढ़ाने के लिए भारत और विश्व स्तर पर अन्य शोध संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करना।

प्रकाशन

1. एस कुमार, एन गुप्ता, पी ठाकुर, एन गुप्ता, ए बोध। उच्च ऊंचाई वाले सिर और गर्दन के पैरागैंग्लियोमास: एक पहला उप-हिमालयी अनुभव। ओटीओ ओपन (एचएनएस) 2024, खंड 8 (1): ई 112, डीओआई: 10.1002/ओटीओ 2.112
2. एन गुप्ता, पी सरीन, एस कुमार, एम नेगी। उत्तर भारत के दो शैक्षणिक चिकित्सा संस्थानों में चिकित्सा छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच परमाणु चिकित्सा और परमाणु चिकित्सा पद्धतियों के उचित उपयोग के बारे में जागरूकता और ज्ञान का आकलन: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, डीओआई: 10.22038/एओजेएनएमबी.2023.71375.1497

सामुदायिक भागीदारी

1. लाहौल स्पीति में मल्टी स्पैशलिटी चिकित्सा शिविर – 18.07.2024 – 20.07.2024 – शिविर के समन्वयक।

विधि विज्ञान चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. यतिराज सिंगी	सह-आचार्य	23.11.2020
2.	डॉ. दीपेन डाभी	सहायक आचार्य	25.11.2020

विभाग के बारे में

एम्स बिलासपुर में फोरेंसिक मेडिसिन विभाग की स्थापना शैक्षणिक, नैदानिक और अनुसंधान गतिविधियों को उत्कृष्टता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। विभाग के संकायों ने अपने मूल संस्थान एम्स नई दिल्ली के बराबर एक एम्स की स्थापना के लिए विभिन्न क्षमताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया।

प्रशासनिक गतिविधियाँ: संकाय सदस्यों को आईटी सेल, संकाय प्रभारी सुरक्षा, एंटी-रैगिंग समिति, अनुशासन समिति, वार्षिक रिपोर्ट समिति, यूजी अध्ययन बोर्ड आदि जैसी विभिन्न प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।

शैक्षणिक: संकाय सदस्य एमबीबीएस के पहले बैच के फाउंडेशन कोर्स और एमबीबीएस चरण-II के छात्रों के लिए नियमित कक्षाओं में शामिल थे। संकाय ने फोरेंसिक मेडिसिन विषय के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी तैयार किया।

अनुसंधान: संकाय सदस्यों को आईसीएमआर द्वारा एक एक्स्ट्रामुरल अनुदान दिया गया और वे रेडियोलॉजी विभाग के सहयोग से अंतर-विभागीय अनुसंधान कर रहे हैं।

चिकित्सा-कानूनी कार्य: संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से विशेषज्ञ राय प्रदान की है या उन मामलों में शव परीक्षण किए हैं, जहाँ जिला पुलिस, जिला बिलासपुर द्वारा फोरेंसिक विशेषज्ञता की मांगी की गई थी।

भविष्य की योजनाएँ: विभाग वर्तमान में एम्स बिलासपुर में अत्याधुनिक शवगृह परिसर के निर्माण हेतु कार्य कर रहा है, जिसके लिए स्थायी वित्त समिति की स्वीकृति की प्रतीक्षा है। इस बीच विभाग शिक्षाविदों और सार्वजनिक सेवा के हित में अस्थायी शवगृह शुरू करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. अंतर्राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन सीएमई कार्यक्रम 2023, 13 मई से 17 जून 2023, GLAFIMS INDIA और फोरम लेक्स एसोसिएशन, इटली

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. यतिराज सिंगी	देह दान के चिकित्सा-कानूनी पहलू	SGTeAnatCon 2023, एक राष्ट्रीय ई-सम्मेलन "CBME में अनुप्रयुक्त शरीर रचना विज्ञान का महत्व"	5-6 अप्रैल, 2023	एनाटॉमी विभाग, एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम
2.	डॉ. यतिराज सिंगी	आईटी सेल@आईएनआई: पिछले तीन वर्षों में आईटी सेल में फैकल्टी इंचार्ज के रूप में अनुभव	एम्स फोरेंसिक गिल्ड कॉन्क्लेव 2023	सितंबर 21-23, 2023	एम्स मंगलागिरी

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी / पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिलों की स्वदेशी आबादी में हाथ और पैर के आयाम का कद के साथ सहसंबंध।	डॉ. यतिराज सिंगी (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. दीपेन डाभी (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (आईसीएमआर)	1 वर्ष	पूर्ण	5,45,000
2.	हिमाचल प्रदेश के आदिवासी जिले की स्वदेशी आबादी में कपाल-चेहरे के माप का कद के साथ सहसंबंध	डॉ. दीपेन डाभी (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. यतिराज सिंगी (सह अन्वेषक)	स्व-वित्तपोषित	1 वर्ष	पूर्ण	--
3.	उत्तर भारतीय जनसंख्या में मीट्रिक विश्लेषण पद्धति द्वारा 9वीं और 10वीं वक्षीय कशेरुका का उपयोग करके नैदानिक छाती एक्स-रे का विश्लेषण करके लिंग निर्धारण	डॉ. दीपेन डाभी (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. यतिराज सिंगी (सह अन्वेषक)	स्व-वित्तपोषित	2 वर्ष	जारी	--

प्रकाशन

1. आरके सैनी; एम शर्मा; वाई सिंग; डी शर्मा; एन सैनी; जीआर मान; एस बशीर; उत्तर भारत के ग्रामीण हरियाणा में आत्महत्या, हत्या और मोटर वाहन दुर्घटना से होने वाली मौतों की जनसांख्यिकी-कोविड-19 लॉकडाउन का प्रभाव, यूरोपीय रासायनिक बुलेटिन, 2023, विशेष 5, 3373-8 DOI:10.48047/ecb/2023.12.si5a.0224
2. एसएम कुमार, एचके श्रीकृष्ण, वाई सिंगी, शिक्षण संस्थान में प्रस्तुत सर्पदंश रोगियों की क्लिनिको-महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल और परिणाम-एक वर्णनात्मक पूर्वव्यापी समीक्षा, जर्नल ऑफ़ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 2024 13(1), 151-6 DOI: DOI: 10.4103/jfmpc.jfmpc_743_23

आंतरिक चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. अजय जरयाल	सह-आचार्य	23.11.2020
2.	डॉ. तरूण शर्मा	सह-आचार्य	15.06.2022
3.	डॉ. भूपेन्द्र कुमार	सहायक आचार्य	25.11.2020
4.	डॉ. कपिल शर्मा	सहायक आचार्य	16.11.2020
5.	डॉ. सुभाष चंदर	सहायक आचार्य	14.06.2022
6.	डॉ. शिवानी चंदेल	सहायक आचार्य	04.07.2023

विभाग के बारे में

आंतरिक चिकित्सा विभाग को आम बोलचाल की भाषा में सामान्य चिकित्सा या सिर्फ मेडिसिन के नाम से भी जाना जाता है, एवं यह सबसे व्यापक विशेषताओं में से एक है। विभाग का डोमेन और विशेषज्ञता प्राथमिक देखभाल, आपातकाल, अस्पताल से लेकर गहन देखभाल तक फैली हुई है। विभाग 60 बिस्तरों वाला एक इनडोर वार्ड चलाता है जिसमें 4 बिस्तरों वाला एचडीयू, 4 बिस्तरों वाला मेडिसिन सीसीयू और एक अलग 8 बिस्तरों वाला मेडिसिन मुख्य आईसीयू शामिल है। दिन-प्रतिदिन के कामकाज के लिए विभाग के संकाय तीन अलग-अलग इकाइयों में काम करते हैं। प्रत्येक इकाई अपने स्वयं के नैदानिक शिक्षण और इनडोर और ओपीडी रोगियों की देखभाल के लिए जिम्मेदार है। विभाग रोजाना जेरियाट्रिक्स और गैर-संचारी रोगों/मधुमेह में विशेष क्लीनिकों के साथ अपना ओपीडी चलाता है। यह चौबीसों घंटे चिकित्सा आपातकालीन सेवाएं और अंतर-विभागीय परामर्श भी प्रदान करता है। औसतन रोजाना यह विभाग, 250 ओ पी डी मरीजों, 12-15 आई पी डी मरीजों, एव, 25-30 आपातकालीन मरीजों की स्वास्थ्य देखभाल करता है। विभाग ओ पी डी में बाह्य रोगियों को मुफ़्त ई सी जी सेवा प्रदान करता है, एवं रोजाना लगभग 50 ई सी जी किए जाते हैं । यह आउटपेशेंट क्लीनिक में स्पाइरोमेट्री भी चलाता है और विभिन्न पैरासेन्टेसिस, सेंट्रल लाइन इंसर्शन, लम्बर पंचर, इंटर-कोस्टल ट्यूब इंसर्शन और ब्रोंकोस्कोपी जैसी प्रक्रियाएं करता है। विभाग 2-डी इको, मल्टीपैरा मॉनिटर और अत्याधुनिक वेंटिलेटर से सुसज्जित है। इंटरनल मेडिसिन विभाग व्याख्यान और क्लिनिकल, दोनों में एमबीबीएस शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है। यह मेडिसिन में तीन साल की एमडी डिग्री भी प्रदान करता है, जिसमें हर 6 महीने में तीन सीट उपलब्ध होती हैं।

परिकल्पना:

गैर-संचारी रोगों, संक्रामक बीमारियों, टेलीहेल्थ के क्षेत्र में स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देना और समुदायों के लाभ के लिए अनुसंधान करना।

उद्देश्य:

नैतिक और करुणामयी वातावरण में अत्याधुनिक, वैज्ञानिक और साक्ष्य-आधारित रोगी, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान प्रदान करना।

रोगी देखभाल सेवाएँ:

आंतरिक चिकित्सा विभाग विभिन्न चिकित्सा बीमारियों वाले रोगियों की देखभाल के लिए एक आवरण के रूप में कार्य करता है। विभाग, एम्स बिलासपुर में आने वाले सभी जरूरतमंद रोगियों को बाह्य रोगी, आंतरिक रोगी, आपातकालीन और अत्याधुनिक गहन देखभाल प्रदान करता है। विभाग 4 बिस्तरों वाले एचडीयू, 4 बिस्तरों वाले मेडिसिन सीसीयू और एक अलग 8 बिस्तरों वाले मेडिसिन मुख्य आईसीयू सहित 60 बिस्तरों वाला इनडोर वार्ड चलाता है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम:

विभाग द्वितीय प्रोफेशनल एमबीबीएस से एमबीबीएस शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है। यह मेडिसिन में तीन साल की एमडी डिग्री भी प्रदान करता है।

भविष्य की योजनाएँ:

संस्थापक संकाय सदस्यों की कड़ी मेहनत से रखी गई नींव पर निर्माण करते हुए, विभाग गैर-संचारी, संक्रामक रोगों और टेलीहेल्थ के क्षेत्र में रोगी देखभाल सेवाओं को और बढ़ाने का इरादा रखता है।

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी / पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	भारत में अस्पताल आधारित एसटीआई निगरानी नेटवर्क की स्थापना	डॉ. अजय जरयाल, डॉ. भूपेन्द्र कुमार (सह-अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	3 वर्ष	जारी	--
2.	स्वास्थ्य सेवा के लिए डिजिटल नाक: मधुमेह और हृदय रोग का निदान	डॉ. भूपेन्द्र कुमार (सह-अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	2 वर्ष	जारी	--
3.	नव निदानित टाइप 2 मधुमेह रोगियों में मेटाबोलिक सिंड्रोम की घटना।	डॉ. भूपेन्द्र कुमार, डॉ. सुभाष चंदर (सह- अन्वेषक)	गैर वित्त पोषित	1 वर्ष	जारी	--

प्रकाशन

1. जरयाल ए, सिद्धू एनएस, विक्रांत एस. रिटक्सिमैब इन्फ्यूजन के बाद लक्षणात्मक ब्रैडीकार्डिया। इंडियन जे नेफ्रोल। 2024; 34(2): 207-207।
2. जरयाल ए, विक्रांत एस, कुमार बी, शर्मा के, चंदर एस, चंदेल एस. विटामिन बी-12 की कमी का एक असामान्य प्रस्तुतीकरण: तीव्र दस्त और तीव्र किडनी की चोट की आवश्यकता वाले डायलिसिस। ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी। 2024; 45(1): 48-51।
3. शर्मा के, जरयाल ए, शर्मा एस, राणा एल. तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम के साथ मिलिअरी ट्यूबरकुलोसिस के दौरान डिसेमिनेटेड इंट्रावास्कुलर कोएगुलेशन। जर्नल ऑफ ग्लोबल इंफेक्शियस डिजीज ():10.4103/jgid.jgid_202_23, 24 मई, 2024. | DOI: 10.4103/jgid.jgid_202_23
4. कपूर, आर.; कुमार, वाई.; शर्मा, एस.; रस्तोगी, वी.; शर्मा, एस.; कंवर, वी.; शर्मा, टी.; भावसार, ए.; दत्त, वी. डायबिटिकसेंस: सांस का उपयोग करके मधुमेह का पता लगाने के लिए एक गैर-इनवेसिव, मल्टी-सेंसर, IoT-आधारित प्री-डायग्नोस्टिक सिस्टम। जे. क्लिन. मेड. 2023, 12, 6439.
5. शर्मा टी, केलकर डी, काम एस. आपात स्थिति में नया क्या है आघात और सदमा: गर्भावस्था और प्रसवोत्तर अवधि में सेरेब्रल वेन थ्रोम्बोसिस: आपात स्थिति में एक पहेली। जे इमर्ज ट्रॉमा शॉक। 2024 जनवरी-मार्च;17(1):1-2.
6. शर्मा टी, ग्रांट ए. आपात स्थिति, ट्रॉमा और शॉक में नया क्या है - आपातकालीन विभागों में अल्ट्रासाउंड के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर एल्गोरिदम: समय की जरूरत। जे इमर्ज ट्रॉमा शॉक। 2023 जुलाई-सितंबर;16(3):77-78.
7. भारती एस, बैरवा आर, बैरवा डी, शर्मा टी. कोहनी के ऊपर गाउटी टोफी का साइटोलॉजिकल निदान
8. ग्लूको ब्रेथ **:** सांस द्वारा मधुमेह का पता लगाने के लिए एक नोन इन्वैसिव ग्लूकोमीटर। ऋतु कपूर, यशवंत कुमार, स्वाति शर्मा, शिवानी, ऐशकर्ण सिंह, ध्रुव रोहिल्ला, भूपेंदर कुमार, विक्रांत कंवर, अर्नव भावसार, एवं वरुण दत्त. आई ई ई ई जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एण्ड हेल्थ इन्फॉर्मैटिक्स, नवंबर 2023;1-14.

9. शर्मा के, शर्मा एस. एनसीडी महामारी: डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों की भूमिका। जे कम्युनिटी हेल्थ मैनेजमेंट 2024;11(1):1-2.
10. शर्मा एस, शर्मा के, टायवाड़े ओ के एट अल. वंशानुगत विकारों के दुर्लभ सह-अस्तित्व के परिणामस्वरूप, असंयुग्मित हाइपरबिलिरुबिनमिया के एक मामले की खोज करना – एक केस रिपोर्ट. इंड. ज. क्लिन. बायोकेम. (2024)। http://doi.org/10.1007/s12291-024-01227-7

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक)
1	डॉ. अजय जरयाल	मधुमेह और किडनी	डॉ. धीरज कपूर	प्रैक्टिस में मधुमेह	प्रथम संस्करण 2023 पारस मेडिकल प्रकाशक
2	डॉ. तरुण शर्मा	पोषण वजन घटाना और शारीरिक गतिविधि	डॉ. धीरज कपूर	प्रैक्टिस में मधुमेह	प्रथम संस्करण 2023 पारस मेडिकल प्रकाशक
3	डॉ. कपिल शर्मा	ट्यूमर हाइपोक्सिया के माइक्रोआरएनए हस्ताक्षर	कंवर, जे.आर. मुखर्जी, एस.	कैंसर में हाइपोक्सिया: कैंसर थेरेपी पर महत्व और प्रभाव	स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-99-0313-9_7

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. तरूण शर्मा

1. डीवाई पाटिल पुणे में राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन में शिक्षा समृद्धि (INDUSEM) पुरस्कार 2023 प्राप्त किया

डॉ. भूपेन्द्र कुमार

1. एएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम बेंगलुरु में पूरा किया गया, यूरोपीय पुनर्जीवन परिषद द्वारा प्रमाणित बीई-2845 नाइल-बेल्जियम

सामुदायिक सेवा

1. विश्व ल्यूपस दिवस, विश्व गठिया दिवस और विश्व उच्च रक्तचाप दिवस का स्मरणोत्सव।
2. विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर पुलिस लाइन बिलासपुर में आयोजित शिविर में भाग लिया।
3. विश्व रुमेटॉइड गठिया दिवस पर रोगियों के लिए सामुदायिक आउटरीच गतिविधि,
4. फिजियोलॉजी विभाग एम्स बिलासपुर एचपी के सहयोग से गतिहीन जीवन शैली पर योग दिवस 21 जून 2024 पर व्याख्यान।
5. सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर: 22.02.24 (चेतना संस्था पंजगाईं), 30.12.23 (विकसित भारत संकल्प यात्रा, कोठीपुरा), 19.01.24 (चेतना संस्था कैंप होटल एम4 यू घुमारवीं)

सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. मोहिम ठाकुर	सह-आचार्य	16.03.2021
2.	डॉ. अजय कुमार धीमान	सहायक आचार्य	04.07.2022
3.	डॉ. सौम्य चोपड़ा	सहायक आचार्य	30.06.2023
4.	डॉ. विपुल श्रीवास्तव	सहायक आचार्य	21.12.2023

विभाग के बारे में

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर स्थित एम्स में जनरल सर्जरी विभाग उच्च गुणवत्ता वाली शल्य चिकित्सा सेवा प्रदान करने, चिकित्सा शिक्षा को आगे बढ़ाने और नवीन अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ने तेजी से विकास किया है, और एम्स बिलासपुर में उत्कृष्टता का आधार बन गया है। सर्जन, नर्स और सहायक कर्मचारियों की हमारी समर्पित टीम हमारे रोगियों के लिए सर्वोत्तम परिणाम सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम करती है, और हमारे शैक्षणिक कार्यक्रम, अगली पीढ़ी को शल्य चिकित्सा में अग्रणी बनाने हेतु प्रशिक्षित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

विजन

विभाग का लक्ष्य सामान्य सर्जरी में उत्कृष्टता का अग्रणी केंद्र बनना है, जिसकी नैदानिक विशेषज्ञता, अभिनव अनुसंधान और असाधारण शैक्षिक कार्यक्रम मान्यता प्राप्त हो। हम अत्याधुनिक शल्य चिकित्सा तकनीकों, बहु-विषयक सहयोग और देखभाल के लिए रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से रोगी परिणामों को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं।

मिशन

i. **रोगी देखभाल:** सभी रोगियों को व्यापक, करुणामयी और अत्याधुनिक शल्य चिकित्सा देखभाल प्रदान करना।

ii. **शिक्षा:** मेडिकल छात्रों और रेसिडेंट्स के लिए शीर्ष स्तरीय शल्य चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।

iii. **अनुसंधान:** अग्रणी अनुसंधान का संचालन करना, जो सामान्य सर्जरी के क्षेत्र को आगे बढ़ाता है और फलस्वरूप बेहतर रोगी देखभाल प्रदान करता है।

रोगी देखभाल सेवाएँ

पिछले वर्ष में, जनरल सर्जरी विभाग ने रोगी देखभाल सेवाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हमने 500 से अधिक प्रमुख सर्जरी सफलतापूर्वक की हैं, जिसमें कोलोरेक्टल, ऊपरी जीआई, हेपेटोबिलरी, ऑन्कोलॉजिक रिसेक्शन, ट्रॉमा सर्जरी और जटिल हर्निया मरम्मत जैसी प्रक्रियाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। हमारी आउटपेशेंट सेवाओं का विस्तार हुआ है, जिसमें 10,000 से अधिक परामर्श प्रदान किए गए हैं।

मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं:

- **न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी:** हमने न्यूनतम इनवेसिव (लैप्रोस्कोपिक) प्रक्रियाओं की संख्या में वृद्धि की है, जिससे रोगी के ठीक होने और अस्पताल में रहने का समय कम हो गया है।
- **सर्जिकल आईसीयू:** विभाग स्वतंत्र रूप से 4 बिस्तरों वाला एसआईसीयू चलाता है, जो सर्जिकल रोगियों को गुणवत्तापूर्ण एवं महत्वपूर्ण देखभाल प्रदान करता है।
- **अनुसंधान:** विभाग ने यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम यूके (एनआईएचआर) द्वारा शुरू किए गए एक मल्टीसेंटर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन को पूरा किया है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

विभाग सर्जिकल शिक्षा में अग्रणी बना हुआ है। हमारे शैक्षणिक कार्यक्रम छात्रों को सामान्य सर्जरी के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और अनुभव से लैस करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

i. स्नातक कार्यक्रम: एमबीबीएस छात्रों के लिए हमारे कठोर पाठ्यक्रम में व्यापक सर्जिकल प्रशिक्षण, बेडसाइड शिक्षण और सिमुलेशन-आधारित शिक्षा शामिल है।

ii. रेजीडेंसी कार्यक्रम: एमएस (जनरल सर्जरी) कार्यक्रम पूरे देश से उम्मीदवारों को आकर्षित करता है और व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण, शोध के अवसर और सलाह प्रदान करता है।

iii. अनुसंधान और प्रकाशन: संकाय और रेजिडेंट नैदानिक और अनुवाद संबंधी अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

भविष्य की ओर देखते हुए, जनरल सर्जरी विभाग के पास हमारी क्षमताओं और प्रभाव को और बढ़ाने के उद्देश्य से कई महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं:

- सेवाओं का विस्तार:
  - **रोबोटिक सर्जरी:** हम अपनी सर्जिकल सेवाओं का विस्तार करके इसमें उन्नत रोबोटिक सर्जरी को शामिल करने तथा बेरियाट्रिक सर्जरी और कोलोरेक्टल सर्जरी के लिए विशेष इकाइयां स्थापित करने की योजना बना रहे हैं।
  - **एंडोस्कोपी:** विभाग संस्थान में एंडोस्कोपी सेवाएं शुरू करने की योजना बना रहा है।
- **अनुसंधान पहल:** हमारा लक्ष्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाकर अपने अनुसंधान बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।
- **शैक्षिक संवर्द्धन:** उन्नत प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करने के लिए न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी की उप-विशेषताओं में नए फेलोशिप कार्यक्रमों का विकास।
- **सामुदायिक आउटरीच:** हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में शल्य चिकित्सा देखभाल और शिक्षा प्रदान करने के लिए सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम शुरू करना।
- **बुनियादी ढांचे का विकास:** अत्याधुनिक सर्जिकल उपकरणों के साथ हमारी सुविधाओं को उन्नत करना और उन्नत सर्जिकल प्रशिक्षण के लिए एक आधुनिक सिमुलेशन केंद्र की स्थापना करना।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. मोहिम ठाकुर	अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित	शिक्षक के रूप में एटीएलएस संकाय	16-18 फरवरी 2023	एमएएमसी नई दिल्ली
2.	डॉ. अजय कुमार धीमान	शिक्षक के रूप में एटीएलएस संकाय	एटीएलएस 2023	14-16 अक्टूबर 2023	एम्स ऋषिकेश

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी / पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	कोलेसिस्टेक्टोमी ज्ञान और परिणाम का वैश्विक मूल्यांकन। एक अंतरराष्ट्रीय संभावित कोहोर्ट अध्ययन (GECKO)	डॉ. मोहिम ठाकुर (प्रमुख अन्वेषक)	शून्य	1 वर्ष	पूर्ण	शून्य
2.	मानव प्रोस्टेट कैंसर में PVT-1 जीन लोकस के miR-2909 पर निर्भर विनियमन की प्रकृति	डॉ. मोहिम ठाकुर (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्त पोषित	2 वर्ष	जारी	हाँ
3.	लाहौल और स्पीति में पारंपरिक आदिवासी चिकित्सकों द्वारा उपयोग की जाने वाली औषधीय जड़ी-बूटियों का नृवंशविज्ञान संबंधी सर्वेक्षण - भारत के उत्तर-	डॉ. मोहिम ठाकुर (सह अन्वेषक)	शून्य	2 वर्ष	जारी	शून्य

	पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र का एक ठंडा रेगिस्तानी क्षेत्र					
4.	लेप्रोस्कोपिक इन्गुआइनल हर्निया सर्जरी के रोगियों में मेष फिक्सेशन बनाम नॉन फिक्सेशन के परिणामों की तुलना करने के लिए एक संभावित अवलोकन अध्ययन।	डॉ. मोहिम ठाकुर (गाइड)	शून्य	2 वर्ष	जारी	शून्य
5.	आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजर रहे रोगियों में एसएसआई की घटना पर सर्जिकल साइट पर जेंटामाइसिन के प्रीऑपरेटिव लोकल इन्फिल्टरेशन का प्रभाव: - एक संभावित अवलोकन अध्ययन	डॉ. अजय कुमार धीमान (गाइड)	शून्य	2 वर्ष	जारी	शून्य

प्रकाशन

1. यादव एस.के., ठाकुर एम., धीमान एट अल. एशियाई रोगी में पित्ताशय छिद्रण और हेपेटिक अब्सेस के साथ विशाल पित्त पथरी। क्यूरियस 15(6):39895
2. भगत एस., ल्हामो वाई., सिंह एस., ठाकुर एम. बीटा एड्रीनर्जिक रिसेप्टर ब्लॉकर्स (BARB): वरदान या अभिशाप उनके विरोधाभासी प्रभावों को स्पष्ट करना। खंड 12(10) आई.जे.एस.आर.
3. मीना, राम निवास; जैन, रोशित; खन्ना, राहुल; श्रीवास्तव, विपुल कुमार। कान के लोब्यूल के प्लेमॉर्फिक एडेनोमा की केस रिपोर्ट। इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलॉजी 30(2):पृष्ठ 139-141, अप्रैल-जून 2024।

सामुदायिक सेवा

1. **ट्रॉमा प्रशिक्षण -** डॉ. मोहिम ठाकुर, डॉ. अजय धीमान और डॉ. सौम्य चोपड़ा के नेतृत्व में विभाग ने विश्व ट्रॉमा दिवस की पूर्व संध्या पर सीएचसी-मारकंड बिलासपुर एच.पी. में प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया, जहाँ चिकित्सा अधिकारियों और स्टाफ नर्सों को ट्रॉमा रोगी के प्रारंभिक प्रबंधन में प्रशिक्षित किया गया।
2. **रेडियो टॉक -** डॉ. सौम्या चोपड़ा ने फरवरी 2024 में विश्व कैंसर दिवस की पूर्व संध्या पर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर पर आकाशवाणी हमीरपुर एच.पी. में एक रेडियो टॉक शो में भाग लिया।

अस्पताल प्रशासन विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. विक्रांत कंवर	सहायक आचार्य	23.11.2020

विभाग के बारे में

विजन: हम देखभाल (CARE-करुणा, स्नेह, सम्मान और सहानुभूति) के साथ "बचाते हैं" (SAVE-प्रणाली, प्रशासन, मूल्य और अर्थव्यवस्था)

उद्देश्य: एक ऐसी प्रणाली का निर्माण करना जो मूल्यों और अर्थव्यवस्था के माध्यम से प्रशासन करे, ताकि करुणामयी, स्नेही, सम्मानजनक और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल सुनिश्चित हो सके।

लक्ष्य

- प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और वितरित करने के लिए संस्थान अस्पताल में दिन-प्रतिदिन की प्रशासनिक गतिविधियों को व्यवस्थित और समन्वित करना।
- प्रक्रियाओं को सुचारू बनाने के लिए प्रौद्योगिकी संचालित स्वास्थ्य प्रणालियों को लागू करना।
- सेवाओं के प्रभावी वितरण के लिए स्वास्थ्य सेवा कार्यबल का प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण करना।
- संस्थानों में कानूनी और नैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देना।
- तृतीयक देखभाल अस्पतालों में गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रमों में समन्वय और सुविधा प्रदान करना और राज्य के अन्य अस्पतालों के लिए इन गतिविधियों के लिए नोडल केंद्र के रूप में कार्य करना।
- प्रभावी प्रबंधन निर्णय लेने के लिए स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवा प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में परिचालन अनुसंधान का संचालन करना।
- अस्पताल की योजना और प्रबंधन में वर्तमान रुझानों के बारे में वकालत और सलाह देना।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. विक्रांत कंवर	अध्यक्षता सत्र - स्वास्थ्य सेवा में एआई और एमएल का उपयोग	टेलीमेडिकॉन 2023	3-5 नवंबर, 2023	टेलीमेडिसिन सोसाइटी ऑफ इंडिया

प्रकाशन

1. रितु कपूर, यशवंत कुमार, स्वाति शर्मा, शिवानी, ईशकरण सिंह, ध्रुव रोहिल्ला, भूपिंदर कुमार, विक्रांत कंवर, अर्नव भावसार, और वरुण दत्त. ग्लूको ब्रेथ: एक आईओटी, एमएल और सांस आधारित नॉन इनवेसिव ग्लूकोमीटर, आईईईई एक्सेस12,3392015.
2. रितु कपूर, यशवंत कुमार, स्वाति शर्मा, वेदांत रस्तोगी, शिवानी शर्मा, विक्रांत कंवर, तरूण शर्मा, अर्नव भावसार, और वरुण दत्. डायबिटिकसेंस: मधुमेह के लिए सांस का उपयोग करके जांच करने योग्य एक गैर-इनवेसिव, मल्टी-सेंसर, IoT-आधारित प्री-डायग्नोस्टिक सिस्टम, जे. क्लिन. मेड.,12.
3. डॉ. विक्रांत कंवर एट अल. ग्रामीण भारत में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को लागू करने में चुनौतियां, JISfTeH, खंड 11 (2023).
4. डॉ. विक्रांत कंवर एट अल. वार्ड प्रबंधन प्रथाओं के लिए नर्सिंग मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का विकास : गुणवत्ता आश्वासन की दिशा में एक पहल, खंड 6, 95738.
5. विक्रांत कंवर, पुनीत खंडूजा, निशा सलारिया, सुशीला कुमारी. टेलीडर्मेटोलॉजी: ग्रामीण क्षेत्र में तृतीयक सरकारी स्वास्थ्य सेवा सुविधा में कोविड-19 महामारी के दौरान बाह्य रोगी देखभाल के लिए एक वैकल्पिक सेवा वितरण चैनल. इंट जे हेल्थ साइं. 2023; 13(11):317-321. DOI: 10.52403/ijhsr.20231138.

मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. प्रवेश धीमान	सह-आचार्य	28.06.2022

विभाग के बारे में

विभाग ने जुलाई 2022 से आयुष ब्लॉक से मेडिकल ऑन्कोलॉजी और विशेष हेमेटोलॉजी देखभाल की आवश्यकता वाले रोगियों के लिए ओपीडी सेवाएं प्रदान करना शुरू किया था। सितंबर 2022 में इनडोर सुविधा कार्यात्मक हो गई थी। विभाग में इनडोर वार्डों के साथ-साथ शिफ्ट फंक्शनल डे केयर यूनिट भी है। विभाग ने कीमोथेरेपी प्रदान करने की तकनीकों में नर्सिंग पेशेवरों और जूनियर रेजिडेंट्स को प्रशिक्षित किया है। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक, विभाग में अनुमानित 3500 ओपीडी आगंतुक थे। लक्षित दवाओं और मोनोक्लोनल एंटीबॉडी सहित 1000 से अधिक कीमोथेरेपी दी गईं। PICC लाइन इंसर्शन दिए जाने वाले मरीजों संख्या चार थी। विभाग ने विभिन्न हेमटोलॉजिकल विकारों के निदान और प्रबंधन के लिए 20 बोन मैरो एस्पिरेशन और बायोप्सी किए हैं। विभाग ने सीएनएस प्रोफिलैक्सिस और लेप्टोमेनिंजियल बीमारी के प्रबंधन के लिए कीमोथेरेपीटिक दवाओं को इंट्राथेकल प्रदान करना शुरू किया है। इसके अलावा विभाग मोनोक्लोनल एंटीबॉडी, इम्यून चेक पॉइंट इनहिबिटर और अन्य लक्षित उपचारों को प्रदान करने का कार्य करता है। मल्टीडिसिप्लिनरी ट्यूमर बोर्ड 7 मार्च 2023 से शुरू किया गया था।

विभाग ने एम्स बिलासपुर में अत्याधुनिक बीएमटी इकाई विकसित करने का प्रस्ताव दिया है जो इन सेवाओं को प्रदान करने वाला राज्य का पहला संस्थान होगा। बुनियादी ढांचे से सीएआर टी सेल थेरेपी जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा प्रदान करने में मदद मिलेगी।

विभाग विभिन्न परीक्षणों और अन्य अनुसंधान गतिविधियों के लिए अन्य संस्थानों के साथ सहयोग कर रहा है।

सीएमई/राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक और स्थल
1.	डॉ. प्रवेश धीमान	गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल मैलिग्नेंसीज़ में पूर्वानुमानित बायोमार्कर्स और लक्षित उपचारों की अगली पीढ़ी	उत्तर क्षेत्र ACBI सम्मेलन 2023	27.04.2023	बायोकेमिस्ट्री विभाग, एम्स बिलासपुर.
2.	डॉ. प्रवेश धीमान	आवर्ती/मेटास्टेटिक/असंक्रमणीय सिर और गर्दन स्कैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में पेम्ब्रोलिज़ुमाब की प्रभावशीलता पर वास्तविक दुनिया के साक्ष्य - एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण	तीसरी भारतीय कैंसर कांग्रेस 2023	2-5 नवंबर 2023	जियो कन्वेंशन सेंटर, बीकेसी, मुंबई,
3.	डॉ. प्रवेश धीमान	पैनलिस्ट	पीजीआई एएससीओ-डब्ल्यूसीएस2023		पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़

4.	डॉ. प्रवेश धीमान	पैनलिस्ट	ISNO CON-2024	7 अप्रैल, 2024	चंडीगढ़
5.	डॉ. प्रवेश धीमान	ओवेरियन कैंसर में ऐतिहासिक परीक्षण	एचपीसीजीयूएम	28, 29 मार्च 2024	शिमला

प्रकाशन

1. सैंडल आर, धीमान पी, मुरगई पी. सिंड्रोम डी स्वीट एसोसिए ए अन अफेक्शन मैलिग्न। CMAJ. 2023 जुलाई 31;195(29):E998. फ्रेंच. doi: 10.1503/cmaj.220827-f
2. शर्मा, जे., फोतेदार, वी., गुप्ता, एम., वत्स, एस., धीमान, पी., उपाध्याय, एम., और नेगी, एन. (2023)। मस्तिष्क मेटास्टेसिस में रेडियोसेंसिटाइज़र के रूप में टेमोज़ोलोमाइड का उपयोग: उप-हिमालयी क्षेत्र में संसाधन सीमित केंद्र से अनुभव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन मेडिकल साइंसेज, 11(9), 3287–3292. https://doi.org/10.18203/2320-6012.ijrms20232781

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक)
1.	राजीव चंदन, आशीष चौहान,आदित्य जंडियाल,कुंदन मिश्रा,पुलकित रस्तोगी, प्रवेश धीमान एवं आशीष कुमार	एंटरोपैथी-संबद्ध टी-सेल लिंफोमा: महामारी विज्ञान, प्राकृतिक इतिहास और वर्तमान युग में प्रबंधन।	नीमा रेजाई	अंत:विषय कैंसर अनुसंधान	प्रकाशित31 जनवरी 2023 प्रकाशक:स्प्रिंगर, चाम (https://doi.org/10.1007/16833_2022_114)

सामुदायिक सेवा

डॉ. प्रवेश धीमान

1. 26 सितंबर 2023 को एम्स बिलासपुर परिसर में अंगदान के लिए सामुदायिक जागरूकता का आयोजन।
2. 29 सितंबर 2023 को एम्स बिलासपुर परिसर में कैंसर स्क्रीनिंग के लिए सामुदायिक जागरूकता का आयोजन।
3. 4 फरवरी 2023 को एम्स बिलासपुर परिसर में विश्व कैंसर दिवस का आयोजन।

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. प्रशांत सूद	अतिरिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	22.03.2021
2.	डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता	सह-आचार्य	08.12.2020
3.	डॉ. मेघा शर्मा	सहायक आचार्य	09.11.2020
4.	डॉ. स्वाति गुप्ता	सहायक आचार्य	20.11.2020

विभाग के बारे में

2023-24 के दौरान माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने अर्ध-स्वचालित BacT/ALERT 3D और VITEK 2 माइक्रोबियल डिटेक्शन, पहचान और एंटीमाइक्रोबियल संवेदनशीलता परीक्षण प्रणालियों के आधार पर ब्लड कल्चर और रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण सेवाएँ शुरू कीं। विभाग ने अपने डायरेक्ट माइक्रोस्कोपी सेंटर में NTEP कार्यक्रम के तहत GeneXpert (CBNAAT) सेवाएँ भी शुरू कीं, जो पहले से ही हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर और धरमपुर में राज्य NTEP केंद्रों को अन्य ट्यूबरकुलर डायग्नोस्टिक्स के लिए नमूनों की ज़ील-नीलसन माइक्रोस्कोपी और रेफरल सेवा प्रदान कर रहा था। इसके समानांतर, विभाग, एम्स बिलासपुर में स्थापित HIND प्रयोगशालाओं के माध्यम से वायरोलॉजी (HAV, HBV, HCV, HEV, HIV-1 और 2, डेंगू), बैक्टीरियल सीरोलॉजी (VDRL, स्क्रब टाइफस, विडाल, टाइफिडॉट), पैरासिटोलॉजी (स्टूल माइक्रोस्कोपी, मलेरिया पेरिफेरल स्मीयर, मलेरिया सीरोलॉजी) और माइकोलॉजी (KOH माइक्रोस्कोपी) की बुनियादी माइक्रोबायोलॉजी परीक्षण सेवाएँ प्रदान कर रहा है। विभाग भविष्य में वायरल और बैक्टीरियल सीरोलॉजी सेवाएँ, और विभिन्न अन्य बैक्टीरियल और फंगल कल्चर और संवेदनशीलता सेवाएँ शुरू करने वाला है।

विभाग ने एमडी (माइक्रोबायोलॉजी), एमबीबीएस, बीएससी एमएलटी और बीएससी नर्सिंग डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए स्नातकोत्तर और स्नातक पाठ्यक्रमों का प्रारूपण और संशोधन पूरा कर लिया है। विभाग एमबीबीएस पूरक बैच 2020, एमबीबीएस नियमित बैच 2021 और एमबीबीएस नियमित बैच 2022 सहित एमबीबीएस छात्रों के प्रशिक्षण और परीक्षाओं को भी सफलतापूर्वक पूरा कर रहा है। बीएससी एमएलटी और बीएससी पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के विभिन्न बैचों के माइक्रोबायोलॉजी में शिक्षण, प्रशिक्षण और परीक्षाएं भी चल रही हैं। इसके अलावा, विभाग ने संस्थान के संकाय, नर्सिंग अधिकारियों, छात्रों और कर्मचारियों के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं और जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए हैं। माइक्रोबायोलॉजी संकाय को बाह्य परीक्षकों और विषय विशेषज्ञों के रूप में भी आमंत्रित किया गया है, और उन्होंने हिमाचल प्रदेश और पूरे उत्तर भारत में विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय शिक्षण संस्थानों को ये सेवाएं प्रदान की हैं।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एम्स बिलासपुर में क्षेत्रीय-वीआरडीएल की स्थापना के लिए डीएचआर-आईसीएमआर अनुदान सहित प्रमुख अनुसंधान अनुदानों हेतु निरंतर प्रयासरत है। अत्याधुनिक बीएसएल-3 सुविधा के निर्माण के लिए ब्लूप्रिंट और वास्तुशिल्प योजनाओं का मसौदा तैयार किया गया है और अधिकारियों द्वारा अनुमोदित किया गया है। आर-वीआरडीएल के तहत बीएसएल-2 सेवाओं का शुभारंभ भी आने वाले महीनों में होने की उम्मीद है। इसके अलावा, FAIMER और DST के तहत वित्त पोषित अध्ययन चल रहे हैं। अनुसंधान अनुदानों के अलावा, विभाग के युवा संकाय कई महत्वपूर्ण शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रमों के आयोजन और उनमें भाग लेने में सक्रिय रहे हैं, और उन्हें नीचे सूचीबद्ध कई उल्लेखनीय सम्मानों से सम्मानित किया गया है।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. माइक्रोबायोलॉजी और इंटरनल मेडिसिन विभाग द्वारा 21 अक्टूबर 2023 को अंतर्राष्ट्रीय संक्रमण रोकथाम सप्ताह समारोह (व्याख्यान, नारा प्रतियोगिता)।

2. 4 सितंबर 2023 को गैर-संचारी रोगों पर क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1	डॉ. मेघा शर्मा	दवा प्रतिरोधी ऑस्टियोआर्टिकुलर तपेदिक के निदान की चुनौती: ट्रूनेट एमटीबी प्लस बनाम जीनएक्सपर्ट अल्ट्रा।	माइक्रोकॉन 2023	23-26 नवंबर 2023	आईएएमएम सम्मेलन (इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट), केजीएमयू, लखनऊ
2	डॉ. मेघा शर्मा	जोखिम कारकों से परे एकैंथअमीबा केराटाइटिस का सूक्ष्मजीववैज्ञानिक निदान स्थापित करना: इसमें जो दिखता है उससे कहीं अधिक है।	ट्रोपाकॉन 2023	27-29 अक्टूबर 2023	आईएटीपी (इंडियन एसोसिएशन ऑफ ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी), एम्स जोधपुर।

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष में)	स्थिति (जारी / पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु. में)
1	क्षेत्रीय वीआरडीएल	सह-पीआई: डॉ. प्रशांत सूद, डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता, डॉ. मेघा शर्मा, डॉ. स्वाति गुप्ता	बाह्य वित्तपोषित (डीएचआर-आईसीएमआर)	लागू नहीं	जारी	15 करोड़ (प्रथम वर्ष)
2.	मेडिकल स्नातक छात्रों के बीच स्पेस्ड रिट्रीवल अभ्यास के लिए डिजिटल फार्माकोलॉजी फ्लैशकार्ड का कार्यान्वयन	सह-पीआई: डॉ. प्रशांत सूद	गैर-वित्तपोषित	2 वर्ष	जारी	--
3.	मानव ब्रुसेलोसिस के वास्तविक बोझ को उजागर करना: bcsp31 का मूल्यांकन ब्रूसेला उपनिवेशण से ब्रुसेलोसिस को अलग करने के लिए मात्रात्मक पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (qPCR)।	पीआई: डॉ. मेघा शर्मा	बाह्य वित्तपोषित (डीएसटी-एसईआरबी)	2 वर्ष	जारी	15,31,200

प्रकाशन

1. शर्मा के, शर्मा एम, श्री आर, सहगल वी, शर्मा ए, शर्मा एन, एट अल. *माइकोबैक्टीरियम एब्सेसस* कॉम्प्लेक्स-एसोसिएटेड क्रॉनिक मेनिनजाइटिस: ट्यूबरकुलोसिस से परे सोचने का समय। न्यूरोल इंडिया. 2023;71:946–52. https://doi.org/10.4103/0028-3886.388095.
2. सरकार एस, राठो आरके, सिंह एम, सिंह एमपी, सिंह ए, शर्मा एम. बच्चों में रेस्पिरेटरी सिन्सिशियल वायरस-एसोसिएटेड एक्यूट लोअर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन की बीमारी की गंभीरता को निर्धारित करने में वायरल लोड और होस्ट साइटोकिन्स की भूमिका। Jpn J Infect Dis 2023;76:233–9. https://doi.org/10.7883/yoken.JJID.2022.673.
3. दत्ता मजूमदार पी, मोचिज़ुकी एम, गोंजालेज-लोपेज़ जेजे, गोंजालेस जे, शर्मा एम, शर्मा के, एट अल. संक्रामक यूविआइटिस में प्रयोगशाला जांच। ओकुल इम्यूनोल इन्फ्लेम. 2023;31:1405–15. https://doi.org/10.1080/09273948.2022.2164728.
4. शर्मा के, शर्मा एम, शर्मा ए, ढिल्लों एमएस. ऑस्टियोआर्टिकुलर ट्यूबरकुलोसिस का निदान और रिफैम्पिसिन प्रतिरोध का पता लगाना: ट्रूनेट एमटीबी प्लस बनाम जीनएक्सपर्ट अल्ट्रा का तुलनात्मक विश्लेषण। ट्यूबरकुलोसिस 2024;145:102483. https://doi.org/10.1016/j.tube.2024.102483.
5. सिपाही ओआर, अकयोल डी, ओरमेन बी, सिसेक-सेंटर्क जी, मर्मर एस, ओनल यू, एट अल. हेल्थकेयर से जुड़े मैनिंजाइटिस के उपचार में अनुभवजन्य सेफेपाइम+वैनकोमाइसिन बनाम सेफ्टाजिडाइम+वैनकोमाइसिन बनाम मेरोपेनम+वैनकोमाइसिन: मल्टीसेंटर इफिसस अध्ययन के परिणाम। बीएमसी इनफेक्ट डिस 2023;23:1–9। https://doi.org/10.1186/s12879-023-08596-z।
6. शर्मा के, शर्मा एम, गुप्ता एन, मोदी टी, जोशी एच, श्री आर, एट अल. ट्यूबरकुलर लिम्फैडेनाइटिस के लिए ट्रूनेट एमटीबी प्लस की नैदानिक क्षमता का निर्धारण और दवा प्रतिरोध का पता लगाना और जीनएक्सपर्ट अल्ट्रा के साथ तुलना। ट्यूबरकुलोसिस 2023;142:102379। https://doi.org/10.1016/j.tube.2023.102379.
7. मन्हास पी, शर्मा एम, मेवाड़ा ए, सचदेवा यूएम, सहगल आर, मल्होत्रा पी. BALB/c चूहों में गर्भावस्था के शुरुआती, मध्य और बाद के चरणों में प्रयोगात्मक रूप से प्रेरित मलेरिया में प्लास्मोडियम बर्घेई एनके-65 पैरासिटेमिया और सीडी3+ सीडी4+ सीडी25+ फॉक्स-पी3+ टी-नियामक कोशिकाओं की गतिशीलता. इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी 2023;63(3):380-385.

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. मेघा शर्मा

1. माइक्रोकॉन 2023 में मौखिक प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित।
2. प्रकाशन को माइक्रोकॉन 2023 में माइकोबैक्टीरियोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पेपर के लिए प्रोफेसर ए.एन. चक्रवर्ती पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
3. सितंबर 2023 में एम्स बिलासपुर में हिंदी दिवस समारोह में कविता के लिए पुरस्कार।

सामुदायिक सेवा

डॉ. मेघा शर्मा

1. एम्स ओपीडी में विश्व किडनी दिवस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

नवजात विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. नलिनी ए	सहायक आचार्य	08.02.2021 (18.10.2023 तक)
		सह – आचार्य	19.10.2023

विभाग के बारे में

नियोनेटोलॉजी विभाग विभिन्न सेवाएं जैसे एनआईसीयू सेवाएं, नवजात शिशुओं की प्रसवोत्तर वार्ड देखभाल, आपातकालीन नवजात देखभाल सेवाएं और आउट पेशेंट सेवाएं प्रदान करता है। प्रदान की जाने वाली आउट पेशेंट सेवाओं में स्वस्थ नवजात शिशु, उच्च जोखिम वाले शिशु और प्रसवपूर्व परामर्श का फॉलोअप शामिल है। इनपेशेंट सेवाएं नियमित नवजात देखभाल और आपातकालीन नवजात देखभाल और नवजात जांच, वेंटिलेशन, सर्फेक्टेंट, फोटोथेरेपी, एक्सचेंज ट्रांसफ्यूजन, टोटल पैरेंट्रल न्यूट्रिशन, प्रीटर्म केयर, कंगारू मदर केयर और बहुत कम जन्म वजन देखभाल सहित नवजात की स्तर 2 और स्तर 3 देखभाल के साथ शुरू हुई थी। संकाय ने स्नातक मेडिकल छात्रों, एसआर (शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक), जेआर (शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक) और नियोनेटोलॉजी और प्रसूति एवं स्त्री रोग के नर्सिंग अधिकारी को आवश्यक और आपातकालीन नवजात देखभाल पर शिक्षण और प्रशिक्षण दिया है। संकाय, नीति और प्रोटोकॉल तैयारी, एनआईसीयू के डिजाईन, शिक्षण और नैदानिक सामग्री, इक्विपमेंट और कन्जूमेबल की खरीद, विभाग हेतु दवाइयां, एवं जन शक्ति आवश्यकता जुटाने में शामिल रही हैं। विभाग को एक आई सी एम् आर, पोषित अनुदान प्राप्त हुआ है। अन्य शोध गतिविधियाँ जैसे कि डीएम नियोनेटोलॉजी रेजीडेंट के लिए गाइड और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग और बाल रोग विभाग के स्नातकोत्तर शैक्षणिक जूनियर रेजीडेंट के लिए सह-मार्गदर्शक के रूप में कार्य किया है। सामुदायिक गतिविधियाँ जैसे कि नवजात शिशु की घर-आधारित देखभाल पर, समुदाय में माताओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम और स्तनपान की विशेष और प्रारंभिक शुरुआत पर टीकाकरण क्लिनिक में भाग लेने वाली माताओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। संकाय सदस्य विभिन्न समितियों के सदस्य भी हैं।

विजन: व्यापक सामुदायिक देखभाल सहित साक्ष्य-आधारित, गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल प्रदान करना, उन्नत प्रौद्योगिकी और अभिनव शिक्षण के साथ उच्चतम मानक की एनआईसीयू सेवाओं को बढ़ाना

मिशन: व्यापक सामुदायिक देखभाल सहित साक्ष्य-आधारित, गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल प्रदान करना, उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ उच्चतम मानक की एनआईसीयू सेवाओं को बढ़ाना, स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों और डीएम नियोनेटोलॉजी के सुपर स्पेशियलिटी कोर्स के अभिनव शिक्षण और प्रतिष्ठित अनुक्रमित पत्रिकाओं में अनुसंधान परियोजनाओं, पेटेंट और प्रकाशनों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अनुदान प्राप्त करना। साक्ष्य-आधारित रोगी देखभाल, अनुसंधान और शिक्षण की गतिविधियों में संस्थान को उच्चतम स्तर तक ऊपर उठाना।

रोगी देखभाल सेवाएँ: वेंटिलेशन, CPAP, कुल पैरेंट्रल पोषण, वृद्धि और विकास निगरानी, कंगारू मदर केयर सेवाएँ, फोटोथेरेपी, एक्सचेंज ट्रांसफ़्यूज़न और स्वस्थ नवजात शिशु की व्यापक जाँच सहित उच्चतम मानकों की लेवल 3 NICU सेवाओं का प्रावधान। हम उच्च जोखिम वाले शिशु अनुवर्ती क्लिनिक और स्वस्थ शिशु अनुवर्ती क्लिनिक की सेवा प्रदान करते हैं।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: हमने इस वर्ष जनवरी 2024 से DM नियोनेटोलॉजी कोर्स शुरू किया था। हम बाल रोग के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को भी पढ़ाते हैं।

भविष्य की योजनाएँ: फेलोशिप पाठ्यक्रम, नर्सिंग पाठ्यक्रम, नर्सों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण, KMC, TPN, NRP पर कौशल कार्यशाला शुरू करना। मानव दूध बैंकिंग (व्यापक स्तनपान प्रबंधन केंद्र) स्थापित करना। अकादमिक सीनियर रेसिडेंट्स के लिए एक्सपोजर के लिए अन्य INI में रोटेशनल पोस्टिंग।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

नवंबर के तीसरे सप्ताह में राष्ट्रीय नवजात सप्ताह समारोह के दौरान, 3 स्थानों अर्थात् एम्स बिलासपुर के बी ब्लॉक के रिसेप्शन क्षेत्र, 2 गांवों नई सरली और परोही में घर पर नवजात शिशु देखभाल पर जन जागरूकता कार्यक्रम, संकायों, छात्रों और नर्सिंग स्टाफ के लिए ई पोस्टर और ई स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी/ पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	बिलासपुर जिले के नवजात शिशुओं में गंभीर जन्मजात हृदय रोग का पता लगाने के लिए पल्स ऑक्सीमेट्री स्क्रीनिंग और फीमरल पल्स पैल्पेशन का संयोजन-एक संभावित अवलोकन संबंधी क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, अध्ययन संख्या: 2021-13072, स्वीकृत तिथि: 5-12-2022	प्रमुख अन्वेषक	बाह्य वित्तपोषित आईसीएमआर	15 महीने	जारी	4,84,826

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. नलिनी ए

1. एनपीटीईएल स्टार बिलीवर, एनपीटीईएल उत्साही, डोमेन स्कॉलर अवार्ड, कई एनपीटीईएल पाठ्यक्रम और आईजीओटी पोर्टल पर सरकार के लिए अनिवार्य पाठ्यक्रम पूरा किया।
2. डीएम नियोनेटोलॉजी कोर्स शुरू किया।

सामुदायिक सेवा:

नवंबर के तीसरे सप्ताह में राष्ट्रीय नवजात सप्ताह समारोह के दौरान, 3 स्थानों पर घर पर नवजात शिशु की देखभाल पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, अर्थात् एम्स बिलासपुर के बी ब्लॉक का रिसेप्शन क्षेत्र, 2 गाँव नई सरली और परोही, संकायों, छात्रों और नर्सिंग स्टाफ के लिए ई पोस्टर और ई स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

15 से 21 2023 तक राष्ट्रीय सप्ताह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम

क्र. सं.	दिनांक	गतिविधि/वस्तु का नाम	माध्यम
1.	20.11.2023	एम्स, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में ई स्लोगन प्रतियोगिता	ऑनलाइन
2.	20.11.2023	एम्स, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में ई स्लोगन प्रतियोगिता	ऑनलाइन
3.	21.11.2023	जन जागरूकता कार्यक्रम और ई स्लोगन एवं ई पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण, बी ब्लॉक, एम्स, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश के रिसेप्शन क्षेत्र में	भौतिक
4.	22.11.2023	नई सरली गांव, कोठीपुरा पंचायत, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम	भौतिक
5.	22.11.2023	परोही गांव, राजपुरा पंचायत, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम	भौतिक

नेफ्रोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1	डॉ. संजय विक्रांत	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	21.11.2020

विभाग के बारे में

एम्स बिलासपुर में 21 नवंबर, 2020 को संकाय के शामिल होने के साथ नेफ्रोलॉजी विभाग शुरू हुआ।

रोगी देखभाल सेवाएँ: किडनी रोगियों के लिए आउट-पेशेंट और इन-पेशेंट आधार पर नियमित और आपातकालीन देखभाल। 05 अक्टूबर, 2022 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा एम्स बिलासपुर के राष्ट्र को समर्पित करने के साथ डायलिसिस यूनिट चालू हो गई। नेफ्रोलॉजी ओपीडी सप्ताह में तीन दिन आयोजित की जाती है। संवहनी पहुँच प्रक्रियाएँ, अस्थायी और सुरंगयुक्त हेमोडायलिसिस कैथेटर, धमनी शिरापरक फिस्टुला और किडनी बायोप्सी की शुरूआत की गई।

इस अवधि के दौरान किए गए नैदानिक कार्य इस प्रकार हैं: कुल ओपीडी उपस्थिति 4266, आईपीडी 570, हेमोडायलिसिस 2189, एसएलईडी 38, एससीयूएफ 14, सीआरआरटी 2, सीएपीडी 1, एचडी के लिए अस्थायी एचडी कैथेटर सम्मिलन 476, टनल एचडी कैथेटर प्लेसमेंट 73, एवी फिस्टुला 80, किडनी बायोप्सी 120।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक शिक्षण: यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार नेफ्रोलॉजी और डायलिसिस में एमबीबीएस का शिक्षण

स्नातकोत्तर शिक्षण: चिकित्सा, बाल चिकित्सा और पैथोलॉजी के स्नातकोत्तर छात्रों के नेफ्रोलॉजी में रोटेशनल प्रशिक्षण।

पोस्ट डॉक्टरल शिक्षण: डीएम (नेफ्रोलॉजी) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 2024 से स्वीकृत।

पैरामेडिकल विज्ञान के लिए पाठ्यक्रम: बीएससी डायलिसिस थेरेपी प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम जिसमें पांच छात्रों का वार्षिक प्रवेश नवंबर 2022 में शुरू किया गया था। वर्ष के दौरान दूसरे बैच को प्रवेश दिया गया।

अनुसंधान: अनुसंधान के क्षेत्र: उष्णकटिबंधीय एकेआई, सीकेडी, ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस और वास्कुलिटिस, गुर्दे की पथरी रोग, एडीपीकेडी, उच्च रक्तचाप, मधुमेह किडनी रोग, इलेक्ट्रोलाइट और एसिड-बेस विकार, क्रिटिकल केयर नेफ्रोलॉजी, पेरिटोनियल डायलिसिस, हेमोडायलिसिस, किडनी प्रत्यारोपण, और उच्च ऊंचाई वाली चिकित्सा।

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी/पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	हिमाचल प्रदेश राज्य में कृषि पर निर्भर लोगों में कीटनाशकों के संपर्क और अनिर्धारित कारण वाली क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडीयू)।	डॉ. संजय विक्रांत (प्रमुख अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद)		जारी	
2.	सी.के.डी. में सी.वी.डी. के लिए एलोप्यूरिनॉल (एवोआईडी-सी.के.डी.): एक डबल ब्लाइंड,	डॉ. संजय विक्रांत (प्रमुख अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (डीबीटी-वेलकम ट्रस्ट इंडिया अलायंस बहुकेन्द्रीय परियोजना)		जारी	

	यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एक बहु केंद्रीय परीक्षण।					
3.	इंडियन ट्रांसलेशनल ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस बायोलॉजी नेटवर्क (आई-टैंजीबल)। मल्टी-सेंट्रिक आईसीएमआर अध्ययन, जॉर्ज इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली।	डॉ. संजय विक्रांत (प्रमुख अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित		जारी	
4.	ईएएसआई-किडनी-सी.के.डी. के रोगियों में एल्डोस्टेरोन सिंथेस अवरोधक + एस.जी.एल.टी.2 अवरोधक, एम्पाग्लिफ्लोज़िन का एक बहुकेंद्रीय अंतर्राष्ट्रीय यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और भारत में जॉर्ज इंस्टीट्यूट द्वारा वैश्विक स्तर पर समन्वित।	डॉ. संजय विक्रांत (प्रमुख अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित		जारी	

प्रकाशन

1. जरयाल ए, सिद्धू एन, विक्रांत एस. रिटक्सिमैब इन्फ्यूजन के बाद सिम्प्टोमैटिक ब्रैडीकार्डिया। इंडियन जे नेफ्रोल. 2024; 34(2):207
2. यादव के, रामचंद्रन आर, कुमार वी, एट अल. इंडियन ट्रांसलेशनल ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस बायोलॉजी नेटवर्क (आई-टैंगिबल): डिजाइन और तरीके। इंडियन जे नेफ्रोल. 2023;33(4):277-282
3. जरयाल ए. विक्रांत एस, कुमार बी, शर्मा के, चंदर के, चंदेल एस. वर्मा। विटामिन बी-12 की कमी की एक असामान्य प्रस्तुति: तीव्र दस्त और तीव्र किडनी की चोट की आवश्यकता वाले डायलिसिस. ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी. 2024; 45 (1): 1-4
4. हाइपोथायरायडिज्म से संबंधित किडनी रोग - 2 मामलों की एक रिपोर्ट. इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. संजय विक्रांत

1. इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पेरिटोनियल डायलिसिस (एपीसीएम-आईएसपीडी) की 10वीं एशिया-पैसिफिक चैप्टर मीटिंग 22-24 सितंबर 2023 को नई दिल्ली में आयोजित की गई: सत्रों की अध्यक्षता की गई।
2. इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी (आईएसएनसीओएन-2023) का 53वां वार्षिक सम्मेलन 14-17 दिसंबर, 2023 को कोलकाता में आयोजित किया गया: सत्रों की अध्यक्षता की गई।
3. इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी नॉर्थ ज़ोन चैप्टर का वार्षिक सम्मेलन चंडीगढ़ (एनजेड-आईएसएनसीओएन-2024) में 23-25 फरवरी, 2024 को आयोजित किया गया: सत्रों की अध्यक्षता की गई।

4. बाहरी परीक्षक-थीसिस मूल्यांकन डीएम नेफ्रोलॉजी पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ अप्रैल 2023।
5. बाहरी परीक्षक-थीसिस मूल्यांकन डीएनबी नेफ्रोलॉजी राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड जून-जुलाई 2023।
6. बीएफयूएचएस फरीदकोट की डीएम नेफ्रोलॉजी परीक्षा नवंबर/दिसंबर 2023 के लिए पेपर सेटर।
7. जनवरी 2024 में आयोजित बीएफयूएचएस फरीदकोट की वार्षिक डीएम नेफ्रोलॉजी परीक्षा के लिए सिद्धांत और प्रायोगिक परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक।

सामुदायिक सेवा:

1. नेफ्रोलॉजी विभाग और सोसाइटी फॉर किडनी केयर ने स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों और रोगियों के बीच सीकेडी जागरूकता बढ़ाने के लिए 14 मार्च, 2024 को विश्व किडनी दिवस 2024 मनाया।
2. सामान्य चिकित्सा विभाग के सहयोग से 18 मई, 2023 को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया गया, जो एक प्रभावशाली कार्यक्रम था, जिसने हम सभी को प्रेरित और प्रोत्साहित किया।
3. अंगदान: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए 'आयुष्मान भव' सेवा पखवाड़ा के दौरान 27 सितंबर, 2023 को एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई।

न्यूरोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. आशीष शर्मा	अतिरिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	14.06.2023
		सह - आचार्य	23.11.2020 (13.06.2022 तक)

विभाग के बारे में

वर्तमान में न्यूरोलॉजी विभाग में एक ही संकाय जो कि अतिरिक्त प्रोफेसर हैं और एक नर्सिंग अधिकारी ग्रेड ॥ है। विभाग ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से सप्ताह में दो बार और प्रत्यक्ष ओपीडी के माध्यम से सप्ताह में तीन बार मरीजों को परामर्श प्रदान कर रहा है। विभाग समर्पित उप-विशेष क्लीनिक (जैसे सिरदर्द/मिर्गी/स्ट्रोक/मूवमेंट डिसऑर्डर/कोगनिटिव और बेहवियर न्यूरोलॉजी/न्यूरो-इम्यूनोलॉजी), विशिष्ट न्यूरोलॉजिकल आपात स्थितियों के लिए समर्पित आपातकालीन प्रतिक्रिया दल जैसे स्ट्रोक प्रतिक्रिया दल और ईईजी/ईएनएमजी-एनसीएस और ईएमजी/ईपी/टीसीडी/बेसिक आरटीएमएस/डे केयर प्रक्रिया जैसी नैदानिक सेवाएं, इनपेशेंट लैब सेवाएं (3): ईएमयू-वीईईजी/स्लीप लैब-पीएसजी/एडवांस्ड आरटीएमएस जैसी नैदानिक सेवाएं प्रदान करने की योजना बना रहा है। विभाग फाउंडेशन कोर्स और एईटीसीओएम में स्नातक शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। विभाग पोस्ट-डॉक्टरल कोर्स (डीएम न्यूरोलॉजी) शुरू करेगा। विभाग अन्य संस्थानों के प्रतिष्ठित संकायों को विजिटिंग फैकल्टी के रूप में नियुक्त करने के लिए विभागीय अध्ययन बोर्ड स्थापित करने की भी योजना बना रहा है। इच्छुक मेडिकल छात्रों और चिकित्सा पेशेवरों के लिए अल्पकालिक नैदानिक पर्यवेक्षक की सुविधा प्रदान की जाएगी। संकाय सक्रिय रूप से अनुसंधान में शामिल है और इसके साथ कई वित्त पोषित परियोजनाएं हैं। विभाग आउटरीच शिविरों और सामुदायिक जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है।

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/ स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी/ पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	पार्किंसन रोग, मधुमेह और माइग्रेन के रोगियों में औटोनोमिक फंक्शन परीक्षण (तीन परियोजनाएं): 40/23, 41/23 और 42/23	डॉ. आशीष शर्मा (प्रमुख अन्वेषक)	वित्तपोषित नहीं (अन्वेषक द्वारा शुरू की गई परियोजना)	3 वर्ष	जारी	लागू नहीं
2.	माइग्रेन, पार्किंसन रोग और कार्यात्मक तंत्रिका संबंधी विकारों में योग मॉड्यूल (तीन परियोजनाएं): 43/23, 44/23, 45/23	डॉ. आशीष शर्मा (प्रमुख अन्वेषक)	वित्तपोषित नहीं (अन्वेषक द्वारा शुरू की गई परियोजना)	3 वर्ष	जारी	लागू नहीं

3.	न्यूरोलॉजी ओपीडी रोगियों के स्वस्थ परिचारकों में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की जांच के लिए अन्वेषक द्वारा शुरू किया गया कार्यान्वयन अनुसंधान	डॉ. आशीष शर्मा (प्रमुख अन्वेषक)	वित्तपोषित नहीं (अन्वेषक द्वारा शुरू की गई परियोजना)	-	जारी	लागू नहीं
4.	तीव्र स्ट्रोक में बुखार, हाइपरग्लाइसेमिया, निगलने और उच्च रक्तचाप प्रबंधन: एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (स्ट्रोक देखभाल अध्ययन में भारतीय गुणवत्ता सुधार) FeSSH/InQuIST: SWG/Neuro/35/2018-NCD-I	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (डीएचआर)	4 वर्ष	जारी	1785250
5.	रक्त बायोबैंक स्ट्रोक और नियंत्रण/रोगी (FeSSH/InQuIST की शाखा)	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (डीएचआर)	4 वर्ष	जारी	-
6.	स्मार्टफोन आधारित टेली स्ट्रोक बनाम 'स्ट्रोक फिजिशियन' के नेतृत्व में तीव्र स्ट्रोक प्रबंधन (स्मार्ट इंडिया): एक क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	(बाह्य वित्तपोषित) (डीएचआर)	2 वर्ष	जारी	492340
7.	भारतीय स्ट्रोक क्लिनिकल परीक्षण नेटवर्क चरण II (INSTRuCT नेटवर्क चरण II) की स्थापना	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (आईसीएमआर)	NA	जारी	411600 प्रतिवर्ष
8.	सहज अंतःमस्तिष्कीय रक्तस्राव में ट्रैनेक्सैमिक एसिड का भारतीय परीक्षण (आंतरिक परीक्षण)	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (आईसीएमआर)	4 वर्ष	जारी	576800/-
9.	आईसीएमआर-एनसीडीआईआर, बेंगलुरु के राष्ट्रीय स्ट्रोक रजिस्ट्री कार्यक्रम के अंतर्गत अस्पताल आधारित स्ट्रोक रजिस्ट्री (एचबीएसआर) का विकास	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (आईसीएमआर-एनसीडीआईआर)	NA	जारी	कोई नहीं (तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी)
10.	स्टेनोसिस: इंट्राक्रैनीयल एथेरोस्क्लेरोटिक रोग के कारण इस्कीमिक स्ट्रोक वाले मरीजों में दीर्घकालिक एकल बनाम	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (आईसीएमआर)	3 वर्ष	जारी	558672

	दोहरी एंटीप्लेटलेट थेरेपी: एक यादृच्छिक परीक्षण।					
11.	IMPETUS: मेडिकल कॉलेजों में एक समान स्ट्रोक देखभाल और परिणामों के लिए मूल्यांकन और उपचार पैकेज का कार्यान्वयन। एक अवलोकनात्मक और कार्यान्वयन अनुसंधान अध्ययन।	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (आईसीएमआर)	3 वर्ष	जारी	269336
12.	हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के हाइपोथायरायड रोगियों में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और जैव रासायनिक मापदंडों का अध्ययन (आईसीएमआर द्वारा वर्ष 2021 के लिए बाह्य अनुसंधान कार्यक्रम के तहत एड-हॉक परियोजना के लिए अनुमोदित अधिसूचना संख्या बीएमआई/ई-पीएमएस/एडहॉक और फेलोशिप/2021/02 दिनांक 28-3-22)	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (आईसीएमआर)	3 वर्ष	जारी	1964880
13.	"निम्न बनाम हिमालयी उच्च-भूमि वाले लोगों में मनोभ्रंश के उपचार में दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रैनीयल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) की आणविक प्रभावकारिता को समझना" एसईआरबी (फ़ाइल संख्या: एसपीजी/2022/000744 दिनांक 27-12-22)	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (एसईआरबी)	-	जारी	-
14.	"पोस्ट स्ट्रोक दौरे की रोकथाम के लिए प्रोफिलैक्टिक लेवेतिरेसेटम का एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड अध्ययन (PROLEVIS) - अन्वेषक द्वारा शुरू किया गया अकादमिक परीक्षण": (दो परियोजनाएं: इस्केमिक स्ट्रोक	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (आईसीएमआर)	3 वर्ष	जारी	2,21,000 प्रतिवर्ष

	आर्म और हेमोरेजिक स्ट्रोक आर्म)					
15.	"इंट्राक्रैनियल सेरेब्रल वेनस साइनस थ्रोम्बोसिस (प्रोलेविस-सीवीटी) में लेवेतिरेसेटाम के साथ पोस्ट-स्ट्रोक दौरे की रोकथाम: एक यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण" (दो परियोजनाएं: प्राथमिक रोकथाम शाखा और द्वितीयक रोकथाम शाखा)	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	-	-	जारी	-
16.	भारतीय मल्टीपल स्क्लेरोसिस और संबद्ध डिमाइलेटिंग विकार रजिस्ट्री और अनुसंधान नेटवर्क (आईएमएसआरएन)	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (आईसीएमआर)	5 वर्ष	जारी	1500 रुपये प्रति मरीज
17.	भारत में पी.डी. रोगियों का व्यापक आनुवंशिक विश्लेषण	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित (मेडजीनोम)	1 वर्ष	-	1500 रुपये प्रति मरीज
18.	राष्ट्रीय अफासिया सामुदायिक परियोजना: विशेषज्ञ समूह टीम का हिस्सा	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	स्वयंसेवक द्वारा शुरू की गई परियोजना	NA	-	लागू नहीं
19.	एम्स, बिलासपुर में चक्कर आने की समस्या से पीड़ित रोगियों की व्यापकता, नैदानिक प्रोफ़ाइल और निदान	डॉ. आशीष शर्मा (सह अन्वेषक)	वित्तपोषित नहीं (अन्वेषक द्वारा शुरू की गई परियोजना)	2 वर्ष	जारी	लागू नहीं

प्रकाशन

1. शर्मा ए, शर्मा ए, चौहान आर. टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस में स्पाइरोमेट्रिक लंग फंक्शन्स: एक अस्पताल-आधारित अध्ययन. क्यूरियस 15(5): e38919. DOI 10.7759/cureus.38919
2. शर्मा ए, देव ए, शर्मा ए, कुमार डी, गुप्ता पी, चीमा एम. मधुमेह रोगियों में डेंटल इम्प्लांट्स के प्रोग्नोसिस का आकलन: एक नैदानिक अध्ययन. जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड बायोलाइड साइंसेज. 2023 जुलाई 1;15(सप्ल 2):S920-2।
3. ठाकुर एस, शर्मा ए, कौशल एस, शर्मा ए, शर्मा एन, ठाकुर पीएस. स्पाइनल एनेस्थीसिया के तहत सिजेरियन डिलीवरी से गुजर रही महिलाओं में ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन (टीएपी) ब्लॉक में क्लोनिडीन की तुलना बुपीवाइकेन बनाम प्लेन बुपीवाइकेन से: रैंडमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल. जर्नल ऑफ फार्मेसी और बायोअलाइड साइंसेज. 2023 जुलाई 1;15(सप्ल 1):S299-302

न्यूरोसर्जरी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. अर्जुन धर	सहायक आचार्य	07.09.2022
2.	डॉ. भानु प्रताप सिंह	सहायक आचार्य	10.01.2024

विभाग के बारे में

एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश के न्यूरोसर्जरी विभाग की स्थापना PMSSY-V के एक भाग के रूप में की गई थी, जिसका उद्देश्य राज्य के सुदूर स्थानों में रहने वाले अंतिम उपयोगकर्ता को विश्व स्तरीय न्यूरोसर्जिकल रोगी देखभाल सेवाएँ प्रदान करना था।

रोगी देखभाल सेवाएँ: अपनी स्थापना के बाद से, विभाग न्यूरोसर्जरी के सभी प्रमुख क्षेत्रों की सेवा करने वाले न्यूरोसर्जिकल केंद्र में बदलने की यात्रा पर निकल पड़ा है। विभाग ने 100 से अधिक न्यूरोसर्जरी मामलों का सफलतापूर्वक संचालन किया है, जिसके दायरे में ब्रेन ट्यूमर (ग्लियोमास, मेनिंजीयोमास) स्पाइनल कॉर्ड ट्यूमर (श्वानोमा, मेनिंजीयोमास), ब्रेन एन्यूरिज्म, दर्दनाक मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी की चोटें, रीढ़ की हड्डी के अपक्षयी और जन्मजात विकार शामिल हैं। एक नवजात सुपर-स्पेशियलिटी सर्जिकल शाखा होने के नाते, उपरोक्त सर्जिकल मामलों की देखभाल के लिए बुनियादी ढाँचा (उपकरण, उपकरण, औजार) संस्थान द्वारा अंतिम खरीद तक ऋण के आधार पर खरीदे जाते हैं। इसके अलावा, विभाग वरिष्ठ रेजीडेंटों के सहयोग और समावेश के साथ 24x7 आपातकालीन सेवाएं प्रदान कर रहा है।

आवश्यक बुनियादी ढांचे (आवश्यक ऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल उपकरण और औजार) की खरीद अभी भी चल रही है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: आवश्यक बुनियादी ढांचे (आवश्यक ऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल उपकरण और औजार) और संकाय मिलने पर विभाग द्वारा, पोस्ट-डॉक्टरल सुपर-स्पेशियलिटी रेजीडेंसी कार्यक्रम और पूर्ण विभागीय गतिविधियों को शुरू करना प्रस्तावित है। इस दिशा में 6 वर्षीय एमसीएच न्यूरोसर्जिकल पाठ्यक्रम का मसौदा पहले ही संस्थान को सौंप दिया गया है।

भविष्य की योजनाएँ:

आवश्यक बुनियादी ढाँचा तैयार होने के बाद, विभाग विशिष्ट क्षेत्रों में अभ्यास करने वाले न्यूरोसर्जनों के लिए अल्पकालिक कार्यक्रम / फैलोशिप / व्यावहारिक कार्यशालाएँ शुरू करने का प्रस्ताव करता है।

प्रकाशन

1. शाह ए; धर ए; प्रसाद ए; गोयल ए. 3-डी प्रिंटेड खोपड़ी मॉडल: सीएसएफ राइनोरिया के मामलों में हड्डी के दोष की साइट की पहचान में भूमिका। न्यूरोलॉजी इंडिया. 72(2):पृष्ठ 391-394, मार्च 2024.

पुरस्कार, सम्मान, महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. अर्जुन धर

1. मेयो क्लिनिक रोचेस्टर, मिनेसोटा, यूएसए में विजिटिंग फैकल्टी टॉक देने के लिए आमंत्रित किया गया, जिसका शीर्षक था "ग्लोबल न्यूरोसर्जरी सीरीज़: भारत में एक नए शैक्षणिक संस्थान की स्थापना-व्यक्तिगत विचार।
2. 17-18 सितंबर, 2023 को गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस पर राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान एम्स नई दिल्ली से गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस में योग्यता प्रमाणपत्र प्राप्त किया गया।

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. पूजन डोगरा मरवाहा	अतिरिक्त आचार्य और विभागाध्यक्ष	26.06.2022
2.	डॉ. हरप्रीत कौर	सह-आचार्य	20.11.2020
3.	डॉ. चंद्रदीप शर्मा	सह-आचार्य	14.06.2022
4.	डॉ. निशा मलिक	सहायक आचार्य	05.02.2021
5.	डॉ. सुश्रुति कौशल	सहायक आचार्य	28.11.2020
6.	डॉ. अस्मिता कौंडल	सहायक आचार्य	11.12.2020

विभाग के बारे में

एम्स बिलासपुर में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग व्यापक नैदानिक देखभाल, नवीन अनुसंधान और असाधारण शिक्षा के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान के रूप में, हमारा विभाग हमारे रोगियों की विविध और विकसित होती जरूरतों को पूरा करने, सीखने और उपचार दोनों के लिए एक सहायक और समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विजन

हमारा विजन महिला स्वास्थ्य देखभाल में उत्कृष्टता का प्रतीक बनना है, रोगी परिणामों, शैक्षिक उन्नति और अनुसंधान नवाचार के लिए नए मानक स्थापित करना है। हम प्रसूति एवं स्त्री रोग के लिए एक प्रमुख केंद्र बनने का प्रयास करते हैं, जो करुणामयी देखभाल, अत्याधुनिक प्रथाओं और जीवन के सभी चरणों में महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को बेहतर बनाने के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण के लिए हमारी प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध है।

मिशन

हमारा मिशन रोगी-केंद्रित सेवाएं प्रदान करके, शैक्षणिक और नैदानिक उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देकर और अग्रणी अनुसंधान करके प्रसूति एवं स्त्री रोग में असाधारण देखभाल प्रदान करना है। हम साक्ष्य-आधारित प्रथाओं, व्यक्तिगत उपचार योजनाओं और स्वास्थ्य के लिए एक समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य उत्कृष्ट शैक्षिक अवसर और प्रशिक्षण प्रदान करके स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की अगली पीढ़ी को तैयार करना भी है।

रोगी देखभाल सेवाएँ

एम्स बिलासपुर में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी सभी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है। हमारी रोगी देखभाल सेवाओं में शामिल हैं:

- **प्रसूति देखभाल:** व्यापक प्रसवपूर्व, प्रसव और प्रसवोत्तर देखभाल, जिसमें उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था प्रबंधन और सहायता शामिल है।
- **स्त्री रोग संबंधी सेवाएँ:** मासिक धर्म संबंधी विकार, पैल्विक दर्द और स्त्री रोग संबंधी कैंसर जैसी विभिन्न स्थितियों का निदान और उपचार।
- परिवार नियोजन और बांझपन के प्रबंधन हेतु प्रजनन सेवाएँ।
- **न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी:** विभिन्न स्त्री रोग संबंधी स्थितियों के लिए अत्याधुनिक लेप्रोस्कोपिक सर्जिकल विकल्प।
- **निवारक देखभाल:** स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और संभावित समस्याओं का जल्द पता लगाने के लिए नियमित जांच, टीकाकरण और स्वास्थ्य शिक्षा।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

हमारा विभाग मेडिकल छात्रों, रेसिडेंट्स और साथियों के लिए असाधारण शैक्षिक अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित है। शैक्षणिक कार्यक्रमों में निम्न शामिल हैं:

- स्नातक चिकित्सा शिक्षा: प्रसूति एवं स्त्री रोग में सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक नैदानिक अनुभव के साथ एकीकृत करने वाला एक व्यापक पाठ्यक्रम।
- स्नातकोत्तर रेजीडेंसी कार्यक्रम: एक गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम जो रेजीडेंटों को प्रसूति एवं स्त्री रोग में विशेषज्ञ अभ्यास के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करता है।

- सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई): कार्यशालाएं, सेमिनार और सम्मेलन, ताकि स्वास्थ्य पेशेवरों को क्षेत्र में नवीनतम प्रगति और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जानकारी दी जा सके।

भविष्य की योजनाएँ

आगे की ओर देखते हुए, एम्स बिलासपुर में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग अपने प्रभाव को और बढ़ाने के लिए कई प्रमुख पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है:

- सेवाओं का विस्तार: हमारी विविध रोगी आबादी की ज़रूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए नए विशेष क्लीनिक शुरू करना और मौजूदा सेवाओं का विस्तार करना।
- एमसीएच और फ़ेलोशिप कार्यक्रम: उन्नत व्यावसायिक विकास के लिए स्त्री रोग संबंधी ऑन्कोलॉजी, मातृ-भ्रूण चिकित्सा और प्रजनन एंडोक्रिनोलॉजी जैसे क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा।
- अनुसंधान पहल: महिलाओं के स्वास्थ्य में अभिनव उपचार और निवारक उपायों पर ध्यान केंद्रित करते हुए हमारे शोध आउटपुट को बढ़ाना।
- सामुदायिक आउटरीच: वंचित समुदायों के लिए देखभाल और शिक्षा तक पहुँच में सुधार करने के लिए कार्यक्रम विकसित करना।
- सहयोग: चिकित्सा प्रगति में सबसे आगे रहने के लिए अग्रणी संस्थानों के साथ साझेदारी बनाना और अनुसंधान और शैक्षिक आदान-प्रदान में भाग लेना।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. गर्भावस्था के इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस पर स्टिलबर्थ सोसाइटी ऑफ इंडिया वेबिनार - 23 फरवरी 2024।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. हरप्रीत कौर	अध्ययनों में गुणवत्ता जांच- व्यवस्थित समीक्षा में आरओबी"	फर्टिविजन - आईएफएस का राष्ट्रीय सम्मेलन	08/12/2023	आईएफएस, नई दिल्ली
2.	डॉ. निशा मलिक	ई-पोस्टर "ऑपरेशन के दौरान निदान किए गए टूटे हुए डिम्बग्रंथि अस्थानिक गर्भधारण का सफल प्रबंधन"	भारतीय स्टिल बर्थ सोसाइटी का राष्ट्रीय सम्मेलन	13 अगस्त, 2023	पीजीआईएमईआर चंडीगढ़।
3.	डॉ. निशा मलिक	"ग्रीवा कैंसर में तीव्र पेरिटोनाइटिस के साथ पायोमेट्रा का स्पोनटेनिअस परफोरेशन : एक केस रिपोर्ट" पर ई-पोस्टर प्रस्तुति	अंतर्राष्ट्रीय महिला कैंसर सम्मेलन	1 -3 दिसंबर 2023	पीजीआईएमईआर चंडीगढ़
4.	डॉ. सुश्रुति कौशल	ऐच्छिक सिजेरियन प्रसव में शल्यक्रिया से पूर्व मौखिक कार्बोहाइड्रेट युक्त तरल पदार्थ बनाम सादा पानी	आरसीओजी विश्व कांग्रेस	12-14 जून 2023	12-14 जून 20

5.	डॉ.अस्मिता कौंडल	पायोपेरीटोनियम: एडवांस्ड सर्वाइकल कैंसर का एक असामान्य दृश्य	कांग्रेस-पूर्व कार्यशाला एवं प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन (रोके जा सकने वाले मृत जन्मों की रोकथाम)	13/08/2023	पीजीआई चंडीगढ़

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी/ पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	प्रतिकूल भ्रूण-मातृ परिणाम के पूर्वानुमान के रूप में पार्श्व प्लेसेंटा स्थान: एक अवलोकनात्मक अध्ययन	डॉ. पूजन डोगरा मरवाहा (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. सुश्रुति, डॉ. अस्मिता (सह-अन्वेषक)	स्व-वित्तपोषित	-	जारी	
2.	हिमाचल प्रदेश के तृतीयक देखभाल केंद्र में स्त्री रोग संबंधी ओपीडी में उपस्थित होने वाले महिलाओं में जननांग तपेदिक की व्यापकता आईईसी 5/23 11/02/2023	डॉ. पूजन डोगरा मारवाहा (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. अस्मिता, डॉ. सुश्रुति (सह-अन्वेषक)	स्व-वित्तपोषित	-	जारी	
3.	प्रसव पीड़ा प्रेरित करने के लिए सबलिंगुअल मिसोप्रोस्टोल बनाम इंट्रासर्विकल फोलीस के बाद मिसोप्रोस्टोल: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण आईईसी -23/22	डॉ. पूजन डोगरा मारवाहा (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. निशा मलिक, डॉ. सुश्रुति, डॉ. अस्मिता (सह-अन्वेषक)	स्व-वित्तपोषित	-	जारी	
4.	हिमाचल प्रदेश के तृतीयक देखभाल केंद्र में आने वाली महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के प्रति ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास आईईसी-23/23 11/02/23	डॉ. पूजन डोगरा मारवाहा (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. निशा मलिक, डॉ. सुश्रुति, डॉ. अस्मिता (सह-अन्वेषक)	स्व-वित्तपोषित	-	जारी	
5.	हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर के उप-हिमालयी क्षेत्र में प्रसवपूर्व	डॉ. पूजन डोगरा मारवाहा (प्रमुख	स्व-वित्तपोषित	-		

	महिलाओं में टीबी और रिफाम्पिसिन प्रतिरोध की व्यापकता का आकलन करने के लिए फेफड़ों के तपेदिक के लिए प्रसवपूर्व महिलाओं की नियमित जांच ट्रूनैट का उपयोग करके की गई। आईईसी 21/2311/02/23	अन्वेषक) डॉ. सुश्रुति, डॉ. अस्मिता (सह-अन्वेषक)				
6.	उत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्र में घर आधारित एचपीवी स्व-नमूनाकरण पर आधारित सामुदायिक ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम की व्यवहार्यता: एक मिश्रित विधि अध्ययन आईईसी 11/02/23	डॉ. पूजन डोगरा मारवाहा, डॉ. अस्मिता (सह-अन्वेषक)	स्व-वित्तपोषित	-		
7.	प्री-एक्लेमप्सिया की प्रारंभिक भविष्यवाणी के लिए नए सीरम बायोमार्कर घुलनशील एफएमएस-जैसे टायरोसिन किनेज-1 / प्लेसेंटल ग्रोथ फैक्टर का अध्ययन (13 मार्च, 2023)	डॉ. हरप्रीत कौर (प्रमुख अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	03	जारी	34,96,232
8.	उत्तर भारत के उप-हिमालयी क्षेत्र में पीसीओएस की क्लिनिको-मेटाबोलिक प्रोफ़ाइल - एक संभावित अध्ययन	डॉ. हरप्रीत कौर (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. चंद्रदीप शर्मा (सह-अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	नमूना आकार पूरा होने तक	जारी	4,99,550
9.	भारत में आरएच-नेगेटिव महिलाओं के प्रसार, संवेदीकरण दर और रोगनिरोधी उपचार के उपयोग के भौगोलिक वितरण का मूल्यांकन करने के लिए एक वास्तविक दुनिया का संभावित अध्ययन	डॉ. हरप्रीत कौर (प्रमुख अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	नमूना आकार पूरा होने तक	जारी	अब तक 98,820 प्राप्त हुए
10.	हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में प्रसवोत्तर मनोरोग बीमारी	डॉ. हरप्रीत कौर (सह-अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	पूर्ण	पूर्ण	2,50,000

	की व्यापकता और जोखिम कारकों को जानने के लिए: एक समुदाय-आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन					
11.	उत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्रों की महिलाओं में असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव का स्पेक्ट्रम: क्लिनिको-जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल और प्रबंधन विकल्प	डॉ. हरप्रीत कौर (प्रमुख अन्वेषक)	गैर वित्तपोषित	पूर्ण	पूर्ण	-
12.	आईएम-फाइन (भारतीय पुरुष कारक बांझपन मूल्यांकन): एक अखिल भारतीय बहुकेन्द्रित सर्वेक्षण	डॉ. हरप्रीत कौर (प्रमुख अन्वेषक)	गैर वित्तपोषित	जारी	जारी	-
13.	आईएम-फाइन (भारतीय पुरुष कारक बांझपन मूल्यांकन): एक अखिल भारतीय बहुकेन्द्रित सर्वेक्षण	डॉ. हरप्रीत कौर (प्रमुख अन्वेषक)	गैर वित्तपोषित	पूर्ण	पूर्ण	-
14.	प्रसव पीड़ा को प्रेरित करने के लिए उच्च मात्रा वाले फोलीज़ कैथेटर और मिसोप्रोस्टोल का अनुक्रमिक बनाम एक साथ उपयोग - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण EC/NEW/INST/2022/2042 संदर्भ संख्या 65/23 दिनांक 05/08/23	डॉ. चंद्रदीप शर्मा (प्रमुख अन्वेषक)	स्व-वित्तपोषित	1 वर्ष	जारी	-
15.	एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन; सीजेरियन सेक्शन से गुजरने वाली महिलाओं में सेफाज़ोलिन और एज़िथ्रोमाइसिन के साथ एंटीबायोटिक प्रोफिलैक्सिस के बाद सर्जिकल साइट संक्रमण की घटना	डॉ. चंद्रदीप शर्मा (प्रमुख अन्वेषक)	पीजी थीसिस	1 वर्ष		
16.	हिमाचल प्रदेश के एक आदिवासी क्षेत्र में गर्भावस्था के दौरान आयोडीन की कमी की	डॉ सुश्रुति (प्रमुख अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	3 वर्ष	जारी	₹ 29,04,762

	व्यापकता का अनुमान लगाना तथा थायरॉइड ऑटोइम्यूनिटी के बीच संबंध की जांच करना आईईसी 30/22	डॉ. पूजन डोगरा मरवाहा, डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ. चंद्रसीप शर्मा, डॉ. निशा मलिक, डॉ. अस्मिता (सह-अन्वेषक)				
17.	हिमाचल प्रदेश के आयोडीन की कमी वाले क्षेत्र में गर्भावस्था के दौरान आयोडीन की स्थिति और थायरॉयड फ़ंक्शन के बीच संबंध की जाँच करना (2/22)	डॉ. सुश्रुति (प्रमुख अन्वेषक)	आंतरिक गैर वित्तपोषित	3 वर्ष	जारी	-
18.	गर्भावस्था के दौरान नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (NAFLD) की व्यापकता का अनुमान लगाना और मृत जन्म के लिए जोखिम कारक के रूप में NAFLD का अध्ययन करना	डॉ. सुश्रुति (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. पूजन डोगरा मरवाहा (सह-अन्वेषक)	आंतरिक	2 वर्ष	जारी	
19.	ग्रामीण और अर्ध-शहरी परिवेश में नैदानिक और अल्ट्रासाउंड मापदंडों पर आधारित मानकीकृत स्टिल बर्थ स्क्रीनिंग मॉड्यूल का कार्यान्वयन - एक बहुकेन्द्रीय अध्ययन आईईसी 03/23 11/02/2023	डॉ. अस्मिता (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. पूजन डोगरा मरवाहा (सह-अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	2 वर्ष	अभी तक शुरू नहीं किया	केवल USG मशीन
20.	उच्च जोखिम वाले भ्रूण के निदान और मृत जन्म की रोकथाम के लिए तीसरी तिमाही में कम जोखिम वाली माताओं की जांच: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण आईईसी 04/23 11/02/2023	डॉ अस्मिता (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. पूजन डोगरा मरवाहा (सह-अन्वेषक)	गैर वित्तपोषित	2 वर्ष	अभी तक शुरू नहीं किया	
21.	प्रसव पीड़ा को प्रेरित करने के लिए मिफेप्रिस्टोन के साथ या उसके बिना PGE2 की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन IEC 33/22 11/02/2023	डॉ निशा मलिक (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. पूजन डोगरा मरवाहा, डॉ. चंद्रदीप शर्मा, डॉ. सुश्रुति, डॉ.	गैर वित्तपोषित	-	जारी	

		अस्मिता (सह-अन्वेषक)				
22.	भारत में अस्पताल आधारित एसटीआई निगरानी नेटवर्क की स्थापना	डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ. सुश्रुति, डॉ. अस्मिता (सह-अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	-		
23.	इंट्राऑपरेटिव परामर्श में फ्रोजन सेक्शन बनाम स्क्रैप साइटोलॉजी - एक तुलनात्मक विश्लेषण (पूर्ण)	डॉ. चंद्रदीप शर्मा (सह-अन्वेषक)	गैर वित्तपोषित	-	जारी	
24.	सीरस इफ्यूशन में प्लाज्मा थ्रोम्बिन और सोडियम एल्गिनेट सेल ब्लॉक का तुलनात्मक विश्लेषण (जारी)	डॉ. चंद्रदीप शर्मा (सह-अन्वेषक)	गैर वित्तपोषित	-	जारी	

प्रकाशन

1. मारवाहा पीडी, कौंडल ए, भावना, मलिक एन, कौशल एस. रजोनिवृत्त महिला में डिम्बग्रंथि मरोड़: एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा. जे मेनोपॉज़ल मेड. 2023 दिसंबर;29(3):134-138. doi: 10.6118/jmm.23022. PMID: 38230597; PMCID: PMC10796202.
2. कौर एच, सहगल ए, मलिक एन, कौशल और कौंडल ए. टीडीएपी और इन्फ्लूएंजा टीकाकरण के बारे में स्त्री रोग विशेषज्ञों का ज्ञान और अभ्यास: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन. क्यूरियस. 2023: DOI: 10.7759/cureus.40037. पीएमआईडी- 37425540. (पबमेड)
3. मंगला एम, रहिमन ई, कौर एच और कनिकारम पी. जेस्टेशनल ट्रोफोब्लास्टिक नियोप्लासिया के साथ मां और बच्चे में सहवर्ती मेटास्टेसिस: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा. जेटीजीजी., 2023 (पबमेड)
4. कौर एच, चुहान ए, मस्कारेनहास एम. क्या सार्स कोव-2 संक्रमण आईवीएफ परिणाम को प्रभावित करता है?- एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण. ईजेओजी. 2024(292):147-57. (पबमेड)
5. मंगला एम, पालो एस, कनिकारन पी, कौर एच. गैर-जेस्टेशनल कोरियोकार्सिनोमा: इसके जेस्टेशनल समकक्ष से समानताएं और अंतर को उजागर करना. इंट जे गाइन कैंसर. 2023, 0:1–9. doi:10.1136/ijgc-2023-004906 (Pubmed)
6. कौर एच, सिंह एन, भारती एस, कौर जी. असामान्य की खोज: टेस्टोस्टेरोन-स्रावी डिम्बग्रंथि ट्यूमर. ऑटोप्स केस रेप. [इंटरनेट]। 2024;14:e2024478। (Pubmed) https://doi.org/10.4322/acr.2024.478]
7. कौर एच, मीनू एम, पांडे एस, चौहान ए, मंगला एम. अस्पष्टीकृत आवर्तक आरोपण विफलता में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा की भूमिका - यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षणों की एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा विश्लेषण. जे ह्यूम रिप्रोड साइ. 2024;17:2-15। (Pubmed)
8. सिंह आर, भारती एस, कौर एच, यादव एसके. शल्य चिकित्सा द्वारा अनुभवहीन मल्टी पेरस युवा महिला में गर्भनाल एंडोमेट्रियोसिस। जे मिड-लाइफ़ हेल्थ 2024;15:36-8. (पबमेड)
9. शर्मा सी, जरयाल एस, सोनी ए. फोले कैथेटर (80 बनाम 60 एमएल) और नलिपेरस महिलाओं में प्रसव पीड़ा प्रेरित करने के लिए मिसोप्रोस्टोल: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एम जे ओब्सटेट गाइनकोल एमएफएम. 2023 अगस्त;5(8):101026. doi: 10.1016/j.ajogmf.2023.101026. PMID: 37211088.

10. शर्मा सी, शर्मा एस, सोनी ए. पॉलीग्लाक्टिन-910 बनाम पॉलीग्लेकेप्रोन-25 के साथ सिजेरियन डिलीवरी में सबक्यूटिकुलर स्किन क्लोजर: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एम जे ओब्सटेट गाइनकोल एमएफएम. 2024 फरवरी;6(2):101256. doi: 10.1016/j.ajogmf.2023.101256. PMID: 38109995
11. शर्मा सी, डधवाल ए, सोनी ए. प्रारंभिक मध्य-तिमाही गर्भपात (13-20 सप्ताह) के लिए संयुक्त चिकित्सा और यांत्रिक विधि की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण. इंट ज गाय्नेकोल ओब्सटेट. 2023 मई;161(2):624-630. doi: 10.1002/ijgo.14616. PMID: 36495245.
12. मित्तल एस, गुप्ता ए, शर्मा सी, धतवालिया पी, मित्तल आर. प्रसव न करने वाली गर्भवती महिलाओं में प्रसव की अवधि पर 125 मिली/घंटा बनाम 250 मिली/घंटा पर अंतःशिरा रिंगर लैक्टेट के प्रभाव पर एक तुलनात्मक अध्ययन. इंट जे रिप्रोड कॉन्ट्रासेप्ट ऑब्सटेट्रिक गाइनेकोलॉजी. 2023;12:711-5
13. मनुप्रिया शर्मा, रेणु सिंह, पूजन मारवाह, डेचेन मायेस, निशा मलिक. पेल्विक इंफ्लेमेटरी डिजीज में एक दुर्लभ प्रस्तुति के रूप में ज़ैंथोग्रानुलोमैटस सल्पिंगो-ओओफोराइटिस. 2024 क्यूरियस. 16(2): ई53693। DOI 10.7759/cureus.53693
14. भारती एस, शर्मा एम, मलिक एन, मायेस डी, मारवाह पी. (22 मार्च, 2024) प्राथमिक डिम्बग्रंथि गर्भावस्था: साहित्य की समीक्षा के साथ एक केस रिपोर्ट. क्यूरियस. 16(3): ई56688। DOI 10.7759/cureus.56688
15. ठाकुर एस, शर्मा ए, कौशल एस*, शर्मा ए, शर्मा एन, ठाकुर पीएस. स्पाइनल एनेस्थीसिया के तहत सिजेरियन डिलीवरी से गुजर रही महिलाओं में ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन (टीएपी) ब्लॉक में क्लोनिडीन की तुलना ब्यूपीवाकेन बनाम सादे ब्यूपीवाकेन से की जाती है: यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण. जे फार्म बायोऑल साइ. 2023;15:एस299-302. DOI: 10.4103/jpbs.jpbs_474_22
16. कच्छवा जी, कौंडल ए, कुलश्रेष्ठ वी, सेठडी, कृपलानी ए, श्रीनिवास वी. प्रजनन आयु की महिलाओं में चिकित्सा सेवाओं के मेडिकोलीगल पहलुओं के बारे में जागरूकता: जनसंख्या आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन. क्योरियस. 2023.15(11):e49360.doi:10.7759/cureus.49360
17. कौर एच, सहगल ए, मलिक एम, कौशल एस, कौंडल ए. टीडीएपी और इन्फ्लूएंजा टीकाकरण के बारे में स्त्री रोग विशेषज्ञों का ज्ञान और अभ्यास: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन. क्यूरियस. 2023.15(6):e40037. Doi:10.7759/cureus.40037

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक)
1	डॉ. हरप्रीत कौर	एमेनोरिया के मामले की जांच	संपादक कामिनी ए राव और हरप्रीत कौर	बांझपन और प्रजनन चिकित्सा में एल्गोरिदम	2023, जेपी पब्लिशर्स, नई दिल्ली
2	डॉ. हरप्रीत कौर	हृदय रोग में प्रजनन क्षमता और एआरटी	डॉ. हरप्रीत कौर	चिकित्सा विकारों में प्रजनन क्षमता और एआरटी	जेपी पब्लिशर्स
3	डॉ. हरप्रीत कौर	ए.आर.टी. मैनुअल		सहायक प्रजनन में ल्यूटियल चरण का समर्थन	2024, जेपी पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
4	डॉ. हरप्रीत कौर	युगल आयु और युग्मक एन्यूप्लोइडी		आईवीएफ की पुस्तिका	2024, जेपी पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

5	डॉ. हरप्रीत कौर	उपकला और फैलोपियन ट्यूब कैंसर: निदान और प्रबंधन में अद्यतन जानकारी		स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी में अपडेट,	2024 इवेंजेल प्रकाशन

सामुदायिक सेवा

डॉ. हरप्रीत कौर

1. जनवरी 2024 पर समाचार पत्र लेख- गर्भाशय ग्रीवा कैंसर और एचपीवी टीकाकरण जागरूकता 28/01/2023
2. 25/01/2024 को नवोदय विद्यालय बिलासपुर में एचपीवी टीकाकरण पर स्वास्थ्य जागरूकता वार्ता

डॉ. अस्मिता

1. घुमार्विन में मल्टी स्पेशियलिटी कैंप 19/01/2024
2. 20/07/2024 को मार्कंड में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग के लिए टीओटी वीआईए स्क्रीनिंग।

नेत्र रोग विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. नीलम वर्मा	सह-आचार्य	22.09.2023
2.	डॉ. नृपेन गौर	सहायक आचार्य	19.11.2020
3.	डॉ. विभूति मित्तल	सहायक आचार्य	04.10.2023

विभाग के बारे में

- नेत्र रोग विभाग वर्तमान में ओपीडी सेवाएं दे रहा है, जहां प्रतिदिन 70-80 मरीज देखे जाते हैं।
- विभाग विभिन्न कॉर्नियल रोगों, ग्लूकोमा और रेटिनल रोगों के उचित निदान और प्रबंधन के लिए ओसीटी, फंडस कैमरा, बीस्कैन, एनडीयाग लेजर आदि जैसी नैदानिक सेवाएं प्रदान करता है।
- नेत्र बैंक की स्थापना की प्रक्रिया चल रही है।
- जल्द से जल्द सर्जिकल सेवाएं शुरू करने के लिए खरीद जारी है।
- जनवरी 2024 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किया गया।

विजन:

- प्रशिक्षण, अनुसंधान और नैदानिक प्रथाओं में उत्कृष्टता प्रदान करके और उसे आगे बढ़ाकर नेत्र विज्ञान में उत्कृष्टता का केंद्र बनना।
- लोगों और समुदाय को निष्पक्ष, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना।

मिशन:

- लोगों को व्यापक नेत्र सेवाएँ प्रदान करना।
- शिक्षकों, छात्रों, शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों को शिक्षित, प्रशिक्षित और मार्गदर्शन प्रदान करना।
- समुदायों की नेत्र देखभाल आवश्यकताओं में योगदान देते हुए उच्चतम गुणवत्ता वाली रोगी देखभाल प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाना और स्थानीय और वैश्विक स्तर पर व्यक्तियों और आबादी के स्वास्थ्य में सुधार करना।

रोगी देखभाल सेवाएँ:

- नेत्र रोग विभाग वर्तमान में ओपीडी सेवाएँ दे रहा है, जहाँ प्रतिदिन 70-80 रोगी देखे जाते हैं।
- विभाग विभिन्न कॉर्नियल रोगों, ग्लूकोमा और रेटिना रोगों के उचित निदान और प्रबंधन के लिए ओसीटी, फंडस कैमरा, बीस्कैन, एनडीयाग लेजर आदि जैसी नैदानिक सेवाएँ प्रदान करता है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम:

- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम जनवरी 2024 में शुरू किया गया।
- विभाग ने एमबीबीएस बैच 2020 के लिए जनवरी 2024 में एमबीबीएस परीक्षा और मई 2024 में पूरक परीक्षा आयोजित की।
- संकाय और छात्रों के शैक्षणिक विकास के लिए शोध कार्य पर विचार और परिकल्पना की जा रही है।

भविष्य की योजनाएँ:

- लोगों को व्यापक, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना।
- एक पूर्णतः कार्यात्मक नेत्र बैंक स्थापित करना।
- विभाग में विशेष क्लीनिक शुरू करना जो रोगियों की बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करेगा।
- प्रशिक्षण, अनुसंधान और नैदानिक प्रथाओं में उत्कृष्टता प्रदान करना।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	c	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. नृपेन गौर	NAION वर्तमान अवधारणाएँ	भारतीय न्यूरो-ऑप्थैल्मोलॉजी सोसायटी का 5वां वार्षिक सम्मेलन	9 और 10 दिसंबर 2023	अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद
2.	डॉ. नृपेन गौर	ओकुलोप्लास्टिक में क्या नया है	57वां आरपी सेंटर वार्षिक स्थापना दिवस समारोह	2 फरवरी 2024	एम्स, नई दिल्ली
3.	डॉ. नृपेन गौर	डिस्थायरॉइड ऑप्टिक न्यूरोपैथी के रोगी में सेंट्रल सीरस कोरियोरेटिनोपैथी	ओकुलोप्लास्टिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया का 33वां वार्षिक सम्मेलन	20-22 अक्टूबर 2023	एचआईसीसी-नोवोटेल, हैदराबाद

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी/ पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगियों में उच्च रक्तचाप द्वारा टारगेट अंग क्षति की व्यापकता	डॉ. नृपेन गौर (सह अन्वेषक)	गैर वित्तपोषित	2 वर्ष	पूर्ण	कोई नहीं

प्रकाशन

1. सैनी एम, सिंह यू, जैन ए चौरसिया एस और सिंह एम और सैनी के और मेहता ग्रेवाल ए और गौर, एन और गुप्ता, पी. (2024). एकतरफा जन्मजात ptosis में विपरीत पलक की तीन-बिंदु स्थलाकृति का उपयोग करके पलक समोच्च समरूपता का सर्जिकल समायोजन. जेएफओ ओपन ऑप्थल्मोलॉजी. 5. 100086. 10.1016/j.jfop.2024.100086।
2. गौर, एन., टक्कर, बी., चंद्रा, पी., पुरी, एस., सत्पथी, जी., और शर्मा, वाई.आर. (2024). नैदानिक प्रोफ़ाइल, एंटीबायोटिक प्रतिरोध और बैक्टीरियल एंडोफ्थालमिटिस में परिणाम: अन्य जीवों की तुलना में कोगुलेज़-नेगेटिव स्टैफिलोकोकस एंडोफ्थालमिटिस. क्यूरियस. 16(2), ई53532।
3. लोकदर्शी, जी., सिहाग, पी., सेन, एस., और गौर, एन. (2024), एक बच्चे में ऑप्टिक तंत्रिका ग्लियोमा का सहज रेडियोलॉजिकल प्रतिगमन: एक दुविधा. जर्नल फ्रैंकेइस डी'ऑप्थल्मोलोजी, 47(2), 104028।
4. जी लोकदर्शी, एस कुमार, एस कुमार, एन नीतू, एन गौर. ऑर्बिटल लो-फ्लो मालफॉर्मेशन के लिए इमेज-गाइडेड परक्यूटेनियस स्क्लेरोथेरेपी: हमारा अनुभव 2024

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. नृपेन गौर

1. वर्ष 2023-2024 के लिए इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी समीक्षक प्रशस्ति पुरस्कार

डॉ. विभूति मित्तल

1. कोलकाता में AIOS 2024 में FAICO 2023 मोतियाबिंद और फ़ेको

सामुदायिक सेवा

1. विभाग ने लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए निम्नलिखित दिवस मनाए:
   - 12 अक्टूबर 2023 को विश्व दृष्टि दिवस
   - 12 मार्च 2024 को विश्व ग्लूकोमा दिवस
2. मल्टीस्पेशलिटी शिविरों में भाग लिया।

ऑर्थोपेडिक्स विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. रणजीत चौधरी	सह-आचार्य	01.08.2023
2.	डॉ. गौरव कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	08.12.2020
3.	डॉ. रमेश	सहायक आचार्य	14.06.2022
4.	डॉ. अमित सलारिया	सहायक आचार्य	29.06.2022
5.	डॉ. देवेन्द्र	सहायक आचार्य	14.06.2023

विभाग के बारे में

ऑर्थोपेडिक विभाग मस्कुलोस्केलेटल विकारों के निदान, उपचार, पुनर्वास और रोकथाम के लिए समर्पित है। ये विकार हड्डियों, जोड़ों, स्नायुबंधन, टेंडन और मांसपेशियों को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे रोगियों की गतिशीलता और जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

हमारी टीम में विशेषज्ञ ऑर्थोपेडिक सर्जन, फिजियोथेरेपिस्ट और सहायक कर्मचारी शामिल हैं, जो सभी व्यापक देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम प्रत्येक रोगी की स्थिति का सटीक आकलन करने के लिए इमेजिंग तकनीकों और प्रयोगशाला परीक्षणों सहित उन्नत नैदानिक उपकरणों का उपयोग करते हैं।

फोकस के मुख्य क्षेत्र:

1. **संयुक्त प्रतिस्थापन सर्जरी (प्राथमिक और संशोधन):** हम कूल्हे, घुटने, कोहनी और कंधे के प्रतिस्थापन के लिए नवीनतम तकनीकें प्रदान करते हैं, जिससे रिकवरी और परिणाम बेहतर होते हैं।
2. **खेल चिकित्सा:** हमारे विशेषज्ञ खेल चोटों, आर्थ्रोस्कोपिक लिगामेंट/टेंडन मरम्मत/पुनर्निर्माण, मेनिस्कस मरम्मत, गतिविधि में वापसी की सुविधा के लिए अनुरूप पुनर्वास कार्यक्रम प्रदान करते हैं।
3. **बाल चिकित्सा आर्थोपेडिक्स:** हम बच्चों की अनूठी मस्कुलोस्केलेटल आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, स्कोलियोसिस और अंग विकृति जैसी स्थितियों को संबोधित करते हैं।
4. **आघात देखभाल:** हमारा विभाग तीव्र/उपेक्षित चोटों को संभालने के लिए सुसज्जित है एवं फ्रैक्चर और डिसलोकेशन के लिए आपातकालीन देखभाल प्रदान करता है।
5. **रीढ़ की देखभाल:** हम रीढ़ की हड्डी के विकारों के लिए सर्जिकल और गैर-सर्जिकल दोनों उपचारों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य के लिए एक समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित होता है।
6. **अनुसंधान और नवाचार:** हम अनुसंधान के माध्यम से यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे रोगियों को नवीनतम उपचार और तकनीकों से लाभ मिले एवं आर्थोपेडिक देखभाल को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
7. **विकृति सुधार और लिंब लेन्थनिंग** - जन्मजात/अधिग्रहित विकृतियों के रोगियों में

विजन:

1. **रोगी-केंद्रित देखभाल:** व्यक्तिगत, उच्च-गुणवत्ता वाली देखभाल प्रदान करना जो रोगी की गतिशीलता और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है, एवं सुरक्षा, आराम और संतुष्टि को प्राथमिकता देता है।
2. **नवाचार और उत्कृष्टता:** उपचार के परिणामों को बेहतर बनाने वाली नवीन शल्य चिकित्सा तकनीकों, उन्नत प्रौद्योगिकियों और साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को अपनाने में अग्रणी होना।
3. **अनुसंधान और शिक्षा:** अत्याधुनिक अनुसंधान के माध्यम से आर्थोपेडिक ज्ञान की उन्नति में योगदान देना और आर्थोपेडिक विशेषज्ञों की अगली पीढ़ी को शिक्षित करना।
4. **सहयोग और सामुदायिक जुड़ाव:** मस्कुलोस्केलेटल स्वास्थ्य के लिए व्यापक देखभाल और समर्थन सुनिश्चित करने के लिए बहु-विषयक टीमों, सामुदायिक भागीदारों और रोगियों के साथ मिलकर काम करना।
5. **पहुंच और समानता:** यह सुनिश्चित करना कि सभी रोगियों को पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना

आर्थोपेडिक सेवाओं तक पहुंच हो, स्वास्थ्य समानता को बढ़ावा देना और देखभाल में असमानताओं को दूर करना।

मिशन: एक अग्रणी आर्थोपेडिक्स विभाग बनाना जो न केवल उपचार करे बल्कि रोगियों को सशक्त भी बनाए, नवाचार को बढ़ावा दे, तथा एक स्वस्थ समुदाय को बढ़ावा दे।

रोगी देखभाल सेवाएँ:

2023-2024 में ओपीडी जनगणना=27,644, इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन रिकॉर्ड=579, प्लास्टर कास्ट लगाना=423, आईपीडी=889, सर्जरी=699

शैक्षणिक पाठ्यक्रम:

पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स अगस्त, 2023 में शुरू हुआ, जिसकी प्रवेश क्षमता, 6 महीने में 2 छात्रों की हैं।

भविष्य की योजनाएं :

रोगी सेवाएँ-सॉफ्ट टिशू और बोन बैंक सुविधा की स्थापना

- खेल चोट और आर्थोस्कोपिक सेवाएँ शुरू करना
- मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी शुरू करना
- स्पाइन विकृति सुधारात्मक सर्जरी शुरू करना
- ऑर्थोपेडिक ट्यूमर रजिस्ट्री शुरू करना

शैक्षणिक पाठ्यक्रम

- एमसीएच
  - आर्थ्रोप्लास्टी और संयुक्त पुनर्निर्माण
  - स्पाइनल ऑर्थोपेडिक सर्जरी
  - बाल चिकित्सा ऑर्थोपेडिक्स
- फ़ेलोशिप
  - स्पाइन फेलोशिप
  - संयुक्त संरक्षण आर्थ्रोप्लास्टी
- पैरामेडिकल पाठ्यक्रम
  - प्लास्टर तकनीशियन का डिप्लोमा
  - ऑर्थोपेडिक तकनीशियन का डिप्लोमा

पैथोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. मनु प्रिया	सह-आचार्य	15.06.2022
2.	डॉ. गुरविंदर कौर	सहायक आचार्य	11.11.2020
3.	डॉ. सुषमा भारती	सहायक आचार्य	07.07.2022
4.	डॉ. एकता राहुल	सहायक आचार्य	17.06.2022 (20.12.2023 तक)

विभाग के बारे में

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर स्थित एम्स में पैथोलॉजी विभाग की स्थापना मुख्य रूप से उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी, जो तीन मुख्य स्तंभों पर केन्द्रित हैं: शीर्ष चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा अनुसंधान के लिए सुविधाएं और नैदानिक प्रयोगशाला सेवाएं।

शैक्षणिक:

संकाय अभी भी स्नातकोत्तर, स्नातक के साथ-साथ बीएससी नर्सिंग, बीएससी पैरामेडिकल को शीर्षतम शिक्षण प्रदान करने के लिए दृढ़ता से समर्पित है।

शिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले दृष्टिकोण, अधिक आधुनिक तरीकों जैसे केस स्टडी, ट्यूटोरियल और शुरुआती नैदानिक एक्सपोजर को अधिक स्थापित तरीकों जैसे कि उपदेशात्मक व्याख्यानों के साथ जोड़ते हैं। विभिन्न प्रकार की बीमारियों और सकल नमूनों को दिखाने वाली सूक्ष्म स्लाइडों की जांच के माध्यम से, व्यावहारिक दृष्टिकोण यह गारंटी देता है कि छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान मिले। हमें गर्व है कि स्नातक पैथोलॉजी छात्रों के दो बैचों ने अपनी अंतिम व्यावसायिक परीक्षा उत्तीर्ण की और अपना कोर्सवर्क सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इसके साथ ही, बीएससी पैरामेडिकल और बीएससी नर्सिंग के छात्रों को पढ़ाया जा रहा है। जनवरी 2024 से, विभाग ने पहले स्नातकोत्तर का पहला बैच शुरू कर दिया है, और विभाग ने एमडी पैथोलॉजी कार्यक्रम शुरू करके शैक्षणिक योजना को आगे बढ़ाया है।

डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला सेवाएँ:

हमारे विभाग की इन-हाउस डायग्नोस्टिक क्षमताओं में हेमटोलॉजी, साइटोलॉजी और हिस्टोपैथोलॉजी प्रयोगशालाएँ शामिल हैं। हम आयुष ब्लॉक में प्रयोगशाला के माध्यम से कुछ डायग्नोस्टिक सेवाएँ भी प्रदान करते हैं।

हेमटोलॉजी प्रभाग संपूर्ण हेमोग्राम, ईएसआर, कोअगुलेशन प्रोफाइल और अस्थि मज्जा जाँच सहित सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है।

साइटोपैथोलॉजी अनुभाग प्रत्यक्ष और यूएसजी-निर्देशित एफएनएसी, शरीर द्रव विश्लेषण (कोशिका गणना और घातक कोशिका कोशिका विज्ञान सहित), और वीर्य विश्लेषण जैसी सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिए सुसज्जित है। विभाग ने लिक्विड-बेस्ड साइटोलॉजी (एलबीसी) के माध्यम से गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच शुरू की है।

अंत में, हिस्टोपैथोलॉजी प्रभाग छोटे और बड़े नमूनों के लिए नैदानिक सेवाओं को सक्रिय रूप से संभालता है और प्रदान करता है, जिसमें छोटे और बड़े दोनों ऑपरेटिंग थिएटरों से प्राप्त फ्रोजेन सेक्शन शामिल हैं।

डायग्नोस्टिक सेवाओं का विस्तार: हमारी सेवाओं के स्पेक्ट्रम को व्यापक बनाने के लिए, विभाग इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री, फ्लोसाइटोमेट्री शुरू करेगा। यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा क्योंकि इससे सटीक निदान के लिए इन-हाउस सुविधा उपलब्ध होगी तथा उपचार में तेजी आएगी।

शोध पहल:

संकाय, सम्मेलनों, सीएमई और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लेता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उनका ज्ञान क्षेत्र में नवीनतम प्रगति के साथ अद्यतन रहता है। इस वर्ष, संकाय सदस्यों ने चार शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं जो वर्तमान में संस्थान और डीएसटी एसईआरबी द्वारा विचाराधीन हैं।

वर्तमान में, विभाग नौ शोध परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिनमें से दो मार्गदर्शक और सात सह-मार्गदर्शक हैं। संकाय सदस्य विभिन्न शोध पहलों पर अन्य विभागों के सहकर्मियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. मनु प्रिया	प्रथम रनर अप, पोस्टर प्रस्तुति	CYTOCON 2023	2023	इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोपैथोलॉजिस्ट
2.	डॉ. गुरविंदर कौर	छद्म अभिव्यक्तियाँ: हिस्टियो त्वचाविज्ञान और प्रणालीगत स्थितियाँ		18 नवंबर, 2023	कोलकाता

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (चल रहा/पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	फ्रोजन सेक्शन बनाम स्क्रैप साइटोलॉजी इंट्रा-ऑपरेटिव परामर्श: एक तुलनात्मक विश्लेषण।	**प्रमुख अन्वेषक:** डॉ. मनु प्रिया, **सह-अन्वेषक:** डॉ. सुषमा भारती, डॉ. गुरविंदर कौर, डॉ. एकता राहुल	-	1 वर्ष	जारी	गैर-वित्त पोषित
2.	सीरस इफ्यूजन में प्लाज्मा थ्रोम्बिन और सोडियम एल्गिनेट सेल ब्लॉक का तुलनात्मक विश्लेषण	**प्रमुख अन्वेषक:** डॉ. मनु प्रिया **सह-अन्वेषक:** डॉ. सुषमा भारती, डॉ. गुरविंदर कौर, डॉ. एकता राहुल	-	1 वर्ष	जारी	गैर-वित्त पोषित
3.	यह दर्शाने के लिए कि कैसे miR-2909 RNomics मानव प्रोस्टेट कैंसर में TGFβ सिग्नलिंग कैस्केड को नियंत्रित करता है। (तकनीकी रूप से आईसीएमआर द्वारा अनुमोदित) (डॉ. दीप्ति मलिक द्वारा पीआई के रूप में प्रस्तुत) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, एचपी और स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान,	**सह-अन्वेषक** डॉ. गुरविंदर कौर	बाह्य वित्तपोषित	3 वर्ष	जारी	25 लाख

	चंडीगढ़ के बीच एक सहयोगी अध्ययन है।					
4.	रंगीन त्वचा में अतिरिक्त चेहरे के मेलास्मा का एक नैदानिक, डर्मोस्कोपिक और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन	**सह-अन्वेषक:** डॉ. गुरविंदर कौर	बाह्य वित्तपोषित	1 वर्ष	जारी	1 लाख
5.	विभिन्न तरीकों का उपयोग करके प्लेटलेट काउंट की प्रभावकारिता का मूल्यांकन और तुलना	**प्रमुख अन्वेषक:** डॉ. सुषमा भारती **सह-अन्वेषक:** डॉ. मनु प्रिया डॉ. गुरविंदर कौर डॉ. एकता राहुल	-	1 वर्ष	जारी	गैर-वित्त पोषित
6.	सिर और गर्दन के घावों के शीघ्र निदान में महीन सुई एस्पिरेशन कोशिका विज्ञान की नैदानिक उपयोगिता।	**प्रमुख अन्वेषक:** डॉ. सुषमा भारती **सह-अन्वेषक:** डॉ. मनु प्रिया, डॉ. गुरविंदर कौर डॉ. एकता राहुल	-	1 वर्ष	जारी	गैर-वित्त पोषित
7.	प्रमुख लार ग्रंथि कैंसर में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की व्यापकता	**सह-अन्वेषक:** डॉ. सुषमा भारती	-	1 वर्ष	जारी	गैर-वित्त पोषित
8.	रंगीन त्वचा में कोलेजन संवहनी रोग में नेल फोल्ड डर्मोस्कोपी: संभावित अवलोकन संबंधी क्रॉस सेक्शनल अध्ययन	**सह-अन्वेषक:** डॉ. गुरविंदर कौर		1 वर्ष	जारी	गैर-वित्त पोषित

प्रकाशन:

1. भारती, सुषमा; बैरवा, रेणु; बैरवा, देवेन्द्र; शर्मा, तरुण. एक एसिम्पटोमेटिक रोगी में प्रारंभिक अभिव्यक्ति के रूप में कोहनी के ऊपर गाउटी टोफी का साइटोलॉजिकल निदान. जर्नल ऑफ बोन एंड जॉइंट डिजीज. 39(1):पी 53-56, जनवरी-अप्रैल 2024। | DOI: 10.4103/jbjd.jbjd_1_24
2. सिंह आर, भारती एस, कौर एच, यादव एसके. शल्य चिकित्सा द्वारा अनुभवहीन मल्टीपेरस युवा महिला में गर्भनाल एंडोमेट्रियोसिस. जे मिड-लाइफ हेल्थ. 2024;15:36-8.
3. भारती एस, शर्मा एम, मलिक एन, एट अल. (22 मार्च, 2024) प्राथमिक डिम्बग्रंथि गर्भावस्था: साहित्य की समीक्षा के साथ एक केस रिपोर्ट. क्यूरियस. 16(3): ई56688. doi:10.7759/cureus.56688
4. कौर एच, सिंह एन, भारती एस, कौर जी. असामान्य की खोज: टेस्टोस्टेरोन-स्रावी डिम्बग्रंथि ट्यूमर. ऑटोप्स केस रिपोर्ट. [इंटरनेट]। 2024;14: ई2024478. https://doi.org/10.4322/acr.2024.478
5. भारती जे.एन., भारती एस., निगम जे.एस. किडनी रोगों में लीसेगैंग रिंग्स सिस्टमैटिक्स समीक्षा.

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. मनु प्रिया

1. फ्लोसाइटोमेट्री सॉल्यूशंस द्वारा फ्लो साइटोमेट्री में दूसरे वार्षिक ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स में भाग लिया।

डॉ. गुरविंदर कौर

1. जर्नल-इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट एंड लेप्रोलॉजिस्ट के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया।

डॉ. सुषमा भारती

1. जर्नल-मिडलाइफ़ हेल्थ जर्नल और एल्सेवियर जर्नल के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया

सामुदायिक सेवा

डॉ. गुरविंदर कौर

1. कैंसर जागरूकता कार्यक्रम-29-09-2023 को एम्स बिलासपुर में प्रस्तुति
2. अरटीकेरिया दिवस - 01-10-2023 को एम्स बिलासपुर में प्रस्तुति

बाल रोग विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1	डॉ. श्रीराम पी	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	29.08.2023
2	डॉ. नवीन कुमार	सह-आचार्य	01.12.2023
3	डॉ. जसबीर सिंह	सहायक आचार्य	13.11.2020
4	डॉ. रमन शर्मा	सहायक आचार्य	11.12.2023

विभाग के बारे में

बाल रोग विभाग जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों की समग्र स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करता है, जिसमें ओपीडी, टीकाकरण/विशेष क्लीनिक, इन-पेशेंट और आपातकालीन सेवाएं प्रदान की जाती हैं। हमारी टीम स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण में शैक्षणिक गतिविधियों के लिए समर्पित है, जिसका उद्देश्य छात्रों को समुदाय की सेवा करने के लिए सक्षम चिकित्सा स्नातक और स्नातकोत्तर के रूप में तैयार करना है।

विजन: विभाग सभी सामान्य बाल चिकित्सा, बाल चिकित्सा उप-विशेषज्ञताओं के साथ उत्कृष्टता का केंद्र स्थापित करने, क्षेत्र में तृतीयक देखभाल की उच्चतम गुणवत्ता प्रदान करने के साथ-साथ बीमारों के लिए करुणा का पोषण करने और वंचितों या कम सुविधा वाले लोगों तक पहुंचने की प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है।

मिशन: एम्स, बिलासपुर का शिशु रोग विभाग बच्चों को सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के साथ-साथ सभी छात्रों के लिए उच्चतम गुणवत्ता वाले शिक्षण और अनुसंधान के अवसर प्रदान करना चाहता है।

रोगी देखभाल सेवाएँ: 2023 में विभाग के विस्तार के साथ, संकाय सदस्यों की संख्या पिछले वर्ष के एक संकाय से बढ़कर चार हो गई है। विभाग में प्रदान की जाने वाली नियमित सेवाएँ (ओपीडी, आईपीडी, और आपातकालीन कक्ष) समेकित हैं और हम नई रोगी देखभाल सेवाएँ शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: इस वर्ष एम.डी. पीडियाट्रिक्स पाठ्यक्रम शुरू किया गया तथा एक सीट स्वीकृत की गई। भविष्य में सीटों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है। विभाग में पहले से ही एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण चल रहा है, जिसका पहला बैच 8वें सेमेस्टर तक पहुंच गया है।

भविष्य की योजनाएँ: भविष्य के लिए नई रोगी देखभाल सेवाओं की योजना बनाई गई है। इनमें से कुछ नियोजित सेवाएँ इस प्रकार हैं:

1. बाल चिकित्सा गहन देखभाल इकाई
2. थैलेसीमिया डे केयर सेंटर
3. बाल चिकित्सा सिमुलेशन प्रयोगशाला
4. बाल चिकित्सा तपेदिक अनुवर्ती क्लिनिक
5. बाल विकास और प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र।
6. बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी प्रयोगशाला

सी.एम.ई./राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान दिए गए/पेपर या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1	डॉ. रमन शर्मा	प्रभाव (IMPACT)	सम्मेलन	8 – 9 फरवरी 2023	भोपाल

प्रकाशन

1. पीयर एस, भारद्वाज एनके, वांडर ए. वोल्फ्राम सिंड्रोम टाइप 1 में न्यूरोइमेजिंग विशेषताएँ. न्यूरोल साइंस. 2024;45(6):2943-2944।

2. वांडर ए, मीना ए.के., पीयर एस, पिलानिया आर.के., छाबड़ा पी, भारद्वाज एन.के., मीर ए, गुलाटी एस. बुखार से परे: कावासाकी रोग से पीड़ित बच्चे में केंद्रीय तंत्रिका तंत्र वाहिकाशोथ और अंतःकपालीय रक्तस्राव. इंडियन जे पीडियाट्रिक. 2024;91(6):642
3. शेठ जे, नायर ए, भावसार आर, गोडबोले के, दातार सी, नम्पूथिरी एस, पाणिग्रही आई, शाह एच, बजाज एस, तायडे एन, भारद्वाज एन, शेठ एच. भारत से वयस्क आबादी में पहचाने गए लाइसोसोमल भंडारण विकार: एक तृतीयक आनुवंशिक केंद्र का अनुभव और साहित्य की समीक्षा. जेआईएमडी प्रतिनिधि. 2024;65(2):85-101.

सामुदायिक सेवा

1. डॉ. श्रीराम पी को विशेष ओलंपिक के लिए मिशन निदेशक नियुक्त किया गया तथा चेतना संस्था, बिलासपुर द्वारा आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर में भाग लिया।
2. डॉ. रमन शर्मा ने 14 जनवरी 2024 को घुमारवीं, बिलासपुर में आयोजित बाल चिकित्सा आउटरीच स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया।

बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. बिजया कुमार सेठी	सह-आचार्य	12.01.2021
2.	डॉ. संदीप सिंह सेन	सहायक आचार्य	12.12.2022

विभाग के बारे में

पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में दो फैकल्टी और 3 गैर शैक्षणिक जूनियर रेजिडेंट हैं। विभाग सप्ताह में चार दिन ओपीडी करता है। वर्तमान में विभाग को चौथी मंजिल पर 3 बेड आवंटित किए गए हैं। विभाग डेढ़ साल से आपातकालीन और वैकल्पिक सर्जरी कर रहा है। आज तक विभाग ने 250 प्रमुख सर्जिकल प्रक्रियाएँ की हैं।

विजन: बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग में हमारा विजन बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा देखभाल में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनना है, जिसे हमारे अभिनव दृष्टिकोण, करुणामयी उपचार और बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार के लिए प्रतिबद्धता के लिए पहचाना जाता है। हमारा लक्ष्य बाल चिकित्सा सर्जरी में नए मानक स्थापित करना और सर्जनों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करना है।

मिशन: हमारा मिशन बच्चों को उच्चतम गुणवत्ता वाली सर्जिकल देखभाल प्रदान करना, अत्याधुनिक शोध के माध्यम से बाल चिकित्सा सर्जरी के क्षेत्र को आगे बढ़ाना और बाल चिकित्सा सर्जनों की अगली पीढ़ी को प्रशिक्षित करना है। हम निम्न के लिए समर्पित हैं:

- प्रत्येक बच्चे की अनूठी जरूरतों के अनुरूप व्यापक, रोगी-केंद्रित सर्जिकल देखभाल प्रदान करना।
- बाल चिकित्सा सर्जरी में प्रगति को बढ़ावा देने वाले अग्रणी शोध का संचालन करना।
- भविष्य के बाल चिकित्सा सर्जनों के लिए कठोर और अभिनव प्रशिक्षण कार्यक्रम पेश करना।

रोगी देखभाल सेवाएँ:

1. विभाग लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के लिए भर्ती सेवा प्रदान कर रहा है।
2. ओपीडी और आईपीडी को सफलतापूर्वक चला रहा है।
3. सभी बाल चिकित्सा आपातकालीन मामलों में भाग ले रहा है।
4. सभी बाल चिकित्सा सर्जिकल मामलों का प्रबंधन किया गया है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: विभाग को एक एमसीएच सीट आवंटित है लेकिन किसी भी उम्मीदवार ने इसमें प्रवेश नहीं लिया है।

भविष्य की योजनाएँ:

- नवजात शिशुओं की सर्जरी शुरू करना।
- सर्जिकल नवजात शिशुओं के लिए नवजात रोगी आईसीयू शुरू करना।
- उन्नत न्यूनतम सर्जरी विकसित करना।
- ठोस अंग प्रत्यारोपण सहित बाल चिकित्सा प्रत्यारोपण विकसित करना
- रोबोटिक सर्जरी स्थापित करना

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1	डॉ. बिजया कुमार सेठी	किफायती आयरनक्राफ्ट: बाल चिकित्सा लेप्रोस्कोपिक सिम्युलेटर	बच्चों की सर्जरी के लिए 5वां वैश्विक पहल सम्मेलन	फरवरी 2024	डब्ल्यूएचओ लर्निंग अकादमी मनीला, फिलीपींस में आयोजित की गई।

2	डॉ. बिजया कुमार सेठी	हाइपोस्पेडियास में कॉर्डी डिग्री का लिंग मूत्रमार्ग की लंबाई पर प्रभाव: एक त्रिकोणमितीय विश्लेषण	हाइपोस्पेडियास और सेक्स विकास विकार के लिए 9वां अंतर्राष्ट्रीय बाल चिकित्सा सम्मेलन (ISHID)	मई 2024	बाल चिकित्सा संगठन संघों का विश्व फुटबॉल (WOFAPS) अबू धाबी
3	डॉ. बिजया कुमार सेठी	प्रॉक्सिमल हाइपोस्पेडियास के लिए हयाशी-कोयानागी रिपेयर का एक नया संशोधन: प्रारंभिक रिपोर्ट	अनुसंधान और नवाचार बाल चिकित्सा सर्जिकल सोसायटी अनुभाग का वार्षिक 8वां सम्मेलन	दिसंबर	भारतीय संघ के बाल शल्य चिकित्सक, एम्स, नई दिल्ली
4	डॉ. बिजया कुमार सेठी		बेसिक मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजी पर दूसरी संकाय कार्यशाला		एम्स बिलासपुर
5	डॉ. संदीप सिंह सेन		बाल चिकित्सा लेप्रोस्कोपिक सर्जरी पर राष्ट्रीय सम्मेलन (PESICON)	2024	आगरा

औषध विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1	डॉ. दीप्ति चोपड़ा	आचार्य और विभागाध्यक्ष	27.07.2022
2.	डॉ. अशोक के दुबे	अतिरिक्त आचार्य	10.07.2023
3.	डॉ. अवुला नवीन	सह-आचार्य	05.02.2024
2.	डॉ. मीनाक्षी मीनू	सहायक आचार्य	25.11.2020
3.	डॉ. यांगशेन ल्हामो	सहायक आचार्य	25.11.2020

विभाग के बारे में:

एम्स बिलासपुर का फार्माकोलॉजी विभाग अपनी स्थापना के बाद से ही निरंतर विकसित हो रहा है, जिससे चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के संस्थान के दृष्टिकोण को बल मिला है। विभाग ने मजबूत साक्ष्य-आधारित शिक्षण और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने और चिकित्सा शिक्षा में समकालीन आवश्यकताओं और उन्नति से मेल खाने के लिए शिक्षा में नवीन तरीकों को अपनाया है। स्नातक छात्रों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के अलावा, विभाग युवा दिमागों को पेशेवर नैतिकता, वार्तालाप और करुणा सीखने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विभाग प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं (एडीआर) की रिपोर्टिंग के महत्व पर समुदाय, रोगियों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर के संवेदीकरण के लिए जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग रोगी देखभाल में उत्कृष्टता के लिए संस्थान के दृष्टिकोण को साझा करता है। विभाग, दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अस्पताल के लिए प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट में सक्रिय रूप से शामिल है। संकाय सदस्य खुद को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। पिछले वर्ष में, उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भाग लेकर और अनुक्रमित पत्रिका में प्रकाशित करके विज्ञान में योगदान दिया है। फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स बिलासपुर, एक प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र (एएमसी) है, जिसे 2021 से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में भारतीय फार्माकोपिया आयोग, गाजियाबाद द्वारा मान्यता प्राप्त है और यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रमों में लगन से योगदान दे रहा है।

भविष्य के लिए विजन: फार्माकोलॉजी विभाग का उद्देश्य एक गतिशील और विशिष्ट शिक्षण वातावरण प्रदान करना है जो बुनियादी और नैदानिक फार्माकोलॉजी, चिकित्सा विज्ञान और विष विज्ञान में अभिनव, अभूतपूर्व अनुसंधान को बढ़ावा देगा। हम बुनियादी और नैदानिक अनुसंधान को एकीकृत करने पर जोर देंगे। हमारे प्राथमिक अनुसंधान क्षेत्रों में फार्माकोजेनोमिक्स, चिकित्सीय दवा निगरानी, एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप, दवाओं का तर्कसंगत उपयोग और विष विज्ञान शामिल हैं, जो इस देश के प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य बोझ पर ध्यान केंद्रित करते हैं। विभाग, नई चिकित्सीय पद्धतियों और दवा पुनर्प्रयोजन की खोज और विकास को बढ़ावा देने की कल्पना करता है। संस्थागत, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समितियों और सामुदायिक संगठनों में प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ संभालकर हम संस्थान और अपने देश की प्रगति में योगदान देंगे।

रोगी देखभाल सेवाएँ: एडीआर निगरानी, प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट, रोगियों के प्रति रेसिडेंट्स को संवेदनशील बनाना

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: एमबीबीएस, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, बीएससी नर्सिंग,

भविष्य की योजनाएँ: चिकित्सीय दवा निगरानी सेवाएँ, रोगाणुरोधी प्रबंधन कार्यक्रम और ज़हर नियंत्रण केंद्र।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित)

1. 22/09/2023 को पीजीआईएमईआर - चंडीगढ़ के सहयोग से फार्माकोविजिलेंस वेबिनार।

2. आमंत्रित बाह्य विशेषज्ञ द्वारा प्रिस्क्राइबिंग स्किल वेबिनार

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. मीनाक्षी मीनू	पारंपरिक बनाम नवीन DMARDs पर अतिथि व्याख्यान	रुमेटोलॉजी पर सीएमई	01/04/2023	एम्स, पटना
2.	डॉ. मीनाक्षी मीनू	DMARDs पर अतिथि व्याख्यान - बायोलॉजिक्स	एसएसी-एसीसीपी सम्मेलन	02/04/2023	एनएमसीएच, पटना
3.	डॉ. मीनाक्षी मीनू	आईसीएच-जीसीपी आर2 और भारतीय जीसीपी पर अतिथि व्याख्यान	अच्छे क्लिनिकल अभ्यास पर कार्यशाला	10/11/2023	आंध्र मेडिकल कॉलेज
4	डॉ. यांगशेन ल्हामो	"रोगी भर्ती और प्रतिधारण रणनीति" पर अतिथि व्याख्यान	वैज्ञानिक लेखन के लिए क्लिनिकल परीक्षण पद्धति और ए.आई. उपकरण"	18/04/2023	फार्माकोलॉजी विभाग, जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी / पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	स्नातक शिक्षण के लिए स्पेस्ड रिट्रीवल हेतु डिजिटल फार्माकोलॉजी फ्लैशकार्ड का कार्यान्वयन	**प्रमुख अन्वेषक**: डॉ. दीप्ति चोपड़ा **सह अन्वेषक**: डॉ. यांगशेन ल्हामो	स्व-वित्तपोषित	2 वर्ष	जारी	लागू नहीं
2.	कैंसर रोधी दवाओं की वित्तीय विषाक्तता और कैंसर रोगियों की स्वास्थ्य देखभाल और जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव	**प्रमुख अन्वेषक**: डॉ. मीनाक्षी मीनू	स्व-वित्तपोषित	1 वर्ष	जारी	लागू नहीं
3.	स्थानीय रूप से उन्नत सिर और गर्दन के कैंसर में तीव्रता मॉड्युलेटेड विकिरण चिकित्सा (आईएमआरटी) के साथ वॉल्यूमेट्रिक मॉड्युलेटेड आर्क	**सह-अन्वेषक**: डॉ. मीनाक्षी मीनू	स्व-वित्तपोषित	1.5 वर्ष	जारी	लागू नहीं

	थेरेपी (वीएमएटी) की विषाक्तता प्रोफ़ाइल की तुलना करने के लिए एक संभावित अवलोकन अध्ययन।					
4.	समवर्ती कीमोरेडिएशन प्राप्त कर रहे सिर और गर्दन के कैंसर रोगियों में सिस्प्लैटिन की प्रारंभिक ओटोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।	**सह-अन्वेषक**: डॉ. मीनाक्षी मीनू	स्व-वित्तपोषित	1.5 वर्ष	जारी	लागू नहीं

प्रकाशन

1. सिद्धू जेके, जाखड़ के, चोपड़ा डी, धोटे ए, बब्बर वी, शादमान एम, त्रिपाठी सीडी. पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल के मनोचिकित्सा बाह्य रोगी विभाग में प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाएँ: एक अवलोकन अध्ययन. जे रेस फार्म प्रैक्ट. 2023 मार्च 24;11(3):99-102। doi: 10.4103/jrpp.jrpp_51_22। PMID: 37304221; PMCID: PMC10252573।
2. चोपड़ा डी, क्वात्रा जी, भंडारी बी, सिद्धू जेके, राय जे, त्रिपाठी सीडी. जिगसॉ क्लासरूम: छात्रों और शिक्षकों की धारणाएँ. मेड साइंस एडुक. 2023 जून 20;33(4):853-859। doi: 10.1007/s40670-023-01805-z. PMID: 37546208; PMCID: PMC10403414.
3. पिपिल एन, गुप्ता पीपी, सोनी एस, चोपड़ा डी, ल्हामो वाई, सिंह एन, श्री बी. स्ट्रेप्टोज़ोटोसिन-प्रेरित मधुमेह चूहों में GLUT-4 mRNA और GLUT-4 प्रोटीन पर नेलुम्बो न्यूसिफेरा बीज अर्क का हाइपोग्लाइसेमिक प्रभाव. जे फार्म बायोलाइड साइंस. 2023 जुलाई;15(सप्लिमेंट 2):S1059-S1061. doi: 10.4103/jpbs.jpbs_226_23. ईपब 2023 जुलाई 11. PMID: 37693992; PMCID: PMC10485492.
4. नजीर एन, चोपड़ा डी, भंडारी बी, सिद्धू जेके। गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कोरोना वायरस रोग के रोगियों में प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाएं: एक अवलोकन अध्ययन. कर्र ड्रग सेफ. 2023;18(2):202-206। doi: 10.2174/1574886317666220513095618। PMID: 35570533।
5. चतुर्वेदी ए, दुबे ए.के., नवीन ए, श्रावणी एमआर। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में जन औषधि दुकानों की उपयोगिता और जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन. क्यूरियस. 2024 अप्रैल 4;16(4):e57630। doi: 10.7759/cureus.57630। PMID: 38711720; PMCID: PMC11070736.
6. कुमार डी एस, प्रशांत के, भंडारी ए, एट अल. सुरक्षित कल के लिए कोविड-19 वैक्सीन के विकास में नवाचार और चुनौतियाँ. क्यूरियस 2024 मई 10;16(5): e60015. DOI 10.7759/cureus.60015
7. कौर एच, मीनू एम, पांडे एस, चौहान ए, मंगला एम. अस्पष्टीकृत आवर्तक प्रत्यारोपण विफलता में प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा की भूमिका - यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षणों की एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण. जे ह्यूम रिप्रोड साइंस. 2024 जनवरी-मार्च;17(1):2-15. doi: 10.4103/jhrs.jhrs_166_23. ईपब 2024 मार्च 28. पीएमआईडी: 38665609; पीएमसीआईडी: पीएमसी11041320.
8. पुरोहित के, सिद्दीकी ए डब्ल्यू, सिंह एस, आर्य ए, ल्हामो वाई, भारती एम. मधुमेह के रोगियों में उपचार संतुष्टि के निर्धारक: रोगी द्वारा रिपोर्ट किए गए परिणामों का महत्व. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड क्लिनिकल रिसर्च. 2024; 16(2); 928-33

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां (व्यक्तिगत संकाय नामों के अंतर्गत उल्लेखित)

डॉ. दीप्ति चोपड़ा:

1. अप्रैल 2023 से 2025 तक FAIMER फेलोशिप प्रदान की गई
2. एमडी थीसिस मूल्यांकन के लिए बाह्य परीक्षक (दिल्ली विश्वविद्यालय), जुलाई 2023

3. पीएचडी थीसिस मूल्यांकन के लिए बाह्य परीक्षक (एम्स नई दिल्ली), जुलाई 2023
4. पीएचडी वाइवा वॉयस के लिए बाह्य परीक्षक, एम्स नई दिल्ली, अगस्त 2023

डॉ. मीनाक्षी मीनू

1. 21-22/07/2023 को साउथ एशियन कॉलेज ऑफ क्लिनिकल फार्माकोलॉजी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और दक्षिण एशिया में बाल चिकित्सा दवा विकास को आगे बढ़ाने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आवर्ती/मेटास्टेटिक/अनरिसेक्टेबल हेड एंड नेक स्क्वैमस सेल कैंसर के रोगियों में इम्यून चेकपॉइंट इनहिबिटर्स की प्रभावशीलता पर वास्तविक दुनिया साक्ष्य - एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण" शीर्षक वाले शोध कार्य पर क्लिनिकल पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार।

सामुदायिक सेवा

फार्माकोविजिलेंस सप्ताह 17 सितंबर से 23 सितंबर 2023 तक, निम्नलिखित सामुदायिक आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

1. एम्स (बिलासपुर), क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर और कोठीपुरा (बिलासपुर) के सरकारी स्कूलों में नुक्कड़ नाटक
2. एम्स, बिलासपुर में पैम्फलेट वितरण
3. एम्स, बिलासपुर में संवेदीकरण व्याख्यान

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. रूपाली पार्लेवार	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	08.02.2021
2.	डॉ. पूनम वर्मा	अतिरिक्त आचार्य	01.01.2021
3.	डॉ. हितेश जानी	सहायक आचार्य	09.12.2020
4.	डॉ. प्रीति भंडेरी	सहायक आचार्य	09.12.2020
5.	डॉ. भूपेन्द्र पटेल	सहायक आचार्य	14.12.2020
6.	डॉ. नवदीप आहूजा	सहायक आचार्य	18.03.2024

विभाग के बारे में

एम्स बिलासपुर का फिजियोलॉजी विभाग चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्ट है, जो मानव शरीर के कार्यो की गहरी समझ को बढ़ावा देता है। उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध, हमारे प्रतिष्ठित संकाय अनुसंधान को नवीन शिक्षण विधियों के साथ एकीकृत करते हैं, जिससे छात्रों को चिकित्सा क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए तैयार किया जाता है। हमारी अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ और सहयोगात्मक वातावरण स्वास्थ्य सेवा में उन्नति को बढ़ावा देते हैं। कठोर शैक्षणिक कार्यक्रमों और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से, हम भविष्य के स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को शारीरिक ज्ञान को नैदानिक अभ्यास में अनुवाद करने, रोगी देखभाल को बढ़ाने और वैश्विक चिकित्सा समुदाय में योगदान देने के लिए सशक्त बनाते हैं।

विजन:

- **शिक्षा में उत्कृष्टता:** छात्रों को शारीरिक सिद्धांतों और चिकित्सा पद्धति में उनके अनुप्रयोगों की गहन समझ से लैस करने वाली शीर्ष-स्तरीय शिक्षा प्रदान करना।
- **अभिनव अनुसंधान:** अग्रणी अनुसंधान का नेतृत्व करना जो फिजियोलॉजी के क्षेत्र को आगे बढ़ाता है, नई चिकित्सा अंतर्दृष्टि और बेहतर स्वास्थ्य सेवा समाधानों में योगदान देता है।
- **अंतःविषय सहयोग:** एक सहयोगी वातावरण को बढ़ावा देना जो अंतःविषय साझेदारी को प्रोत्साहित करता है, अन्य चिकित्सा और वैज्ञानिक विषयों के साथ शारीरिक ज्ञान के एकीकरण को बढ़ाता है।
- **अत्याधुनिक सुविधाएँ:** अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और शिक्षण सुविधाओं को बनाए रखना और निरंतर उन्नत करना, एक इष्टतम शिक्षण और अनुसंधान वातावरण सुनिश्चित करना।
- **वैश्विक नेतृत्व:** दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवा प्रथाओं और नीतियों को प्रभावित करते हुए, शारीरिक शिक्षा और अनुसंधान में एक वैश्विक स्तर पर अग्रणी के रूप में विभाग की स्थापना करना।
- **सामुदायिक प्रभाव:** स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए शरीर क्रिया विज्ञान विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए सामुदायिक आउटरीच और सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों में शामिल होना।

मिशन:

- **शैक्षिक उत्कृष्टता:** फिजियोलॉजी में उच्च-गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना, छात्रों के बीच महत्वपूर्ण सोच, नवाचार और मानव जीव विज्ञान की गहरी समझ को बढ़ावा देना।
- **अत्याधुनिक अनुसंधान:** ऐसे अभूतपूर्व अनुसंधान का संचालन करना जो शारीरिक ज्ञान की सीमाओं का विस्तार करता है और वैज्ञानिक खोजों को नैदानिक प्रगति में परिवर्तित करता है।
- **अंतःविषय एकीकरण:** अंतःविषयक सहयोग को बढ़ावा देना, व्यापक स्वास्थ्य सेवा समाधानों को बढ़ाने के लिए विभिन्न चिकित्सा और वैज्ञानिक क्षेत्रों के साथ शारीरिक सिद्धांतों को एकीकृत करना।
- **व्यावसायिक विकास:** संकाय, छात्रों और कर्मचारियों के निरंतर व्यावसायिक विकास का समर्थन करना, फिजियोलॉजी के क्षेत्र में आजीवन सीखने और नेतृत्व को प्रोत्साहित करना।

- **सामुदायिक जुड़ाव:** आउटरीच कार्यक्रमों, सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों और शैक्षिक साझेदारी के माध्यम से समुदाय के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना, स्वास्थ्य साक्षरता और समग्र कल्याण में सुधार करना।

रोगी देखभाल सेवाएँ:

विभाग निम्नलिखित रोगी देखभाल सेवाएँ प्रदान कर रहा है:

- औटोनोमिक फंक्शन टेस्ट प्रयोगशाला
- न्यूरोलॉजी विभाग के सहयोग से न्यूरोफिज़ियोलॉजी प्रयोगशाला।
- नैदानिक सेवाओं के लिए निद्रा रोग प्रयोगशाला की स्थापना प्रक्रियाधीन है।
- जीवनशैली से संबंधित बीमारियों के प्रबंधन के लिए नैदानिक सेवाएँ प्रदान करने के लिए जीवनशैली संशोधन क्लिनिक की स्थापना प्रक्रियाधीन है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम:

- फिजियोलॉजी विभाग एमबीबीएस और नर्सिंग एवं संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के छात्रों की शिक्षण गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगा हुआ है।
- वर्ष 2023-24 में, संकाय सदस्यों द्वारा एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए कुल 507 घंटे और नर्सिंग/पैरामेडिकल के लिए 184 घंटे का शिक्षण किया गया। इसमें व्याख्यान/व्यावहारिक कक्षा/प्रदर्शन/ सेमिनार/ क्विज़/ एसडीएल/ईसीई/छोटे समूह में शिक्षण आदि शामिल हैं।
- विभाग ने एमडी (फिजियोलॉजी) पाठ्यक्रम कार्यक्रम भी शुरू किया है, और इस वर्ष एक एमडी फिजियोलॉजी रेजिडेंट को भर्ती किया गया था।
- विभाग ने नैदानिक देखभाल, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए औटोनोमिक फंक्शन टेस्ट प्रयोगशाला स्थापित की है।
- विभाग न्यूरोलॉजी विभाग के साथ न्यूरोफिज़ियोलॉजी प्रयोगशाला स्थापित करने में भी सहायता कर रहा है।
- विभाग पीजी के प्रशिक्षण के लिए स्लीप लैब और लाइफस्टाइल मॉडिफिकेशन क्लिनिक स्थापित करने की प्रक्रिया में भी है।
- इस विभाग में अन्य स्नातकोत्तर प्रयोगशालाएं भी स्थापित करने का प्रस्ताव है, जैसे पल्मोनरी फंक्शन और एक्सरसाइज फिजिओलोजी प्रयोगशाला, जिनका उपयोग अनुसंधान और प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

भविष्य की योजनाएँ:

- रोगी देखभाल के लिए निद्रा रोग जांच और नैदानिक सेवाओं के लिए अनुसंधान प्रदान करना।
- जीवनशैली संशोधन क्लिनिक के माध्यम से जीवनशैली से संबंधित बीमारियों के प्रबंधन के लिए नैदानिक सेवाएँ प्रदान करना।
- विभाग प्रशिक्षण और अनुसंधान के उद्देश्य से निम्नलिखित अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया में है:
  - o कोग्नीटिव फंक्शन प्रयोगशाला में मस्तिष्क मानचित्रण के लिए fNIRS
  - o दर्द प्रयोगशाला के लिए मात्रात्मक संवेदी परीक्षण मशीन
  - o औटोनोमिक फंक्शन टेस्ट प्रयोगशाला के लिए QSART
- विभाग में पल्मोनरी फ़ंक्शन परीक्षण प्रयोगशाला और एक्सरसाइज फिजिओलोजी प्रयोगशाला की स्थापना।
- विभाग आईआईटी मंडी के सहयोग से अनुसंधान प्रस्ताव भी शुरू कर रहा है।

आयोजित सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर "स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती के लिए योग" विषय पर सीएमई – 23.06.2023
2. पैन इंडिया के सहयोग से "स्वास्थ्य सेवा में साक्ष्य आधारित पोषण" विषय पर सीएमई सह पैनल चर्चा। – 23.08.2023

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/ सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. रूपाली पार्लेवार	योग की फिजियोलॉजी	सीएमई	21 जून 23	एम्स बिलासपुर
2.	डॉ. रूपाली पार्लेवार	संपूर्ण खाद्य पौधे-आधारित पोषण	सीएमई	23 अगस्त, 2023	एम्स बिलासपुर
3.	डॉ. रूपाली पार्लेवार	नींद में मेलाटोनिन की भूमिका [सिम्पोजियम]	सम्मेलन	29.09 से 01.10.23	भारत नींद, एम्स कल्याणी
4.	डॉ. पूनम वर्मा	योग: समग्र स्वास्थ्य के लिए एक उपकरण	सीएमई	21 जून 23	एम्स बिलासपुर
5.	डॉ. पूनम वर्मा	नींद की कमी के स्वास्थ्य परिणाम- अपनी नींद को बेहतर बनाएँ	सम्मेलन	20-21 जुलाई, 2023	फिजियोलॉजी और लाइफ़स्टाइल मेडिसिन पर अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल कॉन्फ्रेंस, एम्स बीबीनगर।
6.	डॉ. पूनम वर्मा	नींद की गुणवत्ता की कमी और नींद की स्वच्छता: स्वास्थ्य परिणाम [संगोष्ठी]	सम्मेलन	29.09 से 01.10.23	इंडिया स्लीप, एम्स कल्याणी
7.	डॉ. पूनम वर्मा	जीवनशैली चिकित्सा: जीवनशैली से प्रेरित स्वास्थ्य रोगों का समाधान	सम्मेलन		केजीएमसी लखनऊ में एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय सम्मेलन
8.	डॉ. पूनम वर्मा	स्नातकोत्तर छात्रों के लिए थीसिस प्रोटोकॉल लेखन में व्याख्यान	कार्यशाला	27-29 अक्टूबर 23	एम्स बिलासपुर
9.	डॉ. हितेश जानी	पार्किंसंस रोग के रोगियों में एचआरवी और ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन का सहसंबंध।	सम्मेलन	23-23 दिसंबर 2024	ICON-BAP 2024, अहमदाबाद

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी / पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के हाइपोथायरायड रोगियों में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और बायोकेमिकल मापदंडों का अध्ययन। आईईसी सबमिशन नंबर 17/21। आईसीएमआर प्रस्ताव आईडी – 2021-13627	डॉ. रूपाली पार्लेवार (प्रधान अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित - आईसीएमआर	3 वर्ष	जारी	19,64,880

2.	हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी के विभिन्न आयु वर्ग के मूल निवासियों में जीवन शैली से संबंधित रोग बायोमार्करों के स्वायत्त और संज्ञानात्मक कार्यों के साथ संबंध का आकलन: एक व्यापक अवलोकन संबंधी क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। आईईसी सबमिशन नंबर 08/21 आईसीएमआर प्रस्ताव आईडी – 2021-13364	डॉ. पूनम वर्मा (प्रधान अन्वेषक)	बाह्य वित्तपोषित	2 वर्ष	जारी	25,44,126

प्रकाशन

1. कछवा एम, कुमार यू, पटेल बी, चौधरी आरसी, गनवानी डी, दुबे ए. ऑडीटरी स्टीमुलेशन के माध्यम से नियम सीखने के कार्य में व्यंजन और स्वरों की इवेंट रिलेटेड पोटेंशियल प्रोफाइलिंग. न्यूरोसाइकोलॉजिकल ट्रेंड्स. 2023; 34: 7-38। https://doi.org/10.7358/neur-2023-034-kach
2. चौधरी आरसी, पटेल बी, कुमार यू, कछवा एम, शर्मा एम, दुबे ए. इंट्रा और इंटर फोनेम वर्गों के सिलेबल्स के भीतर इवेंट रिलेटेड पोटेंशियल प्रतिक्रियाओं का तुलनात्मक अध्ययन। न्यूरोसाइकोलॉजिकल ट्रेंड्स. 2024; 35:97-117। https://doi.org/10.7358/neur-2024-035-chou

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. भूपेंद्र पटेल

- एनपीटीईएल स्वयं पोर्टल के माध्यम से 'इंजीनियरों के लिए उन्नत तंत्रिका विज्ञान', 12 सप्ताह का ऑनलाइन पाठ्यक्रम (जनवरी-अप्रैल 2023) पूरा किया।

सामुदायिक सेवा

1. 23/09/2023 को शासकीय पीजी कॉलेज, बिलासपुर (हि.प्र.) में कॉलेज के छात्रों के लिए "नींद स्वच्छता और स्वास्थ्य" पर जागरूकता सत्र
2. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले संकाय/कर्मचारियों/छात्रों के लिए एक महीने का योग सत्र और समुदाय के लिए एक सप्ताह का योग सत्र।

मनोरोग विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1	डॉ. ज्योति गुप्ता	सहायक आचार्य	28.11.2020
2.	डॉ. भूपेन्द्र यादव	सहायक आचार्य	08.09.2023

विभाग के बारे में

परिचय: विभाग में एक और संकाय शामिल हो गया है, वर्तमान में हमारे पास 2 सीनियर रेजिडेंट, 2 नैदानिक मनोवैज्ञानिक भी हैं। हमने विभाग में आईक्यू और अन्य मनोवैज्ञानिक आकलन करना शुरू कर दिया है और विभिन्न मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सा हस्तक्षेपों की संख्या में वृद्धि की है। हम वयस्क मनोचिकित्सा, नशा मुक्ति और बाल और किशोर मनोचिकित्सा ओपीडी की देखभाल कर रहे हैं। हमने एक अलग 30 बिस्तरों वाले मनोचिकित्सा वार्ड के रूप में इनडोर सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है। परामर्श संपर्क मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है। हम स्नातक शिक्षण, सिद्धांत, व्यावहारिक नैदानिक प्रदर्शन और एकीकृत शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल हैं। विभाग ने एमडी मनोचिकित्सा पाठ्यक्रम भी तैयार और अनुमोदित किया है। एमडी मनोचिकित्सा की एक सीट स्वीकृत है। विभाग ने क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में जिला विकलांगता बोर्ड में विकलांगता प्रमाणन के लिए अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। विभिन्न मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और ईसीटी मशीन की खरीद के प्रस्ताव को आईआरआरसी-6 और 7 में मंजूरी दे दी गई है।

कुछ शोध परियोजनाएं सह-अन्वेषक के रूप में प्रस्तुत की गई हैं और एक परियोजना वर्ष के दौरान पूरी हो गई है ।

विजन:

1. अंत:-विभागीय और अंतर-विभागीय अनुसंधान को बढ़ाना।
2. ईसीटी (प्रक्रियाधीन), आरटीएमएस और टीडीसीएस जैसी न्यूरोमॉड्यूलेशन सेवाएं शुरू करना।
3. एनडीडीटीसी एम्स के तहत अलग से व्यसन उपचार सुविधा का प्रस्ताव और इसके लिए जनशक्ति की भर्ती।
4. उपचार अंतराल को कम करने के लिए समुदाय में स्टिग्मा को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को लक्षित करने के लिए नियमित आउटरीच गतिविधियों का संचालन करना।

मिशन: 2034 तक उत्तर भारतीय पहाड़ी राज्यों के लिए अत्याधुनिक "रिसर्च एंड रेफरल चाइल्ड एंड एडोलसेंट साइकियाट्री सेंटर" की स्थापना करना

रोगी देखभाल सेवाएँ: विभिन्न मनोवैज्ञानिक उपकरणों और परीक्षणों की खरीद के साथ, बेहतर निदान और चिकित्सीय सेवाओं के लिए साइकोमेट्री शुरू की जाएगी। हम मशीन की खरीद के बाद ECT शुरू करने की योजना बना रहे हैं। हमने इनडोर रोगियों के लिए मनोरंजन गतिविधियाँ शुरू करने की योजना बनाई है। मनोचिकित्सा वार्ड के नवीनीकरण की प्रक्रिया चल रही है (मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम-2017 के तहत मानसिक स्वास्थ्य प्रतिष्ठान के लिए निर्धारित न्यूनतम मानकों को पूरा करने के लिए) और बाद में इसे केंद्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के तहत पंजीकृत कराया जाएगा।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम:

1. जुलाई 2024 सत्र से विभाग में एमडी मनोचिकित्सा पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा।

भविष्य की योजनाएँ:

1. बाह्य शोध परियोजनाएँ।
2. संकाय और सीनियर रेसिडेंट्स की संख्या में वृद्धि, और विशेष शिक्षक, व्यावसायिक चिकित्सक और एक बाल मनोवैज्ञानिक की भर्ती के साथ, अलग बाल और किशोर क्लिनिक शुरू करना, न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों के लिए सेवाओं में वृद्धि और प्ले थेरेपी और व्यावसायिक चिकित्सा शुरू करना।
3. मनोचिकित्सा नर्सिंग में डिप्लोमा / एमएससी शुरू करना

4. तृतीय प्रोफेशनल, एमबीबीएस में मनोचिकित्सा को एक अलग विषय के रूप में प्रस्तावित किया गया है, मानसिक स्वास्थ्य, स्वास्थ्य के समग्र मॉडल का एक आवश्यक और कम महत्व दिया जाने वाला घटक है।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. 17 फरवरी 2024 को डॉ. भूपेंद्र यादव द्वारा एम्स यूजी छात्रों के लिए तनाव प्रबंधन और आत्महत्या रोकथाम पर कार्यशाला।

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी / पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में प्रसवोत्तर मानसिक बीमारी की व्यापकता और जोखिम कारकों को जानने के लिए: एक समुदाय-आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। पूरा हुआ	सह-अन्वेषक	बाह्य वित्तपोषित	9 महीने	पूर्ण	2,50,000

प्रकाशन

1. यादव बी एट अल. भारतीय सशस्त्र बलों में शराब से संबंधित यौन रोग- इससे कितना नुकसान होता है? मेडिकल जर्नल आर्म्ड फोर्सेज इंडिया, 2024 (प्रथम लेखक)

सामुदायिक सेवा

1. 24 मई, 2023 को विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस पर सीआरसी सुंदरनगर में सिज़ोफ्रेनिया पर जागरूकता वार्ता की गई।
2. 10 अक्टूबर, 2023 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया, जिसमें बीएससी नर्सिंग छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक और नर्सिंग और एमबीबीएस छात्रों द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और कविता पाठ के माध्यम से जन जागरूकता पैदा की गई।
3. 23 नवंबर, 2023 को सीआरसी सुंदरनगर में भारतीय संदर्भ में बच्चों में मादक द्रव्यों के सेवन पर सेमिनार
4. 30 जनवरी, 2024 को चेतना संस्था, बिलासपुर में बाल परिवार स्वास्थ्य हस्तक्षेप कार्यक्रम के तहत बच्चों की मनोवैज्ञानिक जांच।
5. एक ऑनलाइन व्याख्यान: एनआईपीसीसीडी, 30 जनवरी 2024 को सीसीआई के बच्चों में लचीलापन और दिमागीपन विकसित करने पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
6. 16 फरवरी, 2024 को "बीएसएफ कर्मियों के परिवारों के लिए तनाव प्रबंधन" पर ऑनलाइन व्याख्यान
7. 17 फरवरी 2024 को एमबीबीएस, बीएससी नर्सिंग और पैरामेडिकल छात्रों के लिए "तनाव प्रबंधन और आत्महत्या रोकथाम" पर चर्चा आयोजित की गई।

8. समाचार पत्र लेख: 04 मार्च 2024 को "अवसाद और द्विध्रुवी विकार" पर डॉ. भूपेंद्र यादव द्वारा।
9. 15 मार्च, 2024 को AIIMS स्नातक छात्रों के लिए "रिश्ते के मुद्दों से कैसे निपटें और विफलता से कैसे निपटें" पर चर्चा।
10. सलाहकार मनोचिकित्सक, सीनियर रेजिडेंट मनोचिकित्सक, मानसिक स्वास्थ्य नर्स, नैदानिक मनोवैज्ञानिक, योग्य मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ताओं (MSSO) की एक टीम ने जिला सह ओपन एयर जेल, बिलासपुर के कैदियों की मानसिक स्वास्थ्य जांच की।

रेडियोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. नरवीर सिंह चौहान	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	11.07.2023
2.	डॉ. लोकेश राणा	सहायक आचार्य	23.11.2020
3.	डॉ. करमवीर चंदेल	सहायक आचार्य	13.08.2022
4.	डॉ. वरुण बंसल	सहायक आचार्य	31.07.2023

विभाग के बारे में

रेडियोलॉजी विभाग की स्थापना 2021 में एक साधारण शुरुआत के साथ की गई थी। तब से, हमारे विभाग ने 3 वर्षों की छोटी अवधि में तेजी से प्रगति की है और अब एक पूर्ण रूप से स्थापित विभाग के रूप में विकसित हो गया है, जो न केवल समग्र और व्यापक रेडियोलॉजी रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान करता है, बल्कि बीएससी एमआरआईटी पाठ्यक्रम के साथ-साथ स्नातकोत्तर शैक्षणिक पाठ्यक्रम (एमडी रेडियोडायग्नोसिस) भी प्रदान करता है।

विज़न: क्षेत्र में एक प्रमुख रेडियोलॉजी और इमेजिंग विज्ञान शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित होना जो उभरते रेडियोलॉजिस्ट और प्रौद्योगिकीविदों को शीर्ष-स्तरीय शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है। करुणामयी , रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण की संस्कृति को बढ़ावा देकर रोगी देखभाल सेवाओं में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना। हम रेडियोलॉजी में उत्कृष्टता के एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त करने की आकांक्षा रखते हैं, जो डायग्नोस्टिक और इंटरवेंशनल इमेजिंग में गुणवत्ता के लिए बेंचमार्क स्थापित करता है।

मिशन: हम सभी में मौजूद केयरटेकर को इस सिद्धांत को आत्मसात करके प्रेरित करना कि: "हर जीवन मायने रखता है और हर घंटा मायने रखता है"।

रोगी देखभाल सेवाएँ: ओपीडी सेवाएँ: विभाग ओपीडी आधार पर अत्याधुनिक निदान सेवाएँ प्रदान कर रहा है। इनमें निम्न सेवाएँ शामिल हैं:

1) 3 टेस्ला मशीन पर उन्नत एमआरआई अनुप्रयोग जैसे कि डीटीआई, फाइबर ट्रैकिंग, न्यूरोग्राफी, कार्डियक एमआरआई स्कैन के अलावा नियमित एमआरआई स्कैन। 2) अत्याधुनिक दोहरी ऊर्जा 256 स्लाइस सीटी पर, विभाग कोरोनरी एंजियोग्राफी जैसे विशेष अध्ययन कर रहा है, और अन्य एंजियोग्राफी जैसे कि सेरेब्रल, पल्मोनरी, रीनल और पेरिफेरल एंजियोग्राफी, सीटी यूरोग्राफी और सीटी एंटरोग्राफी के अलावा शरीर के विभिन्न अंगों के सभी नियमित सीटी स्कैन भी कर रहा है। 3) डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड और विभिन्न डॉपलर अध्ययन। 4) शरीर के विभिन्न अंगों के नियमित रेडियोग्राफ़।

आपातकालीन सेवाएँ: विभाग, आपातकाल में, चौबीसों घंटे सीटी स्कैन, सी टी एंजियोग्राफी, अल्ट्रासाउंड एवं डोप्पलर की सुविधा प्रदान कर रहा है।

इंटरवेंशनल रेडियोलोजी: विभाग इंटरवेंशनल रेडियोलोजी सेवाओं की एक विस्तृत श्रंखला प्रदान कर रहा है, जिनमें शामिल हैं: सीटी एवं अल्ट्रासाउंड निर्देशित ऍफ़ एन ए सी एवं बाइओप्सी, अल्ट्रासाउंड निर्देशित पिग टेल प्लेसमेंट , अल्ट्रासाउंड निर्देशित पी सी एन प्लेसमेंट, अल्ट्रासाउंड निर्देशित वीनस अब्लेशन, पी आई सी सी लाइन इंसर्शन, कीमोपोर्ट इंसर्शन, प्लयूरोडेसिस, नैदानिक एवं उपचारात्मक प्लयूरल/असाईटिक ड्रेनेज।

रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए नए उपकरण जोड़े गए: 1) 128 स्लाइस सीटी मशीन: विभाग ने आपातकालीन रेडियोलॉजी सेवाओं को मजबूत करने के लिए आपातकालीन ब्लॉक डी में एक अत्याधुनिक नई 128 स्लाइस सीटी मशीन स्थापित करके नैदानिक सेवाओं का विस्तार किया है। 2) इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विंग द्वारा प्रदान की जाने वाली चिकित्सीय सेवाओं का विस्तार करने के लिए आरएफए एब्लेशन मशीन को जोड़ा गया है। 3) डीआर डिजिटल एक्स रे मशीन: एक्स रे की आवश्यकता वाले रोगियों की बढ़ती संख्या को पूरा करने के लिए 1000 एमए डीआर मशीन को जोड़ा गया है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: विभाग ने जुलाई 2023 से एम डी रेडियो डायग्नोसिस कोर्स की शुरुआत की है, जिसकी प्रवेश क्षमता प्रति अर्धवार्षिक 2 छात्रों की है।

भविष्य की योजनाएँ: निदान संबंधी एमआरआई सेवाओं की आवश्यकता वाले रोगियों को बेहतर कवरेज प्रदान करने के लिए आयुष ब्लॉक में एक नई उन्नत 1.5 टेस्ला मशीन स्थापित की जा रही है। विभाग अतिरिक्त रोगी देखभाल सेवाओं के लिए निम्नलिखित अतिरिक्त उपकरण प्राप्त करने की योजना बना रहा है: 1) बढ़ते कार्यभार को पूरा करने के लिए एक 1000 mA डिजिटल DR X रे मशीन। 2) निदान और उपचारात्मक हस्तक्षेप संबंधी संवहनी प्रक्रियाओं को शुरू करने के लिए अत्याधुनिक बाइप्लेन DSA। 3) नवीनतम निदान संबंधी अल्ट्रासाउंड, डॉपलर और इलास्टोग्राफी सेवाएँ प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक उच्च स्तरीय उच्च डॉपलर अल्ट्रासाउंड मशीन।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. नरवीर सिंह चौहान	ब्लंट ट्रॉमा एब्डोमेन के मूल्यांकन में स्प्लिट बोलस सीटी प्रोटोकॉल की रूटीन पोर्टोवेनस सीटी प्रोटोकॉल से तुलना	अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी सम्मेलन केसीआर 2023	20-09-23	कोरियन सोसाइटी ऑफ रेडियोलॉजी, सियोल
2.	डॉ. नरवीर सिंह चौहान	संयुक्त एमआरआई आईएसी और एचआरसीटी टेम्पोरल बोन द्वारा जन्मजात सेंसरिनुरल श्रवण हानि का रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन	अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी सम्मेलन केसीआर 2023	20-09-23	कोरियन सोसाइटी ऑफ रेडियोलॉजी, सियोल
3.	डॉ. नरवीर सिंह चौहान	प्रसवपूर्व पोटपुरी: भ्रूण एमआरआई पर निदान की गई दुर्लभ और दिलचस्प भ्रूण विसंगतियों का चित्रात्मक परीक्षण	सीएमई भ्रूण इमेजिंग पर वर्तमान अपडेट	28 और 29 अक्टूबर 2023	आईजीएमसी शिमला
4.	डॉ. करमवीर चंदेल	हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में एब्लेटिव थेरेपी।	एम्स भुवनेश्वर इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सम्मेलन, 2023	29-07-23	एम्स भुवनेश्वर
5.	डॉ. करमवीर चंदेल	बायोप्सी जटिलताएं- कैसे निपटें?	एम्स भुवनेश्वर इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सम्मेलन, 2023	29-07-23	एम्स भुवनेश्वर
6.	डॉ. करमवीर चंदेल	ट्रांसजुगुलर लिवर बायोप्सी	आईएसवीआईआर राज्य अध्याय सम्मेल	मार्च 2024	पीजीआईएमईआर चंडीगढ़
7.	डॉ. करमवीर चंदेल	बायोप्सी और उदर जल निकासी प्रक्रियाएं	इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एब्डोमिनल रेडियोलॉजी (आईएसजीएआर)	नवंबर 2023	पीजीआईएमईआर चंडीगढ़
8.	डॉ. करमवीर चंदेल	पर्क्यूटेनियस बिलियरी ड्रेनेज प्रक्रियाएं	(एयरडकॉन) 2023	जुलाई 2023	एम्स भुवनेश्वर

9.	डॉ. करमवीर चंदेल	इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में ऊपरी और निचले अंग परिधीय तंत्रिका ब्लॉक की उपयोगिता	आईएसवीआईआर 2024	जनवरी 2024	इंडियन सोसाइटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशन रेडियोलॉजी

प्रकाशन

1. शर्मा के, जरयाल ए, शर्मा एस, राणा एल. एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम के साथ मिलिअरी ट्यूबरकुलोसिस के दौरान डिसेमिनेटेड इंट्रावास्कुलर कोएगुलेशन. जर्नल ऑफ ग्लोबल इंफेक्शियस डिजीज. 2024:10-4103।
2. मुकुंद ए, त्रिपाठी टीपी, पटेल आरके, चंदेल के, पाटीदार वाई, जिंदल ए, सरीन एसके. यकृत के कॉडेट लोब में हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के लिए परक्यूटेनियस एब्लेटिव थेरेपी: प्रभावकारिता और परिणाम. ब्रिटिश जर्नल ऑफ रेडियोल. 2023 मई 25:20220086। doi: 10.1259/bjr.20220086। प्रिंट से पहले ईपब। पीएमआईडी: 37227887.
3. बलोजी ए, कालरा एन, चालुवेशेट्टी एस, भुजडे एच, चंदेल के, दुसेजा ए, तनेजा एस, गोरसी यू, कुमार आर, सिंह एच, सूद ए. उन्नत एचसीसी में वाई-90 टीएआरई की प्रभावकारिता: हाइब्रिड एंजियो-सीटी और ग्लास माइक्रोस्फीयर के साथ एक अनुभव. जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरीमेंटल हेपेटोलॉजी. 2023 दिसंबर 26:101342।
4. पटेल आरके, चंदेल के, त्रिपाठी टी, पाणिग्रही एमके, बेहरा एस, नायक एचके, पटनायक बी, दत्ता टी, गुप्ता एस, पाटीदार वाई, मुकुंद ए. सिरोसिस के रोगियों में संवहनी आपात स्थितियों में इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आईआर) की भूमिका. इमरजेंसी रेडियोलॉजी. 2023 नवंबर 17:1-4।
5. चौहान पी, बंसल वी, दारोच एम. (2024)। न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस टाइप 1 में फ्लोरिड क्यूटेनियस न्यूरोफाइब्रोमास: एक क्लासिक प्रस्तुति. कॉस्मोडर्मा. 2024;4:31.

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. नरवीर सिंह चौहान

1. आईजीएमसी शिमला में भ्रूण एमआरआई इमेजिंग सीएमई पर पोस्टर प्रस्तुति, “भ्रूण एमआरआई पर निदान की गई दुर्लभ और दिलचस्प भ्रूण विसंगतियाँ” विषय पर जटिल विसंगतियों के निदान पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

रेडियोथेरेपी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1	डॉ. मुनीन्द्र कुमार	अतिरिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	14.06.2022
2	डॉ. प्रियंका ठाकुर	सह-आचार्य	10.07.2023
3	डॉ. निकेता ठाकुर	सहायक आचार्य	28.11.2023

विभाग के बारे में

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग कैंसर रोगियों की व्यापक देखभाल के लिए प्रतिबद्ध है। हम कैंसर रोगियों को उन्नत रेडियोथेरेपी उपचार प्रदान करने की दृष्टि से रेडिएशन ऑन्कोलॉजी सेवाएँ शुरू करने जा रहे हैं। एम्स बिलासपुर में, हम कैंसर के दौरान रोगियों को समग्र सहायता प्रदान करने के महत्वपूर्ण महत्व को पहचानते हैं। हमारी रेडिएशन ऑन्कोलॉजी सेवाएँ न केवल अत्याधुनिक उपचार प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की जाएँगी, बल्कि रोगी के सुविधा, सम्मान और कल्याण को भी प्राथमिकता देंगी। विभाग हाई एनर्जी लीनियर एक्सेलेरेटर, एचडीआर ब्रेकीथेरेपी और 4डी सीटी सिम्युलेटर सहित अत्याधुनिक मशीनरी से सुसज्जित है। उन्नत मशीनरी से परे, विभाग में एक समर्पित ब्रेकीथेरेपी ऑपरेशन थियेटर, ट्रीटमेंट प्लानिंग सिस्टम (मोनाको), और सिमुलेशन और मोल्ड रूम की सुविधा है। उन्नत तकनीक, समर्पित सुविधाओं और एक करुणामयी टीम के साथ, हम हर मरीज की चिकित्सा और आशा की यात्रा में एक सार्थक अंतर लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विभाग ने जनवरी 2024 सत्र से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किया है। हमारी भविष्य की योजना में विकिरण ऑन्कोलॉजी में सतह निर्देशित रेडियोथेरेपी जैसी नई तकनीकों को लागू करना शामिल है।

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी / पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री	डॉ. मुनीन्द्र कुमार (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. प्रियंका ठाकुर (सह-अन्वेषक)	स्व-वित्तपोषित	लागू नहीं	जारी	लागू नहीं

प्रकाशन

1. एन गुप्ता, पी सरीन, एस कुमार, एम नेगी. उत्तर भारत के दो शैक्षणिक चिकित्सा संस्थानों में मेडिकल छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच परमाणु चिकित्सा और परमाणु चिकित्सा के तौर-तरीकों के उचित उपयोग के बारे में जागरूकता और ज्ञान का आकलन: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन एशिया ओशिनिया जर्नल ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड बायोलॉजी 2024, वॉल्यूम12, अंक1, एसपीजेज73
2. ठाकुर एन, बंसल एन, सूडान एम, शर्मा ए. मेडुलोब्लास्टोमा के लिए क्रेनियोस्पाइनल विकिरण का अनुकूलन: दो वीएमएटी योजना विधियों की एक डोसिमेट्रिक तुलना. ईकैंसर 2024, 18:1700; doi:10.3332/ecancer.2024.1700
3. ठाकुर एन, कौर एच, कौर एस, लेहल पी, सूडान एम, जैन एन, शर्मा आर, शर्मा ए. वीएमएटी और आईएमआरटी तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण: कीमोरेडियोथेरेपी से गुजर रहे गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के रोगियों में खुराक

की कमी और अस्थि मज्जा की बचत का मूल्यांकन. एशियन पैक जे कैंसर प्रीव. 2024 जनवरी 1;25(1):139-144. doi: 10.31557/APJCP.2024.25.1.139.

4. शर्मा ए, ठाकुर एन, ठाकुर ए, एट अल. भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में रोगाणुरोधी प्रतिरोध की चुनौती. क्यूरियस. 2023, 15(7): ई42231. doi 10.7759/cureus.42231
5. शर्मा ए, ठाकुर एन, ठाकुर ए, भारद्वाज एन. कैंसर दर्द के प्रबंधन में हस्तक्षेप तकनीकों की भूमिका. एशियन पैक जे कैंसर केयर. 8 (2), 391-399 DOI:10.31557/APJCC.2023.8.2.391
6. तिवारी ए, शर्मा ए, जसवाल एस, ठाकुर एन. भारत के एक टियर-2 शहर में अपने पहले दो वर्षों के दौरान कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी (CTVS) यूनिट के रोगी परिणामों और प्रदर्शन का आकलन: एक व्यापक ऑडिट और विश्लेषण. क्यूरियस. 2023, 15(8): e42910. dois 10.7759/cureus.42910
7. शर्मा ए, ठाकुर ए, ठाकुर एन, एट अल. उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल के आईसीयू रोगियों के एंडोट्रैचियल एस्पिरेट नमूनों से पृथक क्लेबसिएला न्यूमोनिया के एंटीबायोटिक प्रतिरोध पैटर्न में बदलती प्रवृत्ति। क्यूरिय., 2023, 15(3): e36317. DOI 10.7759/cureus.36317
8. ठाकुर एन, कौर एच, कौर एस, शर्मा आर, लेहल पी, शर्मा ए. सिंक्रोनस द्विपक्षीय स्तन कैंसर विकिरण में रेडियोथेरेपी योजना: एक डोसिमेट्रिक अध्ययन. एशियन पैक जे कैंसर केयर. 9 (1), 43-48.
9. कौर एच, ठाकुर एन, शर्मा आर, सूडान एम, जैन एन, कौर एस, लेहल पी. निश्चित विकिरण चिकित्सा से इलाज किए गए शुरुआती ग्लोटिक कैंसर रोगियों में कैरोटिड-स्पेयरिंग आईएमआरटी और 3डीसीआरटी के बीच डोसिमेट्रिक तुलना. doi: 10.4103/jcrt.jcrt_1912_22.

सामुदायिक सेवा

1. 4 फरवरी 2024 को विश्व कैंसर दिवस
2. अंगदान जागरूकता
3. कैंसर जागरूकता

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ. चित्रेश कुमार	सह-आचार्य	09.12.2020

विभाग के बारे में

वर्तमान में सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में प्रतिदिन ओपीडी, प्रतिदिन कैंसर स्क्रीनिंग और जागरूकता तथा सप्ताह में एक बार मेजर और माइनर ओटी चलाया जा रहा है। अधिकांश मेजर कैंसर सर्जरी ओपन और लेप्रोस्कोपिक दोनों ही तरह से की जा रही हैं।

विजन: साक्ष्य आधारित बहुविषयक दृष्टिकोण के साथ रोगियों को अत्याधुनिक न्यूनतम इनवेसिव और ओपन सर्जिकल कैंसर देखभाल प्रदान करना।

मिशन: निदान के 1 सप्ताह के भीतर कैंसर रोगी को शल्य चिकित्सा देखभाल प्रदान करना।

रोगी देखभाल सेवाएँ:

अवसरवादी कैंसर स्क्रीनिंग; बाह्य रोगी सेवाएँ; छोटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ; बड़ी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ। पूरे हिमाचल प्रदेश में केवल एम्स बिलासपुर में की जाने वाली प्रक्रियाएँ: स्कारलेस थायरॉयडेक्टॉमी, रेट्रोपेरिटोनियोस्कोपिक एड्रेनालेक्टॉमी, फ्लोरोसेंस गाइडेड एसएलएनबी

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: एमसीएच सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

भविष्य की योजनाएँ: ऑन्कोप्लास्टिक ब्रेस्ट सर्जरी में फेलोशिप; एमसीएच ब्रेस्ट और एंडोक्राइन सर्जरी

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तिथि	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. चित्रेश कुमार	एम्स बिलासपुर में कैंसर सर्जरी की स्थिति पर अद्यतन जानकारी	एनसीआई ऑन्कोलॉजी कॉन्टोटियम	11 फरवरी 2024	एनसीआई, झज्जर

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी / पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	उच्च जोखिम वाले स्तन कैंसर में 18F-FDG PET CT या पारंपरिक अनुवर्ती की तुलना करने वाला चरण II परीक्षण और उत्तरजीविता पर इसका प्रभाव (PET-स्तन)	सह-अन्वेषक: डॉ. चित्रेश कुमार	बहुकेन्द्रित गैर वित्तपोषित		जारी	

प्रकाशन

1. गौर, के., सिम्हा, ए. और कुमार, सी. मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी के दौरान पाई गई स्टर्नलिस मांसपेशी: नैदानिक महत्व। इंडियन जे सर्ज 85, 450–451 (2023)।

2. ठाकुर पी.एस., कुमार सी. ग्रेव्स रोग के लिए एंटीथायरॉइड दवा के विकल्प के रूप में रेडियोधर्मी आयोडीन की तुलना में कुल थायरॉइडेक्टॉमी का आलोचनात्मक मूल्यांकन अधिक लागत प्रभावी है। सर्जरी। 2023 मई;173(5):1311।
3. अग्रवाल एस, कर पी, बोरुआ एम, साहा एस, मिलो टी, कुमार सी, वुथालुरू एस, गोस्वामी आर. नार्मल इन्फीरियर और सुपीरियर मानव पैराथायरॉइड ग्रंथियों के आणविक हस्ताक्षर में जन्मजात अंतर: पैराथायरॉइड एडेनोमा के लिए संभावित निहितार्थ.मोल सेल बायोकेम. 2023 अक्टूबर;478(10):2351-2359।
4. कुमार सी, झा सी.के. हनीकॉम्ब ब्रेस्ट: फाइब्रोसिस्टिक बीमारी का आभास. ट्रॉप. डॉक्ट. 2023 जुलाई;53(3):396-397।
5. यादव एसके, लाल जी, जैन एसबी, झा सीके, कोर्विन सी, वैन गोर्प बी, शर्मा सीके, कुमार ए, सिन्हा डीके. सर्जिकल एर्गोनॉमिक्स सिद्धांतों और शिक्षा पर भारतीय सर्जरी प्रशिक्षु का दृष्टिकोण: आगे एक लंबी राह. अमेरिकन जर्नल ऑफ सर्जन्स. 2023 नवंबर;226(5):735-740।
6. शर्मा एन, कुमारी एम, कुमार सी। <50 पीजी/एमएल के पैराथाइरॉइड हार्मोन स्तर के साथ हाइपरकैल्सीमिया के बारे में राय: क्या यह प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म है? सर्जरी. 2023 अप्रैल;173(4):1103-1104।
7. मैथ्यू यूई, गोयल ए, उपाध्याय एडी, कंडासामी डी, अग्रवाल एस, शर्मा सीके, शर्मा ए, बाल सी, टंडन एन, ज्योत्सना वीपी. छिटपुट और कई अंतःस्रावी रसौली सिंड्रोम से संबंधित प्राथमिक हाइपरपेराथायरायडिज्म वाले रोगियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल और उपचार के परिणाम। क्लिन एंडोक्रिनॉल (ऑक्सफ़). 2023 नवंबर;99(5):449-458।
8. वाकणकर आर, धर्मशक्तू वाई, दामले एएन, कुमार पी, बाल सी, कुमार आर, त्रिपाठी एम, अग्रवाल एस, खडगवत आर, चुंबर एस, कुमार सी. लगातार/पुनरावर्ती प्राथमिक हाइपरपेराथायरायडिज्म के रोगियों में अपराधी घावों के स्थानीयकरण में 18 फ्लोरोकोलाइन पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी/कंप्यूटेड टोमोग्राफी की भूमिका: COVID समय में एक संभावित अध्ययन. इंडियन जे न्यूक्ल मेड। 2023 जुलाई-सितंबर;38(3):218-223।

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक)
1.	एसवीएस देव, ए मिश्रा, सी कुमार, एस भोरिवाल	स्तन संरक्षण सर्जरी में मार्जिन मूल्यांकन	एसवीएस देव	स्तन ऑन्कोप्लास्टी और पुनर्निर्माण: सिद्धांत और अभ्यास	जर्मनी: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, 33-39 (2023).
2.	एसवीएस देव, जे शर्मा, सी कुमार, वी सीनू	स्तन पुनर्निर्माण का अवलोकन	एसवीएस देव	स्तन ऑन्कोप्लास्टी और पुनर्निर्माण: सिद्धांत और अभ्यास	जर्मनी: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, 33-39 (2023).
3.	एसवीएस देव, ए मिश्रा, सी कुमार, ए गोयल	स्तन ऑन्कोप्लास्टी में अनुवर्ती और कॉस्मेटिक परिणाम	एसवीएस देव	स्तन ऑन्कोप्लास्टी और पुनर्निर्माण: सिद्धांत और अभ्यास	जर्मनी: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, 33-39 (2023).

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. चित्रेश कुमार

1. एशियन एसोसिएशन ऑफ मैस्टोलॉजी के आजीवन सदस्य
2. इंडियन एसोसिएशन ऑफ एंडोक्राइन सर्जन्स के संयुक्त सचिव

सामुदायिक सेवा

1. सर्जिकल ऑन्कोलॉजी ओपीडी में आने वाले मरीज़ों के परिचारकों की कैंसर स्क्रीनिंग

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन और ब्लड बैंक विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1	डॉ. राकेश कुमार	सहायक आचार्य	27.11.2020

विभाग के बारे में

हमारे संस्थान में ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसिन और ब्लड बैंक विभाग को 19 अक्टूबर, 2023 को रक्त के संग्रह, परीक्षण, प्रसंस्करण और वितरण के लिए लाइसेंस प्राप्त हुआ। हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के भीतर एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में, हम जीवन बचाने के लिए रक्त और उसके घटकों की सुरक्षा, उपलब्धता और इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

विज़न: उच्चतम गुणवत्ता वाले रक्त और रक्त उत्पाद प्रदान करके, रोगियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करके और क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षा को आगे बढ़ाकर ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसिन में अग्रणी बनना।

मिशन: हमारा मिशन अनुकरणीय रोगी देखभाल प्रदान करना, अनुसंधान के माध्यम से चिकित्सा ज्ञान को आगे बढ़ाना और ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसिन में भविष्य के नेताओं को शिक्षित करना है। हम एक विश्वसनीय और सुरक्षित रक्त आपूर्ति बनाए रखने, स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और ट्रांसफ़्यूज़न प्रथाओं और प्रौद्योगिकियों में नवाचार करने का प्रयास करते हैं।

रोगी देखभाल सेवाएँ:

- रक्त संग्रह: पर्याप्त रक्त आपूर्ति बनाए रखने के लिए नियमित रक्तदान शिविर और इन-हाउस दान।
- घटक तैयारी: विभिन्न रोगी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरे रक्त को लाल कोशिकाओं, प्लेटलेट्स और प्लाज्मा जैसे घटकों में अलग करना।
- रक्ताधान सेवाएँ: व्यापक संगतता परीक्षण द्वारा समर्थित, रोगियों को रक्त उत्पादों का सुरक्षित और समय पर आधान।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: स्नातकोत्तर प्रशिक्षण: क्षेत्र में कुशल पेशेवरों को विकसित करने के लिए ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन में एमडी कार्यक्रम शुरू किया गया है।

भविष्य की योजनाएँ:

- सेवाओं का विस्तार: रक्त उत्पादों की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए हमारे रक्त बैंक की क्षमता में वृद्धि करना।
- अनुसंधान पहल: नई तकनीकों को विकसित करने और रोगी परिणामों में सुधार करने के लिए ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसिन में अनुसंधान प्रयासों को बढ़ाना।
- जन जागरूकता अभियान: लक्षित अभियानों और गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग के माध्यम से स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना।
- उन्नत प्रौद्योगिकियाँ: सुरक्षा और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित रक्त प्रसंस्करण जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को एकीकृत करना।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए-

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तारीख	आयोजक एवं स्थल
1	डॉ. राकेश कुमार	उपकरण प्रबंधन	ट्रांसमेडकॉन 2023	2 नवम्बर	जी.एम.सी.एच.-32, चंडीगढ़

प्रकाशन

1. सैनी एन, गर्ग एस, कुमार आर, जैन आर, सचदेवा पी. रक्तदाताओं में ट्रांसफ्यूजन संक्रामक संक्रमणों की सीरोप्रिवलेंस और प्रवृत्ति: पंजाब में तृतीयक देखभाल अस्पताल से एक अध्ययन। इंट जे एकेड मेड फार्म. 2024;6(2):807-9.

मूत्रविज्ञान विभाग

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1	डॉ. उमा कांत दत्त	सहायक आचार्य	28.06.2022

विभाग के बारे में

एम्स बिलासपुर में यूरोलॉजी विभाग असाधारण रोगी देखभाल, अग्रणी यूरोलॉजिकल शोध और शीर्ष स्तरीय शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह वार्षिक रिपोर्ट पिछले वर्ष की हमारी प्रमुख उपलब्धियों, हमारे शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रगति और भविष्य के लिए हमारी रणनीतिक दृष्टि को रेखांकित करती है।

विज़न: हमारा विज़न एक अग्रणी यूरोलॉजी विभाग बनना है, जिसे हमारी नैदानिक उत्कृष्टता, अभूतपूर्व अनुसंधान और उत्कृष्ट शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त हो, जिससे हम जिन समुदायों की सेवा करते हैं, उनके स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार हो।

मिशन: हमारा मिशन अपने रोगियों को व्यापक, करुणामयी और अत्याधुनिक मूत्र संबंधी देखभाल प्रदान करना, नवीन अनुसंधान के माध्यम से मूत्रविज्ञान के क्षेत्र को आगे बढ़ाना और अगली पीढ़ी के मूत्र रोग विशेषज्ञों को उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों के लिए शिक्षित और प्रशिक्षित करना है।

रोगी देखभाल सेवाएँ:

कुल देखे गए रोगी-

बाह्य रोगी दौरे- 11000

अंतर-रोगी भर्ती: 260

दिन देखभाल भर्ती: 220

की गई सर्जरी: 450

शैक्षणिक पाठ्यक्रम: एम.सीएच. जल्द ही शुरू किया जाएगा

भविष्य की योजनाएँ: मूत्रविज्ञान विभाग में गुर्दे प्रत्यारोपण कार्यक्रम और रोबोटिक प्रक्रियाएँ शुरू करना

सामुदायिक सेवा

1. डॉ. उमा कांत दत्त ने आकाशवाणी हमीरपुर में जनता के लिए किडनी स्टोन प्रबंधन पर लाइव रेडियो वार्ता की।

नर्सिंग कॉलेज, एम्स बिलासपुर

संकाय

क्र. सं.	नाम	पद	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	डॉ.आदित्या शर्मा	आचार्य सह-प्रधानाचार्य	28.05.22
2.	डॉ. मोनिका शर्मा	सह-आचार्य	16.05.23
3.	डॉ. वरिंदर कौर	सह-आचार्य	01.05.23
4.	डॉ. सुमनदीप	सहायक आचार्य	25.04.23
5.	सुश्री इंदु बाला	सहायक आचार्य	21.04.23
6.	डॉ. ज्योति कठवाल	सहायक आचार्य	14.08.23

विभाग के बारे में

एम्स बिलासपुर में नर्सिंग कॉलेज विभाग की स्थापना 2022 में एक प्रिंसिपल और 7 ट्यूटर्स की भर्ती और एक नया संस्थान शुरू करने के लिए आवश्यक मूलभूत गतिविधियों को अंतिम रूप देने के साथ की गई थी। अक्टूबर 2022 में 26 छात्रों वाले अपने पहले बीएससी (एच) नर्सिंग बैच 2022-2026 के शुभारंभ के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। इसके बाद 34 छात्रों के साथ दूसरे बीएससी (एच) नर्सिंग बैच 2023-2027 का शुभारंभ किया गया। विभाग, भर्ती पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, बुनियादी ढांचा विकसित करते हुए विनियामक मानदंडों का पालन करते हुए, बीएससी (एच) नर्सिंग के पाठ्यक्रम के विकास और विभाग की स्थापना में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। नर्सिंग कॉलेज विभाग का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को नर्सिंग के क्षेत्र में पेशेवर रूप से सीखने और बढ़ने के पर्याप्त अवसर प्रदान करना और शोध-आधारित और साक्ष्य-आधारित नैदानिक अभ्यास प्रदान करना है। बीएससी (एच) नर्सिंग प्रथम वर्ष के लिए अंतिम परीक्षा 18 सितंबर 2023 से 23 सितंबर 2023 तक आयोजित की गई, जिसके परिणामस्वरूप 96% उत्तीर्ण दर का सराहनीय परिणाम आया।

विजन: नर्सिंग शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल में उत्कृष्टता का एक अग्रणी केंद्र बनना, जिसे अत्यधिक कुशल नर्सिंग पेशेवरों के विकास के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त हो।

मिशन: एक परिवर्तनकारी शिक्षण अनुभव प्रदान करना जो उन्नत नर्सिंग ज्ञान, महत्वपूर्ण सोच कौशल और करुणामयी देखभाल प्रथाओं को प्रदान करता है।

रोगी देखभाल सेवाएँ:

विभाग कक्षा में शिक्षण को व्यावहारिक नैदानिक अनुभवों के साथ एकीकृत करता है, यह सुनिश्चित करता है कि छात्र विविध स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में रोगी देखभाल में दक्षता विकसित करें। एम्स बिलासपुर की स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ साझेदारी के माध्यम से, छात्र, अनुभवी नर्सिंग पेशेवरों की सलाह के तहत व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं, जो उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली रोगी देखभाल प्रदान करने के लिए तैयार करता है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम:

वर्तमान में बीएससी (एच) नर्सिंग कार्यक्रम की पेशकश करते हुए, विभाग उभरती हुई स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किए गए विशेष नर्सिंग कार्यक्रमों को शामिल करने के लिए अपने शैक्षणिक प्रस्तावों का विस्तार करने की योजना बना रहा है। भविष्य के पाठ्यक्रमों में विशेष नर्सिंग क्षेत्रों और अंतःविषय स्वास्थ्य देखभाल अध्ययन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम शामिल हो सकते हैं।

भविष्य की योजना:

1. पीजी डिप्लोमा, एमएससी नर्सिंग और पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू करना।
2. एकीकृत नर्सिंग सेवा मॉडल का कार्यान्वयन।
3. नर्सिंग कॉलेज के लिए एक समर्पित भवन का प्रस्ताव और योजना (वर्तमान में नाइट शेल्टर भवन से संचालित)।
4. स्टाफ विकास कार्यक्रम (स्टाफ के लिए आईईसी)।
5. संकाय और ट्यूटर्स द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. व्यवहार (स्वास्थ्य सेवा में मूल्य: एक आध्यात्मिक दृष्टिकोण) 23-24 फरवरी 2024
2. जेरिएट्रिक अपडेट 22-23 मार्च 2024
3. नर्सों के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर पाठ्यक्रम शुरू (ईसीएचओ इंडिया) 22 फरवरी 2024- अभी भी जारी
4. सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के सहयोग से विश्व एड्स दिवस का आयोजन। 01 दिसंबर 2023

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. सं.	संकाय का नाम	व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	तारीख	आयोजक एवं स्थल
1.	डॉ. आदित्या शर्मा	बुजुर्गों की देखभाल का परिचय उम्र बढ़ने की प्रक्रिया, सिद्धांत और उम्र बढ़ने से संबंधित मिथक	कार्यशाला	22 -23 मार्च 2024	नर्सिंग कॉलेज
2.	डॉ. मोनिका शर्मा	"दक्षता निर्धारित करना"	कार्यशाला/सीएनई शून्य दवा त्रुटि पर: नर्सों की भूमिका	20 मई, 2023	जियान सागर कॉलेज ऑफ नर्सिंग, राम नगर, राजपुरा, जिला पटियाला, पंजाब।
3.	डॉ. मोनिका शर्मा	"गंभीर रूप से बीमार मरीजों के बीच आईसीयू में रहने की अवधि पर प्रारंभिक बनाम देर से गतिशीलता का प्रभाव"	नर्सिंग अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICNR 2024)	10 फरवरी 2024	वीडीगुड प्रोफेशनल एसोसिएशन, भारत।
4.	डॉ. मोनिका शर्मा	"बुजुर्गों में तंत्रिका संबंधी, इंटेगुमेंट्री और शल्य चिकित्सा प्रबंधन से संबंधित स्वास्थ्य देखभाल और नर्सिंग प्रबंधन"	जेरिएट्रिक अपडेट पर कार्यशाला/सीएनई	22 -23 मार्च 2024	कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश।
5.	डॉ. मोनिका शर्मा	"सुरक्षा प्रोटोकॉल"	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा "रोगी सुरक्षा: नर्स का दृष्टिकोण" विषय पर कार्यशाला/सीएनई का सह-प्रायोजन किया गया।	30 मार्च, 2024	श्री गुरु राम दास कॉलेज ऑफ नर्सिंग, श्री अमृतसर, पंजाब।
6.	डॉ. वरिंदर कौर	व्याख्यान विषय पर:- बुजुर्गों की देखभाल और देखभाल करने वालों की देखभाल में परिवार और नर्स की भूमिका	कार्यशाला	22 -23 मार्च 2024	नर्सिंग कॉलेज
7.	डॉ. ज्योति कथवाल	नर्सिंग अभ्यास में नर्स के नेतृत्व में नवाचार	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	06 जनवरी 2024	दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय सूरत

8.	डॉ. ज्योति कथवाल	शरीर में पैथोफिजियोलॉजिकल परिवर्तन - मधुमेह	सीएनई	20 अक्टूबर 2023	एसजीटी विश्वविद्यालय
9.	डॉ. ज्योति कथवाल	अनुक्रमित जर्नल में प्रकाशन का महत्व और शिकारी प्रकाशनों को रोकना	कार्यशाला	28 नवंबर 2023	अर्कजैन विश्वविद्यालय
10.	डॉ. ज्योति कथवाल	नर्सिंग में लैंगिक असमानता	सीएनई	27 अक्टूबर 2023	इको इंडिया
11.	डॉ. ज्योति कथवाल	फोरेंसिक नर्सिंग का अवलोकन	सीएनई	दिसंबर 2023	एमएमडीयू
12.	डॉ. ज्योति कथवाल	पोस्टर प्रस्तुत किया गया ईसीजी व्याख्या और नैदानिक निर्णय पर वर्चुअल लर्निंग कार्यक्रम की प्रभावकारिता	सम्मेलन- शोधोत्सव	19 फरवरी 2024	एमएमडीयू

अनुसंधान

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	नाम (भूमिका)	बाह्य वित्तपोषित/ आंतरिक वित्तपोषित/स्व-वित्तपोषित	अवधि (वर्ष)	स्थिति (जारी / पूर्ण)	कुल स्वीकृत धनराशि (रु.)
1	छात्रों में तनाव प्रबंधन पर योग के प्रभाव पर शोध	डॉ. आदित्या शर्मा (मार्गदर्शक) सुश्री उपमा शर्मा (सह-अन्वेषक) सुश्री चंचल रानी (सह-अन्वेषक)		1 वर्ष	जारी	-

प्रकाशन

1. कौर ए, शर्मा एम, शर्मा के, सूद पी, गंभीर रूप से बीमार मरीजों के बीच आईसीयू में रहने की अवधि पर प्रारंभिक बनाम देर से गतिशीलता का प्रभाव. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड रिसर्च. 2023 मई; 12 (05):82-89।

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक)
1.	मोनिका शर्मा, नरिंदर कौर वालिया	अध्याय 70- थायरॉयड ग्रंथि के विकार	डॉ. सुखपाल कौर, प्रिंसिपल नाइन, पीजीआईएमईआर	वयस्क स्वास्थ्य नर्सिंग-I मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग	पहला संस्करण: 2023 जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, द हेल्थ साइंसेज पब्लिशर नई दिल्ली/लंदन आईएसबीएन 978-93-5465-918-8

2.	नरिंदर कौर वालिया, मोनिका शर्मा	अध्याय 71- पैराथाइरॉइड ग्रंथि विकार	डॉ. सुखपाल कौर, प्रिंसिपल नाइन, पीजीआईएमईआर	वयस्क स्वास्थ्य नर्सिंग-I मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग	प्रथम संस्करण: 2023 जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, द हेल्थ साइंसेज पब्लिशर नई दिल्ली/लंदन आईएसबीएन 978-93-5465-918-8
3.	डॉ. वरिंदर कौर	पूरी किताब	डॉ. अनुज धीर	व्यावसायिकता, व्यावसायिक मूल्यों और नैतिकता का सार	प्रथम संस्करण 2023 सीबीएस प्रकाशक और वितरक आईएसबीएन- 978-93-90619-86-3

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

डॉ. आदित्य शर्मा

- बी.एस.सी. (एच) नर्सिंग के लिए संचयी रिकॉर्ड तैयार करना।
- बी.एस.सी. (एच) नर्सिंग के लिए लॉगबुक रिकॉर्ड तैयार करना।
- बी.एस.सी. (एच) नर्सिंग के लिए पाठ्यक्रम का संकलन।

डॉ. मोनिका शर्मा:-

- अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) के तहत बीएलएस प्रशिक्षक और एसीएलएस प्रशिक्षक
- वीडीगुड प्रोफेशनल एसोसिएशन, भारत द्वारा 10 फरवरी 2024 को आयोजित नर्सिंग रिसर्च के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनआर 2024) में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया
- टीएनएआई पंजाब राज्य शाखा में कार्यकारी सदस्य बनी रहीं: सदस्यता समिति की अध्यक्ष और 16 नवंबर 2023 को इस्तीफा दे दिया।
- डब्ल्यूओसीएसआई (वाउंड एंड ऑस्टोमी केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया), जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज में संपादकीय सदस्य
- जर्नल ऑफ मेडिकल एविडेंस में समीक्षक
- इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन में समीक्षक
- दिनांक 23 और 24 फरवरी 2024 को "हेल्थकेयर में मूल्य - एक आध्यात्मिक दृष्टिकोण (विहासा)" पर कार्यशाला के लिए संयोजक
- 30वें एसएनएआई द्विवार्षिक पंजाब राज्य सम्मेलन में एक्सटेम्पोर स्पीच के लिए जज के रूप में आमंत्रित - 3 अक्टूबर 2023 को एसकेएसएसकॉन सराबा लुधियाना में 2023 का आयोजन
- 21 अक्टूबर 2023 को एमएमयू कॉलेज ऑफ नर्सिंग कुमारहट्टी सोलन में 30वें एसएनएआई द्विवार्षिक हिमाचल प्रदेश राज्य सम्मेलन 2023 में व्यक्तित्व प्रतियोगिता और पोस्टर प्रतियोगिता के लिए जज के रूप में आमंत्रित किया गया।
- प्रशिक्षित नर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएनएआई) और क्लिनिकल नर्सिंग रिसर्च सोसाइटी (सीएनआरएस) के आजीवन सदस्य

डॉ. वरिंदर कौर:-

- दिनांक 04/10/2023 को राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह मनाने के अवसर पर फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित कविता लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।
- दिनांक 21/10/2023 को अंतर्राष्ट्रीय संक्रमण एवं रोकथाम सप्ताह पर माइक्रोबायोलॉजी एवं आंतरिक चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित नारा लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।
- दिनांक 21/11/2023 को राष्ट्रीय नवजात सप्ताह पर नियोनेटोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित नारा लेखन प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

- प्रशिक्षित नर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (TNAI), नेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (NRSI) और सोसाइटी ऑफ कम्युनिटी हेल्थ नर्सिंग इन इंडिया (SOCHNI) की आजीवन सदस्य, नर्स सप्ताह और 2022 के शपथ समारोह की समिति सदस्य।
- बैच 2023-2027 के शपथ समारोह की संयोजक।
- कर्मयोगी मॉड्यूल (आईजीओटी प्लेटफॉर्म का उपयोग करके अक्टूबर 2023) को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. सुमनदीप कौर:-

- पंजाब के जिला फरीदकोट में कई नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अगस्त 2023 में भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त किया।
- कर्मयोगी मॉड्यूल (आईजीओटी प्लेटफॉर्म का उपयोग करके नवंबर 2023) को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. ज्योति कथवाल:-

- नर्सिंग रत्न पुरस्कार – सितंबर 2023

सामुदायिक सेवा

डॉ. आदित्या शर्मा:-

- नर्सिंग कॉलेज में आयोजित सभी गतिविधियों की अध्यक्ष।
- सामुदायिक विभाग एम्स, बिलासपुर के सहयोग से जीएसएसएस रघुनाथपुरा और एम्स, बिलासपुर में आयोजित विश्व एड्स दिवस जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्ष, दिनांक 1/12/2023।
- एम्स, बिलासपुर की विभिन्न इकाइयों में रोगियों के लिए मई 2023 में "नर्स सप्ताह" के आयोजन की अध्यक्ष।
- 15/05/2023 को शासकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रघुनाथपुरा में संतुलित आहार और नशा मुक्ति पर आयोजित स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम की अध्यक्ष।

डॉ. वरिंदर कौर:-

- सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा विभाग के सहयोग से दिनांक 01/12/2023 को विश्व एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन (एम्फीथिएटर में एड्स जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक)।

डॉ. सुमनदीप कौर:-

- एम्स, बिलासपुर के प्रसूति वार्ड में मरीजों के लिए अगस्त 2023 के पहले सप्ताह में स्तनपान सप्ताह समारोह से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया
- एम्स, बिलासपुर के ओपीडी रिसेप्शन क्षेत्र में मरीजों के लिए मई 2023 को गठिया और उच्च रक्तचाप पर स्वास्थ्य वार्ता का पर्यवेक्षण किया।
- एम्स, बिलासपुर की विभिन्न इकाइयों में मरीजों के लिए मई 2023 में "नर्स सप्ताह" के आयोजन के लिए समिति सदस्य के रूप में काम किया।

श्रीमती इंदु बाला:-

- एम्स बिलासपुर के ओबीजी वार्ड में मरीजों के लिए अगस्त 2023 के पहले सप्ताह में स्तनपान सप्ताह समारोह गतिविधियों का आयोजन किया।
- मई 2023 में मेडिकल वार्ड में आई फ्लू पर स्वास्थ्य वार्ता की देखरेख की।
- मई 2023 में "नर्स सप्ताह" के आयोजन के लिए समिति सदस्य के रूप में काम किया।

डॉ. ज्योति कथवाल:-

- 22-23 मार्च 2024 को नर्सिंग कॉलेज में जेरिएट्रिक अपडेट- "आपकी देखभाल हमारी प्रतिबद्धता" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया
- समुदाय में डिजिटल डिटॉक्स पर स्वास्थ्य शिक्षा

सामुदायिक भागीदारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

सामुदायिक भागीदारी गतिविधियाँ

कार्यस्थल पर लैंगिक समानता और यौन उत्पीड़न की रोकथाम – 2 मई 2023

एम्स, बिलासपुर में लैंगिक समानता और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मेडिकल और नर्सिंग कॉलेज के संकाय, छात्रों, तकनीकी कर्मचारियों और मंत्रालयिक कर्मचारियों के लिए आंतरिक शिकायत समिति द्वारा एक संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नर्सिंग स्वास्थ्य कार्यक्रम – 15 मई 2023

एम्स बिलासपुर के नर्सिंग विभाग ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रघुनाथपुरा, जिला बिलासपुर के विद्यार्थियों के लिए संतुलित आहार एवं नशा मुक्ति पर स्कूल स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

विश्व ल्यूपस जागरूकता दिवस - 10 मई 2023

आंतरिक चिकित्सा विभाग द्वारा ल्यूपस रोग के विभिन्न पहलुओं के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए विश्व ल्यूपस जागरूकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ई-पोस्टर मेकिंग और ई-स्लोगन लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें संकाय सदस्यों, नर्सिंग अधिकारियों और एमबीबीएस छात्रों ने भाग लिया और गठिया के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए अपने रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। मरीजों ने ल्यूपस के साथ रहने के अपने अनुभव साझा किए और विस्तार से बताया कि कैसे उपचार ने उनकी बीमारी के बोझ को कम किया।

रक्तदान दिवस – 14 जून 2023

"विश्व रक्तदाता दिवस" के अवसर पर ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग एवं ब्लड बैंक द्वारा एम्स, बिलासपुर परिसर में रक्तदान शिविर एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - 21 जून 2023

एम्स बिलासपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। आयुष ब्लॉक में आयोजित योग कार्यक्रम में फैकल्टी, स्टाफ, एमबीबीएस, बीएससी नर्सिंग और बीएससी (संबद्ध विज्ञान) के विद्यार्थियों ने भाग लिया, ताकि आम जनता में जागरूकता फैलाई जा सके।

सामुदायिक त्वचा विज्ञान दिवस – 26 अगस्त 2023

एम्स बिलासपुर के त्वचा विज्ञान विभाग ने इस दिन जवाहर नवोदय विद्यालय, बिलासपुर के छात्रों के लिए एक त्वचा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया और एक जागरूकता सत्र भी आयोजित किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह - 1 से 7 अगस्त 2023

विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग द्वारा स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र, रौरा में आउटरीच सत्र आयोजित किया गया। विभाग ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और उनके पर्यवेक्षक के लिए आंगनवाड़ी केंद्र, मंडी मनवा में स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित किया। लगभग 20 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्तनपान और स्तनपान तकनीकों के बारे में शिक्षित किया गया।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह - 2 सितंबर 2023

एम्स बिलासपुर के सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्वस्थ आहार और बाजरे के महत्व के बारे में शिक्षित किया गया। मरीजों की ऊंचाई, वजन, रक्तचाप, रक्त शर्करा और हीमोग्लोबिन प्रोफाइल की जांच की गई और संतुलित आहार और एनीमिया, मधुमेह और उच्च रक्तचाप की रोकथाम के बारे में परामर्श दिया गया।

गैर-संचारी रोगों पर क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन – 4 सितंबर 2023

एम्स बिलासपुर और ईसीएचओ इंडिया के संयुक्त प्रयास से सितंबर 2023 को एम्स, बिलासपुर में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) पर क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने एनसीडी में चुनौतियों का सामूहिक रूप से समाधान करने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और हितधारकों को एकजुट किया।

फार्माकोविजिलेंस सप्ताह - 17 से 23 सितंबर 2023

फार्माकोलॉजी विभाग ने क्षेत्रीय अस्पताल, बिलासपुर में आम जनता और फार्मासिस्टों के लिए प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया। इसका विषय था "फार्माकोविजिलेंस में जनता का विश्वास बढ़ाना।"

सर्वाइकल कैंसर रोकथाम अभियान – 21 सितंबर 2023

एम्स बिलासपुर के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और नियंत्रण पर जागरूकता अभियान चलाया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में आने वाले मरीजों और तीमारदारों को जागरूक करना था।

नींद की स्वच्छता और स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम - 23 सितंबर 2023

एम्स बिलासपुर के फिजियोलॉजी विभाग ने शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर के कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के लिए नींद की स्वच्छता और स्वास्थ्य पर जागरूकता सत्र आयोजित किया।

"बाजरे को मुख्यधारा में लाना: समय की मांग" – 26 सितंबर 2023

सामुदायिक आउटरीच सेल द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में एम्स बिलासपुर से 70 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मेस और कैंटीन संचालकों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को बाजरे के लाभों के बारे में बताना और दैनिक आहार में बाजरे को शामिल करने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था।

अंगदान दिवस – 27 सितंबर 2023

नेफ्रोलॉजी, मेडिसिन और यूरोलॉजी विभागों ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आयुष्मान भव कार्यक्रम के तहत एम्स परिसर के ओपीडी ब्लॉक में अंगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाई।

विश्व हृदय दिवस – 29 सितंबर 2023

कार्डियोलॉजी विभाग ने मेडिसिन विभाग के सहयोग से एम्स बिलासपुर की कार्डियोलॉजी ओपीडी में रोगी उन्मुख जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें हृदय रोग विशेषज्ञ द्वारा मरीजों के साथ संवादात्मक बातचीत, नुक्कड़ नाटक, पर्चे, ई-पोस्टर, नारे, आहार और जीवन शैली में संशोधन, व्याख्यान के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

विश्व अरटीकेरिया दिवस - 30 सितंबर और 1 अक्टूबर 2023

एम्स बिलासपुर में त्वचा रोग विभाग ने दो दिवसीय कार्यक्रम में, पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित करके और अरटीकेरिया के विभिन्न पहलुओं के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाकर विश्व अरटीकेरिया दिवस मनाया।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस – 30 सितंबर 2023

एम्स बिलासपुर के सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग और ई एन टी विभाग ने अपना घर, वृद्ध आश्रम, देवली, बिलासपुर में बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस – 10 अक्टूबर 2023

एम्स बिलासपुर के सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी, सिविल अस्पताल, मार्कंड के सहयोग से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जुखाला में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया। संस्थान में जेबीटी छात्रों के बीच 'मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में एमबीबीएस छात्रों द्वारा तैयार किए गए पोस्टर प्रदर्शित किए गए। कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्रों और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

कैंसर स्क्रीनिंग जागरूकता कार्यक्रम - 12 अक्टूबर 2023

ऑन्कोलॉजी विभाग और पैथोलॉजी विभाग ने एम्स बिलासपुर के ओपीडी ब्लॉक के रिसेप्शन एरिया में कैंसर स्क्रीनिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में सर्वाइकल, ब्रेस्ट, ओरल और कोलन कैंसर स्क्रीनिंग पर फैकल्टी द्वारा जानकारी पूर्ण, वार्ता की गई।

विश्व गठिया दिवस - 12 अक्टूबर 2023

एम्स बिलासपुर के आंतरिक चिकित्सा विभाग और ऑर्थोपेडिक्स विभाग ने गठिया के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। संकाय, नर्सिंग अधिकारियों और एमबीबीएस छात्रों के लिए एक ई-पोस्टर-मेकिंग और ई-स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। मरीजों ने गठिया के साथ रहने के अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे उपचार ने उनकी बीमारी के बोझ को कम किया।

विश्व एनेस्थीसिया दिवस - 16 अक्टूबर 2023

एनेस्थिसियोलॉजी विभाग ने विश्व एनेस्थीसिया दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया। कर्मचारियों ने रंगोली प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया, जबकि एमबीबीएस छात्रों ने आरएसएसीपी के तत्वावधान में बीएलएस पर एक सूचनात्मक सीएमई के साथ-साथ एक व्यावहारिक प्रदर्शन में भाग लिया।

विश्व आघात दिवस - 17 अक्टूबर 2023

सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग ने सीएचसी मार्कंड में उपस्थित चिकित्सा अधिकारियों, नर्सिंग अधिकारियों, पैरामेडिकल स्टाफ और जनता के लिए "देखभाल की निरंतरता" विषय पर प्रशिक्षण सह सामुदायिक आउटरीच सत्र का आयोजन किया। कर्मचारियों को एटीएलएस दिशानिर्देशों के अनुसार आघात रोगियों के प्रारंभिक प्रबंधन के बारे में जागरूक किया गया।

निरंतर पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम – 10-11 नवंबर 2023

समुदाय एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने सुंदर नगर स्थित समग्र क्षेत्रीय केंद्र में निरंतर पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार: निदान और प्रबंधन पर केंद्रित था और इसमें हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के 100 विशेष शिक्षकों और नैदानिक मनोवैज्ञानिकों ने भाग लिया।

विश्व एड्स दिवस 2023 - 1 दिसंबर 2023

एम्स बिलासपुर (एचपी) के सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने एड्स को समाप्त करने के लिए सामुदायिक नेतृत्व की पूरी क्षमता को उजागर करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। एमबीबीएस छात्रों ने एचआईवी/एड्स के संचरण और रोकथाम के तरीकों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करके सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कोठीपुरा के छात्रों के बीच जागरूकता पैदा की। एम्स बिलासपुर के कार्यकारी निदेशक ने एमबीबीएस छात्रों और बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए एक जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाई।

स्वास्थ्य जांच शिविर – 30 नवंबर 2023

एम्स, बिलासपुर के सामुदायिक आउटरीच सेल ने हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के नूरपुर में नशा करने वालों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। यह क्षेत्र हिमाचल प्रदेश और पंजाब की सीमा पर स्थित है, जो दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण एक कठिन स्थान है। इसमें विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं जिनमें डॉ. मीनल एम. ठाकरे, अतिरिक्त प्रोफेसर, सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा विभाग, एम्स, बिलासपुर समन्वयक के रूप में, डॉ. शिल्पा चौधरी, दंत चिकित्सक और श्री अनिल कुमार, चिकित्सा सामाजिक सेवा अधिकारी और नैदानिक मनोवैज्ञानिक शामिल रहे। मादक द्रव्यों के सेवन के लगभग 30 ज्ञात मामले और 40 अन्य लोग शिविर में शामिल हुए और लाभान्वित हुए। परामर्श सत्रों के अलावा, मानसिक विकारों की जांच, दंत स्वास्थ्य और सामान्य स्वास्थ्य जांच प्रदान की गई।

मल्टीस्पेशलिटी कैंप - 30 दिसंबर 2023

एम्स बिलासपुर ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्राम पंचायत झंडुता, ब्लॉक झंडुता जिला बिलासपुर में मल्टीस्पेशलिटी कैंप का आयोजन किया। इस कैंप में जनरल मेडिसिन, कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन, ई एन टी, प्रसूति एवं स्त्री रोग और ऑर्थोपेडिक्स विभागों के विशेषज्ञ शामिल हुए। कैंप में कुल 90 लोग शामिल हुए। अलग-अलग उम्र के लोगों की स्वास्थ्य संबंधी शिकायतों का समाधान किया गया। टीम ने उच्च रक्तचाप, मधुमेह, ईएनटी समस्याओं, स्त्री रोग और मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं के लिए एक गैर-संचारी रोग जांच शिविर आयोजित किया। लोगों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के लाभों के बारे में भी जागरूक किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने नवंबर से दिसंबर 2023 तक बिलासपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लिया।

- 30 नवंबर 2023 को, उन्होंने ग्राम पंचायत अमरपुर, जिला बिलासपुर (55 प्रतिभागी) में उच्च रक्तचाप और मधुमेह के लिए एनसीडी स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया। 7 दिसंबर 2023 को ग्राम पंचायत बिनौला, ब्लॉक सदर, बिलासपुर में 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 8 दिसंबर 2023 को, उन्होंने अपना घर, वृद्ध आश्रम (ओल्ड एज होम), देवली, बिलासपुर में बुजुर्गों के लिए एनसीडी स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया, जिसमें 17 प्रतिभागी शामिल हुए।
- 11 दिसंबर 2023 को, आशा किरण दिव्यांग शिक्षा संस्थान, वीपीओ कोठी, बिलासपुर में विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिए एनसीडी स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- इसके अलावा एनसीडी स्क्रीनिंग शिविर 12 दिसंबर 2023 को ग्राम पंचायत चांदपुर (20 प्रतिभागी), 13 दिसंबर 2023 को ग्राम पंचायत रघुनाथपुरा (25 प्रतिभागी) और 14 दिसंबर 2023 को ग्राम पंचायत नौनी (10 प्रतिभागी) में आयोजित किए गए।
- 15 दिसंबर 2023 को विभाग ने कामधेनु, नम्होल में 51 प्रतिभागियों के साथ एनसीडी स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया।
- अतिरिक्त शिविर 18 दिसंबर 2023 को ग्राम पंचायत हीरापुर, ब्लॉक झंडुता (70-80 प्रतिभागी), 19 दिसंबर 2023 को ग्राम पंचायत पंजैल खुर्द, ब्लॉक सदर (18 प्रतिभागी) और 20 दिसंबर 2023 को पाटा (घुमारवीं) (45 प्रतिभागी) में आयोजित किए गए।
- विभाग ने 23 दिसंबर 2023 को चाट पंचायत, बिलासपुर (22 प्रतिभागी), 24 दिसंबर 2023 को घेडवी, हिमाचल प्रदेश (19 प्रतिभागी), 26 दिसंबर 2023 को घुमारवीं, बिलासपुर (6 प्रतिभागी), 27 दिसंबर 2023 को गलियां पंचायत बिलासपुर (16 प्रतिभागी), 28 दिसंबर 2023 को कोठीपुरा, बिलासपुर (27 प्रतिभागी) और 29 दिसंबर 2023 को राजपुरा पंचायत, बिलासपुर (6 प्रतिभागी) में स्क्रीनिंग आयोजित की।

सर्वाइकल कैंसर जागरूकता माह – 25 जनवरी 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग तथा प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने जवाहर नवोदय हाई स्कूल, कोठीपुरा में जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कक्षा 8 से 12 तक की लगभग 200 किशोरियों ने भाग लिया। इस सत्र में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम के लिए बोझ, जोखिम कारक और टीकाकरण तथा मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में किशोरियों को जागरूक किया गया।

कुष्ठ रोग निरोधक दिवस – 30 जनवरी 2024

त्वचा रोग विभाग ने सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा तथा नर्सिंग कॉलेज के सहयोग से कुष्ठ रोग निरोधक दिवस मनाया, जिसका विषय था "कलंक को समाप्त करना, गरिमा को अपनाना।" इस कार्यक्रम में पोस्टर बनाना, नुक्कड़ नाटक तथा कुष्ठ रोग के बारे में लोगों को शिक्षित करने तथा कलंक से निपटने के लिए जागरूकता रैली जैसी गतिविधियाँ शामिल थीं। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

अस्पताल भ्रमण कार्यक्रम – 30 जनवरी 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने STEM गतिविधियों के भाग के रूप में स्कूली छात्रों के लिए अस्पताल भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया। इस भ्रमण का उद्देश्य स्कूली छात्रों को एम्स में शिक्षा के अवसरों, स्वास्थ्य सेवाओं और किशोर स्वास्थ्य के बारे में शिक्षित करना था और इसमें G.S.S.S. करकोह के 23 छात्रों ने भाग लिया।

विश्व मोटापा दिवस - 4 मार्च 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने डी.ए.वी. स्कूल अधिकारियों के सहयोग से छात्रों के लिए "स्वस्थ भोजन पोटलक" प्रतियोगिता सहित कई गतिविधियों का आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, एम्स बिलासपुर में 'चलो मोटापे से लड़ने के लिए साथ-साथ चलें' शीर्षक से जागरूकता वॉक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डी.ए.वी. स्कूल के 100 छात्रों और एम्स बिलासपुर के 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विश्व ग्लूकोमा दिवस - 12 मार्च 2024

नेत्र रोग विभाग ने विश्व ग्लूकोमा सप्ताह (10 से 16 मार्च) के तहत इस दिवस को मनाया। जागरूकता अभियान में नुक्कड़ नाटक और एमबीबीएस छात्रों के लिए ई-पोस्टर प्रतियोगिता शामिल थी। इस कार्यक्रम में 12 एमबीबीएस छात्रों के साथ-साथ 75 रोगियों और उनके परिजनों ने भाग लिया।

विश्व किडनी दिवस - 14 मार्च 2024

एम्स बिलासपुर के नेफ्रोलॉजी विभाग और सोसाइटी फॉर किडनी केयर ने संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में फैकल्टी और रेजीडेंट, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ शामिल हुए। एमबीबीएस के 2023 बैच के छात्रों ने हमारे स्वास्थ्य के लिए किडनी के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नाटक का मंचन किया। बीएससी डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी के छात्रों के लिए एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

एनसीडी स्क्रीनिंग कैंप - 21 मार्च 2024

बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) के लुहनू मेला ग्राउंड में नलवारी मेले में, एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) के सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने रोगियों की ऊंचाई, वजन माप और हीमोग्लोबिन स्तर के आकलन के साथ-साथ उच्च रक्तचाप और मधुमेह की जांच के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। 25 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्तियों ने अस्थि घनत्व परीक्षण कराया। शिविर में कुल 43 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस - 22 मार्च 2024

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने टीबी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए पंचायत घर, राजपुरा, ब्लॉक मार्कंड में नुक्कड़ नाटक सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान (बीएससी) और एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों ने 'हां - हम टीबी को खत्म कर सकते हैं' विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रत्येक गतिविधि के बाद संकाय सदस्यों द्वारा टीबी पर एक महत्वपूर्ण, स्वास्थ्य शिक्षा संदेश दिया गया।

अन्य सामुदायिक आउटरीच गतिविधियाँ

क्र. सं.	विभाग	गतिविधि का प्रकार	तिथि	प्रकृति	लाभार्थी	स्थान
1.	सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा	विश्व स्वास्थ्य दिवस	7 अप्रैल 2023	एमबीबीएस छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी	55	एम्स बिलासपुर
2.	कॉलेज ऑफ नर्सिंग	स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम	12 मई 2023	स्वस्थ भोजन पर जागरूकता कार्यक्रम	70	जीएसएस स्कूल रघुनाथपुरा
3.	कार्डियोलॉजी, मेडिसिन और नेफ्रोलॉजी	पुलिस कर्मियों के लिए जांच शिविर	17 मई 2023	उच्च रक्तचाप जांच शिविर	100	पुलिस लाइन बिलासपुर
4.	मनोचिकित्सा	विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस मनाया गया	24 मई 2023	जागरूकता कार्यक्रम	-	समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) सुंदरनगर
5.	ईएनटी	बहुविषयक स्वास्थ्य जांच शिविर	26 - 27 मई 2023	जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र योजना के अंतर्गत "चेतना संस्था" के समन्वय से	400	गांव मरोतन और धार टटोह
6.	सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा	मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम	28 मई 2023	"मासिक धर्म स्वच्छता और स्वास्थ्य" पर एक संवेदीकरण कार्यक्रम	250	डीएवी पब्लिक स्कूल, बिलासपुर
7.	फिजियोलॉजी	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले सामुदायिक योग शिविर	5 -10 जून 2023	योग शिविर	-	ग्राम पंचायत, कोठीपुरा, बिलासपुर
8.	सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा	वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान।	30 जून 2023	नुक्कड़ नाटक, पोस्टर के माध्यम से डेंगू और मलेरिया से बचाव के बारे में जागरूकता फैलाई जाएगी	50	एम्स बिलासपुर

9.	प्रसूति और स्त्री रोग	जीडीएम पर स्वास्थ्य शिक्षा	25 अगस्त 2023	जागरूकता कार्यक्रम	30	एम्स बिलासपुर
10.	सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा	विश्व जनसंख्या दिवस पर नुक्कड़ नाटक	11 जुलाई 2023	जागरूकता अभियान	50	आंगनवाड़ी केंद्र नई सरली, कोठीपुरा
11.	प्रसूति और स्त्री रोग	गर्भनिरोध पर स्वास्थ्य शिक्षा	12 जुलाई 2023	जागरूकता कार्यक्रम	30	एम्स बिलासपुर
12.	प्रसूति और स्त्री रोग	गर्भावस्था के दौरान होने वाले परिवर्तनों पर स्वास्थ्य शिक्षा	19 जुलाई 2023	जागरूकता कार्यक्रम	30	एम्स बिलासपुर
13.	नर्सिंग कॉलेज	मधुमेह नियंत्रण एवं स्वच्छता तथा BMW प्रबंधन पर समूह स्वास्थ्य शिक्षा	25 जुलाई 2023	जागरूकता कार्यक्रम	-	एम्स बिलासपुर
14.	प्रसूति और स्त्री रोग	पीसीओडी पर स्वास्थ्य शिक्षा	26 जुलाई 2023	जागरूकता कार्यक्रम	30	एम्स बिलासपुर
15.	प्रसूति और स्त्री रोग	गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर पर स्वास्थ्य शिक्षा	9 अगस्त और 17 अगस्त 2023	जागरूकता कार्यक्रम	30	एम्स बिलासपुर
16.	नर्सिंग कॉलेज	स्तनपान के लाभ और इसकी तकनीकों पर समूह स्वास्थ्य शिक्षा	17 अगस्त 2023	जागरूकता कार्यक्रम	-	एम्स बिलासपुर
17.	आधान चिकित्सा और रक्त केंद्र	रक्तदान शिविर	22 सितंबर 2023	रक्तदान	-	एम्स बिलासपुर
18.	शरीर रचना विज्ञान	देहदान जागरूकता अभियान	20 सितंबर 2023	जागरूकता कार्यक्रम	-	नौणी पंचायत (बिलासपुर)
19.	जैव रसायन विज्ञान	एनीमिया और पोषण की कमी की रोकथाम में स्वस्थ आहार और व्यायाम की भूमिका	27 सितंबर 2023	जागरूकता कार्यक्रम	-	जेएनवी कोठीपुरा
20.	ईएनटी	सिर और गर्दन के कैंसर के प्रति जागरूकता	27 सितंबर 2023	नुक्कड़ नाटक एवं जागरूकता कार्यक्रम	-	एम्स बिलासपुर

21.	सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा	स्कूली छात्रों के लिए संवेदीकरण सत्र	19 सितंबर और 3 अक्टूबर 2023	जागरूकता कार्यक्रम	80	जी.एस.एस.एस. रघुनाथपुरा
22.	त्वचा विज्ञान	विश्व सोरायसिस दिवस	30 अक्टूबर 2023	सोरायसिस जागरूकता अभियान	50	एम्स बिलासपुर
23.	जलन और प्लास्टिक सर्जरी	सुरक्षित दिवाली मनाने पर कार्यशालाएं	अक्टूबर 2023	पटाखों के खतरे और प्राथमिक उपचार पर कार्यशाला	1500	बिलासपुर के स्कूल
24.	बाल रोग	राष्ट्रीय नवजात सप्ताह	15-21 नवंबर 2023	जागरूकता कार्यक्रम	120	परोही, नई सरली, एम्स बिलासपुर
25.	प्रसूति और स्त्री रोग	जीडीएम पर स्वास्थ्य शिक्षा	23 नवंबर 2023	जागरूकता कार्यक्रम	15	एम्स बिलासपुर
26.	प्रसूति और स्त्री रोग	प्रसवपूर्व देखभाल पर स्वास्थ्य शिक्षा	30 नवंबर 2023	जागरूकता कार्यक्रम	15	एम्स बिलासपुर
27.	ट्रॉमा सेंटर	सड़क सुरक्षा अभियान	6 जनवरी 2024	सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम	43	गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल देओथ, बिलासपुर
28.	मनोचिकित्सा	तनाव प्रबंधन	16 फरवरी 2024	बीएसएफ कर्मियों के परिवारों के लिए ऑनलाइन व्याख्यान	100	जालंधर
29.	मनोचिकित्सा	मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और आत्महत्या रोकथाम	17 फरवरी 2024	छात्रों के लिए इंटरैक्टिव व्याख्यान	134	एम्स बिलासपुर
30.	चिकित्सा, त्वचा विज्ञान	स्वास्थ्य शिविर	22 फरवरी 2024	निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर	50	पंजगाईं, बिलासपुर
31.	मनोचिकित्सा	रिश्तों की समस्याओं से कैसे निपटें और असफलता से कैसे निपटें	15 मार्च 2024	छात्रों के लिए इंटरैक्टिव व्याख्यान	80	एम्स बिलासपुर

मीडिया में एम्स बिलासपुर

क्र. सं.	समाचार	समाचार पत्र	दिनांक
1	एम्स बिलासपुर के डॉक्टरों ने जटिल ऑपरेशन कर निकाल दी पित्ताशय की विशाल पथरी	अमर उजाला	15-04-2023
2	एम्स की पंजीकरण प्रक्रिया में शातिरों की सेंध	दैनिक जागरण	21-04-2023
3	बिलासपुर एम्स में गर्भाशय कैंसर का होगा इलाज़, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी भी	अमर उजाला	24-04-2023
4	एम्स में काम आएगी फिरोजपुर के गुरमीत सिंह की देह	दैनिक जागरण	21-05-2023
5	डिलीवरी के केस नहीं संभाल पा रहा एम्स	अमर उजाला	01-07-2023
6	एम्स ने शिमला रेफर की गर्भवती, रास्ते में ईएमटी ने एंबुलेंस में करवाया प्रसव	दैनिक जागरण	01-07-2023
7	एम्स से रेफर गर्भवती का एम्बुलेंस कार्मिकों ने करवाया प्रसव	दैनिक जागरण	01-07-2023
8	एमबीबीएस प्रशिक्षुओं ने दी शानदार प्रस्तुति	दैनिक जागरण	21-07-2023
9	Cultural Extravaganza by AIIMS-Bilaspur Students	The Tribune	21-07-2023
10	तनीषा मिस, करण मिस्टर रेज़ल	अमर उजाला	21-07-2023
11	6 माह से बिस्तर पर, ऑपरेशन के दूसरे दिन वॉकर से चलने लगी मरीज	अमर उजाला	07-09-2023
12	एम्स के डॉक्टरों ने किया मरीज की कोहनी बदलने का सफल ऑपरेशन	अमर उजाला	19-09-2023
13	एम्स बिलासपुर के नाम जुड़ा एक और तमगा	दैनिक जागरण	19-09-2023
14	एम्स में फ्रेशर पार्टी रेजल का आयोजन	पंजाब केसरी	03-10-2023
15	एम्स का एक साल पूरा, शुरू हो सकते हैं नए पाठ्यक्रम	दिव्य हिमाचल	06-10-2023
16	हिमाचल के दुर्गम क्षेत्रों में खून-दवाएं पहुंचाएगा ड्रोन	दिव्य हिमाचल	07-10-2023
17	रेफर मरीज से पहले एम्स बिलासपुर में ड्रोन से पहुंचेगा उसका ब्लड सैंपल	अमर उजाला	07-10-2023
18	एम्स बिलासपुर में नए छात्रों का स्वागत	दिव्य हिमाचल	08-10-2023
19	एम्स में डाक्टरों ने गठिया रोग पर मरीज को किया जागरूक	अमर उजाला	13-10-2023
20	ज्वाइंट सेक्रेटरी अंकिता मिश्रा ने किये मां नयना के दर्शन	दिव्य हिमाचल	16-10-2023
21	एम्स बिलासपुर में ड्रोन से दवाइयां सप्लाई	दिव्य हिमाचल	16-10-2023
22	एम्स बिलासपुर में मिलेगी बोन मेरो ट्रांसप्लांट की सुविधा	अमर उजाला	21-10-2023
23	एम्स बिलासपुर, धार टटोह, भराड़ी में खुलेंगी राज्य सहकारी बैंक की शाखाएं	दिव्य हिमाचल	23-10-2023
24	मरीजों को राहत : एम्स में दवाओं पर मिलेगी 80 फीसदी तक की छूट	अमर उजाला	23-10-2023
25	एम्स की बेहतरी के लिए सुविधाओं में नहीं रखी जाएगी कोई कमी: नड्डा	अमर उजाला	24-10-2023
26	एम्स बिलासपुर: दूसरे चरण के निर्माण के लिए और ज़मीन का होगा अधिग्रहण	अमर उजाला	25-10-2023

27	पीएचसी से एम्स तक चलेगा स्वास्थ्य कार्ड	दिव्य हिमाचल	25-10-2023
28	एम्स बिलासपुर में कैंसर युक्त हड्डी का सफल ट्रांसप्लांट	अमर उजाला	26-10-2023
29	एम्स के चिकित्सकों ने सर्जरी से बदल दी ज़िन्दगी	दैनिक जागरण	26-10-2023
30	एम्स में हड्डी कैंसर के मरीज की जटिल सर्जरी सफल	दिव्य हिमाचल	26-10-2023
31	एम्स बिलासपुर में नवंबर से शुरू किया जाएगा ब्लड बैंक	अमर उजाला	28-10-2023
32	एम्स में अगले साल से शुरू होगा पेट स्कैन	अमर उजाला	31-10-2023
33	एम्स में अगले साल मिलेगी किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा	अमर उजाला	04-11-2023
34	एम्स बिलासपुर में सीनियर सिटीजन के लिए स्पेशल ओपीडी	दिव्य हिमाचल	08-11-2023
35	एम्स में वरिष्ठ नागरिकों के लिए जेनेटिक ओपीडी	अमर उजाला	08-11-2023
36	एम्स में शोधर्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय अनुदान की प्रदान की जानकारी	अमर उजाला	09-11-2023
37	दिव्यांगों की मदद और चुनौतियों पर की चर्चा	अमर उजाला	15-11-2023
38	दिव्यांगजनो के लिए काम करेगा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	दिव्य हिमाचल	15-11-2023
39	एम्स में 20 मिनट में तैयार होंगे ब्लड कंपोनेंट्स	अमर उजाला	22-11-2023
40	एम्स में ब्लड बैंक स्थापित	दिव्य हिमाचल	25-11-2023
41	एम्स में पर्ची काउंटर सिस्टम आज से	दिव्य हिमाचल	28-11-2023
42	एम्स में नहीं होगी डॉक्टरों की कमी, सीनियर रेजिडेंट के भरेंगे 55 पद	अमर उजाला	30-11-2023
43	एम्स में शुरू होगा किडनी ट्रांसप्लांट	अमर उजाला	01-01-2024
44	एम्स ने 21 पंचायतों में लगाए स्वास्थ्य शिविर	अमर उजाला	03-01-2024
45	एम्स बिलासपुर में 7 और विभागों की ओपीडी शुरू	अमर उजाला	04-01-2024
46	एम्स ने 21 ग्राम पंचायतों में लगाए शिविर	दिव्य हिमाचल	04-01-2024
47	एम्स में लेप्रोस्कोपी से कोलन कैंसर के दो सफल ऑपरेशन	अमर उजाला	01-02-2024
48	एम्स बिलासपुर में भरे जायेंगे सीनियर रेजिडेंट के 72 पद, 10 तक मांगे आवेदन	अमर उजाला	01-02-2024
49	एम्स बिलासपुर में कोलन कैंसर का सफल इलाज	दिव्य हिमाचल	01-02-2024
50	एम्स में कोलन कैंसर मरीजों का सफल ऑपरेशन	दैनिक जागरण	01-02-2024
51	एम्स में रात्रि आश्रय के निर्माण को मंजूरी, 38 करोड़ होंगे खर्च	अमर उजाला	02-02-2024
52	एम्स बिलासपुर में आयोजित की अशुभाषा प्रतियोगिता	अमर उजाला	03-02-2024
53	एम्स में प्रशिक्षु डॉक्टर ने की ख़ुदकुशी	दिव्य हिमाचल	12-02-2024
54	एम्स में हॉस्टल की चौथी मंजिल से कूद गया एमबीबीएस प्रशिक्षु, मौत	दैनिक जागरण	12-02-2024

55	आत्महत्या से पहले प्रशिक्षु डॉक्टर ने लिखा था सुसाइड नोट, स्वजन से की थी चैट	दैनिक जागरण	13-02-2024
56	एम्स में प्रेम प्रसंग बना प्रशिक्षु डॉक्टर की आत्महत्या का कारण	दिव्य हिमाचल	13-02-2024
57	एम्स बिलासपुर में बिना ऑपरेशन रेडियो थेरेपी से ट्यूमर का इलाज	अमर उजाला	20-02-2024
58	एम्स बिलासपुर में किया हड्डी के टट्यूमर का उपचार	दैनिक जागरण	20-02-2024
59	एम्स बिलासपुर में हड्डी ट्यूमर का सफल उपचार	दिव्य हिमाचल	20-02-2024
60	एम्स बिलासपुर के विस्तार के लिए मांगी सरकारी भूमि	दैनिक जागरण	21-02-2024
61	एम्स में अतिरिक्त जमीन के लिए प्रशासन को चिट्ठी	दिव्य हिमाचल	21-02-2024
62	एम्स बिलासपुर में मिलेंगी रेडिएशन ऑन्कोलॉजी सेवाएं	दिव्य हिमाचल	22-02-2024
63	नडडा कल एम्स में करेंगे नई स्वास्थ्य सेवाओं का शुभारंभ	अमर उजाला	22-02-2024
64	एम्स में तीन योजनाओं का कल शुभारम्भ करेंगे नडडा व् तीन केंद्रीय मंत्री	दैनिक जागरण	22-02-2024
65	एम्स में सुविधायें होंगी भरपूर, मरीजों की समस्याएं होंगी दूर	दैनिक जागरण	23-02-2024
66	एम्स रखेगा आपके हृदय का पूरा ख्याल	दैनिक जागरण	24-02-2024
67	एम्स में मिलेंगी अत्याधुनिक रैडिएशन कैंसर विज्ञान सेवाएं	अमर उजाला	24-02-2024
68	राष्ट्रीय स्तर पर होंगी एम्स में चिकित्सकों की भर्तियां: नडडा	दैनिक जागरण	24-02-2024
69	एम्स केंन्द्र की बड़ी सौगात: जयराम	अमर उजाला	24-02-2024
70	बिलासपुर में एम्स का बनना सपने जैसा था : नड्डा	अमर उजाला	24-02-2024
71	मोदी की तीसरी पारी के लिए समर्थन जुटा गए नडडा	दिव्य हिमाचल	24-02-2024
72	एम्स की फैकल्टी दो महीनों के लिए अदला-बदली में देगी सेवाएं : नडडा	अमर उजाला	24-02-2024
73	देश की हेल्थ पालिसी को बेहतर बनाने के लिए चल रहा है काम	दिव्य हिमाचल	24-02-2024
74	एम्स में 410 करोड़ के उद्घाटन-शिलान्यास	दिव्य हिमाचल	26-02-2024
75	एम्स लाई गई बच्ची को मृत किया घोषित	अमर उजाला	04-03-2024
76	एम्स बिलासपुर में भी होगी कॉर्निया ट्रांसप्लांट, प्रक्रिया अंतिम चरण में	अमर उजाला	05-03-2024
77	एम्स में 6 माह में किडनी ट्रांसप्लांट शुरू करने की तैयारी	अमर उजाला	09-03-2024
78	एम्स बिलासपुर की फैकल्टी को मिली वैश्विक मान्यता	अमर उजाला	12-03-2024
79	एम्स में विश्व मोटापा दिवस पर कार्यक्रम	अमर उजाला	12-03-2024
80	एम्स में ग्लौकोमा रोग पर लोगों को किया जागरूक	अमर उजाला	15-03-2024
81	एम्स रेडियो फ्रीक्वेंसी, माइक्रोवेव एब्लेशन थेरेपी से कैंसर का इलाज़	अमर उजाला	21-03-2024

वार्षिक लेखा (वित्तीय वर्ष २०२३-२४)

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़

Indian Audit & Accounts Department
Office of The Principal Director of Audit (Central), Chandigarh

सत्यमेव जयते

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

सं०/No: पी.डी.ए.(सी)/के. व्यय/SAR/ 2024-25/AIIMS Bilaspur / 436 दि०/Dated: 11.09.2024

सेवा मे,

सचिव,
Ministry of Health & Family Welfare,
Govt. of India,
Nirman Bhawan,
New Delhi-110001,

विषय: All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur (Himachal Pradesh) के वर्ष 2023-24 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदय,

कृप्या All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur (Himachal Pradesh) के वर्ष 2023-24 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (Separate Audit Report) संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु सलंग्न पाएं | संसद में प्रस्तुत होने तक प्रतिवेदन को गोपनीय रखा जाए |

संसद में प्रस्तुत करने के उपरांत प्रतिवेदन की पांच प्रतियाँ इस कार्यालय को भी भेज दी जाएं |

कृप्या इस पत्र की पावती भेजें |

भवदीय,

Sd/-

प्रधान निदेशक

संलग्न: उपरोक्त अनुसार

उपरोक्त की प्रतिलिपी वर्ष 2023-24 की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु Director, All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur, Changar Palasiyan, Village Kothipura, Tehsil Sadar, Distt. Bilaspur, Himachal Pradesh - 174001 को प्रेषित की जाती है |

भवदीय,

उप- निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

प्लाट न. 20-21, सेक्टर - 17ई, चण्डीगढ़ - 160017 Plot No. 20-21, Sector-17E, Chandigarh - 160017
दूरभाष/ Tel.No. 0172 - 2782020 & 2706117 फैक्स/ FAX No:0172 - 2782021 / 2783974 ई-मेल/ Email: pdacchandigarh@cag.gov.in

सत्यमेव जयते

DIRECTOR GENERAL OF AUDIT
(CENTRAL), CHANDIGARH

Ltr No: Central Expenditure Wing/2024-2025/DIS-2020459
Date: 11 Sep 2024

To,

सचिव,
Ministry of Health & Family Welfare,
Govt. of India,
Nirman Bhawan,
New Delhi-110001,

Subject: All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur (Himachal Pradesh) के वर्ष 2023-24 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

Sir/Madam,

कृप्या All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur (Himachal Pradesh) के वर्ष 2023-24 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (Separate Audit Report) संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु सलंग्न पाएं | संसद में प्रस्तुत होने तक प्रतिवेदन को गोपनीय रखा जाए |

संसद में प्रस्तुत करने के उपरांत प्रतिवेदन की पांच प्रतियाँ इस कार्यालय को भी भेज दी जाएं |

कृप्या इस पत्र की पावती भेजें |

भवदीय,

Sd/-

प्रधान निदेशक

उपरोक्त की प्रतिलिपी वर्ष 2023-24 की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु Director, All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur,Changar Palasiyan, Village Kothipura, Tehsil Sadar, Distt. Bilaspur, Himachal Pradesh - 174001को प्रेषित की जाती है|

Yours faithfully,

Encls: As above

Sanjay Nehru
Deputy Director

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) for the year ended 31 March 2024

We have audited the Balance Sheet of All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur (Himachal Pradesh) as at 31st March 2024, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Power and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 18(2) of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Act, 1956.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/ CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account/Receipts and Payments Account dealt with by this Report have been drawn up in the Uniform format prescribed by the Ministry of Finance, Government of India;

iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur (Himachal Pradesh) in so far as it appears from our examination of such books.

iv) We further report that: -

A. General

A.1 NBCC was working as executive agency for construction works in the Institute to which funds were provided by the Government on behalf of the Institute. The Institute has not accounted for interest earned of Rs. 18,34,28,342/- on the Mobilization Advances released by NBCC to its contractor, in its books of accounts.

A.2 The Uniform Format of accounts, specifically Notes-General point (d) under Schedule 3-Earmarked/Endowment Funds, requires that records for fixed assets acquired/constructed be maintained for each earmarked fund. However, for annual statements, disclosure can be made of the total accumulated cost up to each year and of the fixed assets for each fund, unless they are included in Schedule-8.

However, the institute has fixed assets acquired under Research Projects totalling Rs.35,14,032/- that have not been disclosed in the Notes to Accounts, in contravention of the guidelines of the Uniform Format of Accounts.

B. Grant-in-Aid

The position of the grant-in-aid of the Institute for the year 2023-24 was as under:

(Amount in Rs. Crore)

Head of Accounts	**OH-31 (General)**	**OH-35 (Capital)**	**OH-36 (Salary)**	**Total**
Opening Balance as on 01-04-2023	5.50	7.11	0.29	**12.90**
Grant Received during the year	48.00	22.00	115.00	**185.00**
Grant surrendered to ministry	11.67	12.03	0	**23.70**
Grants lapsed	0.016	0.003	0.007	**0.03**
Total Fund Available	41.81	17.08	115.28	**174.17**
Less- Expenditure	41.81	17.08	115.28	**174.17**
Unspent as on 31-03-2024	0	0	0	**0**

C. Management letter

Deficiencies which have not been included in the Audit report have been brought to the notice of the Institute's management through a management letter issued separately for remedial/corrective action.

v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and other significant matters stated above, and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur (Himachal Pradesh) as at 31 March 2024; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account, of the deficit for the year ended on that date.

For and on behalf of the C & AG of India

Principal Director of Audit (Central), Chandigarh

Place: Chandigarh
Date: 11.09.2024

Annexure to Separate Audit Report

1. **Adequacy of Internal Audit System**

   The Internal Audit Manual of the Institute has been prepared and was placed before 4th Governing Body for approval/ratification, but Governing Body advised to get it vetted from external agency. The internal audit wing of the institute has conducted the audit for the period up to 2023-24.

2. **Adequacy on Internal Control System**

   The Internal Control System of the Institute is deficient to the following extent:

   i. The Institute has not prepared its Accounting Manual.

   ii. As per Sl. No. 8(1) of the All India Institute of Medical Sciences Regulations 2019, the Governing body (GB) of the Institute should ordinarily meet at least thrice in a year. However, the Institute has conducted only one meeting of the Governing Body during 2023-24 in contravention of the prescribed regulations.

3. **System of Physical verification of Fixed Assets & Library Books**

   i. Physical verification of Fixed Assets for the year 2023-24 was conducted.

   ii. Physical verification of Library books for the year 2023-24 was conducted.

4. **System of Physical verification of Inventory**

   Physical verification of inventories for the year 2023-24 was conducted.

5. **Regularity in Payment of Statutory dues**

   The Institute was regular in depositing statutory dues.

Dy. Director (CE)

के.एस. रामुवालिया, आई.ए.ए.एस.
K.S. RAMUWALIA, IAAS

सत्यमेव जयते

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़
PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT
(CENTRAL), CHANDIGARH

No. PDA(C)/के.ल.प./SAR/2024-25/AIIMS Bilaspur/436
Date 11.04.2024

Dear Dr. Negi,

The audit of annual accounts of your Institute for the year ended 31 March 2024 was conducted and audit comments in respect of the same have been reported through a Separate Audit Report. In this regard, it is to bring to your kind attention that corrective action, to certain persistent irregularities which are repeatedly included in the Separate Audit Reports/ Management Letters (as briefed in the Part A of the annexure enclosed), has not been taken by the management of the Institute, which needs your immediate intervention. Besides, there are certain other deficiencies noticed which have not been included in the Separate Audit Report but are, nevertheless, significant (as detailed in the Part B of the annexure) are also being brought to your attention for remedial /corrective action.

You are requested to issue instructions for taking corrective measures in this regard.

With regards.

Yours sincerely,

Dr. Vir Singh Negi
Director
All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur
Himachal Pradesh

प्रथम तल, लेखा भवन, सैक्टर 17–ई, चण्डीगढ़–160017
दूरभाष / Tel : 0172-2782020, 2782022 ई–मेल e-mail : singhKamaljit@cag.gov.in
1st Floor, Lekha Bhawan, Sector 17-E, Chandigarh-160017
Fax: 0172-2782021 & 2782974

Annexure to the management letter

PART A: Persistent Irregularities being included in the Separate Audit Reports

As compliance of these observations included in the previous year Separate Audit Reports/ Management Letter (s), was not made, following observations have been repeated in the current year Separate Audit Report for the year 2022-24 (kindly refer to Separate Audit Report): -

1. **Non-booking of interest income on mobilization advance amounting to Rs. 18.34 crore**

   Sl. No. A.1 of Separate Audit Report 2023-24
   Sl. No. A.1 of Separate Audit Report 2022-23
   Sl. No. A.4 of Separate Audit Report 2021-22

PART B: Other Irregularities noticed during the audit of accounts of the Institute for the year 2023-24 which have not been included in the Separate Audit Report

A. General

As per Accounting Standard 15 Provisions for retirement benefits of employees (Gratuity, Leave Encashment, Pension etc.) accrued for each accounting year should be made in the annual accounts for each accounting year on actuarial valuation basis. The institute has not disclosed the non-creation of provisions for retirement benefits and reasons thereof through a note in Notes to Accounts.

Similar observation was also made in Management letter to previous SAR in comment number B. However, no compliance has been made by the management.

Dy. Director (CE)

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान , बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश -174037
All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur
Himachal Pradesh-174037
https://aiimsbilaspur.edu.in
e-mail:- accounts@aiimsbilaspur.edu.in
01978-292575

सत्यमेव जयते

File No: AIIMS-BLS- (C)/15/24-4096 Bilaspur, the 19 Sep,2024

To

Shri P.C. Prashad,
Director,PMSSY-V,
Government of India,
Ministry of Health & Family Welfare,
New Delhi 110011.

Subject: - Utilization Certificate in respect of AIIMS-Bilaspur for the Financial Year 2023-24.

Sir,

The is with reference to Pr. Director of Audit (Central),Chandigarh letter No.पी.डी.ए.(सी)/के व्यय/SAR/2024-25/AIIMS Bilaspur/436 dated 11.09.2024 vide which SAR for FY 2023-24 in respect of AIIMS Bilaspur was submitted to your good office.

Please find enclosed herewith Statement of Utilization Certificate for the Financial Year 2023-24 in respect of AIIMS, Bilaspur for favour of information and further necessary action at your end please.

Yours faithfully,

Executive Director,
AIIMS, Bilaspur (H.P.)

Enclosure: As Above.
Copy to:-

1. PA to ED AIIMS Bilaspur HP for information please.
2. Financial Advisor, AIIMS Bilaspur.

[(See Rule 238 (1)]

FORM OF UTILIZATION CERTIFICATE

UTILIZATION CERTIFICATE FOR THE YEAR 2023-24 (as on 31-03-2024) in respect of recurring/non-recurring

GRANTS-IN-AID/SALARIES/CREATION OF CAPITAL ASSETS

(In Crores)

1. Name of the Scheme - Grants-in-Aid/ Salaries/ General/ Creation of capital assets
2. Whether recurring or non-recurring grants Non- Recurring
3. **Grants position at the beginning of the Financial year**

(i) Cash in Hand/Bank Rs. 12.90

(ii) Unadjusted advances Rs. 0.05

(iii) Total Rs. 12.95

4. Details of grants received, expenditure incurred and closing balances: (Actuals)

	Unspent Balances of Grants received years	Intt. earned thereon	Grant received during the year Exp. Up to 31-03-2024			Funds surrendered/ lapsed	Grants Lapsed	Total funds	Exp.	Closing balance (8-9-10)
1	2	3	5	6	7	8	9	10		11
			Sanction No.	Date	Amount					
GIA-General	5.50	0	G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	08-05-2023	5.50	11.67	0.016	41.81	41.81	0
			G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	11-07-2023	5.00					
			G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	15-11-22	10.00					
			G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	16-10-2023	12.50					
			G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	12-01-2024	15.00					
			Sub-Total:-		48.00	11.67	0.016	41.81	41.81	0
CCA	7.11		G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	08-05-2023	600	12.03	0.003	17.08	17.08	0
			G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	11-07-2023	6.00					
			G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	29-02-2024	10.00					
			Sub-Total: -		22.00	12.03	0.003	17.08	17.08	0
Salary	0.29		G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	08-05-2023	18.00	0	0.007	115.28	115.28	0
			G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	11-07-2023	18.00					

			G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	15-09-23	13.00					
			G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	16-10-2023	30.00					
			G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	12-01-2024	31.00					
			G-22011/01/2023-PMSSY-V [8215203]	13-03-2024	5.00					
			Sub- Total:-		115.00	0	0.007	115.28	115.28	0
Total: -	12.90	0			185.00	23.70	0.03	174.17	174.17	0

Note:- Out of unspent balance of Rs. 12.90 crore at the close of financial year 2022-23, an amount of Rs. 10.71 crore has been returned back to Ministry during the month of April, 2023 and an amount of Rs. 2.19 crore has been incurred out of closing balance.

1. Component wise utilization of grants:

Grant-in-aid– General	Grant-in-aid–Salary	Grant-in-aid–creation of capital assets	Total
41.81	115.28	17.08	174.17

Details of grants position at the end of the year:

(i) Cash in Hand/Bank — Rs. 0

(ii) Unadjusted Advances — Rs. 0.23

(iii) Total — Rs. 0.23

Certified that I have satisfied myself that the conditions on which grants were sanctioned have been duly fulfilled/are being fulfilled and that I have exercised following checks to see that the money has been actually utilized for the purpose for which it was sanctioned:

(i) The main accounts and other subsidiary accounts and registers (including assets registers) are maintained as prescribed in the relevant Act/Rules/Standing instructions (mention the Act/Rules) and have been duly audited by designated auditors. The figures depicted above tally with the audited figures mentioned in financial statements/accounts.

(ii) There exist internal controls for safeguarding public funds/assets, watching outcomes and achievements of physical targets against the financial inputs, ensuring quality in asset creation etc. & the period i/e evaluation of internal controls is exercised to ensure their effectiveness.

(iii) To the best of our knowledge and belief, no transactions have been entered that are in violation of relevant Act/Rules/standing instructions and scheme guidelines.

(iv) The responsibilities among the key functionaries for execution of the scheme have been assigned in clear terms and are not general in nature.

(v) The benefits were extended to the intended beneficiaries and only such areas/districts were covered where the scheme was intended to operate.

(vi) The expenditure on various components of the scheme was in the proportions authorized as per the scheme guidelines and terms and conditions of the grants-in-aid.

(vii) It has been ensured that the physical and financial performance under................ (name of the scheme has been according to the requirements, as prescribed in the guidelines issued by Govt. of India and the performance/targets achieved statement for the year to which the utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure – I duly enclosed.

(viii) The utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure – II duly enclosed (to be formulated by the Ministry/Department concerned as per their requirements/specifications.)

(ix) Details of various schemes executed by the agency through grants-in-aid received from the same Ministry or from other Ministries is enclosed at Annexure –II (to be formulated by the Ministry/ Department concerned as per their requirements/specifications).

Date: 14-09-2024

Place: Vijaypur (J&K)

Signature
Name......Jatinder Goswami......
(Head of the Finance)
AIIMS-Bilaspur H.P.

Signature
Name......V S NEGI......
Head of the Organisation
Executive Director
AIIMS Bilaspur-H.P.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर

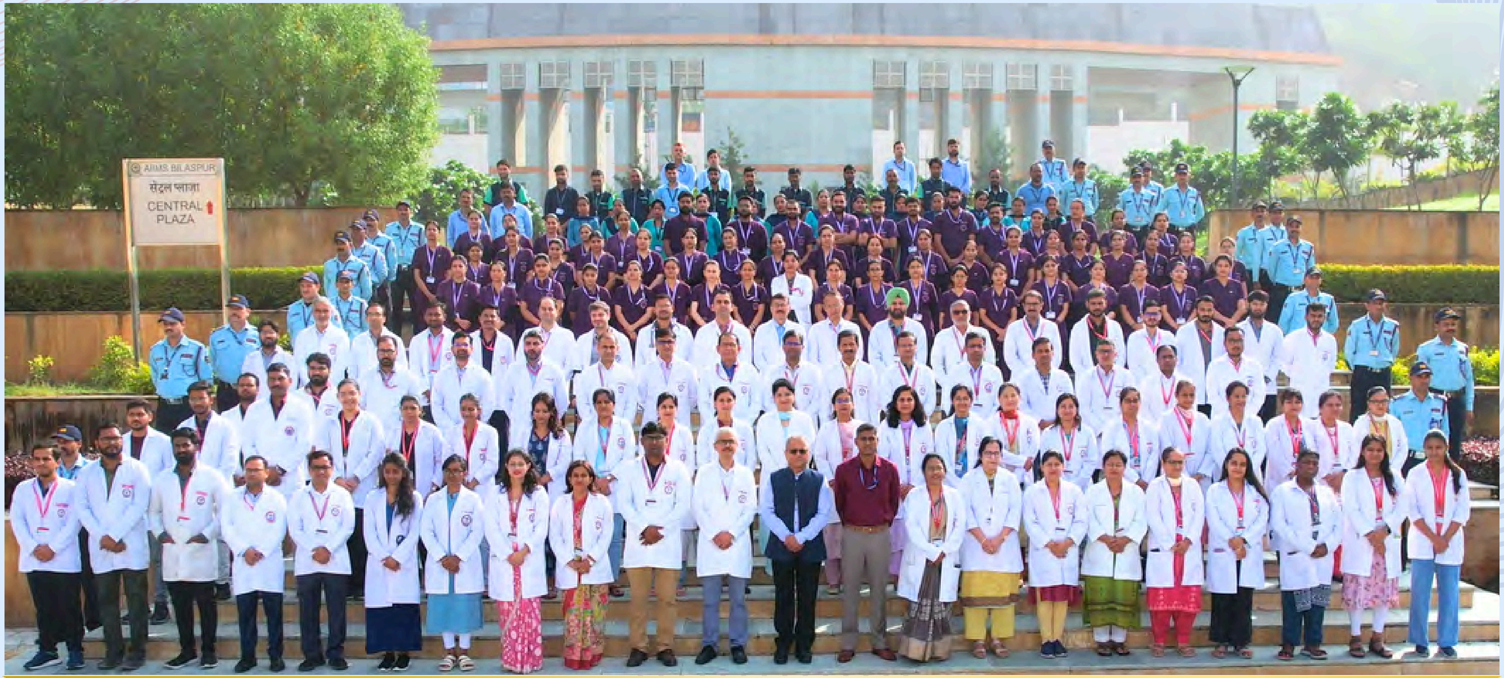

राष्ट्र की सेवा में

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR, HIMACHAL PRADESH

Village- Changar Palasiyan, Bilaspur, Himachal Pradesh- 174037

Designed by - Ankitesh Chandel